THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया ने आबकारी नीति मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी है। बता दें कि इस मामले में सिसोदिया ने दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई द्वारा दर्ज मामलों में सिसोदिया की जमानत याचिका को खारिज किया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई के आरोप पत्र दाखिल करने के बाद सिसोदिया फिर से जमानत के लिए याचिका दायर कर सकते हैं।

वर्ष-29 अंक : 73 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **ज्येष्ठ कृ.14 2081 बुधवार, 5 जून-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

आंध्र में चंद्रबाबू नायुडू की वापसी

> पीएम मोदी से की बात > 9 जून को ले सकते हैं सीएम पद की शपथ

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनावों के नतीजे आज घोषित किए गये हैं। चुनाव की मतगणना के रुझानों से पता चलता है कि एन चंद्रबाबू नायुडू की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) की वापसी तय है। पार्टी ने घोषणा की है कि नायुडू 9 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। पार्टी मुख्यालय में जश्न शुरू हो गया है। सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस केवल 24 सीटों पर बढ़त के साथ बहुत पीछे है।

लोकसभा चुनाव परिणाम 2024

टीडीपी सूत्रों ने पुष्टि की है कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह दोनों ने एन चंद्रबाबू नायुडू को सरकार बनाने के लिए बुलाया है। राज्य में 13 मई को लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव भी हुए। एक और कार्यकाल की तलाश में वाईएसआरसीपी ने अकेले सभी 175 सीटों पर चुनाव लड़ा, जबकि टीडीपी ने 144 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे। पवन कल्याण की अगुआई वाली जन सेना पार्टी (जेएसपी) ने 21 सीटों पर और भाजपा ने 10 सीटों पर चुनाव लड़ा। प्रमुख दावेदारों में मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी (वाईएसआरसीपी), टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायुडू, जेएसपी के पवन कल्याण शामिल हैं। आंध्र प्रदेश में कुल 25 लोकसभा सीटे हैं, 2019 में वाईएसआर कांग्रेस ने राज्य की 25 लोकसभा सीटों में से 22 पर जीत हासिल की थी। वहीं टीडीपी सिर्फ 3 सीटों पर सिमट गई थी, जबकि बीजेपी और कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टियां यहां एक भी सीट नहीं जीत पाई थी।

बता दें, चंद्रबाबू नायुडू भाजपा के साथ 2014 और 2019 में भी थे, लेकिन बाद में कांग्रेस के साथ चले गए थे। फिर इसी साल एनडीए में वो वापस लौट आए।

* चंद्रबाबू ने सीएम बनने के बाद ही विधानसभा आने की खाई थी कसम, पांच साल बाद फिर सत्ता में

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। साल 2021। आंध्र प्रदेश का विधानसभा भवन। चंद्रबाबू नायुडू तमतमाकर खड़े हुए और विधानसभा से बाहर चले गए। साथ में उन्होंने प्रण लिया कि अब वे मुख्यमंत्री बनने के बाद ही वापस विधानसभा में कदम रखेंगे।

इस गुस्से का कारण था कि उनके परिवार के कुछ सदस्यों के खिलाफ की गई टिप्पणियां। 2021 से दो साल पहले 2019 में हुए विधानसभा चुनावों में नायुडू ने जगन मोहन रेड्डी के हाथों अपमानजनक हार झेली थी। आप फास्ट फोरवर्ड करते हैं, चार जून 2024, आंध्रप्रदेश के विधानसभा चुनाव में नायुडू 133 सीटों के साथ उभरकर सामने आए। वहीं, उनके गठबंधन में शामिल जनसेना ने 21 सीटें हासिल की तो भाजपा ने आठ सीटों पर जीत दर्ज की। आंध्र प्रदेश के लोकसभा चुनावों में भी टीडीपी ने सबसे अधिक सीटें जीत लीं।

टीडीपी को 23 से 133 सीटों तक पहुंचाने में चंद्रबाबू नायुडू का अहम रोल रहा है। ऐसे में यह जानना महत्वपूर्ण है कि नायुडू कौन हैं? उनका जन्म कब-कहां हुआ? उन्होंने कहां से शिक्षा हासिल की? उन्होंने कब राजनीति में कदम रखा? उन्होंने कैसे मजबूत जनाधार हासिल किया? नायुडू का जन्म 20 अप्रैल 1950 को अविभाजित आंध्रप्रदेश में हुआ। चित्तूर जिले के नरवरिपल्ली में जन्में नायुडू ने अपनी राजनीति की शुरूआत तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय में छात्र राजनीति से की। छात्र राजनीति से निकलकर नायुडू कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए।

एनडीए बहुमत के पार, फिर भी खिचडी सरकार

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा की काउंटिंग जारी है। रुझानों में भाजपा बहुमत से दूर है। उसे 32 से ज्यादा सीटों का नुकसान दिख रहा है। 2019 में पार्टी को 303 सीटें मिली थीं। हालांकि, एनडीए की सरकार बनती दिख रही है। लेकिन उसे खिचडी सरकार ही कहा जाएगा। वजह साफ है कि भाजपा अपने बूते पर इस बार पूर्ण बहुमत से दूर है। रुझानों में जहां एनडीए 294 है तो इंडिया गठबंधन 232 सीटों पर आगे है।

रुझानों में उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में एनडीए को नुकसान हुआ है।

इलेक्शन कमीशन की वेबसाइट के अनुसार, शाम 7 बजे तक भाजपा को 239, कांग्रेस को 99, सपा को 38, टीएमसी को 29, डीएमके को 21, टीडीपी को 16, जेडीयू को 15, शिवसेना यूटीबी को 9, एनसीपी शरद पवार को 7, राजद को 4 और लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास को 5, शिवसेना शिंदे को 7 सीटें मिलती दिख रही हैं। भाजपा के अनुराग ठाकुर हमीरपुर और जयपुर से मंजू शर्मा चुनाव जीत गई हैं। जालंधर से पूर्व सीएम चन्नी जीत गए हैं तो उद्धव गुट ने भी खाता खोल दिया है।

मोदी कैबिनेट की बैठक आज, राष्ट्रपति को इस्तीफा सौपेंगे :

बुधवार सुबह 11.30 बजे मोदी कैबिनेट की बैठक बुलाई गई है। बताया गया है कि मोदी इस बैठक के बाद राष्ट्रपति भवन जाएंगे। इस्तीफा देकर नई सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। पीएम मोदी ने मंगलवार शाम एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- जनता ने लगातार तीसरी बार एनडीए पर भरोसा जताया है। यह भारत के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। >14

वाराणसी में लगातार तीसरी बार खिला कमल

मोदी फिर बने सांसद, गूंजा हर-हर मोदी

वाराणसी, 4 जून (एजेंसियां)। पूर्वांचल की सबसे हॉट सीट वाराणसी में नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार अपनी ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। इंडी गठबंधन प्रत्याशी अजय राय को उन्होंने तीसर मर्तबा मात दी है। नरेंद्र मोदी को.... और इंडी प्रत्याशी अजय राय को... मत मिले। वहीं बसपा प्रत्याशी अतहर जमाल लारी सियासी जंग से बाहर दिखे।

वाराणसी में कुल सात प्रत्याशी चुनाव मैदान में रहे। भाजपा के नरेंद्र मोदी और इंडी गठबंधन के अजय राय के बीच मुकाबला काफी टक्कर वाला था। दूसरी तरफ, मोदी की जीत के बाद काशी में जश्न का माहौल छा गया। बीती रात से भाजपाजनों ने बड़े स्तर पर लड्डू के ऑर्डर दे दिए थे।

'भाजपा के खिलाफ जनादेश'

* टीएमसी ने कहा-ममता सरकार की नीतियों पर जनता को भरोसा, * सड़कों पर कार्यकर्ताओं का जश्न

कोलकाता, 4 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजे आ रहे हैं। भाजपा समर्थित एनडीए ने रुझानों में बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। हालांकि, विपक्षी गठबंधन ने इस बार एनडीए को कड़ी टक्कर दी है। इस बीच, पश्चिम बंगाल के सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस ने 42 में से 30 सीटों पर बढ़त बना रखी है। रुझानों के बीच टीएमसी ने कहा कि यह नतीजे ममता सरकार की जन-समर्थक नीतियों में लोगों के विश्वास और भाजपा के खिलाफ निराशा के माहौल को दर्शाता है।

एग्जिट पोल भाजपा समर्थक मीडिया का दिखावा :

चुनाव आयोग की वेबसाइट के अनुसार, दोपहर 12:30 बजे तक कई दौर की मतगणना के बाद टीएमसी 31 सीटों पर आगे थी। वहीं, भाजपा 10 और कांग्रेस एक

सीट पर आगे थी। टीएमसी प्रवक्ता शांतनु सेन ने कहा कि राज्य की जनता ने जनादेश से बंगाल विरोधी ताकतों को हरा दिया है। नतीजों से साफ होता है कि एग्जिट पोल भाजपा समर्थक मीडिया का दिखावा था। बता दें, 2019 लोकसभा चुनावों में टीएमसी ने 22 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा ने 18 और कांग्रेस ने दो सीटें जीती थीं। रुझानों के चलते टीएमसी कार्यकर्ताओं में उत्साह है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बंगाल में टीएमसी कार्यकर्ता जय बांग्ला, टीएमसी जिंदाबाद और भाजपा हाय-हाय के नारे लगा रहे हैं। टीएमसी समर्थक जादवपुर, कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर, डायमंड हार्बर, बैरकपुर, आसनसोल, दुर्गापुर-बर्धमान सहित अन्य शहरों में सड़कों पर जश्न मना रहे हैं।

देश चलाने के लिए मोदी-शाह की जरूरत नहीं, संदेश एकदम साफ : राहुल

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बीच कांग्रेस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि यह जनता की जीत है, मोदी के खिलाफ जनादेश आया है। कांग्रेस ने इस बात पर भी जोर दिया कि चुनाव के दौरान उन्हें रोकने के लिए सत्ताधारी दल ने हर संभव कोशिश की, लेकिन फिर भी जनता ने उन पर भरोसा जताया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पूरे चुनाव के दौरान जिस प्रकार का कैंपेन पीएम मोदी ने चलाया, उसे लंबे समय तक याद रख जाएगा। दूसरी तरह हमने सकारात्मक प्रचार किया, इसी वजह से लोगों ने हमारा साथ दिया। मैं इंडिया गठबंधन के सभी साथियों का शुक्रिया अदा करता हूं, सभी एकजुट रहे और उसी वजह से इस प्रकार का जनादेश मिला।

खड़गे ने आगे कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र के बारे में मोदी जी ने जो झूठ फैलाया जनता ने उसे

समझ लिया। राहुल गांधी की दोनों यात्राएं भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान करोड़ों लोगों से मिलना, उनकी समस्याओं को सुनना और उन समस्याओं का हल ढूंढना ही हमारी कैंपेन का आधार बना। कांग्रेस अध्यक्ष के बाद राहुल गांधी ने भी बीजेपी पर निशाना साधा और इन नतीजों को संविधान बचाने की जीत बताया।

राहुल का बीजेपी पर निशाना :

राहुल गांधी ने कहा कि यह चुनाव इंडिया गठबंधन और कांग्रेस पार्टी सिर्फ एक राजनैतिक दल के खिलाफ नहीं लड़ी, यह चुनाव हम भाजपा, हिंदुस्तान की संस्था, सीबीआई-ईडी, इन सबके खिलाफ लड़े, क्योंकि इन संस्थाओं को नरेंद्र मोदी जी और अमित शाह जी ने डराया-धमकाया, लड़ाई संविधान को बचाने की थी। वैसे इस समय सवाल यह है कि क्या इंडिया गठबंधन सरकार बनाने की भी कोशिश करेगा या फिर वो विपक्ष में ही बैठने वाला है।

आगे की रणनीति क्या है?

इस सवाल पर राहुल गांधी ने दो टूक कहा कि वे इस तरह से कोई बयान नहीं दे सकते हैं। कल इंडिया की अहम मीटिंग है, उसमें हर बिंदु पर विचार किया जाएगा। उन्होंने यहां तक कहा कि वे इंडिया के सभी साथियों का पूरा सम्मान करते हैं और उनकी इच्छाओं को ध्यान में रखकर ही कोई फैसला लिया जाएगा।

राहुल गांधी की रिकॉर्ड जीत

तीन लाख 90 हजार वोटों से भाजपा प्रत्याशी को हराया

रायबरेली, 4 जून (एजेंसियां)। रायबरेली की सीट एक बार फिर से कांग्रेसियों के लिए खुशी लेकर आई। कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी यहां बड़े अंतर से चुनाव जीतने में सफल रहे। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह को करीब तीन लाख 90 हजार वोटों से हराया। रायबरेली लोकसभा सीट पर गठबंधन प्रत्याशी राहुल गांधी की जीत ने कांग्रेसियों को काफी लंबे असरे बाद झूमने का मौका दिया। इस बार की जीत बहुत खास रही है।

गांधी परिवार की तीसरी पीढ़ी के तौर पर राहुल गांधी चुनाव मैदान में उतरे थे और पूरे देश की निगाह रायबरेली परिणाम पर लगी थी। वहीं कांग्रेस का दुर्ग जीतने की मंशा सफल न होने से भाजपाइयों में बहुत मायूसी रही। कोई भी पदाधिकारी कुछ भी बोलने से बचता रहा। रायबरेली में कांग्रेसियों को 2019 लोकसभा चुनाव बाद खुश होते देखा गया। इससे पहले विधानसभा चुनाव 2022 में हार के साथ कांग्रेस की गिरते ग्राफ से कांग्रेसियों के चेहरे पर चहक गायब हो गई थी। >14

लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर अमित शाह, नड्डा और राजनाथ सिंह ने की बैठक

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर तस्वीर लगभग साफ होती जा रही है। चुनाव आयोग की तरफ से अभी अंतिम और औपचारिक रिजल्ट का इंतजार किया जा रहा है। इस बीच भाजपा के आला नेताओं ने एक उच्चस्तरीय बैठक कर चुनाव नतीजों की समीक्षा और भविष्य की रणनीति को लेकर भी चर्चा की है। चुनाव नतीजों को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक हुई। नड्डा के आवास पर हुई इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए।

बताया जा रहा है कि इन तीनों नेताओं ने लोकसभा चुनाव के नतीजों पर विस्तृत चर्चा की। जेपी नड्डा, अमित शाह और राजनाथ सिंह ने इस उच्चस्तरीय बैठक में भविष्य की रणनीति, सरकार गठन और सहयोगी दलों को साथ बनाए रखने पर भी चर्चा की है।

राजनाथ सिंह के नड्डा के आवास से रवाना हो जाने के बाद अमित शाह और जेपी नड्डा के बीच अलग से भी थोड़ी देर बातचीत हुई। इस बीच भाजपा मुख्यालय में भी जश्न का दौर शुरू हो गया है। जैसे-जैसे मतगणना अपने अंतिम दौर में पहुंचती जा रही है, वैसे-वैसे भाजपा कार्यकर्ताओं का पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय में पहुंचना भी शुरू हो गया है। पार्टी मुख्यालय पहुंचे कार्यकर्ता हनुमान चालीसा का जाप करते नजर आए। हनुमान चालीसा के जाप के साथ ही पार्टी कार्यकर्ता लगातार पूरे जोश के साथ जय श्रीराम के नारे लगाते भी दिखाई दिए।

चंद्रबाबू नायुडू से अभी बात नहीं : शरद पवार

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के नवीनतन रुझानों में भाजपा नीत एनडीए आगे चल रही है। रुझान जारी होने के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-एसपी (राकांपा-एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने बताया कि इंडी गठबंधन कल यानी की बुधवार को दिल्ली में एक बैठक करेगी।

उन्होंने भाजपा पर तंज भी कसा। राकांपा-एसपी प्रमुख ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की जीत का अंतर बहुत कम है। बता दें कि उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में भाजपा 36 पर, तो समाजवादी पार्टी (सपा) 33 सीटों पर आगे है।

शरद पवार ने कहा कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि इंडी गटबंधन सरकार बना पाएगा या नहीं। उन्होंने यह भी बताया कि आज चंद्रबाबू नायुडू या नीतीश कुमार से कोई बात नहीं हुई है।

पीएम मोदी नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दें : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के नवीनतम रुझानों में भाजपा के बहुमत के आंकड़े से नीचे आने के बाद कांग्रेस ने कटाक्ष किया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि यह स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए चौंकाने वाली राजनीतिक रूप से एक नौतिक हार है। उन्होंने पीएम मोदी से इस्तीफा देने के लिए भी कहा। बता दें कि लोकसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती जारी है। भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, लेकिन बहुमत के आंकड़े से दूर है।

जयराम रमेश का भाजपा पर कटाक्ष :

शनिवार को जारी एग्जिट पोल ने भविष्यवाणी की थी कि पीएम मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले हैं। इसी के साथ भाजपा नीत एनडीए भारी बहुमत से सरकार बनाएगी। चुनाव के नवीनतम रुझानों को देखते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिक्रिया दी। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, एग्जिट पोल क्या थे, इसका पर्दाफाश हो चुका है। 543 सीटों के रुझान उपलब्ध हैं। निम्नलिखित चीजें स्पष्ट हो चुकी है- यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए चौंकाने वाली राजनीतिक रूप से एक नौतिक हार है। यह भी स्पष्ट हो गया कि उन्होंने जो एग्जिट पोल जारी किए थे, वे पूरी तरह से बेनकाब हो गए हैं।

कांग्रेस नेता पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, अपने आप को अभूतपूर्व होने का दिखावा करते थे। अब साबित हो गया है कि निवर्तमान प्रधानमंत्री भूतपूर्व होने वाले हैं। नैतिक जिम्मेदारी लें और इस्तीफा दें। यही इस चुनाव का संदेश है। मंगलवार को वोटो की गिनती की शुरूआती रुझानों में भाजपा नीत एनडीए के लिए निराशाजनक नतीजे सामने आए। भाजपा अपने ही गढ़ उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में हारती दिख रही है। हालांकि, 290 सीटों के साथ भाजपा के सरकार बनाने की उम्मीद है। केरल, ओडिशा और तेलंगाना में भारी जीत के वाबजूद पार्टी बहुमत के आंकड़ों से नीचे गिरती दिख रही है।

नीतीश कुमार करेंगे एनडीए के साथ खेला!

* इंडिया गठबंधन द्वारा डिप्टी पीएम पद ऑफर देने की खबरें

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर सुबह से जारी काउंटिंग के रुझानों में बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। पार्टी पिछले दस सालों में पहली बार बहुमत से आंकड़े से नीचे आई है, जिसके चलते सरकार बनाने के लिए एनडीए के घटक दलों यानी जेडीयू और टीडीपी पर निर्भर हो गई है। इसके चलते बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों के लिए अहम किरदार बन गए हैं। इस बीच मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आया है कि इंडिया गठबंधन की तरफ से नीतीश कुमार को डिप्टी पीएम का पद ऑफर किया गया है।

लोकसभा चुनाव परिणाम 2024 :

दरअसल, वोटों की काउंटिंग के बीच ही सपा के एक नेता ने कहा है कि नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन में वापसी करेंगे। सपा नेता के ट्वीट ने ऐसे वक्त में चर्चा बटोरी है, जबकि एनडीए 300 सीटों के आंकड़े को पार करने के लिए संघर्ष कर रही है। समाजवादी पार्टी के आई.पी. सिंह ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि नीतीश हमारे थे, हमारे हैं और हमारे ही रहेंगे. जय सीता राम।

शरद पवार ने दिया स्पष्टीकरण :

इस बात की खबर भी है कि शरद पवार ने नीतीश कुमार को फोन करके बात की है। दूसरी ओर सपा नेता के इन दावों को एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने सिरे से खारिज कर दिया है। शरद पवार का कहना है कि उनकी नीतीश कुमार से कोई बातचीत हुई है। दूसरी ओर बीजेपी इस बार अकेले बहुमत नहीं मिला है, तो पार्टी ने सरकार बनाने की कवायद शुरू कर दी

है। लोकसभा चुनाव नतीजों के बीच शरद पवार ने कहा कि मुझे कभी उम्मीद नहीं थी कि ऐसा परिणाम आएगा। मैंने सिर्फ कांग्रेस के लोगों से बात की है अब तक और किसी से नहीं बात नहीं है। शरद पवार ने कहा कि आज का परिणाम आने वाले विधानसभा चुनाव में हमारे लिए प्रेरणादाई होगा। राम मंदिर को लेकर जो माहौल बनाया गया, उसका जवाब जनता ने दे दिया है।

अच्छा रहा एनसीपी शरद पवार गुट का स्ट्राइक रेट

शरद पवार ने कहा है कि इस चुनाव में अनेक चीजें बहुत अच्छी घटी हैं, हम सब ने मिलकर जिन जगहों पर लड़े। हम सात जगहों पर आगे हैं। दस में सात का मतलब है कि हमारी स्ट्राइक रेट बहुत अच्छी है। हम तीन पार्टियां एकत्र हैं। हम एकजुट होकर महाराष्ट्र की सेवा के लिए आगे रहेंगे।

मंडी सीट पर कंगना रनौत की बड़ी जीत

विक्रमादित्य सिंह को भारी मतों से दी मात

मंडी, 4 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से बड़ी खबर सामने आ रही है। मंडी से बीजेपी की तरफ से मैदान में उतरीं कंगना रनौत ने भारी मतों के साथ जीत दर्ज की है। सामने आ रहे आंकड़ों के मुताबिक, कंगना रनौत ने कांग्रेस के विक्रमादित्य सिंह को 70 हजार से अधिक वोटों से मात दी है।

लोकसभा चुनाव परिणाम 2024

गौरतलब है कि मंडी शुरुआत से ही हाई प्रोफाइल सीट बनी हुई थी। इस सीट पर बीजेपी और कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। हालांकि, अब नतीजें साफ हो चुके हैं।

बता दें कि 1951 से अभी तक मंडी सीट पर 17 बार लोकसभा चुनाव हुए हैं, जिसमें 11 बार कांग्रेस ने जीत दर्ज की है, वहीं पांच बार बीजेपी ने इस सीट पर अपना नाम दर्ज करया था। अब, एक बार फिर मंडी सीट पर कमल खिला है।

मंडी सीट को लेकर कहा जाता है कि जो भी यहां पर जीतता है, केंद्र में भी उसकी सरकार बनती है। पिछले कई बार से यही ट्रेंड देखने को मिल रहा है। ऐसे में हिमाचल की सीट को लेकर लोगों की दिलचस्प हमेशा से ज्यादा रही है। वैसे मंडी को हिमाचल प्रदेश की सबसे बड़ी लोकसभा सीट के रूप में भी जाना जाता है। कुल्लू, लाहौल स्पीति, किन्नौर और चंबा जिले तक इसमें शामिल हैं। मंडी सीट की जातीय समीकरण की बात करें तो यहां पर पिछले कई सालों से राजपूत का वर्चस्व देखने को मिल रहा है। कंगना रनौत खुद एक राजपूत परिवार से आती हैं, ऐसे में बीजेपी को पूरी उम्मीद है कि लोकप्रिय चेहरे के साथ-साथ उनकी जाति की वजह से भी उन्हें बड़े स्तर पर समर्थन हासिल होगा। अब इस बार के मुकाबले में मंडी पर कमल खिलता है या पंजा मजबूत होता है, ये देखने वाली बात रहेगी।

स्थिर सरकार के साथ दमदार और ईमानदार नेतृत्व की जरूरत : अनुराग ठाकुर

हमीरपुर, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए काउंटिंग जारी है। शुरुआती रुझान में एनडीए ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। वहीं कांग्रेस के नेता बड़ी जीत का दावा कर रहे हैं। इसी बीच हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने जीत का बड़ा दावा किया है। उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा ने हिमाचल प्रदेश में शुरुआती रुझानों में काफी बढ़त बना ली है। राज्य की चारों लोकसभा सीटें भाजपा के पक्ष में जाती दिख रही है। हर बार के चुनाव में हिमाचल प्रदेश ने 100 प्रतिशत रिजल्ट दिया है। इस बार भी ऐसे ही परिणाम देखने को मिलेंगे। उन्होंने आगे कहा कि शाम तक चुनावी तस्वीर साफ हो जाएगी और पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में एनडीए की तीसरी बार सरकार बनेगी। देश को स्थिर सरकार के साथ दमदार और ईमानदार नेता चाहिए। आज दुनिया की उम्मीदें भारत से है। उन पर खरा उतरने के लिए निरंतरता और स्थिरता आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि देश में विकास की गति को आगे बढ़ाने के लिए एनडीए की सरकार बननी जरूरी है और जनता ने पीएम मोदी को जनादेश दिया है। मैं मानता हूं कि तीसरी बार सरकार बनाना चुनौतीपूर्ण रहता है, लेकिन शाम तक रिजल्ट की तस्वीर साफ होने के बाद देश में एनडीए की सरकार बनेगी।

सियासी पिच पर राहुल का कद बढ़ा

अखिलेश-उद्धव और चंद्रबाबू भी चमके

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने लगे हैं। अब तक रुझानों में भाजपा को 234, कांग्रेस को 98, समाजवादी पार्टी को 36, तृणमूल कांग्रेस को 32, डीएमके को 21, टीडीपी को 16, जदयू को 14, शिवसेना (यूबीटी) को 11, राष्ट्रवादी कांग्रेसवादी पार्टी (शरदचंद्र पवार) को 8, राजद को पांच, लोजपा (रामविलास) को पांच, शिवसेना को पांच और वाईएसआर कांग्रेस को चार सीटें मिलती दिख रही हैं। अन्य दल भी अपने-अपने क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। गठबंधन की बात करें तो भाजपा नीत एनडीए को 291 और इंडिया को 231 सीटें मिलती दिखाई दे रही हैं। 2022 में शिवसेना में बगावत के साथ उद्धव ठाकरे की सरकार तो गिरी ही पार्टी भी हाथ से चली गई।

नए नाम और निशान के साथ लड़ रहे उद्धव ठाकरे की पार्टी 10 सीटों पर बढ़त बनाए हुए। जबकि, उद्धव से बगावत करने वाले एकनाथ शिंदे का धड़ा छह सीटों पर आगे है। अगर ये रुझान नतीजों में बदलते हैं तो उद्धव ठाकरे यह कहने की स्थिति में होंगे कि उनकी शिवसेना ही असली शिवसेना है। चाचा शरद पवार से बगावत कर एनडीए में शामिल हुए अजित पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी पर कब्जा जमाया। पार्टी का चुनाव चिह्न भी उन्हें मिला। हालांकि, नतीजों में महाराष्ट्र की जनता ने शरद पवार की पार्टी को असली एनसीपी माना। रुझानों में अजित पवार की पार्टी महज एक सीट पर आगे है। अजित की पत्नी सुनेत्रा अपनी ननद सुप्रिया सुले से पीछे चल रही हैं।

नीतीश कुमार एनडीए में हैं और एनडीए में ही रहेंगे : केसी त्यागी

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की मतगणना के बीच जेडीयू नेता केसी त्यागी ने उन संभावनाओं को सिरे से खारिज कर दिया है जिनमें कहा जा रहा था था कि वो चुनावी नतीजों के बाद जेडीयू इंडिया ब्लॉक के साथ जा सकती है. आजतक से बात करते हुए केसी त्यागी ने कहा कि नीतीश कुमार एनडीए में हैं और एनडीए में ही रहेंगे। केसी त्यागी ने कहा, 'उनकी (नीतीश कुमार) स्वास्थ्य को लेकर भी अतीत में कुछ टिप्पणियां की गई थी जो गलत थी. कल ही वो पीएम से मिलकर गए थे. उन्होंने चुनाव के दौरान ही साफ कर दिया था कि हम अब कहीं नहीं जाने वाले हैं.

हम किसी भी ऐसी संभावनाओं को खारिज करते हैं कि एनडीए का साथ छोड़ देंगे।' केसी त्यागी ने कहा कि नीतीश कुमार ही वो शख्स थे जो एनडीए के संस्थापक सदस्यों में शामिल थे. हमारा प्रदर्शन बहुत संतोषजनक रहा है और एनडीए से बाहर जाने का सवाल ही पैदा नहीं होता है। आपको बता दें कि बिहार में 40 सीटों में से एनडीए 34 सीटों पर आगे चल रही है. जिसमें से जनता दल यूनाइटेड 15 सीटों पर और बीजेपी 13 सीटों पर आगे है. इसके अलावा चिराग पासवान की लोकजनशक्ति पार्टी 5 सीटों पर आगे चल रही है और एक सीट पर जीतनराम मांझी आगे हैं।

'देश की इच्छा है कि जिस तरह से राहुल ने संघर्ष किया है, वह देश का नेतृत्व करें'

मुंबई, 4 जून (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के बड़े नेता संजय राउत ने राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने को लेकर बड़ा बयान दिया है। संजय राउत ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि अगर कांग्रेस देश की सबसे बड़ी पार्टी बनती है तो प्रधानमंत्री भी कांग्रेस का ही होगा। आपको बता दें कि आज (4 जून 2024) लोकसभा चुनाव 2024 के लिए वोटों की गिनती जारी है। और कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडीया गठबंधन ने बीजेपी के एनडीए गठबंधन को कड़ी टक्कर दी है। अभी तक के रुझानों में एग्जिट पोल के उलट एनडीए गठबंधन 300 सीटों के अंदर सिमटती नजर आ रही है। अगर कांग्रेस 150 तक जाती है तो देश का पूरा नक्शा ही बदल जाएगा। अगर कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनती है, तो प्रधानमंत्री उनका होगा। ये देश की इच्छा है, कि जिस तरह से राहुल गांधी जी ने संघर्ष किया है, उन्हें देश का नेतृत्व करना चाहिए। शिवसेना सांसद संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि 'इंडिया' गठबंधन मतगणना में 'एग्जिट पोल' के पूर्वानुमानों से आगे निकल गया है। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी गठजोड़ 295 लोकसभा सीट पर जीत हासिल करेगा। राउत ने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में मुश्किल से 50 के आसपास सीट जीतने वाली कांग्रेस अब 150 सीट पर जीत की ओर बढ़ रही है। राउत ने दावा किया, 'तस्वीर इस तरह की बन रही है कि महा विकास आघाडी (एमवीए) महाराष्ट्र में आगे रहेगा और 'इंडिया' गठबंधन देश में 295 सीट जीतेगा।'

मुस्लिम पोलिंग बूथों पर सबसे ज्यादा डाला गया नोटा : भाजपा नेता

इंदौर, 4 जून (एजेंसियां)। इंदौर में भारतीय जनता पार्टी नेता गौरव रणदिवे का कहना है कि भारत में सबसे बड़ी जीत इंदौर लोकसभा सीट पर भाजपा की होने जा रही है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और भाजपा सरकार के किए हुए काम के प्रति जनता का जो विश्वास है, उसका परिणाम आज इंदौर लोकसभा सीट पर देखने को मिल रहा है। यहां की जनता ने पीएम मोदी और भाजपा को अपना आशीर्वाद दिया है। इंदौर में भाजपा की बड़ी जीत हो रही है।

इसके अलावा उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा। गौरव रणदिवे ने कहा कि कांग्रेस ने नोटा-नोटा करके भ्रम फैलाया और दुष्प्रचार करने का प्रयास किया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष खुद के पोलिंग बूथ पर कांग्रेस को नहीं जीता पाए। कांग्रेस ने जिस तरह से नोटा को लेकर भ्रम फैलाया या जिस तरह से वह हमेशा वोट बैंक की राजनीति करती रही, उससे कुछ हद तक वोट प्रभावित हुआ है। पूरे नतीजे आने पर आप देखेंगे कि इंदौर में जितने मुस्लिम पोलिंग बूथ हैं, उन पर नोटा ही डाला गया। कांग्रेस ने 70 सालों से तुष्टिकरण और जातिवाद की राजनीति की है। उनकी इस राजनीति को इंदौर की जागरूक जनता ने मुंहतोड़ जवाब दिया है।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में सबसे ज्यादा मार्जिन से जीतने वाली लोकसभा सीट इंदौर होगी। मध्य प्रदेश में हम 29 सीटें जीतने जा रहे हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में 'अब की बार चार सौ पार' का नारा जो हुआ था, वह किसी नेता ने नहीं दिया था। यह नारा जनता का था। गौरव रणदिवे ने कहा, कांग्रेस ने जिस तरह से भ्रम फैलाया, झूठ बातें की, उनके नेता उनसे नहीं संभलते और वह भाजपा पर आरोप लगाते हैं कि आपने अपने नेता, कार्यकर्ताओं को संभाल लिया होता तो शायद थोड़ा बहुत उनमें भी सुधार हो सकता था। उन्होंने कहा, जनता कांग्रेस की कथनी और करनी को जानती है। इंडिया गठबंधन ने जिस तरह से पूरे भारत में भ्रम फैलाने की बात की, मैं मानता हूं कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश मतदान कर यह बता रहा है कि एक बार फिर मोदी सरकार।

बंगाल के विष्णुपुर में मतगणना केंद्र के बाहर भिड़े तृणमूल और भाजपा के समर्थक

कोलकाता, 4 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले में बिष्णुपुर (एससी) लोकसभा क्षेत्र के मतगणना केंद्र के पास मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस और भाजपा समर्थकों के बीच झड़प के बाद तनाव उत्पन्न हो गया। भाजपा समर्थकों ने आरोप लगाया कि चौथे चरण की मतगणना के बाद जब यह पता चला कि पार्टी के मौजूदा सांसद और उम्मीदवार सौमित्र खान 10 हजार से अधिक मतों से आगे चल रहे हैं, तो तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मतगणना केंद्र के सामने हंगामा करना शुरू कर दिया। क्षेत्र में भाजपा के कुछ शिविर कार्यालयों में तोड़फोड़ की गई। जल्द ही भाजपा समर्थक लाठी-डंडे लेकर एकत्र हो गए और जवाबी हमला किया। दोनों गुटों के बीच संघर्ष को नियंत्रित करने में वहां मौजूद पुलिस की बड़ी टुकड़ी को भी कठिनाई हुई।

हरियाणा के साथ हो सकते हैं हिमाचल में खाली तीन सीटों पर उपचुनाव

शिमला, 4 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में खाली हुई तीन और विधानसभा सीटों पर उपचुनाव अब हरियाणा में होने वाले चुनाव के साथ हो सकते हैं। हरियाणा में विधानसभा चुनाव अक्तूबर-नवंबर में हो जाएंगे। राज्य विधानसभा सचिवालय ने प्रदेश में तीन सीटें देहरा, हमीरपुर और नालागढ़ के रिक्त होने की अधिसूचना सोमवार को जारी कर दी। इसकी सूचना भारतीय निर्वाचन आयोग को जाएगी तो सांविधानिक प्रावधान के अनुसार छह महीने के भीतर उपचुनाव करवाने जरूरी होंगे। चार-पांच महीने बाद हरियाणा में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं तो भारतीय निर्वाचन आयोग स्वाभाविक रूप से पड़ोसी राज्य हरियाणा के साथ इन उपचुनाव को करवा सकता है। एक रणनीति के तहत मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व की वर्तमान सरकार तीन और उपचुनाव को आगे टलवाने में कामयाब हो गई। इससे भाजपा को भी कांग्रेस सरकार पर घात करना एकदम आसान नहीं होगा। निर्दलीय विधायक देहरा से होशियार सिंह, हमीरपुर से आशीष शर्मा और नालागढ़ से केएल ठाकुर लगातार इस्तीफे मंजूर करवाने के लिए दबाव बनाते रहे। वे बाद में हाईकोर्ट तक चले गए। तीनों निर्दलियों ने इस्तीफा देने के दूसरे दिन ही भाजपा को भी ज्वाइन कर लिया, मगर कांग्रेस विधायकों ने निर्दलियों के दल-बदलकर भाजपा में जाने की बात पकड़कर एक याचिका विधानसभा अध्यक्ष के पास दायर कर ली और आरोप लगाया कि इन्होंने यह इस्तीफे दबाव और प्रलोभन में आकर दिए हैं। इन पर दल-बदल कानून के तहत कार्रवाई की भी मांग की। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने इसी याचिका पर जांच बैठाई और इसमें सुनवाइयां रखीं। इस याचिका पर सुनवाई के बीच मामला आगे ही खिंचता गया और विधानसभा चुनाव के परिणाम आने से एक दिन पहले मंगलवार को इस्तीफे मंजूर कर लिए गए। इसी के साथ कांग्रेस की यह याचिका बेशक निष्फल हो गई, मगर सुक्खू सरकार की इस्तीफे आगे टलवाने की रणनीति सिरे चढ़ गई। छह सीटों धर्मशाला, सुजानपुर, बड़सर, गगरेट, कुटलैहड़ और लाहौल स्पीति में विधानसभा उपचुनाव हो चुके हैं, जिनके नतीजे मंगलवार को आ रहे हैं। एक ओर इन नतीजों से विधानसभा का नया आकार तय होगा तो अगले उपचुनाव से अगला स्वरूप निश्चित होगा।

अब भाजपा छह सीटें भी जीत जाए तो भी अगले उपचुनाव तक संख्या बल में मजबूत रहेगी कांग्रेस

तीन निर्दलियों की सीटें खाली होने के बाद छह विधानसभा सीटों के उपचुनाव के मंगलवार को आ रहे नतीजों में भाजपा छहों सीटें भी जीत जाती है तो भी सरकार पर फिलहाल कोई संकट नहीं होगा। नौ सीटों के खाली होने पर कांग्रेस का संख्याबल जहां 34 है तो उस स्थिति में भाजपा का 25 से बढ़कर 31 ही होगा। यानी इस संख्याबल में फिर भी कांग्रेस ही बहुमत में होगी। हालांकि कांग्रेस के नेताओं का दावा है कि उपचुनाव में भाजपा की रणनीति सफल नहीं होगी। कांग्रेस उपचुनाव भी जीत रही है, जबकि भाजपा खुद की जीत पर आश्वस्त है।

निर्दलियों को टिकट दिए तो तीनों सीटों पर अपनों को मनाना भाजपा के लिए चुनौती

अगर नालागढ़ से भाजपा पंद्रह महीने पहले निर्दलीय चुनाव लड़कर विधायक बने केएल ठाकुर को टिकट देती है तो यहां पर उस वक्त भाजपा प्रत्याशी रहे लखविंद्र राणा को मनाना बड़ी चुनौती होगा। केएल ठाकुर 44.51% मत लेकर उस समय विजयी हुए थे तो दूसरे स्थान पर 26.85% वोट लेकर हरदीप सिंह बावा रहे।

जनता फिर भेजेगी विधानसभा, बनेगी भाजपा सरकार : केएल

नालागढ़ के निर्दलीय विधायक केएल ठाकुर ने विधानसभा अध्यक्ष की ओर से त्यागपत्र स्वीकार करने पर संतोष जताया है। उन्होंने कहा कि यदि उनके त्यागपत्र शुरू में ही स्वीकार कर लिए जाते तो लोकसभा चुनाव ही यह उपचुनाव भी हो जाता । इससे न केवल सरकारी खर्चा बचता बल्कि सारी चुनावी प्रक्रिया से भी दोबारा नहीं गुजरना पड़ता। उन्होंने उम्मीद जताई कि नालागढ़ की जनता फिर से उन्हें भारी बहुमत से विधानसभा में भेजेगी और जल्द ही प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि छह अन्य विधान सभा क्षेत्रों के साथ ही इन तीन विधानसभा क्षेत्रों के चुनाव भी हो जाते तो मतदाताओं को भी बार-बारहोने वाली परेशानी से बचाया जा सकता था। त्यागपत्र स्वीकार करना विधानसभा अध्यक्ष का अधिकार क्षेत्र है। इसलिए वे यही कहना चाहेंगे कि अंत भला सो भला।

रोचक खबरें

पुलिस ने बुलेट वाले को रोका, चालान काटने वाले थे, तभी हुआ कुछ ऐसा, हुए हैरान!

सड़क पर अगर आप चलते हैं तो ट्रैफिक के नियमों का पालन करना बेहद ज़रूरी होता है. अगर आप नियम से नहीं चलेंगे तो आपको किसी बड़ी दुर्घटना का शिकार होना पड़ सकता है. यही वजह है कि सरकार से लेकर हर कोई आपको समझाता है कि हमेशा सड़क पर नियमों का पालन करते हुए ही चलें या फिर ड्राइविंग करें. हालांकि आज हम आपको जो वीडियो दिखाने जा रहे हैं, वो इससे अलग है।

वीडियो बड़ा ही मज़ेदार है, जिसे आप देखकर अपनी हंसी नहीं रोक पाएंगे. पुलिस ने शख्स को रोका तो था चालान काटने के लिए था लेकिन आगे जो हुआ, वो बहुत ही दिलचस्प था. पुलिस वाले सिर खुजाते रह गए कि आखिर करें क्या?

पुलिस काटना चाहती थी चालान , लेकिन ...

वायरल हो रहे वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक शख्स बुलेट पर बैठकर बिना हेलमेट के चला आ रहा है. सामने मौजूद पुलिस उसे रोक लेती है और उसकी बाइक की चाभी लेकर खड़ा हो जाता है. हालांकि वो ये देखकर हैरान रह गया कि जिस गाड़ी को उसने चालान के लिए रोका था, वो दरअसल बाइक है ही नहीं. नीचे से वो साइकिल है और ऊपर से बॉडी बुलेट की है।

लोग बोले-गजब जुगाड़ है!

इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर @MojClips नाम के अकाउंट पर शेयर किया गया है. वीडियो को लाखों लोगों ने देखा और पसंद किया है. वीडियो पर लोगों ने कमेंट भी दिलचस्प किए हैं और कहा है कि गजब का जुगाड़ लगाया है. ज्यादातर लोगों ने हंसने वाले इमोजी से कमेंट किए हैं।

शख्स ने मंगाया कप केक, रेस्टोरेंट ने बिल में लिखा कुछ ऐसा, सदमे में आया कस्टमर!

दुनिया में बहुत से अ ल ग - अ ल ग होटल और रेस्टोरेंट होते हैं. सभी की अपनी खासियत और खूबी होती है. यहां आने वाले लोग उनकी इसी क्वालिटी को देखने और एंबियंस को महसूस करने के लिए वहां पहुंचते हैं. एक ऐसे ही रेस्टोरेंट में आने वाला ग्राहक तब हैरान रह गया, जब उसे बिल के साथ एक बेहद अजीब चार्ज दिखाई दिया. वैसे तो हर कोई उस जगह पर जाना चाहता है, जहां का नाम खूब सुना हो. कई बार सामान्य जगहों पर भी कुछ ऐसे चार्ज वसूल लिए जाते हैं, जिसकी आपको उम्मीद न हो. एक ग्राहक के साथ जब ऐसा हुआ, तो उन्हें कुछ समझ ही नहीं आया, जब तक कि उन्हें एक्सप्लेन नहीं किया गया.

कस्टमर ने मंगाया था मफिन

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में रहने वाले एक शख्स ने फेसबुक पर अपना खराब अनुभव शेयर किया. उसने बताया कि एक कॉफी शॉप में उसे मफिन खाने का मन हुआ. ऐसे में उसने चॉकलेट मफिन ऑर्डर किया. कॉफी के साथ मफिन आया, तो उससे पूछा गया कि क्या आप इसे गर्म कराना चाहेंगे. चूंकि वो ऑस्ट्रेलिया में था और वहां ठंड थी, तो उसने हां कर दी. उसने जब खाना-पीना पूरा कर लिया, तो बात आई बिल भरने की.

बिल देखकर चौंका ग्राहक

न तो कॉफी इतनी महंगी थी और न ही मफिन, लेकिन उसे जो बिल मिला उसमें कुछ ऐसा लिखा हुआ था कि ग्राहक चौंक गया. उसे कुल बिल 1039 रुपये का था. इसमें कॉफी 374.18 रुपये की और मफिन 582.06 रुपये का था. ऐसे में उसे 83 रुपये का हिसाब समझ नहीं आया, जब तक कि उसकी नज़र मफिन को गर्म करके 1 डॉलर के चार्ज पर नहीं गई. ग्राहक भड़क गया और उसने पता किया तो कैफे के प्रवक्ता ने इसे गलती बताया. सोशल मीडिया पर लोगों ने इस पर खूब रिएक्शन दिए और कैफे ने ग्राहक को एक्स्ट्रा मफिन से ट्रीट करने की भी बात कही।

800 साल पुराना ऐतिहासिक छेद जिसे देखने दूर-दूर से आते थे लोग

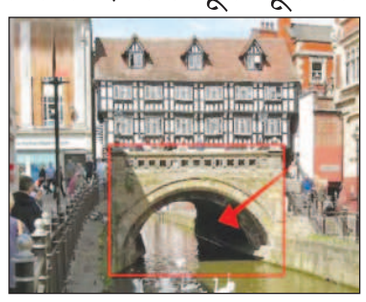

अब महसूस कर रहे हैं ठगा-ठगा

दुनियाभर के तमाम देशों में कई ऐसी ऐतिहासिक धरोहरें हैं, जो अपने अनोखे कंस्ट्रक्शन की वजह से मशहूर हैं. इसे देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं. लेकिन कुछ जगहें ऐसी हैं, जो गलत कारणों से मशहूर हो जाती हैं. ऐसी ही एक चीज यूनाइटेड किंगडम में मौजूद है, जिसका नाम हाई ब्रिज, लिंकन है. इसकी चर्चा आज से नहीं, बल्कि लगभग साढ़े 8 सौ सालों से है. बताया जाता है कि इसका निर्माण सन 1160 में हुआ था, जिसमें एक बड़ा सा छेद है. लोग इस ब्रीज के पास इसी छेद को देखने के लिए आते थे. लेकिन हाल ही में इसकी सच्चाई सामने आ गई, जिसके बाद से लोग खुद को ठगा-ठगा महसूस कर रहे हैं।

उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, लिंकन के मशहूर हाई ब्रिज का निर्माण मध्यकालीन युग में हुआ था, जिसे ब्रिटेन के सबसे पुराने कंस्ट्रक्शन में से एक माना जाता है. हालांकि, ये ब्रिज अपनी ऐतिहासिकता से कम, जबकि अंदर मौजूद एक बड़े से छेद के कारण ज्यादा मशहूर हो गया. इसे दुनिया में सबसे सुनहरे इतिहास वाला छेद कहा जाता था. लेकिन अब इस सुनहरे होल पर सवाल उठने लगे हैं. लोगों के मुताबिक, ये बेवजह मशहूर हो गया, जबकि किसी आम ब्रिज में बनाया जाने वाला क्रॉसिंग होल है. इसका कोई इतिहास नहीं है।

इसे घूमने गए एक टूरिस्ट ने सोशल मीडिया पर सबसे पहले इस ब्रिज की फोटो को शेयर किया और लिखा कि मुझे ऐसा लगता है कि बेवजह ये छेद इतना मशहूर हो गया. उसने आगे बताया कि ग्लोरी होल ये ऐसे छेद होते हैं जिनका एक इतिहास होता है, जिनका इस्तेमाल किसी खास मकसद से किया गया होता है. लेकिन ब्रिटेन के हाई ब्रिज का इतिहास कुछ खास नहीं है. इस हाई ब्रिज के ऊपर कुछ दुकानें बनी हैं. नाव से इस छेद से क्रॉस करने पर कुछ खास नजारा भी नहीं दिखता और ना इसके अंदर कोई सीक्रेट दरवाजा ही है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 5 जून, 2024 3

युविचार

अपने आपको किसी ना किसी काम में व्यस्त रखो क्योंकि व्यस्त इंसान को दुखी होने का समय नहीं मिलता

कांग्रेस व भाजपा को फायदा, ओवैसी ने हैदराबाद को बरकरार रखा

लोकसभा चुनाव में बीआरएस का नहीं खुला खाता

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में एक करीबी मुकाबले में कांग्रेस और भाजपा ने राज्य के कुल 17 संसदीय क्षेत्रों में से आठ-आठ सीटें हासिल कीं। एमआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने हैदराबाद पर अपनी पकड़ बनाए रखी, जबकि बीआरएस को एक भी सीट नहीं मिली और कम से कम 14 संसदीय क्षेत्रों में तीसरे स्थान पर सीमित रही। तेलंगाना में 13 मई को लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के तहत हुए मतदान में 3.32 करोड़ मतदाताओं में से 65.67 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में यह 2.83 प्रतिशत अधिक है, जब बीआरएस ने 9, भाजपा ने 4, कांग्रेस ने 3 और एआईएमआईएम ने 1 सीट जीती थी। कुल 17 संसदीय क्षेत्रों में 525 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। 2.17 लाख डाक मतपत्रों की गिनती सुबह 8 बजे शुरू हुई और पहले 30 मिनट में ही पूरी हो गई, इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) से मतों की गिनती की गई। सुबह 10 बजे से ही शुरूआती रुझान आने लगे थे, जो कड़ी टक्कर का संकेत दे रहे थे। निजामाबाद और नलगोंडा उन निर्वाचन क्षेत्रों में से थे, जहां सबसे पहले नतीजे घोषित किए गए। नलगोंडा निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार के. रघुवीर रेड्डी ने भाजपा उम्मीदवार एस. सैदी रेड्डी को हराकर 5.59 लाख वोटों के साथ देश में सबसे बड़ी बहुमत दर्ज की। तेलंगाना में दूसरा सबसे बड़ा बहुमत खम्मम में कांग्रेस के रामसहायम रघुराम रेड्डी ने दर्ज किया, जिन्होंने बीआरएस उम्मीदवार नामा नागेश्वर राव को 4.67 लाख वोटों से हराया। कांग्रेस के अन्य विजेताओं में डॉ. मल्लू रवि (नागरकुर्नूल), कडियम काव्या (वारंगल), पी. बलराम नाइक (महाबूबाबाद), सुरेश कुमार शेतकर (जहीराबाद) और गड्डाम वामसी कृष्णा (पेड्डापल्ली) शामिल हैं। तेलंगाना में बड़ी बढ़त बनाते हुए भाजपा ने आठ सीटें जीतीं। मलकाजगिरी के उम्मीदवार ईटेला राजेंद्र ने कांग्रेस उम्मीदवार पी. सुनीता महेंद्र रेड्डी के खिलाफ 3.87 लाख वोटों के साथ बहुमत हासिल किया। करीमनगर से भाजपा उम्मीदवार बंडी संजय कुमार ने कांग्रेस के वेलचाला राजेंद्र राव के खिलाफ 2.25 लाख वोटों के साथ पार्टी के लिए दूसरा सबसे बड़ा बहुमत दर्ज किया। चुनाव जीतने वाले अन्य भाजपा उम्मीदवारों में जी किशन रेड्डी (सिकंदराबाद), डीके अरुणा (महबूबनगर), गोदाम नागेश (आदिलाबाद), एम रघुनंदन राव (मेदक), के विश्वेश्वर रेड्डी (चेवेल्ला) और निजामाबाद में अरविंद धर्मपुरी शामिल थे। हैदराबाद में ओवैसी ने एक बार फिर पार्टी के गढ़ पर अपनी मजबूत पकड़ साबित की। हालांकि भाजपा ने सीट जीतकर उन्हें हराने का दावा किया और पूरे देश का ध्यान खींचा, लेकिन पार्टी उम्मीदवार माधवी लता 3.2 लाख वोटों तक ही सीमित रहीं। ओवैसी ने 6.59 लाख वोट हासिल किए और 3.38 लाख का बहुमत हासिल किया। 2019 के चुनावों में टीआरएस (अब बीआरएस) 41.71 प्रतिशत वोट शेयर के साथ शीर्ष पर रही। भाजपा को 19.65 प्रतिशत वोट मिले, उसके बाद कांग्रेस को 29.79 प्रतिशत वोट मिले। एआईएमआईएम ने 2.8 प्रतिशत वोट शेयर के साथ हैदराबाद सीट पर कब्जा किया। हालांकि, इस बार कांग्रेस 40.1 प्रतिशत वोट शेयर के साथ शीर्ष स्थान पर रही। भाजपा 35.06 प्रतिशत वोट शेयर के साथ दूसरे स्थान पर रही, जिसने चौंका देने वाली वृद्धि दर्ज की। बीआरएस को केवल 16.69 प्रतिशत वोट मिले, जबकि एआईएमआईएम ने अपने वोट शेयर में मामूली वृद्धि करके 3.03 प्रतिशत वोट हासिल किए। नोटा (इनमें से कोई नहीं) को 0.47 प्रतिशत वोट मिले। हालांकि नतीजों ने भाजपा को तेलंगाना में आठ संसदीय क्षेत्रों के साथ पैर जमाते हुए देखा, इसके अलावा हाल ही में उसके आठ विधायक भी जीते, लेकिन आठ सीटें जीतने के बावजूद कांग्रेस के लिए यह खतरे की घंटी है। पार्टी मलकाजगिरी हार गई, जिसका प्रतिनिधित्व पहले मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी करते थे और महबूबनगर सीट भी, जो रेवंत रेड्डी का गृह जिला है, जो उनके लिए आगे की राह कठिन होने का संकेत देती है। जहां तक बीआरएस का सवाल है, तो पार्टी के लिए लोकसभा चुनाव स्थापना के बाद से सबसे निराशाजनक प्रदर्शन रहा।

तेलंगाना लोकसभा चुनाव में विजयी उम्मीदवारों की सूची

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में 17 लोकसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस दोनों ने 8-8 सीटें जीतीं, जबकि एमआईएम ने 1 सीट जीती। इस चुनाव में भाजपा के आदिलाबाद- गोदाम नागेश, निजामाबाद- धर्मपुरी अरविंद, करीमनगर- बंडी संजय कुमार, मलकाजगिरी- ईटेला राजेंद्र, महबूबनगर- डीके अरुणा, चेवेल्ला- कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, मेदक- एम रघुनंदन राव सिकंदराबाद- जी किशन रेड्डी हैं। इसी क्रम में कांग्रेस के नलगोंडा- के रघुवीर रेड्डी, खम्मम- आर. रघुराम रेड्डी, वारंगल- कडियम काव्या, महबूबाबाद- बलराम नायक, नागरकर्नूल- मल्लू रवि, भोंनगीर- चामला किरण कुमार, जहीराबाद- सुरेश शेतकर, पेड्डापल्ली- गड्डाम वामशिकृष्णा शामिल हैं। हैदराबाद से एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी चुनाव जीते हैं।

पहली बार लोकसभा चुनाव में मेदक से हारी बीआरएस

मेदक, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) 2001 में अपनी स्थापना के बाद पहली बार मेदक लोकसभा क्षेत्र हार गयी। इस नतीजे से पार्टी के कार्यकर्ता और नेता हैरान हैं, क्योंकि मेदक को बीआरएस का गढ़ माना जाता था। इसके अलावा, यह हार तब हुई जब पार्टी ने पिछले साल नवंबर में हुए विधानसभा चुनावों में मेदक लोकसभा क्षेत्र के तहत सात विधानसभा क्षेत्रों में से छह पर जीत हासिल की थी।

चौंकाने वाली बात यह है कि बीआरएस उम्मीदवार और पूर्व आईएएस अधिकारी पी वेंकटरामी रेड्डी कांग्रेस उम्मीदवार नीलम मधु के बाद तीसरे स्थान पर रहे, जबकि भाजपा उम्मीदवार एम रघुनंदन राव चुनाव जीत गए। बीआरएस नेता एले नरेंद्र ने 2004 का लोकसभा चुनाव जीता था जबकि अभिनेता से नेता बने विजयशांति ने भी बीआरएस के टिकट पर चुनाव लड़ा था और 2009 का चुनाव जीता था। पार्टी अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव ने 2014 का आम चुनाव लड़ा और जीता, लेकिन राज्य के पहले मुख्यमंत्री बनने के तुरंत बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

बीआरएस ने उपचुनाव में कोठा प्रभाकर रेड्डी को मैदान में उतारा था और फिर से सीट जीत ली। प्रभाकर रेड्डी ने 2019 में भी जीत का सिलसिला जारी रखा और लगातार दूसरी बार 3 लाख से ज़्यादा वोटों से चुनाव जीता।

चूंकि प्रभाकर रेड्डी ने दुब्बक विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा और 2023 में जीत हासिल की, इसलिए बीआरएस ने वेंकटरामी रेड्डी को मैदान में उतारने का फैसला किया। हालाँकि, यह कदम उल्टा पड़ गया और पार्टी को लगातार पांच जीत के बाद इस निर्वाचन क्षेत्र में पहली हार का सामना करना पड़ा।

खम्मम में कांग्रेस को अभूतपूर्व बहुमत

पोंगुलेटी ने मतदाताओं को दिया धन्यवाद

खम्मम, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने खम्मम लोकसभा सीट के लिए कांग्रेस उम्मीदवार रामासहायम रघुराम रेड्डी को अभूतपूर्व बहुमत से चुनने के लिए मतदाताओं को धन्यवाद दिया। परिणामों की घोषणा के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने चुनाव में पार्टी का समर्थन करने के लिए वामपंथी दलों और पार्टी की जीत के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि खम्मम लोकसभा सीट के लिए कांग्रेस उम्मीदवार 4,67,652 मतों के अभूतपूर्व बहुमत से निर्वाचित हुए और यह 2024 के लोकसभा चुनावों में तेलंगाना में दर्ज किया गया दूसरा सबसे बड़ा बहुमत है। उन्होंने कहा कि इस तथ्य के बावजूद कि कांग्रेस ने राज्य में 17 लोकसभा सीटों में से केवल 8 सीटें जीती हैं, हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों की तुलना में लोकसभा चुनावों में पार्टी को 1.76 प्रतिशत अतिरिक्त वोट मिले हैं।

सीएम ने सीबीएन, पवन कल्याण को दीं शुभकामनाएं

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को तेलुगू देशम पार्टी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायुडू और जन सेना अध्यक्ष पवन कल्याण को आंध्र प्रदेश में जीत के लिए बधाई दी। रेवंत रेड्डी ने एक्स पर लिखा कि आइए हम दोनों राज्यों के बीच अच्छे संबंधों को जारी रखें और मुद्दों का समाधान करें। आइए हम विकास के पथ पर आगे बढ़ें।

निजामाबाद में नोटा को मिले 4,440 वोट

निजामाबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में 4,440 इनमें से कोई नहीं (नोटा) वोट डाले गए। रिटर्निंग ऑफिसर एवं कलेक्टर राजीव गांधी हनुमंतु के अनुसार कुल 7,780 पोस्टल बैलेट में से 414 मत विभिन्न कारणों से अवैध घोषित कर दिए गए। मतगणना प्रक्रिया का ब्यौरा देते हुए उन्होंने कहा कि अरमूर विधानसभा क्षेत्र के लिए मतों की गिनती 13 राउंड में, बोधन के लिए 14 राउंड में, निजामाबाद शहरी के लिए 15 राउंड में, निजामाबाद ग्रामीण के लिए 15 राउंड में, बालकोंडा के लिए 14 राउंड में, कोरुट्ला और जगतियाल क्षेत्रों के लिए 15 राउंड में पूरी हुई। भाजपा उम्मीदवार धर्मपुरी अरविंद को 5,92,318 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस उम्मीदवार टी जीवन रेड्डी को 4,83,077 वोट मिले। अरविंद 1,09,241 वोटों से जीते।

आदिलाबाद में नोटा चौथे स्थान पर

आदिलाबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद संसदीय क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरे 12 उम्मीदवारों में से 'कोई नहीं' (नोटा) का विकल्प चौथे स्थान पर रहा। भाजपा के नागेश जीते जबकि कांग्रेस के सुगुना और बीआरएस के अथराम सक्कू क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। नोटा को 11,762 वोट मिले और यह बहुजन समाज पार्टी और दो निर्दलीय सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के शेष आठ उम्मीदवारों से आगे रहा। इस विकल्प को 0.95 प्रतिशत वोट मिले। इस बीच, भाजपा का वोट शेयर 2019 में 35.48 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 45.98 प्रतिशत हो गया। कांग्रेस 2019 में 29.54 प्रतिशत के मुकाबले 2024 में 38.65 प्रतिशत वोट हासिल करके अपने वोट शेयर में थोड़ा सुधार कर सकती है। बीआरएस का वोट शेयर 2019 में 29.97 प्रतिशत से घटकर 2024 में 11.11 प्रतिशत हो गया।

विधानसभा चुनाव हारने वाले भाजपा नेता लोकसभा चुनाव जीते

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक दिलचस्प चलन में चार भाजपा नेता, जिन्होंने 2023 में विधानसभा चुनाव लड़ा था और हार गए थे, बमुश्किल छह महीने बाद हुए लोकसभा चुनावों में जीत हासिल करने में सफल रहे हैं। ये थे बंडी संजय कुमार (करीमनगर), इटेला राजेंद्र (मलकाजगिरी), धर्मपुरी अरविंद (निजामाबाद) और एम रघुनंदन राव (मेदक) है ।जबकि दो संसदीय क्षेत्रों करीमनगर और निजामाबाद को भाजपा ने बरकरार रखा, पार्टी ने मलकाजगिरी और मेदक के रूप में दो नई लोकसभा सीटें हासिल कीं। संजय कुमार ने 2018 में करीमनगर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था और बीआरएस उम्मीदवार गंगुला कमाकर से हार गए थे। फिर उन्होंने 2019 के संसदीय चुनावों में चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। हालांकि, 2023 के विधानसभा चुनावों में, उन्होंने कमलाकर के खिलाफ फिर से कोशिश की, लेकिन एक बार फिर हार गए। अब, उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार वेलीचाला राजेंद्र राव को हराकर सांसद की सीट बरकरार रखी है। निजामाबाद के सांसद धर्मपुरी अरविंद का भी यही हाल है। 2019 के चुनावों में निजामाबाद क्षेत्र से पहली बार सांसद चुने गए अरविंद ने 2023 में कोरुतला विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था, लेकिन बीआरएस उम्मीदवार डॉ के संजय से हार गए थे। हालांकि अरविंद फिर से निजामाबाद लोकसभा क्षेत्र से जीतने में सफल रहे। वरिष्ठ राजनेता और छह बार विधायक रहे ईटेला राजेंद्र ने 2023 में हुजूराबाद और गजवेल विधानसभा सीटों से एक साथ चुनाव लड़ा था, लेकिन दोनों सीटों पर हार गए। हालांकि, वे संसद चुनाव के लिए मलकाजगिरी चले गए और जीत गए। रघुनंदन राव, जिन्होंने 2023 के विधानसभा चुनाव में दुब्बाक से चुनाव लड़ा था, बीआरएस उम्मीदवार कोठा प्रभाकर रेड्डी से मौजूदा विधायक सीट हार गए। हालांकि, अब उन्होंने मेडक संसदीय सीट जीत ली है, जिसका प्रतिनिधित्व पहले प्रभाकर रेड्डी करते थे।

जनता का समर्थन कांग्रेस पार्टी के साथ : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना राज्य में कांग्रेस सरकार के 100 दिनों के शासन को आशीर्वाद मिला है। उन्होंने आठ लोकसभा सीटों और छावनी विधानसभा उपचुनावों में जीत के लिए राज्य की जनता को हार्दिक धन्यवाद दिया। उन्होंने जनता से कहा कि आपके द्वारा दिए गए इन आशीर्वादों से हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है। अधिक प्रभावी शासन प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सीएम ने कहा कि इस चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जनता का समर्थन कांग्रेस पार्टी के साथ है।

कांग्रेस की सफलता के लिए काम करने वाले सभी कार्यकर्ताओं, नेताओं और शुभचिंतकों को बधाई और धन्यवाद। यह कार्यकर्ताओं की जीत थी। पार्टी उनकी मेहनत और कठिनाई को पहचानती है। चुनाव संहिता कल समाप्त हो रही है। जनता का शासन फिर से शुरू होगा। हम राज्य के विकास और लोगों के कल्याण के उद्देश्य से उत्कृष्ट शासन प्रदान करेंगे। आने वाले दिनों में तेलंगाना की जनता के दिलों में जनता का राज हमेशा कायम रहेगा।

जनता के फैसले का स्वागत करती है सीपीआई : के नारायण

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा चुनाव के नतीजों का स्वागत करते हुए भाकपा के राष्ट्रीय सचिव के नारायण ने कहा कि लोगों ने भाजपा, खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 400 से अधिक सीटें जीतने के दावे पर करारा सबक सिखाया है। अगर एनडीए गलती से केंद्र में सरकार बना भी लेती है तो वह अतीत की तरह एकतरफा फैसले नहीं ले सकती।

उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के जन-कल्याण विरोधी फैसलों का विरोध करने के लिए भारतीय ब्लॉक ने अच्छी खासी सीटें हासिल की हैं। नारायण ने कहा कि एक तरह से यह भारत की नैतिक जीत है।

मुख्यमंत्री के प्रभारी लोकसभा क्षेत्र में भाजपा ने दर्ज की जीत

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा उम्मीदवार डीके अरुणा ने महबूबनगर लोकसभा क्षेत्र में सनसनीखेज जीत दर्ज की है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कांग्रेस पार्टी के लिए महबूबनगर लोकसभा क्षेत्र के प्रभारी हैं और उन्होंने अपनी पार्टी के उम्मीदवार वम्शी चंद रेड्डी की जीत के लिए पूरी ताकत से काम किया है। हालांकि, डीके अरुणा ने मतगणना में शुरू से ही अपना दबदबा दिखाया और 3,636 वोटों के बहुमत से सीट जीत ली। इसी तरह, मलकाजगिरी लोकसभा क्षेत्र, जिसका प्रतिनिधित्व कभी रेवंत रेड्डी करते थे, के परिणाम ने भी कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका दिया। कांग्रेस उम्मीदवार सुनीता महेंद्र रेड्डी एक बार भी बढ़त में नहीं आईं। मुख्यमंत्री ने भी पार्टी उम्मीदवार की जीत के लिए पूरी ताकत से काम किया है। हैरानी की बात यह है कि अब तक जो गणना पूरी हुई है, वह एक बार भी कांग्रेस के सामने नहीं आई है। भाजपा उम्मीदवार इटेला राजेंद्र चुनाव में विजयी हुए हैं।

बंडी संजय ने सबसे अधिक अंतर से दर्ज की जीत

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा उम्मीदवार बंडी संजय ने मंगलवार को 2006 में करीमनगर लोकसभा उपचुनाव में बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव द्वारा बनाए गए जीत के अंतर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। चंद्रशेखर राव ने 2,01,581 वोटों के अंतर से सीट जीती थी, जबकि संजय कुमार की जीत का अंतर 2.25 लाख वोट था। 2014 में बीआरएस उम्मीदवार बी विनोद कुमार ने करीमनगर सीट 2,05,007 वोटों के अंतर से जीती थी। 2019 में संजय कुमार ने विनोद कुमार को 89,508 वोटों से हराया था। संजय कुमार ने करीमनगर की जनता का आभार जताते हुए अपनी जीत का पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया।

उन्होंने कहा कि मैं करीमनगर के लोगों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी पर दिखाए गए भरोसे के कारण जीत के पिछले सभी अंतरों को पार कर सका। मैं अपनी जीत का श्रेय प्रधानमंत्री और निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को देता हूं, जिन्होंने मुझे दूसरे कार्यकाल के लिए चुना।

शेतकर ने पाटिल को हराकर 10 साल पहले की हार का लिया बदला

संगारेड्डी, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस ने बीआरएस से लगातार दो बार हारने के बाद जहीराबाद लोकसभा क्षेत्र पर फिर से जीत हासिल कर ली है। राज्य में निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्गठन के बाद 2009 में इस निर्वाचन क्षेत्र का निर्माण किया गया था। 2009 में कांग्रेस उम्मीदवार सुरेश शेतकर ने पहला चुनाव जीता था। अगले दो चुनावों में बीबी पाटिल को मैदान में उतारने वाली बीआरएस ने दो बार जीत हासिल की। 2014 में पाटिल ने सुरेश शेतकर को हराया था, जबकि 2019 में कांग्रेस हार से बच नहीं पाई, हालांकि उसने उम्मीदवार बदलकर के मदन मोहन राव को मैदान में उतारा। इस बार चुनाव से पहले पाटिल ने भाजपा का दामन थाम लिया था, इसलिए बीआरएस ने गली अनिल कुमार को मैदान में उतारा, लेकिन वे तीसरे स्थान पर रहे। सुरेश शेतकर ने 10 साल के अंतराल के बाद दूसरी बार जहीराबाद से जीत हासिल की और पाटिल को 46,000 से ज़्यादा वोटों से हराया। इसे शेतकर द्वारा 2014 में पाटिल के हाथों मिली हार का बदला माना जा रहा है।

खम्मम से कांग्रेस के नवनिर्वाचित सांसद आर रघुराम रेड्डी ने निर्वाचन प्रमाण पत्र प्राप्त किया

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने खम्मम लोकसभा के लिए कांग्रेस उम्मीदवार रामसहायम रघुराम रेड्डी को अभूतपूर्व बहुमत से निर्वाचित करने के लिए मतदाताओं को धन्यवाद दिया। परिणामों की घोषणा के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने चुनाव में पार्टी का समर्थन करने के लिए वामपंथी दलों, पार्टी की जीत के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि खम्मम लोकसभा के लिए कांग्रेस उम्मीदवार लोकसभा सीट के इतिहास में पहले कभी नहीं देखे गए 4,67,652 मतों के बहुमत के साथ निर्वाचित हुए और यह 2024 के लोकसभा चुनावों में तेलंगाना में दर्ज किया गया दूसरा सबसे बड़ा बहुमत था।

उन्होंने कहा कि इस तथ्य के बावजूद कि राज्य की 17 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस ने केवल आठ सीटें जीतीं, हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों की तुलना में लोकसभा चुनावों में पार्टी को 1.76 प्रतिशत अतिरिक्त वोट मिले, वोट शेयर में वृद्धि हुई है। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 39.4 प्रतिशत वोट मिले, बीआरएस को 37.45 प्रतिशत वोट मिले जबकि भाजपा को 13.9 प्रतिशत वोट मिले। श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि अब कांग्रेस को 41 प्रतिशत वोट मिले हैं, लेकिन बीआरएस को विधानसभा चुनाव में भाजपा द्वारा प्राप्त वोट प्रतिशत तक ही सीमित रहना पड़ा। बीआरएस ने आठ सीटों पर डमी उम्मीदवार उतारे और अपना वोट शेयर भाजपा को दे दिया, जिसने लोकसभा चुनाव में करीब 37 प्रतिशत वोट हासिल किए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और बीआरएस ने चुनावों में गुप्त समझौता किया था।

पर्यावरण की रक्षा के लिए एक साथ आने का मंत्री का आह्वान

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदया धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि अगर हम प्रकृति से प्यार करें, प्रकृति की रक्षा करें और प्रकृति के साथ मिलकर रहें, तो मानवता जीवित रह सकती है। "विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून)" के अवसर पर मंत्री सुरेखा ने पर्यावरण प्रेमियों और लोगों को अपना संदेश दिया। मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि पृथ्वी की सावधानीपूर्वक रक्षा करना हमारा कर्तव्य है, जो अद्वितीय जलवायु परिस्थितियों वाले इस ब्रह्मांड में रहने के लिए उपयुक्त एकमात्र ग्रह है। वर्तमान में विश्व जिन प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर रहा है, उसे देखते हुए पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण निवारण उपायों के प्रति सभी को जागरूक होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विवेक को भूलकर अपनी जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से की जाने वाली गतिविधियां प्राकृतिक आपदाओं को जन्म दे रही हैं।

कांग्रेस आलाकमान की चेतावनी सच साबित हुई

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस आलाकमान की ओर से राज्य इकाई को दी गई चेतावनी सच साबित हुई है। राज्य में कांग्रेस दावा कर रही थी कि वह 12 से 14 सीटें जीतेगी, लेकिन जमीनी हकीकत उनके दावों के बिल्कुल उलट थी और आलाकमान ने भी यही बात कही। 7 मई को नई दिल्ली से राज्य के नेताओं के साथ एक कॉन्फ्रेंस मीटिंग के दौरान एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा था कि कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में विधायकों और प्रभारी मंत्रियों के बीच समन्वय नहीं है, जो उल्टा साबित हो सकता है। वह चाहते थे कि कांग्रेस नेता, खासकर विधायक और प्रभारी मंत्री नई ऊर्जा और ध्यान के साथ काम करें। एआईसीसी महासचिव वास्तव में चाहते थे कि पार्टी के नेता राज्य में 15 सीटें जीतने का प्रयास करें। वेणुगोपाल ने यह भी कहा था कि लोकसभा चुनाव में विधायकों के प्रदर्शन के आधार पर उन्हें पद और पदनाम दिए जाएंगे। राजनीतिक रणनीतिकार सुनील कानूगोलू ने भी राज्य में संभावनाओं पर पार्टी आलाकमान को निर्वाचन क्षेत्रवार रिपोर्ट सौंपी थी। उन्होंने भी जमीनी स्तर पर कुछ मुद्दों की ओर इशारा किया था और कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में कुछ सिफारिशें की थीं। हालांकि, ये जाहिर तौर पर काम नहीं आए और आलाकमान की चेतावनियां अब सच साबित हो रही हैं और पार्टी

लोगों के विश्वास के अनुरूप काम करूंगा : इटेला

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा उम्मीदवार इटाला राजेंद्र ने आज मलकाजगिरी एमपी सीट पर अपनी जीत पर कुछ महत्वपूर्ण टिप्पणियां कीं। उन्होंने कीसरा होली मेरी कॉलेज में मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, मैं उन सभी को नमन करता हूं जिन्होंने हमें वोट दिया। इटेला ने कहा कि उनके काम करने का तरीका लोगों के विश्वास के अनुरूप होगा। उन्होंने कहा, हमारे दो कर्तव्य हैं, जिनमें से एक तेलंगाना में कांग्रेस द्वारा किए गए वादों के लिए लड़ना है और दूसरा मोदी सरकार से तेलंगाना में धन लाना है। हम तेलंगाना के विकास में भागीदार होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वे लोगों के आशीर्वाद के कारण जीत रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि मोदी देश में तीसरी बार सत्ता में आ रहे हैं। उन्होंने दावा किया, इन 10 सालों में मोदी ने अमीरों और गरीबों के बीच की खाई को पाट दिया है। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए गए हैं। उन्होंने दावा किया, मोदी के शासन में अब देश में कोई बम विस्फोट नहीं होता है। उन्होंने यह भी कहा कि वह सिकंदराबाद छावनी की सड़कों, तालाबों के जीर्णोद्धार, युवाओं के लिए रोजगार और गरीबों के लिए घरों से संबंधित वादों को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि वह हमेशा लोगों के लिए उपलब्ध रहेंगे।

विधानसभा और लोकसभा में पेड्डापल्ली क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है एक ही परिवार

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पेड्डापल्ली में एक ही परिवार के तीन लोग अब संसद और विधानसभा में पेड्डापल्ली का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यह पेड्डापल्ली संसदीय क्षेत्र से सांसद के रूप में गद्दाम वंशीकृष्ण की जीत से संभव हुआ। उनके पिता जी विवेक चेन्नूर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि उनके चाचा और विवेक के बड़े भाई जी विनोद कुमार बेल्लमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो दोनों पेड्डापल्ली संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। विवेक, जो भाजपा के साथ थे, 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले कथित तौर पर दो विधानसभा सीटों और एक संसद टिकट की शर्त पर कांग्रेस में शामिल हुए थे। पेड्डापल्ली संसदीय क्षेत्र में सात विधानसभा क्षेत्र हैं- पेड्डापल्ली, मंथनी, रामागुंडम, धर्मपुरी, चेन्नूर, मंचेरियल और बेलमपल्ली है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने सभी सात निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की थी, जिससे वामशिकृष्ण को संसद सीट जीतने में मदद मिली।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, SRIPAL KUMAR PATWARI S/o BHAWARILAL PATWARI, R/o Siddhachal jain Society, F.No.202, Satranjay Residency, 4-4-899, 900, Sultan Bazar Lane, Nampally, Hyd, T.S-95, have changed my name as SREEPAL KUMAR PATWARI.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

उन्नाव से साक्षी महाराज ने लगाई हैट्रिक

30 हजार वोटों से सपा की अन्नू टंडन को हराया, जीत का सर्टिफिकेट मिला

उन्नाव, 4 जून (एजेंसियां)। उन्नाव सीट पर काउंटिंग खत्म हो गई। बीजेपी प्रत्याशी और मौजूदा सांसद साक्षी महाराज ने हैट्रिक लगाई है। सपा प्रत्याशी अन्नू टण्डन को 30 हजार वोटों से हराया है। साक्षी महाराज ने कहा, जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी और अपने जनपद की यशस्वी जनता का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। हमारी पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने मुझ पर विश्वास किया और उन्नाव की जनता ने मुझ पर विश्वास किया। पूरी ईमानदारी के साथ 5 साल सेवा करने का काम करूंगा।

उन्नाव जनता का आभार व्यक्त करता हूं, जिसने मेरा सम्मान बढ़ाया है और पार्टी का सम्मान बढ़ाया है। जो स्थितियां उत्तर प्रदेश में बनी हैं किन कारणों से बनी हैं इसकी समीक्षा की जाएगी। इस स्थिति में भी मेरी जीत हुई है। इसके लिए उन्नाव की जनता का आभार व्यक्त करता हूं। जनता का प्यार और इसने मेरे साथ है इतनी बड़ी जीत जनता ने मुझे प्रदान की है, उसके लिए मैं सदैव आभारी रहूंगा। मतगणना केंद्र के बाहर पुलिस पदाधिकारी के साथ जवानों की तैनाती होना सुनिश्चत हुआ है। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, प्रेक्षक आदि मतगणना के कार्य की मॉनिटरिंग करेंगे। इससे इतर इस मौके पर कोई अप्रिय घटना घटित न हो इसको लेकर भी प्रशासन चौकस था। शहर के हाईवे से लेकर एफसीआई गोदाम तक पुलिस जवानों की

तैनाती रहेगी तथा शहर में पुलिस गश्त होगी। मतगणना केंद्र जाने वाले रास्तों पर लगाए गए बैरियर से उन्हीं वाहनों को प्रवेश करने दिया जायेगा जो अधिकृत थे। पुलिस जवानों के साथ-साथ महिला जवानों की भी जगह-जगह तैनाती की गई है। मतगणना के परिणाम घोषित होने के बाद शहर में किसी तरह का तनाव न हो इसको लेकर भी प्रशासन चौकस और सतर्क रहेगा। कुल मिला कर शांतिपूर्ण माहौल में मतगणना कार्य संपन्न कराने को प्रशासन ने कमर कसी है। काउंटिंग में किसी प्रकार सुरक्षा मे कोई समस्या न आये इसके लिए जिले के दोनों अपर पुलिस अधीक्षक को सुरक्षा की कमान सौंपी गई है।

गोदाम के बाहर की व्यवस्था एएसपी अखिलेश सिंह उत्तरी सम्भालेंगे और एफसीआई गोदाम के भीतर की व्यवस्था एएसपी दक्षिणी प्रेम चन्द्र को दी गई है। दोनों अफसर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा देखेंगे साथ ही इसकी मॉनिटरिंग एसपी सिद्धार्थ शंकर मीणा खुद करेंगे। ईवीएम से गिनती के दौरान किसी भी प्रकार की कोई चूक न हो इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ ही निर्वाचन आयोग ने दो ऑब्जर्वर को नियुक्त किया है। जिसमें आईएएस श्री बाबू और सुनीता शामिल है हालांकि चुनाव के दौरान भी आईएएस श्री बाबू की तैनाती रही थी। सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम रहेंगे।

परिणाम जल्द से जल्द आ सके इसके लिए जिला प्रशासन तैयारियां की है। जिसमें ही विधानसभा में14 टेबल का लगाया है। कुल 6 विधानसभाओं मे 84 टेबल बनाई गई है। सुबह आठ बजे से पहले पोस्टल बैलेट के मतों की गिनती शुरू हुई। उसके बाद नौ बजे से ईवीएम मशीन से गिनती होगी। उम्मीद है कि ईवीएम खुलने के बाद हार जीत की रुझान आना शुरू होंगे। उन्नाव पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था त्रिस्तरीय में की है। यहां सबसे पहले केन्द्र और पीएसी के साथ स्थानीय जनपद का पुलिस बल लगाया है। जिसमें पहली शिफ्ट सुबह 6 बजे से दो बजे तक चलेगी। जिसमें 612 से अधिक जवान रहेंगे। दूसरी पाली दोपहर दो बजे से शुरू होगी जोकि रात दस बजे तक चलेगी। सहायक सुरक्षा व्यवस्था की कमान सीओ दीपक कुमार को दी गई है। 4 जून को होने वाली लोकसभा मतगणना को लेकर पुलिस ने यातायात व्यवस्था में कोई समस्या ना हो इसके पहले ही प्लान तैयार कर लिया ।

डिंपल को मिला मैनपुरी का ताज

मैनपुरी, 4 जून (एजेंसियां)। मैनपुरी लोकसभा सीट से एक बार फिर जनता ने डिंपल यादव को ही जीत का ताज पहनाया। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी जयवीर सिंह को 2.21 लाख वोटों से हराकर जीत अपने नाम कर ली। वहीं दूसरी तरफ भाजपा को एक बार फिर निराशा ही हाथ लगी। बसपा भी यहां बेहतर प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं हो सकी।

मैनपुरी लोकसभा सीट से कुल 8 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा था। इसमें सपा, भाजपा और बसपा के अलावा छोटे दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों के रूप में 5 प्रत्याशी शामिल थे। 7 मई को मतदान के बाद ही जनता के रुझान से ये बात साफ हो गई थी कि चुनाव सपा के पक्ष में है। मंगलवार को नवीन मंडी में मतों की गिनती हुई तो डिंपल यादव ने शुरू से ही बढ़त बनाई, जो अंत तक जारी रही। वहीं दूसरे स्थान पर भाजपा के जयवीर सिंह रहे। डिंपल ने 2.21 वोटों से जीत दर्ज की। वैसे तो बसपा प्रत्याशी शिवप्रसाद यादव तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन मुख्य मुकाबले से वे बाहर ही नजर आए। मुख्य मुकाबले में सपा और भाजपा ही रही। वहीं निर्दलीय प्रत्याशियों की अगर बात करें तो वे जमानत भी नहीं बचा पाए। सुबह 8 बजे जब मतगणना शुरू हुई तो सपा और भाजपा दोनों के ही कार्यकर्ता मंडी पहुंचे थे। दोनों ही अपनी-अपनी जीत को लेकर आश्वस्त थे, लेकिन दिन चढ़ने के साथ मतगणना के रुझानों से माहौल बदल गया।

भदोही से भाजपा प्रत्याशी विनोद कुमार बिंद जीते

ज्ञानपुर, 4 जून (एजेंसियां)। भदोही लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी डॉ. विनोद कुमार बिन्द ने बड़े अंतर से जीत दर्ज कर ली है। डॉ. विनोद कुमार बिन्द ने इंडिया गठबंधन (टीएमसी) के उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी को करीब 44 हजार मतों से पराजित किया है। बीजेपी के विनोद बिन्द को 458042 मत मिले। जबकि इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी रहे ललितेश पति को 413708 वोट मिला है। बसपा के प्रत्याशी हरिशंकर उर्फ दादा चौहान को 154207 पाकर तीसरे स्थान पर रहे। रिटर्निंग ऑफिसर ने जीत के बाद डॉ. विनोद कुमार बिंद को प्रमाण पत्र सौंपा। भाजपा समर्थकों ने पटाखे फोड़े, एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बीजेपी के जीत के बाद भाजपा समर्थक खुशी से झूम उठे हैं। ढोल-नगाड़े पर थिरकते नजर आए। डॉ. विनोद बिन्द ने इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भदोही की जनता को दिया है। कहा कि आशीर्वाद स्वरूप यह जनादेश देश की जनता ने नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए दिया है।

तीन छात्राओं की तालाब में डूबने से मौत

प्रयागराज, 4 जून (एजेंसियां)। सरायइनायत थाना क्षेत्र के सहसों पुलिस चौकी अंतर्गत मनिकापुर गांव का मजरा बाबूराही का पूरा गांव में तीन छात्राओं की तालाब में डूबने से मौत हो गई। इस घटना से पूरे गांव में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मंगलवार की दोपहर में काजल बिन्द (12), पुत्री पवन बिन्द ,निधि बिन्द (12) पुत्री सुरेश बिन्द एवं रानी बिन्द (13) पुत्री जोगिंदर बिन्द समीप मे कसेरूआ कला गांव स्थित पोखरा तालाब पर नहाने गई हुई थी। वह अचानक नहाते समय डूबने लगीं। वहां पर पास में खेल रहे दो बच्चों ने शोर मचाते हुए में जाकर इसकी सूचना दी। जब तक गांव के लोग पहुंचे तब तक तीनों छात्राओं की सांसे थम चुकी थीं। आनन फानन में लोगों ने तीनों छात्रों को तालाब से बाहर निकाल कर समीप के चिकित्सालय में दिखाया जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी शिव प्रताप सिंह सहित अन्य सिपाहियों ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तीनो छात्राओं की मौत से गांव में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

कल्याण सिंह के बेटे को मिली शिकस्त

सपा के देवेश शाक्य जीते

एटा, 4 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के एटा-कासगंज लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी देवेश शाक्य ने बड़ी जीत हासिल की है। उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी राजवीर सिंह को हरा दिया है। नतीजा आते ही उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। उन्होंने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। समर्थक ढोल नगाड़ों पर थिरकते दिखे। भाजपा प्रत्याशी राजवीर सिंह ने देवेश शाक्य को जीत की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद मंडी परिसर से निकल गए।

डीएम और चुनाव पर्यवेक्षकों को राजद की खुली धमकी

किसी का कॉल आए, मगर इस बार ऐसा किया तो ...

पटना, 4 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के कार्यालय में बिहार में महागठबंधन के नेताओं ने संयुक्त रूप से प्रेस कांफ्रेंस किया। सभी नेताओं ने बिहार में 25 से अधिक सीटें जीतने का दावा किया। इसके बाद राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने बड़ी धमकी दी है। उन्होंने कहा कि हर चरण की मतगणना के बाद सारे प्रत्याशी को संतुष्ट नहीं कर पाये तब तक दूसरे चरण की गिनती शुरू नहीं होनी चाहिए। अगर इस बार भी 2020 की तरह पोस्टल बैलेट का तमाशा देखा गया तो इस बार कड़ा प्रतिकार होगा। कई प्रत्याशियों को 17C फॉर्म नहीं दिए गए हैं। मतगणना शुरू होने से पहले स्ट्रांग रूम से काउंटिंग टेबल तक की वीडियो रिकॉर्डिंग करने की अनुमति दी जाए या एक-एक ईवीएम की गिनती की पूरी जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि इस बार किसी भी तरह की धोखाधड़ी की कोशिश चुनाव आयोग द्वारा की गई तो जनता के साथ सबसे बड़ा

अन्याय होगा। मनोज झा ने कहा कि नीतीश कुमार अभी अधिकारियों के विवेक से निर्णय ले रहे हैं। जब वे खुद से फैसला लेंगे तो वह फैसला अलग होगा।

25 से ज्यादा सीट हमलोग जीतने जा रहे हैं

मनोज झा ने कहा कि हमारे महागठबंधन के नेता कल दिल्ली और आज चुनाव आयोग के पास गए थे। ये सारी बातें लिखित में चुनाव आयोग को दी गई हैं और मौखिक रूप से भी जानकारी दी जा रही है। मनोज झा ने कहा कि इस बार एग्जिट पोल्स के झांसे में बिहार की जनता फंसने वाले नहीं हैं। हमने जनता का सर्वे देखा है। तेजस्वी यादव का बिहार में कैंपेन दिखा है। एक तरफ नौकरी, गैस-सिलेंडर पांच रुपये में, महिलाओं को पांच सौ रुपये वहीं दूसरी तरफ मंगलसूत्र, मटन, मछली, भैंस खोल लेगा जैसे मुद्दे थे। तेजस्वी यादव के नेतृत्व ने पूरे महागठबंधन के कैंपेन के आधार पर 25 से ज्यादा सीट हम जीतने जा रहे हैं। यह बात आपको कल पता चल रहा है।

एग्जिट पोल से करोड़ों की कमाई कर चुके हैं

मनोज झा ने कहा कि एग्जिट पोल्स के बहाने जिनको पैसे कमाने थे, वह कमा ले। नेताओं ने एग्जिट पोल को खर्च का तमाशा बताया और आरोप लगाया कि कुछ लोग एग्जिट पोल से करोड़ों की कमाई कर चुके हैं। मनोज झा ने सभी डीएम, आरओ, एआरओ से अपील की कि कोई गड़बड़ी न करें, वरना स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाएगी। वहीं सीपीआई सचिव रमेश नरेश पांडेय ने कहा कि इस बार महागठबंधन कम से कम तीस सीटें जीतने जा रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहा कि एग्जिट पोल, एग्जिट पोल नहीं हैं। महागठबंधन ने पोस्टल बैलेट के दंश को झेला है। वहीं शक्ति यादव ने कहा कि इस बार का परिणाम चौकाने वाला होगा और उन्होंने जनता को चौकाने वाला ही परिणाम देखने का वादा किया।

अमेठी में राहुल गांधी ने स्मृति ईरानी से ले लिया बदला! मां के मैनेजर से दिलाई मात

अमेठी, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 कई मायनों में चौंकाने वाला रहा है. उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है. यहां कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर बीजेपी के गढ़ में सेंध लगा दिया है. बीजेपी को पिछली बार उत्तर प्रदेश में 62 सीट मिली थी वहीं एनडीए को कुल 64 सीट मिली थी. इस बार सबसे चौंकाने वाला नतीजा अमेठी ने दिया है. यहां से केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी हार गई हैं। बता दें कि यहां से कांग्रेस उम्मीदवार के एल शर्मा ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भारी मतों से हरा दिया है. केएल शर्मा ने 1 लाख 25 हजारों वोटों से स्मृति

ईरानी को हरा दिया है. 2019 लोकसभा चुनाव में स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी को हरा दिया था. अपनी जीत पर केएल शर्मा ने कहा 'कांग्रेस की जीत अमेठी की जनता और गांधी परिवार की जीत है।'

राहुल ने मां के मैनेजर को भेज लिया बदला

केएल शर्मा गांधी परिवार के पुराने परिचित हैं. वह परिवार के करीबी सहयोगी रहे हैं और लंबे समय तक रायबरेली में सोनिया गांधी का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं. वह पार्टी के मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं और गांधी परिवार के चुनाव अभियानों में उन्होंने अहम भूमिका निभाई है. वह राहुल गांधी की मां यानी सोनिया गांधी के मैनेजर रहे हैं।

केएल शर्मा राजीव गांधी के करीबी दोस्त थे और लंबे समय से उनके साथ जुड़े हुए थे. वह अमेठी में 1983 और 1991 के चुनावों में एक प्रमुख खिलाड़ी थे, जिन्होंने कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने में मदद की. उन्होंने 1999 में सोनिया गांधी के पहले चुनाव अभियान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके परिणामस्वरूप अमेठी में उनकी जीत हुई।

नगीना सीट से चंद्रशेखर आजाद जीते

1.50 लाख वोटों से भाजपा के ओमकार का हराया, कार्यकर्ता मना रहे जश्न

बिजनौर, 4 जून (एजेंसियां)। बिजनौर की नगीना सुरक्षित लोकसभा सीट पर आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी चंद्रशेखर आजाद ने रिकॉर्ड डेढ़ लाख मतों से जीत हासिल की। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी 1.50 लाख वोटों से हराया है। चंद्रशेखर के जीत का एलान होते ही कार्यकर्ताओं में जोश भर गया काउंटिंग हाल के बाहर सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी कर जश्न मनाया।

दरअसल मंगलवार को बिजनौर जिले की दोनो लोकसभा सीट नगीना सुरक्षित और बिजनौर लोकसभा की काउंटिंग आज सुबह 8:00 बजे सेंट्रल वेयरहाउस में शुरू हुई थी। नगीना लोकसभा सीट पर शुरू से ही आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी चंद्रशेखर आजाद लीड बने हुए थे और लगभग डेढ़ लाख वोट से चंद्रशेखर आजाद ने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी ओम कुमार को हरा कर बड़ी जीत दर्ज की। चंद्रशेखर आजाद की यह पहली जीत है। अब

चंद्रशेखर आजाद का राजनीतिक बढ़ गया है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में चंद्रशेखर आजाद नेता बन चुके हैं और वह बसपा का विकल्प बनेंगे।चंद्रशेखर आजाद को बिजनौर के डीएम अंकित अग्रवाल ने जीत का प्रमाण पत्र सौंपा। आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्र शेखर आजाद ने जीत दर्ज करने के बाद मिडिया से बातचीत करते हुए कहा कि में नगीना की महान जनता जिसने मुझे आर्शीवाद दिया। जिसने मेरी आलोचना की में उसका भी धन्यवाद करता हुं। जिसने मुझे वोट दिया और जिन अधिकारियों ने फेयर मतगणना कराई में उनका भी धन्यवाद करता हुं। सुबह से कोई भी ऐसा इश्यू नही आया जिससे की विवाद हो।में इसके लिए प्रशासन और कर्मचारियों का धन्यवाद करता हु,,बीजेपी की हार के सवाल पर कहा की अगर इण्डिया गटबंधन के लोग समझदारी दिखाते तो परिणाम और बहुत बेहतर होते। एनडीए और इंडिया के साथ जाने के सवाल पर कहा की ये पार्टी के लोग तय करेंगे। जीत का श्रेय किसको देते हैं, इस सवाल के जवाब में कहा कि नगीना की जनता को जीत का पूरा श्रेय देता हुं।

गौतमबुद्ध नगर से भाजपा की हैट्रिक

सबसे ज्यादा 5.59 लाख वोटों के अंतर से जीते डॉक्टर महेश शर्मा

नोएडा, 4 जून (एजेंसियां)। बीजेपी प्रत्याशी डॉक्टर महेश शर्मा ने गौतमबुद्ध नगर से हैट्रिक लगाई है। लगातार तीसरी बार डॉक्टर शर्मा ने 5 लाख 59 हजार 472 वोटों अंतर से जीत दर्ज की। प्रदेश में ये अब तक सबसे बड़ी जीत मानी जा रही है। डॉक्टर महेश शर्मा को इस बार 8 लाख 57 हजार 829 वोट मिले। वहीं, सपा कांग्रेस गठबंधन प्रत्याशी डॉक्टर महेंद्र नागर को 2 लाख 98 हजार 357 वोट मिले। तीसरे स्थान पर बसपा प्रत्याशी राजेंद्र सिंह सोलंकी को 2 लाख 51 हजार 615 वोट मिले।

लगातार तीन बार जीत कर हैट्रिक जमाने वाले डॉक्टर महेश को 2009 लोकसभा चुनाव में पहले बार करीब 15 हजार मतों से हार का सामना करना पड़ा था। उस समय बसपा प्रत्याशी सुरेंद्र नागर ने उन्हें हराया था। इसके बाद 2014 में भाजपा ने समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार को 2,80,212 मतों के भारी अंतर से हराया था। 2019 में जीत का अंतर और बढ़ा। इस चुनाव में महेश शर्मा ने बसपा उम्मीदवार को 3,36,922 मतों से मात दी। इस चुनाव में बसपा और सपा में गठबंधन था। इस बार सपा-कांग्रेस गठबधंन में नोएडा में सपा से अपना प्रत्याशी उतारा था। लेकिन डॉक्टर महेश शर्मा के आगे मतदाताओं ने सभी 14 प्रत्याशियों को सिरे से नकार दिया। गौतमबुद्ध नगर में कुल 24 राउंड की काउंटिंग की गई। पहले ही राउंड से भाजपा ने बढ़त बनाई ये बढ़त अंतिम राउंड तक रही।

मेरठ में अरुण गोविल 10 हजार वोटों से जीते

सुनीता वर्मा को हराया, आधिकारिक घोषणा बाकी; सपा ने स्लो काउंटिंग का लगाया आरोप

मेरठ, 4 जून (एजेंसियां)। मेरठ में बीजेपी प्रत्याशी अरुण गोविल ने 10 हजार से अधिक वोटों से जीत गए हैं। हालांकि आधिकारिक घोषणा बाकी है। अरुण गोविल को 5,46,469 और सुनीता वर्मा को 5,35,884 वोट मिले हैं। वहीं समाजवादी पार्टी ने X पर पोस्ट कर स्लो काउंटिंग का आरोप लगाया है। जबकि इससे पहले कांग्रेस ने भी स्लो काउंटिंग को लेकर शिकायत की थी।

मेरठ में गिने गए 4 लोकसभा सीटों के वोट

हापुड़ विधानसभा के मतों की गिनती हापुड़ जिले में हुई। वहां से आरओ ने परिणाम भेजे। मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट पर मेरठ शहर, मेरठ दक्षिण, मेरठ कैंट और किठौर विधानसभा के मतों को गिना गया। सरधना विधानसभा का मतगणना रिजल्ट मुजफ्फरनगर लोकसभा भेजा गया। इसी तरह सिवालखास का बागपत और हस्तिनापुर का काउंटिंग रिजल्ट बिजनौर भेजा गया। कृषि विवि के 3 हॉल में मतगणना हुई। सरधना, सिवालखास और हस्तिनापुर के वोटों की गिनती गांधी हॉल में एक साथ होगी। शहर और कैंट विधानसभा के मतों की गिनती एक हॉल में और दक्षिण किठौर की एक अन्य में हुई।

मेरठ कैंट, दक्षिण विधानसभा में बढ़ाए टेबल

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि हर विधानसभा में 14 टेबल लगाए गए हैं। लेकिन मेरठ कैंट और दक्षिण विधानसभा में बूथ ज्यादा होने के कारण यहां टेबल बढ़ाए गए हैं। मेरठ दक्षिण 18 और मेरठ कैंट में 20 टेबल हैं अन्य जगहों पर 14 टेबल हैं।

हर विधानसभा के अलग राउंड हैं, 27 राउंड में ईवीएम की काउंटिंग होगी। वीवीपैट के राउंड को देखते हुए कुल 28 राउंड में होगी। अंतिम राउंड की काउंटिंग पर ही फाइनल रिजल्ट घोषित होगा। हर टेबल पर 4 मतगणना कर्मी रहेंगे। हर टेबल पर एक मतगणना पर्यवेक्षक, दो मतगणना सहायक एक फोर्थ क्लास कर्मचारी कुल 4 लोग होंगे। प्रेक्षक को टेबलवार रिजल्ट दिया जाएगा। हर टेबल पर एक माइक्रो आब्जर्वर तैनात किया गया है।

सबसे पहले पोस्टल बैलेट फिर ईवीएम

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सबसे पहले पोस्टल बैलेट पेपर्स गिने जाएंगे उसके बाद ईवीएम खुलेंगी। पहले आधे से एक घंटे में बैलेट गिने जाएंगे, इसके बाद उसकी शीट तैयार होगी। पोस्टल बैलेट की मतगणना आरओ मुख्यालय के मतगणना स्थल पर होगी। पोस्टल बैलेट और सर्विस वोटर से प्राप्त ईटीपीबीएस की स्कैनिंग सुबह आठ बजे से शुरू होगी। सुबह आठ बजे ईवीएम और पोस्टल बैलेट दोनों के वोटों की गिनती होगी। मतगणना प्रारंभ होने के समय तक जो भी पोस्टबल बैलेट सव्सि वोटर का मिलेगा उसकी गिनती होगी।

हर विधानसभा की 14 टेबल पर गिनती, एक एआरओ टेबल होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चार राउंड यानी करीब एक-दो घंटे के बाद रुझान आना शुरू हो जाएगा।

लखनऊ एयरपोर्ट की सभी उड़ानें रद्द, आने वाली फ्लाइट डायवर्ट

टिकट कैंसिल होने पर नाराज यात्री बोले-अथॉरिटी ने पहले क्यों नहीं दी जानकारी

लखनऊ, 4 जून (एजेंसियां)। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से मंगलवार को सभी उड़ानें रद्द कर दी गईं। यात्रियों का टिकट कैंसिल कर उन्हें किराया लौटा दिया गया। एयरपोर्ट पहुंचे यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

यात्रियों का कहना है कि एयरपोर्ट अथॉरिटी ने 2 बजे तक उड़ान बहाल करने के लिए कहा था, लेकिन कब शुरू होगी यह जानकारी सामने नहीं आ रही है। अमौसी एयरपोर्ट के प्रवक्ता ने कहा- पब्लिक की सुविधा के लिए टर्मिनल पर फेज -3 का काम चल रहा है। यह 3 मंजिला है। उड़ान भरने और लैंडिंग का रूट यही है।

चुनाव जीतने वाले सांसदों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू कर रहा लोकसभा सचिवालय

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर मतगणना अपने अंतिम मुकाम तक पहुंचती नजर आ रही है। इस बीच लोकसभा सचिवालय भी नवनिर्वाचित सांसदों का स्वागत और पंजीकरण करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। लोकसभा सचिवालय 18वीं लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए पंजीकरण काउंटर मंगलवार दोपहर 2 बजे से ही संसद भवन परिसर में शुरू कर रहा है। यह पंजीकरण काउंटर 5 से 14 जून तक सुबह 10 से रात 8 बजे तक संसद भवन परिसर में कार्यरत रहेगा।

लोकसभा सचिवालय के अनुसार, कागजी कार्यवाही को कम करने और सदस्यों के पंजीकरण की औपचारिकताओं को सुगम बनाने के उद्देश्य से, नव-निर्वाचित सदस्यों का पंजीकरण ऑनलाइन एकीकृत सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन के माध्यम से किया जाएगा। सदस्यों को विभिन्न शाखाओं में निर्धारित कागजात पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता नहीं होगी। एकीकृत सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन में न केवल सांसद के बायो प्रोफाइल डेटा की प्रविष्टि की जाएगी, बल्कि इसमें प्रविष्ट की गई फेशियल और बायोमेट्रिक जानकारी के आधार पर पहचान पत्र जारी करने के साथ ही लोकसभा सदस्यों और उनकी पत्नी या पति को सीजीएचएस कार्ड जारी किए जाने की व्यवस्था भी की गई है। इस बार सांसदों की सुविधा और सुगमता के लिए पंजीकरण, नामांकन, अस्थायी आवास और कई अन्य मामलों से संबंधित सभी औपचारिकताओं को कम से कम समय में पूरी करने की कोशिश की जाएगी। संसदीय सौध में बैंक्वेट हॉल और प्राइवेट डाइनिंग रूम में 10-10 कंप्यूटरों के साथ कुल 20 डिजिटल पंजीकरण काउंटर स्थापित किए गए हैं। सांसदों का स्वागत करते हुए सचिवालय प्रत्येक सदस्य को भारत के संविधान, नियम, निर्देश तथा कुछ अन्य उपयोगी प्रकाशनों की प्रतियां उपलब्ध कराएगा। इसके अलावा, कुछ अन्य प्रकाशन सदस्यों को सॉफ्ट वर्जन में उपलब्ध कराए जाएंगे। पंजीकरण काउंटर पर तैनाती के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दिया गया है।

वेटिंग जोन में प्रतीक्षा कर रहे सांसदों की सुविधा के लिए संपर्क अधिकारियों को टैब के माध्यम से डेटा प्रविष्टि करने का प्रशिक्षण दिया गया है। यह व्यवस्था संसद परिसर में आए सांसदों का पंजीकरण कम से कम समय में करने के उद्देश्य से की गई है। लोकसभा सचिवालय के अधिकारी, चुनाव आयोग की वेबसाइट पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और सचिवालय की टीम जीते हुए उम्मीदवारों से संपर्क कर उनका डिटेल तुरंत दर्ज करेगी।

सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन का उपयोग करने वाली टीम यह जांच सकेगी कि सफल उम्मीदवार नया सांसद है या फिर से निर्वाचित सांसद है। यह जानकारी सदस्यों के दिल्ली आगमन के कार्यक्रम की प्रविष्टि करने के लिए सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन के माध्यम से संपर्क अधिकारियों (एलओ) के साथ साझा की जाएगी। संपर्क अधिकारियों को सदस्यों, विशेष रूप से नवनिर्वाचित सदस्यों से शीघ्र संपर्क करने के लिए कहा गया है, ताकि वे उन्हें आवश्यक दस्तावेजों को लाने के बारे में जानकारी उपलब्ध करा सकें।

जिन नवनिर्वाचित सदस्यों के पास दिल्ली एवं नई दिल्ली में पहले से सरकारी आवास नहीं है, उन्हें वेस्टर्न कोर्ट एनेक्सी/हॉस्टल या राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के भवनों/अतिथि गृहों में तब तक अस्थायी आवास प्रदान किया जाएगा, जब तक कि उन्हें लोकसभा की हाउस कमेटी द्वारा नियमित आवास प्रदान नहीं किया जाता।

'उत्तर प्रदेश में खटाखट हो गया'

इंडिया को यूपी में मिली बढ़त तो बोले पवन खेड़ा

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, "उत्तर प्रदेश में खटाखट-खटाखट हो गया." यूपी के शुरुआती राउंड की गिनती में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन ने बढ़त बना ली है. जबकि, बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए (एनडीए) पीछे चल रहा है। मुजफ्फरनगर सीट पर केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान करीब 13 हजार से ज्यादा वोटों से पीछे चल रहे हैं. मिर्जापुर सीट से अनुप्रिया पटेल भी पीछे हैं. खीरी से अजय मिश्र टेनी भी पीछे चल रहे हैं. ऐसे में उत्तर प्रदेश के नतीजों के राउंड की गिनती में बीजेपी को बड़ा झटका लगा है. वहीं, सपा और कांग्रेस खेमे में खुशी की लहर है। दरअसल, इस लोकसभा चुनाव में खटाखट, फटाफट वाले बयान काफी चर्चा में रहे हैं।

राहुल गांधी ने क्या कहा है?

राहुल गांधी ने वादा करते हुए कहा था कि कि केंद्र में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बनते ही सबसे पहले एक जुलाई से महिलाओं के खाते में खटाखट पैसे आने लगेंगे. इसका जवाब हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया था।

पीएम मोदी ने क्या कहा है?

पीएम मोदी ने गठबंधन 'इंडिया' पर चुटकी लेते हुए कहा कि चार जून के बाद इंडी गठबंधन टूट कर बिखर जाएगा 'खटाखट खटाखट'. पराजय के बाद बलि के बकरे को खोजा जाएगा 'खटाखट खटाखट'. शहजादे चाहे लखनऊ या दिल्ली वाले हों, ये शहजादे गर्मी की छुट्टी पर विदेश निकल जाएंगे 'खटाखट खटाखट।

बाबा अमरनाथ पूर्ण स्वरूप में नजर आए

तस्वीर सामने आई-29 जून से 52 दिन की यात्रा शुरू होगी

श्रीनगर, 4 जून (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू होने जा रही है। बाबा अमरनाथ अपने पूर्ण स्वरूप में नजर आए। बाबा अमरनाथ के शिवलिंग का बर्फ से पूरा आकार बन गया है। इसकी तस्वीरें सामने आई हैं। इस बार अमरनाथ यात्रा 52 दिन की होगी। 29 जून से शुरू होकर यात्रा 19 अगस्त चलेगी। पिछली बार 1 जुलाई से 60 दिन तक चली थी। पहली बार दोनों रूट पूरी तरह 5जी फाइबर नेटवर्क से लैस होंगे। 24 घंटे बिजली के लिए ज्यादातर खंभे लग चुके हैं।

100 ऑक्सीजन बूथ, जहां श्रद्धालु सांस ले सकेंगे

श्राइन बोर्ड पहली बार मेडिकल इंतजाम भी बढ़ा रहा है। बालटाल और चंदनबाड़ी में 100-100 आईसीयू बेड, एडवांस उपकरण, एक्स-रे, अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन, क्रिटिकल केयर एक्सपर्ट, कार्डियक मॉनिटर, लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट से लैस दो कैंप अस्पताल रहेंगे। यहां हवा में ऑक्सीजन कम रहती है, इसलिए यात्रा मार्ग पर 100 स्थाई ऑक्सीजन बूथ और मोबाइल ऑक्सीजन बूथ रहेंगे। पवित्र गुफा, शेषनाग और पंचतरणी में तीन छोटे अस्पताल होंगे। बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक, बालटाल से गुफा तक का 14 किमी रूट 7 से 12 फीट तक चौड़ा किया गया है। इस पर वाहन जा सकते हैं। हालांकि अभी सिर्फ बीआरओ सेना की गाड़ियों को ही अनुमति है। इमरजेंसी में इसी का इस्तेमाल होगा। पिछली बार दोनों रूट पर करीब 60 हजार जवान तैनात थे। इस बार लोकसभा चुनाव में जम्मू-कश्मीर में तैनात होने वाली अर्द्धसैनिक बलों की सभी 635 कंपनियों को वोटिंग के बाद यात्रा में तैनात किया जाएगा। तीन किमी चढ़ाई के बाद यात्रा पिस्सू टॉप पर पहुंचती है। यहां से पैदल चलते हुए शाम तक यात्रा शेषनाग पहुंचती है। ये सफर करीब 9 किमी का है। अगले दिन शेषनाग से यात्री पंचतरणी जाते हैं। ये शेषनाग से करीब 14 किमी है। पंचतरणी से गुफा सिर्फ 6 किमी रह जाती है। अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया अमरनाथ यात्रा के लिए 15 अप्रैल से ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है।

6 लाख श्रद्धालुओं के हिसाब से इंतजाम

कश्मीर के डिवीजनल कमिश्नर विजय कुमार बिधूड़ी ने दो महीने पहले बताया था कि इस बार हमारा फोकस यात्री सुविधा बढ़ाने पर है। पूरे रूट पर खानपान, रुकने और हेल्थ चेकअप की ज्यादा से ज्यादा व्यवस्था की योजना बना रहे हैं। पहले पहलगाम से गुफा तक 46 किमी लंबा मार्ग 3 से 4 फीट तो बालटाल वाला रूट 2 फीट ही चौड़ा था। अब इसे 14 फीट तक चौड़ा किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले एक महीने से काफी बर्फबारी हुई है। बर्फ हटाने के बाद रूट दुरुस्त किया जाएगा। पिछले बार 4.50 लाख श्रद्धालु आए थे। इस बार आंकड़ा 6 लाख तक जा सकता है। यात्रा कम दिनों की है और भीड़ ज्यादा रहेगी, इसलिए इंतजाम भी ज्यादा किए जा रहे हैं।

बंगाल में देर रात बम धमाका, 5 घायल

चुनाव आयोग ने काउंटिंग के दौरान हिंसा की आशंका जताई थी, 7 राज्यों में फोर्स तैनात

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा की 542 सीटों की काउंटिंग जारी है। काउंटिंग से एक दिन पहले सोमवार (3 जून) की रात पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना के भांगर में बम धमाका हुआ। इसमें 5 लोग घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि बम बनाने के दौरान हादसा हुआ है। सभी घायलों को कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें एक इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) का पंचायत सदस्य है। चुनाव आयोग ने कल काउंटिंग के दौरान या इसके बाद हिंसा की आशंका जताई थी। इसके चलते 7 राज्यों में सेंट्रल फोर्स की तैनाती की गई है।

ये पहली बार है, जब आचार संहिता के हटने के बाद चुनाव आयोग ने 7 राज्यों में सुरक्षाबलों की तैनाती की है। दूसरी तरफ, कांग्रेस ने अपने कार्यकर्ताओं और नौकरशाहों को लिए दो लेटर जारी किए हैं। पार्टी ने कार्यकर्ताओं से काउंटिंग में कहीं गड़बड़ी दिखने पर वीडियो बनाने को कहा है। कांग्रेस ने कार्यकर्ता और पोलिंग एजेंट्स के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। कांग्रेस ने नौकरशाहों से किसी भी डर या पक्षपात के संविधान और अपने कर्तव्यों का पालन करने की अपील की है। दरअसल, 1 जून को आए एग्जिट पोल्स में तीसरी बार मोदी सरकार बनती दिख रही है। विपक्ष ने इन एग्जिट पोल्स को खारिज किया था।

इन राज्यों में भेजी गई फोर्सेस

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने 3 जून को बताया कि चुनाव के बाद हिंसा किसी भी सूरत में नहीं होनी चाहिए। इसी को देखते हुए हमने आचार संहिता हटने के बाद भी एहतियातन कदम उठाए हैं। हिंसा की आशंका देखते हुए आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और मणिपुर में सेंट्रल फोर्स तैनात की गई हैं। सीईसी ने ये भी बताया कि आंध्र प्रदेश और बंगाल में आज काउंटिंग के बाद 15 दिन तक फोर्स तैनात रहेंगी। वहीं उत्तर प्रदेश, ओडिशा, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में काउंटिंग के दो दिन बाद तक फोर्सेस तैनात रहेंगी। पप्पू यादव (पूर्णिया से निर्दलीय उम्मीदवार)- कलेक्टर साहब काउंटिंग को पारदर्शी रखें। अन्यथा मरता क्या नहीं करता। अगर जबर्दस्ती लोकतंत्र की मौत होगी तो महाभारत का संग्राम होगा। लोकतंत्र को बचाने के लिए हमारे एक-एक वर्कर ने पूर्णिया और बिहार में कफन बांध लिया है। अखिलेश यादव (सपा, कन्नौज से उम्मीदवार)- भाजपा मतगणना को धीरे करा सकती है। हो सकता है, वह बत्ती गुल करवा दे। भाजपा हार को सामने देखते हुए एजेंटों और अधिकारियों को डराना और धमकाना शुरू कर देगी, क्योंकि शासन-प्रशासन उनका ही है।

मेहरड़ा में युवक ने पत्नी व बेटे की हत्या कर लगाया फंदा

जींद, 4 जून (एजेंसियां)। जींद के गांव मेहरड़ा में युवक ने पत्नी और बेटे की हत्या कर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जींद के सामान्य अस्पताल में भिजवाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस ने मौके पर एफएसएल टीम को भी बुलाया।

टीम ने मौके पर पहुंचकर तत्थ जुटाए। मेहरड़ा गांव निवासी 35 वर्षीय सोनू लेबर की कॉपी बनाने का काम करता था। बीती रात उसने अपनी पत्नी 32 वर्षीय पत्नी पिंकी और 10 साल के बेटे हेमंत की तेजधार हथियार से हत्या दी। धटना का पता सुबह उस समय लगा जब सोनू के बड़े भाई का लड़का दूध लेने के लिए आया तो मंजर को देख लड़के तेज आवाज लगाई। आवाज सुनकर उसकी मां मौके पर पहुंची और उसने आस पास के लोगों को बुलाया। सोनू की 11 साल पहले जींद जिले के बधाना गांव में शादी हुई थी।

नासिक में बड़ा हादसा, भारतीय वायुसेना का सुखोई लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त

नासिक, 4 जून (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना का एक सुखोई लड़ाकू विमान मंगलवार को क्रैश हो गया। हादसा महाराष्ट्र के नासिक में हुआ है। नासिक रेंज के विशेष महानिरीक्षक डी आर कराले ने बताया कि सुखोई एसयू-30 एमकेआई विमान के पायलट और सह-पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए। विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ है।

अधिकारी ने बताया कि विमान विंग कमांडर बोकिल और उनके दूसरे कमांडर बिस्वास उड़ा रहे थे। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए और उन्हें मामूली चोटें आई हैं। उन्हें एचएएल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने आगे बताया कि दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद विमान में आग लग गई, जिसे बुझा दिया गया है। विमान के हिस्से 500 मीटर के दायरे में फैले हुए हैं। भारतीय वायुसेना, एचएएल सुरक्षा और एचएएल तकनीकी इकाई की टीमों ने घटनास्थल का दौरा किया।

रूसी सुखोई एसयु-30 एमकेआई भारतीय वायुसेना में सबसे ताकतवर एयरक्राफ्ट माना जाता है। भारतीय वायुसेना के पास 272 सक्रिय सुखोई एसयु-30 एमकेआई हैं, इस एयरक्राफ्ट में दो इंजन हैं और दो चालको के बैठने की जगह है।

इनमें से कुछ एयरक्राफ्ट को सुपरसोनिक मिसाइल ब्रह्मोस को लॉन्च करने के लिए भी अपग्रेड किया गया है। सुखोई विमान 3,000 किलोमीटर तक हमला कर सकता है। जबकि इसकी क्रूज रेंज 3,200 किलोमीटर तक है और कॉम्बेट रेडियस 1,500 किलोमीटर है। वजन में भारी होने के बावजूद यह लड़ाकू विमान अपनी तेज़ गति के लिये जाना जाता है। यह विमान आकाश में 2,100 किलोमीटर प्रति घंटा की तेज रफ्तार से फर्राटा भर सकता है।

नाबालिग के अपहरण की कोशिश के बाद उत्तरकाशी में बढ़ा तनाव

खास दुकानों पर चिपकाए गए धमकी भरे पोस्टर

देहरादून, 4 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में एक नाबालिग लड़की के अपहरण की कोशिश के बाद इलाके में माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। घटना के विरोध में यहां प्रदर्शन किए जा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने घटना को लव जिहाद करार दिया है। इस बीच सोमवार (5 जून, 2023) को पुरोला में रात को खास समुदाय की दुकानों के शटर पर धमकी भरे पोस्टर चिपकाए गए, जिनमें चेतावनी दी गई कि या तो 15 जून तक अपनी दुकानें खाली कर दो वरना इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा।

लोकसभा चुनाव परिणाम 2024

पोस्टर में कहा गया कि 15 जून को होने वाली महापंचायत से पहले अपनी दुकानें खाली कर दें। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पोस्टर हटा दिए गए हैं। वहीं, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जिले में शांति सुनिश्चित करने के लिए काम किया जा रहा है।

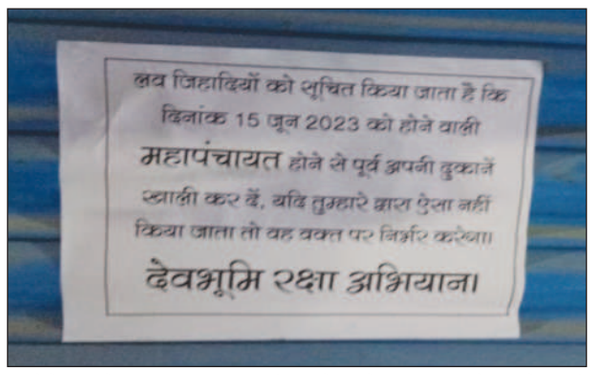

उन्होंने आगे कहा कि उनकी सरकार लव जिहाद और भूमि जिहाद जैसे मुद्दों को दूर करने के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य की शांति और सद्भाव को भंग करने का प्रयास करने वाले को सख्त पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। इससे पहले तीन जून को भी कई दुकानों के शटर पर काली स्याही से क्रॉस बनाने की घटनाएं सामने आई थीं।

कुछ दिन पहले उत्तरकाशी के पुरोला में एक युवक ने अपने साथी के साथ मिलकर एक नाबालिग के अपहरण की कोशिश की थी। हालांकि, स्थानीय लोगों ने उसको ऐसा करने में नाकाम कर दिया और आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के बाद से कस्बे और आसपास के इलाकों में तनाव बना हुआ है।घटना के विरोध में शनिवार को एक हिंदू संगठन ने उत्तरकाशी जिले के कई कस्बों में प्रदर्शन किया था। यमुना घाटी हिंदू जागृति संगठन के आह्वान पर बरकोट, नौगांव, पुरोला व दमटा के सभी बाजार बंद रखे गए। संगठन ने इस घटना को लव जिहाद करार दिया है। उन्होंने इन सभी कस्बों में ढोल नगाड़े बजाकर और लव जिहाद के खिलाफ नारे लगाते हुए एक जुलूस भी निकाला। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग को लेकर बड़कोट अनुमंडल दंडाधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा है।

यमुना घाटी हिंदू जागृति संगठन के अध्यक्ष केशव गिरि महाराज ने भी बाहर के व्यापारियों पर फर्जी पहचान बनाकर मासूम बेटियों को पहाड़ों में फंसाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अपहरण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पुरोला की घटना इसका ताजा उदाहरण है। इसी तरह की घटना नौगांव बाजार में भी हुई थीं।" प्रदर्शनकारियों की मांग है कि स्क्रैप डीलर और फेरीवालों के रूप में घूम रहे सैकड़ों बाहरी लोगों को क्षेत्र से बाहर कर दिया जाना चाहिए।

केदारनाथ और यमुनोत्री में चार यात्रियों की मौत, यात्रा में अब तक गई 81 की जान

देहरादून, 4 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा पर आए चार और तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। राज्य आपदा परिचालन केंद्र के मुताबिक दो यात्रियों की मौत यमुनोत्री धाम और दो की केदारनाथ में हुई है। यमुनोत्री में अब तक 19 यात्रियों की जान जा चुकी है। वहीं, केदारनाथ में सबसे ज्यादा 38 यात्री जान गंवा चुके हैं। जबकि चारधाम यात्रा में अब तक 81 तीर्थयात्रियों की जान जा चुकी है। जानकारी के अनुसार, सगर कुमार शारदा(66) पुत्र द्वारिका प्रसाद, निवासी पश्चिम बंगाल और मृणालिनी विजयभावे(69) पत्नि विजयवसंत राव भावे, निवासी महाराष्ट्र की यमुनोत्री धाम के दर्शन कर वापस लौटते समय दो जून को मौत हुई थी। मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है।

भाजपा को भारी पड़ी पूर्व सीएम मनोहर की टिप्पणी, आदमपुर से हारे रणजीत सिंह चौटाला

हिसार, 4 जून (एजेंसियां)। पूर्व सीएम मनोहरलाल ने लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरान नलवा विधानसभा क्षेत्र के गांव कैमरी में रैली की थी। रैली में उन्होंने पूर्व सीएम चौधरी भजनलाल का नाम लिए बिना भ्रष्टाचार पर टिप्पणी की थी। भ्रष्टाचार का एक किस्सा सुनाते हुए लोगों से पूछा कि आप समझ गए ना किसको कह रहा हूं।

इसके बाद बिश्नोई समाज के लोगों में गहरा रोष उभरा। बाद में पूर्व सीएम ने फतेहाबाद में आयोजित रैली में भजनलाल को लेकर अपनी टिप्पणी के बारे में कहा कि वह चौधरी भजनलाल को लेकर नहीं थी। आदमपुर विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी रणजीत सिंह को कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश से करीब 12 हजार वोटों से करारी हार मिली है। आदमपुर विधानसभा के मतदाता चौधरी भजनलाल का दिल से सम्मान करते हैं। जिसमें बिश्नोई समाज के साथ दूसरे समाज के लोग भी उनके समर्थन में रहते हैं।

पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी को मिली बंपर जीत भाजपा के सुशील रिंकू को दी मात

जालंधर, 4 जून (एजेंसियां)। पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी जालंधर लोकसभा सीट से जीत गए हैं। उन्होंने भाजपा के सुशील रिंकू को मात दी। चन्नी को 3,90,053 वोट मिले वहीं भाजपा के सुशील रिंकू को 2,14,060 व आप को 2,08,889 वोट मिले। चन्नी पहले राउंड से ही बढ़त बनाए हुए थे। हर राउंड के बाद उनके और प्रतिद्वंद्वी के बीच वोटों का फासला बढ़ता चला गया। पिछले साल उपचुनाव में कांग्रेस ने महज 27.44 फीसदी मत हासिल किए थे और आप के सुशील रिंकू ने 34.05 फीसदी लेकिन महज एक साल बाद ही जालंधर की अवाम ने उलटफेर करते हुए कांग्रेस को 12 फीसदी वोट अधिक दिए हैं। कांग्रेस के प्रत्याशी चन्नी को इन चुनावों में 39.043 फीसदी मत मिले हैं। चरणजीत सिंह चन्नी को 390053 वोट मिले हैं, जबकि भाजपा के सुशील कुमार रिंकू को 214060 वोट मिले। इस सीट पर आम आदमी पार्टी के पवन कुमार टीनू को 208889 और शिरोमणि अकाली दल के मोहिंदर सिंह केपी को 67911 वोट मिले हैं। चुनाव जीतने के बाद चन्नी ने कहा कि मैं सुदामा बनकर जालंधर आया था और यहां की जनता ने मुझे कृष्ण बनकर मुझे प्यार दिया। चन्नी ने कहा कि भाजपा व आप की तरफ से पैसा व नशा चुनावों में बांटा गया। कांग्रेस ने काफी कम पैसे में चुनाव लड़े। जालंधर की चुनाव मुहिम कांग्रेसी वर्करों ने चलाई। मेरी आवाज बनाकर ऑडियो रिलीज की कि आप को वोट डाल दो।

खडूर साहिब से खालिस्तान समर्थक अमृतपाल की जीत ने सबको चौंकाया

लुधियाना, 4 जून (एजेंसियां)। 2024 के लोकसभा चुनावों में खडूर साहिब सीट से जेल में रहते हुए निर्दलीय चुनाव लड़े खालिस्तान समर्थक अमृतपाल ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत दर्ज कर सबको चौंका दिया है। अमृतपाल की इस अप्रत्याशित जीत ने चुनावी समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया है।

कौन हैं अमृतपाल? : अमृतपाल एक विवादास्पद और खालिस्तान समर्थक नेता के रूप में जाने जाते हैं। उनकी राजनीति का केंद्र पंजाब के अलगाववादी आंदोलन और खालिस्तान की मांग रही है। उनके विचार और बयान अक्सर विवादों में रहते हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने खडूर साहिब में भारी जनसमर्थन प्राप्त किया। अमृतपाल इस वक्त असम की जेल में बंद है।

चुनाव प्रचार और रणनीति : चुनाव प्रचार के दौरान अमृतपाल के समर्थकों ने खालिस्तान समर्थक विचारों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने किसानों, युवाओं और बेरोजगारों के मुद्दों को भी

अपने अभियान में शामिल किया, जिससे उन्हें व्यापक समर्थन मिला। अमृतपाल ने सोशल मीडिया का भी बखूबी इस्तेमाल किया और युवाओं के बीच लोकप्रियता हासिल की।

चुनाव परिणाम और प्रतिक्रिया : अमृतपाल की जीत ने राजनीतिक विश्लेषकों को हैरान कर दिया है। खडूर साहिब जैसे पारंपरिक रूप से कांग्रेस और अकाली दल के गढ़ में उनकी जीत को बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। अमृतपाल की जीत ने यह साबित कर दिया कि पंजाब के कुछ हिस्सों में अभी भी खालिस्तान समर्थक विचारधारा को समर्थन मिल रहा है।

भविष्य की चुनौतियाँ : अमृतपाल की जीत के साथ ही कई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। उन्हें न सिर्फ अपने निर्वाचन क्षेत्र की जनता के विश्वास पर खरा उतरना होगा, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी अपनी जगह बनानी होगी। उनके खालिस्तान समर्थक विचारों को लेकर आने वाले समय में राष्ट्रीय स्तर पर भी कई सवाल उठ सकते हैं।

निष्कर्ष : खडूर साहिब से अमृतपाल की जीत भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है। यह चुनाव परिणाम यह दर्शाता है कि पंजाब के कुछ हिस्सों में अब भी खालिस्तान समर्थक भावनाएं जीवित हैं और इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अमृतपाल की जीत से राजनीतिक दलों को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने की जरूरत है।

स्वतंत्र वार्ता
बुधवार, 5 जून- 2024

आर्थिक मोर्चे पर सशक्त होता भारत

ललित गर्ग

इस राजनीतिक गर्मा-गर्मी के बीच आर्थिक मोर्चे पर दो शानदार खबरें आई है जो न केवल चौंका रही है, आश्चर्यचकित कर रही है बल्कि अपूर्व खुशी का अहसास करा रही है। भारत भूमि पर भारतीय रिजर्व बैंक के खजाने में 100 टन से कुछ ज्यादा स्वर्ण का शामिल होना सुखद और गौरवान्वित करने वाली खबर है। इसी तरह दूसरी महत्वपूर्ण खबर है पूर्व के सभी अनुमानों को ध्वस्त करते हुए देश की अर्थव्यवस्था ने 8.2 फीसदी की दर से उड़ान भरी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, पहली तिमाही अप्रैल-जून में 7.8 फीसदी, दूसरी तिमाही जुलाई- सितंबर में 7.6 प्रतिशत और तीसरी तिमाही अक्टूबर- दिसंबर में 8.6 फीसदी की दर से बढ़ी थी। इसके साथ ही पूरे वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई। जीडीपी की यह रफ्तार दुनिया के सभी विकसित एवं विकासशील देशों में सर्वाधिक है।

उल्लेखनीय आर्थिक प्रगति की यह तेज गति सशक्त अर्थव्यवस्था को एवं दुनिया की तीसरी आर्थिक महाताकत बनने के संकल्प को बल देगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूसरे कार्यकाल की एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से ही भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में एक चमकते सितारे के रूप में उभरी है, सुदृढ़ आर्थिक विकास के सुनहरे परिदृश्य प्रस्तुत कर रही है एवं "मजबूत आर्थिक विकास" को दर्शा रही है।

जीडीपी की शिखर की ओर बढ़ने की गति भारत के शक्तिशाली बनने का आधार है। विनिर्माण, निर्माण, लोक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाओं द्वारा प्रोत्साहित, चौथी तिमाही की 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्थशास्त्रियों द्वारा लगाए गए 7.3-7.4 प्रतिशत के उच्चतम अनुमान से कहीं अधिक रही। और 8.2 प्रतिशत की पूर्ण वर्ष की वृद्धि दर आरबीआई द्वारा अनुमानित 7 प्रतिशत और एनएसओ द्वारा 2023-24 के लिए 7.6 प्रतिशत के दूसरे अग्रिम अनुमान से अधिक है। यह आंकड़ा सभी अनुमानों एवं पूर्वानुमानों से ऊपर है। जीडीपी की गति इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति देगी। यह आर्थिक विकास देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर तीसरे स्थान दिलाने के संकल्प को बल देने में सहायक बनेगा। यह जीडीपी इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय है क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। अमृत काल यानी 2047 तक भारत की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का विजन निश्चित ही हम हासिल करेंगे।

ध्यान देने की बात है कि आजादी के बाद की अधिकतम शासन करने वाली सरकारों ने आर्थिक संकट ही खड़े किये थे। साल 1991 में जब भारत पर आर्थिक संकट आया था, तब शायद भारतीय अर्थव्यवस्था से दुनिया के ज्यादातर देशों को विश्वास कुछ डिग गया था। मजबूरी में देश को अपना सोना विदेश भेजना पड़ा था। तब कर्ज का जाल भारी हो गया था, लेकिन आज भारत की अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन कर रही है और कर्ज चुकाना अब समस्या नहीं है। ऐसे में, इतने बड़े पैमाने पर विदेश से सोना लाने की प्रशंसा ही की जा सकती है। मार्च के अंत तक रिजर्व बैंक के पास 822.1 टन सोना था, जिसमें से 413.8 टन विदेश में था। वास्तव में, अपना सोना किसी अन्य देश में रखने को बहुत अच्छा नहीं माना जाता है। रिजर्व बैंक शायद संदेश देना चाहता है कि भारत अब शक्तिशाली है और वह अपने सोने की हिफाजत खुद कर सकता है। आज अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर हम ब्रिटेन से आगे निकल गए हैं, तो हमें अपनी नीतियों में गरिमा के अनुरूप परिवर्तन करना ही चाहिए। वैसे, भारत की स्थिति अचानक नहीं सुधरी है। एक खास बात यह भी है कि भारत चालू वित्त वर्ष में ऐसे चंद देशों में शुमार है, जिन्होंने सोना खरीदा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने कुछ ही महीनों में 27.5 टन सोना खरीदकर अपने स्वर्ण भंडार में जमा किया है।

स्वर्ण भंडार के मामले में भारत 822.1 टन के साथ दुनिया में नौवें स्थान पर है और अमेरिका के पास सर्वाधिक 8,133 टन से ज्यादा सोना है। जर्मनी के पास 3,352 टन सोना है। उसके बाद इटली, फ्रांस, रूस, चीन (2,262 टन), स्विट्जरलैंड और जापान का स्थान है। समय के साथ सोने का भाव बढ़ता ही रहा है, बीस साल पहले जो सोना 6,307 रुपये प्रति दस ग्राम का था, वही सोना आज 73,390 रुपये प्रति 10 ग्राम का हो गया है। जाहिर है, सोने की मांग नहीं घटने वाली, पर ज्यादा से ज्यादा भारतीयों को अपनी बुद्धि, कौशल और श्रम से सोना खरीदने में सक्षम होना पड़ेगा, तभी देश के स्वर्ण भंडार की खनक-चमक बढ़ेगी। कई उच्च आवृत्ति संकेतक जैसे जीएसटी संग्रह, बिजली खपत, माल ढुलाई आंकड़े आदि संकेत देते हैं कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था लचीली और उत्साही बनी हुई है। मोदी यदि तीसरे कार्यकाल के लिये प्रधानमंत्री चुने जाते हैं तो भारत की आर्थिक विकास गति जारी रहेगी। जीडीपी एवं आर्थिक गति मूडीज, फिच, एसएंडपी, नोमुरा, रिजर्व बैंक, आईएमएफ आदि दिग्गज वित्तीय संस्थानों के अनुमानों को ठुकराते हुए नई छलांगे लगायेगी।

प्रधानमंत्री ने देश में आतंकवादी वारदातें कम होने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, सरकार के ईमानदारी और पारदर्शिता से काम करने का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने गरीबों के कल्याण के लिए ज्यादा से ज्यादा धन खर्च किया है और 13.5 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है। निश्चित ही भारत से गरीबी दूर हो रही है। उन्होंने देशवासियों को इस बात का अहसास कराया कि जब देश आर्थिक रूप से मजबूत होता है तो तिजोरी ही नहीं भरती बल्कि देश का सामर्थ्य भी बढ़ता है। उन्होंने देशवासियों से परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के खिलाफ लड़ने का आह्वान भी किया क्योंकि ये गरीब, पिछड़े, आदिवासियों और दलितों का हक छीनते हैं।

यह उल्लेखनीय एवं संतोष का विषय है कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। 'इंडियन इकॉनमी- अ रिव्यू' में यह उम्मीद जताई गई है कि भारत 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर और 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बन जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार इस बात की गारंटी दे रहे हैं कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा। भारत फिलहाल दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। वैश्विक वित्तीय संस्थान मॉर्गन स्टेनली ने भी ऐसी ही भविष्यवाणी की थी। तमाम तरह की अनुकूलताओं एवं गुलाबी अर्थ रंगों के बावजूद हमें आर्थिक गति की बाधाओं पर भी ध्यान देना होगा। तेज विकास दर के बावजूद रोजगार के मोर्चे पर खास प्रगति नहीं हुई है। आज भी युवा बेरोजगारी का स्तर 40 फीसदी तक बताया जाता है।

यह स्थिति गंभीर इसलिए भी है कि यह तेज विकास दर के फायदों को सीमित करती है। एक बड़ी चुनौती यह भी है कि निजी पूंजी निवेश में बढ़ोतरी नहीं हो रही है।

एग्जिट पोल की खुल गई पोल

लोकसभा चुनाव के अंतिम दिन चुनाव खत्म होने से पहले ही जिस तरह से आए एग्जिट पोल में एनडीए को बंपर जीत का दावा किया गया था, वह आज एक्जैट पोल में नहीं दिखा। बहरहाल चुनाव नतीजे एग्जिट पोल से अलग जरूर दिख रहे हैं लेकिन एनडीए अपनी जगह बढ़त बनाए हुए है। पंजाब, यूपी, हरियाणा और राजस्थान में भाजपा को अपेक्षित सफलता भले ही नहीं मिली हो लेकिन दक्षिण के तेलुगु राज्य तेलंगाना, आंध्रप्रदेश ने काफी साथ दिया है। दूसीर ओर इंडिया गठबंधन ने भी यूपी, बिहार में जिस तरह की सफलता हासिल की है इसकी उम्मीद तो भाजपा को कतई नहीं रही होगी। इंडिया गठबंधन ने मजबूत आगाज करते हुए मुकाबले को दिलचस्प बना दिया। पूरा देश सांस रोके नतीजे देखने में व्यस्त रहा कि कब क्या हो जाए। लोकसभा चुनाव में काउंटिंग जैसे-जैसे आगे बढ़ी तो शुरूआती रुझानों में केंद्र की सत्ताधारी एनडीए को तगड़ा झटका लगता दिख रहा था। इसके साथ ही एग्जिट पोल पर भी सवाल खड़े होने लगे। लगभग सभी एग्जिट पोल में भाजपा को पूर्ण बहुमत दे रहे थे तो एनडीए को चार सौ पार का दावा कर रहे थे। लेकिन दिन बीतने के साथ ही बीजेपी को इस चुनाव में धीरे-धीरे ही सही लेकिन झटका लगता दिखने लगा था। खास तौर पर यूपी में इंडिया गठबंधन ने जिस तरह की पटखनी दी है उसकी तो किसी ने कल्पना तक नहीं की होगी। यहां तक कि खुद गठबंधन के नेता को भी विश्वास नहीं हो रहा था कि वे इतनी जबर्दस्त जीत के हकदार हैं। लोकसभा चुनाव की मतगणना में उत्तर प्रदेश में 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' यानी इंडिया, बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए पर बढ़त बनाए रखा है। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर दिए गए आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश की 80 में से आधे से ज्यादा सीटों पर इंडिया गठबंधन ने बाजी मार ली है। सपा ने जहां ने जहां 37 सीटों पर बढ़न बनाया है तो 'इंडिया' में सहयोगी कांग्रेस छह सीट पर आगे है। बीजेपी अपना पिछला शानदार प्रदर्शन दोहराने को तरसती रह गई। बीजेपी का सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल पार्टी की उम्मीद पर खरी उतरी है। उसने दोनों सीट अपने कब्जे में कर ली है। सबसे खास जीत तो आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के उम्मीदवार चंद्रशेखर आजाद की रही जिसने नगीना की सीट अपने कब्जे में कर ली है। वे पहली बार लोकसभा में पहुंचेंगे। बहरहाल अंत भला तो सब भला की तर्ज पर शाम तक आए रुझानों में एनडीए सरकार बनने में सफल होती नजर आई। अपने सहयोगी दलों के साथ तीन सौ का आंकडा छूने में एनडीए सफल रही। इसके साथ ही अब सरकार बनाने के लिए दोनों ही दल अपने-अपने दांव चलेंगे। सरकार किसकी बनेगी जाहिरा तौर पर तो यही लग रहा है कि भाजपा गठबंधन अपने मकसद में कामयाब हो जाएगी लेकिन दिल्ली में बह रही यमुना में अभी बहुत पानी बाकी है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि चुनाव आचार नियमावली के अनुसार सुबह आठ बजे मतगणना प्रारंभ होने के बाद सबसे पहले डाक मतपत्र (पोस्टल बैलट) की गिनती शुरू हुई और आधे घंटे बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में दर्ज मतों की गिनती शुरू की गई। इसलिए अब मतगणना पर किसी भी तरह से अंगुली उठाने की गुंजाइश नहीं दिख रही है।

सरकारी नौकरी ही सफलता का पैमाना क्यों है?

विश्व प्रसिद्ध उपन्यास हैरी पॉटर की लेखिका जे. के. रॉलिंग सपने देखने पर जोर देती हैं। वो कहती हैं कि कल्पनाशक्ति से हम अपनी दुनिया बदल सकते हैं। बहरहाल, वह आकर्षण के नियम को आधार बनाकर अपनी बात कह रही थीं, लेकिन यहां हम आम भारतीयों की बात करने जा रहे हैं। क्या हम सपने देख रहे हैं? मध्यमवर्गीय लोगों के लिए सपनों की परिभाषा नौकरी से शुरू होकर पेंशन पर ही समाप्त हो जाती है।

बच्चे सरकारी नौकरी या सिविल सर्विस को ही सपना मानकर लक्ष्य बना रहे हैं। इन आंकड़ों पर गौर करें। साल 2022 में रिकॉर्ड 2,25,620 भारतीय अपनी नागरिकता छोड़कर विदेशों में बस गए। औसतन एक लाख भारतीय हर साल भारतीय नागरिकता छोड़कर विदेशों में जाकर बस रहे हैं। तो क्या भारत में उनके सपने पूरे नहीं हो रहे?

2019 से 2021 के बीच 35 हजार से ज्यादा विद्यार्थियों ने आत्महत्या कर ली। क्या इन बच्चों ने अपने सपनों के आगे हार मान ली?

दरअसल हमारी सपनों की परिभाषा सिर्फ भौतिक चीजों पर सिमटती जा रही है। हमारे समाज में सिर्फ सरकारी नौकरी सफलता का पर्याय है या सिविल सर्विस सबसे बड़ी सफलता है। इससे कम कुछ भी स्वीकार्य नहीं। अगर कोई प्राइवेट नौकरी से अपना गुजर-बसर कर रहा है या उद्यमिता में संघर्ष कर रहा है, तो उसका कोई महत्व नहीं है!

लेकिन अगर सरकारी नौकरी या विदेश का ठप्पा है और साथ-साथ पैसा भी है तो फिर यह सपनों के पूरा होने जैसा है। आखिर सपने का आकाश होता कैसा है?

अरबपति बनकर चमकना ही सपना है या सिविल सर्वेंट बनकर, या कुछ और? बस इन्हीं सपनों और सिविल सर्विसेज़ के परिप्रेक्ष्य में कुछ महीनों पहले एक बहस भी छिड़ी कि अगर भारतीय युवा सिविल सेवा की सीढ़ी पर चिपके रहने के बजाय इलॉन मस्क जैसे आंत्रप्रेन्योर बनने का सपना देखते, तो भारत में अरबपतियों की संख्या अधिक होती।

यानी भारत को नौकरशाह से ज्यादा उद्योगपति मिलते जो बेरोजगारी जैसे मुद्दों का हल निकालने में सरकार का सहयोग भी करते। इस तर्क के पीछे थोड़ा और गहराई से जाने की जरूरत है। एक विकासशील देश के रूप में भारत को अनेक अरबपतियों की जरूरत है जो एक उद्यमशीलता की संस्कृति का माहौल बना सकें और सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बनाए रखने में भी मदद भी कर सकें।

और इसलिए किसी भारतीय युवा के लिए एक उद्यमी की तरह सोचना और अरबपति बनने का ख्वाब देखना बिलकुल तर्कसंगत है। इसलिए मेरी राय में उद्यमी बनकर सभी के सपनों को पूरा करने का सपना सही है। हालांकि सवाल यह भी है कि क्या उद्यमी बनकर अरबपति बनना ही एकमात्र सपना होना चाहिए या सेवा की भावना से लैस होकर देश सेवा का सपना भी महत्वपूर्ण है?

क्या केवल प्रॉफिट मार्जिन या बैलेंस शीट ही महत्वपूर्ण है या हाशिए पर रहने वाले लोग भी उतने ही मनुष्य हैं? आर्थिक मूल्य, पद का मूल्य, शक्ति का मूल्य ही सबसे बड़ा मूल्य है या जीवन मूल्य की परिधि सबसे बड़ी परिधि है?

अगर कोई उद्यमी बनता है या अरबपति तो जरूर बने, लेकिन उसे यह ध्यान देना होगा कि उसकी पूंजी किसी आम आदमी को भयभीत न करे, किसी पर क्रूरता ना हो और उदारता से भरे पूंजीवाद को बढ़ावा मिले।

अमेरिकी दार्शनिक रॉल्स ने न्याय के अपने सिद्धांत के माध्यम से समझाया कि किसी भी उत्पादक समाज में असमानताएं मौजूद रहेंगी बशर्ते कि अमीर या शक्तिशाली, समाज के उन सबसे जरूरतमंद सदस्यों की स्थिति में सुधार करने की चेष्टा करे।

धन का मूल्य और प्रोफाइल का मूल्य हम सभी के लिए तभी सार्थक हो सकता है जब यह मानवीय मूल्यों की परिधि के अंदर हो।

चिंता का सबब बनता पर्यावरण का डगमगाता संतुलन

योगेश कुमार गोयल

विश्व-पर्यावरण, दिवस 5 जून पर विशेष

पर्यावरण प्रदूषण वर्तमान समय में सबसे बड़ी वैश्विक समस्या है। तीन दशकों से महसूस किया जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी समस्या पर्यावरण से ही जुड़ी है। मानवीय क्रियाकलापों के कारण प्रकृति में लगातार बढ़ते दखल के कारण पृथ्वी पर बहुत से प्राकृतिक संसाधनों का विनाश हुआ है। आधुनिक जीवनशैली, पृथ्वी पर पेड़-पौधों की कमी, पर्यावरण प्रदूषण का विकराल रूप, मानव द्वारा प्रकृति का बेदर्दी से दोहन इत्यादि कारणों से मानव और प्रकृति के बीच असंतुलन की भयावह खाई उत्पन्न हो रही है। जलवायु परिवर्तन और प्रदूषित वातावरण के बढ़ते खतरे हम अब लगातार अनुभव कर रहे हैं। इसीलिए पर्यावरण की सुरक्षा तथा संरक्षण के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 5 जून को पूरी दुनिया में 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा तथा संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा 16 जून 1972 को स्टॉकहोम में पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिए यह दिवस मनाने की घोषणा की गई थी और पहला विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 1974 को मनाया गया था।

पर्यावरण की रक्षा और प्रकृति के उचित दोहन को लेकर हालांकि यूरोप, अमेरिका तथा अफ्रीकी देशों में 1910 के दशक से ही समझौतों की शुरूआत हो गई थी किन्तु बीते कुछ दशकों में दुनिया के कई देशों ने इसे लेकर क्योटो प्रोटोकाल, मांट्रियल प्रोटोकाल, रियो सम्मलेन जैसे कई बहुराष्ट्रीय समझौते किए हैं। अधिकांश देशों की सरकारें पर्यावरण को लेकर चिंतित तो दिखती हैं लेकिन पर्यावरण की चिंता के बीच कुछ देश अपने हितों को देखते हुए पर्यावरण संरक्षण की नीतियों में बदलाव करते रहे हैं। प्रदूषित वातावरण का खामियाजा केवल मनुष्यों को ही नहीं बल्कि धरती पर विद्यमान प्रत्येक प्राणी को भुगतना पड़ता है। बड़े पैमाने पर प्रकृति से खिलवाड़ के ही कारण दुनिया के विशालकाय जंगल हर साल सुलगने लगे हैं, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को खरबों रुपये का नुकसान होने के अलावा दुर्लभ जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियां भी भीषण आग में जलकर राख हो जाती हैं। कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान दुनियाभर में पर्यावरण की स्थिति में सुधार देखा गया था, जिसने बता दिया था कि अगर हम चाहें तो पर्यावरण की स्थिति में काफी हद तक सुधार किया जा सकता है लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति के अभाव में पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपेक्षित कदम नहीं उठाए जाते। न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में निरन्तर हो रही बढ़ोतरी और मौसम का लगातार बिगड़ता मिजाज गहन चिंता का विषय बना है।

जलवायु परिवर्तन से निपटने को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह स्पष्ट किया है कि धरती में रह-रहकर जो उथल-पुथल की प्राकृतिक घटनाएं घट रही हैं, उनके पीछे छिपे संकेतों और प्रकृति की मूक भाषा को समझना कितना जरूरी है। आधुनिकरण और औद्योगिकीकरण की दौड़ में हमने हर पल प्रकृति की नैतिक सीमाओं का उल्लंघन किया है और ये सब प्रकृति के साथ इंसान की ज्यादतियों का ही नतीजा हैं, जिसके भयावह परिणाम हमारे सामने हैं।

मानवीय क्रियाकलापों के कारण ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतने खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है कि हमें सांस के जरिये असाध्य बीमारियों की सौगात मिल रही है। सीवरेज की गंदगी स्वच्छ जल स्रोतों में छोड़ने की बात हो या औद्योगिक इकाईयों का अम्लीय कचरा नदियों में बहाने की अथवा सड़कों पर रेंगती वाहनों की लंबी-लंबी कतारों से वायुमंडल में घुलते जहर की या फिर सख्त अदालती निर्देशों के बावजूद खेतों में जलती पराली से हवा में घुलते हजारों-लाखों टन धुएं की, हमारी आंखें तब तक नहीं खुलती, जब तक प्रकृति का बड़ा कहर हम पर नहीं टूट पड़ता। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील कर दिया गया है। धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिसके दुष्परिणाम स्वरूप ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है।

प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें निरन्तर चेतावनियां देती रही है कि यदि हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है लेकिन हम हर बार प्रकृति का प्रचण्ड रूप देखने के बावजूद प्रकृति की इन चेतावनियों को नजरअंदाज कर खुद अपने विनाश को आमंत्रित कर रहे हैं। यदि दुनियाभर में पर्यावरण प्रदूषण की विकराल होती वैश्विक समस्या को देखें तो स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे शायद हम कुछ करना ही नहीं चाहते। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक' में बताया गया है कि पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के कारण दुनियाभर में लोग तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है।

सड़कों पर रेंगती मौत का कौन जिम्मेदार?

मनोज कुमार अग्रवाल

गर्मी की छुट्टियां होते ही देश में पहाड़ी राज्यों की ओर मैदानी क्षेत्रों के निवासियों की पिकनिक व धार्मिक टूर का सिलसिला शुरू हो जाता है। अधिकांश मध्यमवर्गीय परिवार पहाड़ी क्षेत्रों में धार्मिक स्थलों पर जाना पसंद करते हैं क्योंकि इससे वह धार्मिक तीर्थयात्रा व पर्यटन दोनों काम एक साथ करने का विचार रखते हैं लेकिन इन दिनों रोजाना धार्मिक यात्रा के दौरान सड़क हादसे और उनमें जनहानि के मामले सामने आ रहे हैं। हाल ही में जम्मू के अखनूर में हुए सड़क हादसे में 22 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 69 लोग घायल हो गए। यह यात्री यूपी के हाथरस से जम्मू संभाग के जिला रियासी के शिवखोड़ी धाम में बाबा भोलेनाथ के दर्शन के लिए जा रहे थे। दावा किया जा रहा है कि डोडा में पिछले साल हुए हादसे के बाद यह जम्मू कश्मीर की दूसरी सबसे बड़ी दुर्घटना15 नवंबर 2023 डोडा के अस्सर इलाके में यात्रियों से भरी एक बस सड़क से फिसल कर 300 फुट गहरी खाई में गिर गई थी। इसमें 39 लोगों की मौत हो गई थी और 19 घायल हो गए थे।इसी साल 29 मार्च को रामबन जिले के बैटरी चश्मा इलाके में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग से एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) के फिसल कर खाई में गिरने से 10 लोगों की मौत हो गई थी।

आपको बता दें कि दुनिया में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में अत्यधिक वृद्धि हुई है और इनमें से भी प्रत्येक 5 में से 1 मौत भारत में होने के कारण भारत को सड़क दुर्घटनाओं की राजधानी भी कहा जाने लगा है जिनमें परिवारों के परिवार तबाह हो रहे हैं। हाल के दिनों में हुई सड़क दुर्घटनाओं की बानगी देखिए 18 मई को मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले में केदारनाथ से दर्शन करके लौट रहे श्रद्धालुओं की कार मवेशियों से टकराने से बचाने की कोशिश में पलट जाने से उसमें सवार 2 महिलाओं की मौत व 11 अन्य घायल हो गए।23 मई को मध्य प्रदेश के इंदौर से चारधाम यात्रा के लिए आए तीर्थ यात्रियों की बस समराला के निकट एक ट्राले से टकरा जाने से 2 महिला श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई।

24 मई को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से माता वैष्णो देवी के दर्शनों को जा रहे श्रद्धालुओं की मिनी बस दिल्ली-जम्मू हाईवे पर दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से एक ही परिवार के 7 सदस्यों की मौत और 20 लोग घायल हो गए। 24 मई को ही कर्नाटक के श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या आ रही एक मिनी बस के अयोध्या-प्रयागराज हाईवे पर एक ट्रक से टकरा जाने के कारण तीन श्रद्धालुओं की मौत और 14 घायल हो गए।

25 मई को जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में एक कार के सड़क से फिसल जाने से पंजाब के 4 पर्यटकों की मौत तथा 3 घायल हो गए।26 मई रात को राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के राजसर में एक सड़क दुर्घटना में एक कार और ट्रक की टक्कर में एक दम्पति और उनकी 7 वर्ष की बेटी के अलावा एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई।26 मई को ही उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में सीतापुर से उत्तराखंड में मां पूर्णागिरि के दर्शनों को जा रहे श्रद्धालुओं की बस पर तेज गति से आ रहा डम्पर पलट जाने से 11 श्रद्धालुओं की मौत हो गई।26 मई को ही हिसार के सैक्टर 27-28 मोड़ के निकट ट्रक से बचने के प्रयास में लड़की का रिश्ता करने आए परिवार की कार पलट जाने सेकार सवार दम्पति और 2 भाइयों सहित 5 लोगों की जान चली गई। 28 मई को ही अलमोड़ा में एक सड़क दुर्घटना में रुड़की के एक परिवार के 3 सदस्यों की मृत्यु हो गई।29 मई को उत्तर प्रदेश के गोंडा में भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह के बेटे कर्ण भूषण सिंह के काफिले की एक गाड़ी ने 2 बाईक सवारों को रौंद दिया जिससे दोनों युवकों की मौत हो गई जबकि सड़क के किनारे बैठी एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।29 मई को ही महाराष्ट्र के सांगली जिले में एक कार के नहर में गिर जाने से एक ही परिवार के 6 सदस्यों की मौत हो गई।29 मई को ही फिरोजपुर के कस्बा मक्खू में सड़क पार करते समय एक दुकानदार को एक बस ने टक्कर मार दी जिससे उसकी मृत्यु हो गई। 29 मई को ही दिल्ली में तेज रफ्तार बाईक गीता कालोनी फ्लाईओवर से लगभग 25 फुट नीचे गिर जाने से दो युवकों की मौत हो गई।

अब 30 मई को जम्मू-पुंछ राष्ट्रीय राजमार्ग पर चौकी चौरा कालीधार मार्ग पर एक हृदय विदारक दुर्घटना में उत्तर प्रदेश के हाथरस से शिवखोड़ी जा रही तीर्थयात्रियों की स्लीपर बस ड्राईवर द्वारा तीखे मोड़ पर संतुलन न रख पाने के कारण 5-6 पलटियां खाकर 200 फुट की गहरी खाई में गिर जाने से 22 तीर्थ यात्रियों की मौत और 64 तीर्थ यात्री घायल हो गए। निश्चय ही यह दुर्घटनाएं अत्यंत दुखद हैं। इस तरह की दुर्घटनाओं से मरने वालों के परिवारों पर अचानक वज्रपात हो जाता है, इनके चलते अनाथ, विधवा और यतीम हो जाने वाले बच्चों, महिलाओं और बूढ़े माता-पिता का जीवन भी नरक बन जाता है।

प्यासा कौआ बना जल जादूगर

रामविलास जांगिड़

एक नगर में एक संस्कारी कौआ रहता था। सभी लोग इसे कवि कहते थे। भटकता हुआ अपना वाला प्यासा कौआ उर्फ कवि एक दिन एक रेस्तरां के आउटडोर सीटिंग अरेक्स में जा बैठा। उसने एक खाली पेटबोर्ड पर एक साइन देखी, 'आज सिर्फ अच्छा खाना और पानी यहां मिलेगा!' परंतु जब वह अंदर गया, तो उसने देखा कि वहां केवल एक पेटबोर्ड था। न खाना न पानी! फिर उसने पेटबोर्ड पर लिखा, 'मैंने यह गलत सोचा कि लोग चुनावों में ही बम मारते हैं!' और वह उड़ चला। पीछे पेटबोर्ड से आवाज आई- 'आजकल हर कोई कौआ अपने आपको बहुत ज्यादा ही स्याणा समझता है।'

फिर वही अपना वाला कौआ दिखाई पड़ा। वह चोंच फाड़े एक प्रसिद्ध तकनीकी विश्वविद्यालय के कॉरिडोर पर चक्कर काटा करता। कविता बाजी करना छोड़ उसने मोबाइल निकाला और एक ऑनलाइन पानी की वेबसाइट खोजना शुरू किया। कौए ने अपने स्मार्टफोन से बादल मानचित्र का उपयोग करते हुए नगर के विभिन्न क्षेत्रों में उड़ना शुरू किया। वह इसकी एक रील बनाकर, उसे सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए, इसकी जांच भी करता रहा। शीघ्र ही उसे एक वेबसाइट मिली, जो जल स्थानों की जानकारी प्रदान करती है, जहां लोग प्यास बुझा सकते हैं। कौआ भाई खटाक से एक उच्चतम रेटेड जल स्थल की ओर उड़ चला। पहुंचने पर वह खुद को एक उत्तेजित लॉक बॉक्स के सामने पाता है। जिसे खोलने के लिए वह चाबी की तलाश में निकलता है। वह खोजता है। उसे एक पिक्सेलेटेड क्यूआर कोड के साथ एक पानी कूप मिलता है। जल्दी से उसने क्यूआर कोड स्कैन किया। पर डिजिटल पानी! लाख चोंच मारी पर कुछ नहीं हुआ। हुआ तो बस इतना कि मोबाइल की स्क्रीन टूट गई और उसे नया मोबाइल खरीदना पड़ा। बेटे की डांट सुनी वो अलग!

फिर वही हुआ। चिलचिलाती गर्मी वाले शहर दिल्ली में कवि नाम का यह स्टाइलिश कौआ अपनी प्यास बुझाने के मिशन पर लगा रहा। जल संकट ने कवि के पसंदीदा जल स्थानों को सूखा और बंजर बना दिया था। जिस नदी में बंदर और मगरमच्छ अपनी जल क्रीड़ा करते थे, उस नदी की जगह अब गगनचुंबी इमारतें बन गई थी। आखिर कवि अब करे तो क्या? कविता पानी थोड़े दे सकती है? पंख फड़फड़ाने और गला सूखने के साथ, कवि समाधान की खोज में निकल पड़ा।

जैसे ही वह भीड़-भाड़ वाली सड़कों पर उड़ा, कवि ने एक बेंच पर लावारिस पड़ी एक ट्रेंडी पानी की बोतल देखी। बोतल में थोड़ी मात्रा में पानी बचा था, लेकिन कवि की चोंच पहुंचने के लिए वह बहुत संकरी थी। बिना किसी डर के, साधन संपन्न कौआ पास की एक मल्टी स्टोरी बिल्डिंग से ड्रिल मशीन ले आया। उसने बोतल के पेंदे में ड्रिल करना शुरू किया। ड्रिल से हुए होल में वह अपनी चोंच फंसा कर सारा पानी फटाफट पी गया। इससे कवि का उत्साह खटाखट 4 किलोमीटर आगे तक बढ़ गया। उसे एक सेलिब्रिटी अभिनेता और नेता की तरह महसूस हुआ। उस दिन से कवि को दिल्ली के 'जल जादूगर' के रूप में जाना जाने लगा।

वट सावित्री के व्रत के दिन करें ये काम

मनवांछित फल की होगी प्राप्ति !

वट सावित्री के व्रत के दिन करें ये काम, मनवांछित फल की होगी प्राप्ति ! वट सावित्री का व्रत ज्येष्ठ मास की अमावस्या के दिन मनाया जाता है। इस दिन सभी सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत करती हैं। इस बार वट सावित्री का व्रत आज यानी 6 जून को गुरुवार के दिन पड़ रहा है, जो कि अपने आप में एक अत्यंत शुभ संयोग है। प्राचीन काल में जब सती सावित्री ने अपने पति के प्राण यमराज से वापस आशीर्वाद के रूप में मांग लिए थे, तभी से ही सुहागिन महिलाएं देवी सावित्री के नाम पर यह व्रत अपने पति को दीर्घायु बनाने के लिए करती हैं।

इस व्रत को करने से अखण्ड सौभाग्य व अच्छे वर की प्राप्ति होती है। व्रत के प्रभाव से पति-पत्नी के संबंधों में भी सुधार आता है एवं खराब हुए रिश्ते भी फिर से जुड़ जाते हैं। इस साल ये व्रत 6 जून को रखा जाएगा। वट सावित्री व्रत के दिन वट वृक्ष की कुछ खास तरीके से पूजा करने पर पति से बेशुमार प्यार मिलता है। इस दिन सभी सुहागिन वट वृक्ष की पूजा संध्या के समय पूरा दिन निर्जला व्रत रखकर करें। प्रातः काल में स्वच्छ होने के पश्चात पूजा पाठ करते हुए उगते सूरज के साथ व्रत करने का संकल्प लें। इसके बाद पूरा दिन निर्जल रहकर सती सावित्री और मां पार्वती का ध्यान करें।

वट सावित्री के दिन करें ये काम

पुजारी प्रकाश चंद्र ने बताया कि वट वृक्ष की पूजा करते समय पीले रंग का सूत्र बांधते हुए अपने रिश्ते की मजबूती की कामना करें। वट वृक्ष यानी बरगद के पेड़ पर दूध व शहद मिलाकर अर्ध्य दें। इसके साथ-साथ वट वृक्ष का पूजन करते समय खाद्य पदार्थ, फल-फूल,

धूप और अगरबत्ती दिखाकर पूजा करें। इसके बाद अखंड सौभाग्य व सुख-समृद्धि की प्राप्ति के लिए अपनी सामर्थ्य व श्रद्धानुसार दान-दक्षिणा दें। देवी सती से सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए सुहागिनों को श्रृंगार का सामान भेंट करें।

पहली बार पूजा करने जा रही सुहागिन महिलाएं न करें ये 4 काम

जेठ माह की कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को वट सावित्री व्रत की पूजा की जाएगी। इस साल 6 जून को वट सावित्री पूजा की तिथि है। सुहागिन महिलाओं के लिए यह दिन बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। महिलाएं इस दिन वट वृक्ष की पूजा अर्चना करने के बाद अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगती हैं। हर साल की तरह इस बार कई ऐसी नवविवाहित महिलाएं होंगी, जो पहली बार वट सावित्री का व्रत करने जा रही होंगी। ऐसी महिलाओं को कुछ बातों का ध्यान रखना अति आवश्यक हो जाता है, नहीं तो पुण्य का लाभ नहीं मिल पाता है।

वट वृक्ष के नीचे ही सावित्री ने पतिव्रत धर्म से अपने मृत पति सत्यवान को जीवित कराया था। वह दिन जेठ माह की अमावस्या तिथि थी। तभी से वट सावित्री की पूजा जेठ माह की अमावस्या तिथि को की जाती है, इसलिए सुहागिन महिलाएं अगर जेठ माह की अमावस्या तिथि को वट वृक्ष की पूजा आराधना करें तो उनके पति दीर्घायु होते हैं। वहीं, पहली बार वट वृक्ष की पूजा करने जा रही सुहागिन महिलाओं को कुछ बातों का ध्यान रखना अति आवश्यक है।

भूलकर भी न पहनें इस रंग की साड़ी

जो सुहागिन महिलाएं व्रत रखकर पहली बार वट वृक्ष की पूजा करेंगी वो भूल कर भी उस दिन नीली, काली या सफेद रंग की साड़ी पहनकर पूजा न करें।

बरगद की न तोड़े टहनी या पत्ते

वट सावित्री पूजा के दिन पूजा करते समय भूल कर भी वट वृक्ष की टहनी या पत्ते न तोड़ें। अगर ऐसा करती हैं तो सभी तरह के पुण्य नष्ट हो जाएंगे और शुभ फल की प्राप्ति नहीं होगी।

काले और सफेद रंग का श्रृंगार न करें

वट सावित्री पूजा के दिन सुहागिन महिलाएं भूल कर भी काले और सफेद रंग की चूड़ी, बिंदी या श्रृंगार की किसी सामग्री में ऐसे रंगों का प्रयोग न करें।

पूजा के बाद करें दान

वट सावित्री पूजा के दिन पहली बार पूजा करने के बाद अपने पति के नाम से किसी गरीबी असहाय व्यक्ति को दान करना बिल्कुल न भूलें।

घर की इन 3 दिशाओं में रखें सोने के जेवर, हमेशा भरी रहेगी तिजोरी

सोने के जेवर ऐसी चीज हैं जो अधिक मात्रा में लोग अपने लॉकर में रखते हैं, लेकिन बहुत कम लोगों को पता होगा कि सोना रखने की सही दिशा क्या होती है। अगर सोना रखने की सही दिशा जान लें तो आपके घर में सुख समृद्धि और बरकत बरसेगी, लेकिन अगर आप गलत दिशा में सोना रखते हैं, तो फिर आपको इसकी नकारात्मक एनर्जी भी झेलनी पड़ेगी।

सोना रखने के कुछ नियम हैं। दरअसल, सोना पीला और बहुत ही शुद्ध धातु होता है। इसमें लक्ष्मी जी का वास होता है, इसलिए इसे किसी भी दिशा में नहीं रखना चाहिए।

इस दिशा में रखें सोना

संतोष कुमार चौबे बताते हैं कि सोना रखने की सबसे उत्तम दिशा होती है उत्तर पूर्व दिशा। इस दिशा के बीच के स्थान को ईशान कोण दिशा माना जाता है और यह काफी पवित्र दिशा होती है, क्योंकि इस दिशा में बृहस्पति का वास होता है। उन्हें पीली चीज काफी प्यारी होती है और सोना भी पीला व शुद्ध होता है। इसलिए जब आप इस दिशा में सोना रखते हैं तो वहां पर बृहस्पति स्थापित हो जाता है।

उन्होंने बताया कि बृहस्पति स्थापित होने से आपके घर में सुख-समृद्धि, ज्ञान इन सब चीजों की कमी नहीं रह जाएगी। घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होगा। आलस व बीमारी जैसी चीज घर में नहीं देखी जाएगी। यह सबसे पवित्र जगह मानी जाती है। खासकर सोना रखने के लिए तो यह सबसे उत्तम जगह है।

यह दिशा भी है शुभ

इसके अलावा दूसरी दिशा है दक्षिण पश्चिम। वास्तु शास्त्र के अनुसार यह दिशा सेविंग की होती है। यहां पर आप जो भी चीज रखते हैं वह जल्दी खर्च नहीं होती और लंबे समय तक टिकती है। तो यहां पर अगर आप सोना रखते हैं तो लंबे समय तक सुरक्षित रहने की गारंटी होती है। वहीं, तीसरी जगह है उत्तर दिशा। यह माता लक्ष्मी और कुबेर जी का घर माना जाता है। उन्होंने बताया कि उत्तर दिशा में सोने के जेवर रखने से भी घर में सकरात्मक ऊर्जा का वास होता है। कुबेर जी खुश होते हैं और घर में सोना-चांदी की कमी नहीं रहती। यश वैभव बना रहता है। इन तीनों दिशा में से किसी एक में भी सोने के जेवर रख सकते हैं। घर में इसका काफी अच्छा प्रभाव देखने को मिलेगा। किसी और दिशा में सोने के जेवर ना रखें, वरना वहां से नकारात्मक ऊर्जा का वास घर में देखने को मिलेगा।

ग्रह दोष और पितृ दोष से मिलेगी राहत ज्येष्ठ अमावस्या के दिन न करें ये काम

सनातन धर्म में अमावस्या तिथि का बहुत अधिक महत्व माना जाता है। हर महीने आने वाली हर अमवास्या तिथि का अपना अलग और विशेष महत्व होता है। अमावस्या तिथि के दिन पितरों की तृप्ति के लिए पूजा-पाठ और पिंडदान करवाया जाता है। इसके अलावा इस दिन स्नान और दान करना भी बहुत फलदाई माना जाता है। इसके अलावा भी ज्येष्ठ अमावस्या के दिन कुछ अन्य कार्य भी किए जाते हैं जिससे कि घर में सुख-समृद्धि आती है।

ज्येष्ठ अमावस्या ?

हिंदू पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ अमावस्या 5 जून, 2024 रात 07:54 बजे शुरू होगी और इसका समापन अगले दिन 6 जून, 2024 शाम 06:07 बजे होगा। उदया तिथि को ध्यान में रखते हुए ज्येष्ठ अमावस्या 6 जून, 2024 को मनाई जाएगी।

ज्येष्ठ अमावस्या के दिन क्या करें

– ज्येष्ठ अमावस्या के दिन पवित्र नदी में स्नान जरूर करना चाहिए और अगर आप नदीं तक नहीं जा पा रहे हैं तो घर पर पानी में गंगाजल डालकर नहा लें।

– इस दिन दान पुण्य करने से पितृ प्रसन्न होते हैं। इसलिए ज्येष्ठ अमावस्या के दिन अन्न, वस्त्र, पैसे आदि का दान करना चाहिए। आपके पितरों का आशीर्वाद मिलता है।

– इस दिन पितृ चालीसा का पाठ करना भी अच्छा माना जाता है।

– अमावस्या तिथि के दिन माता पार्वती और भोलेनाथ की पूजा करना शुभ फलदाई होता है। इससे आपके दांपत्य जीवन में खुशहाली आती है।

– अगर आप ग्रह दोषों से परेशान हैं तो ज्येष्ठ अमावस्या के दिन हनुमान जी की पूजा करना उत्तम माना जाता है।

– ज्येष्ठ अमावस्या के दिन तुलसी की पूजा करने से लाभ हो सकता है। साथ ही व्यक्ति को आर्थिक तंगी से भी छुटकारा मिल सकता है।

ज्येष्ठ अमावस्या के दिन भूलकर भी ना करें ये काम

– चूंकि अमावस्या तिथि मुख्यतः पितरों को समर्पित होती है, इसलिए इस दिन मांस, मदिरा और तामसिक भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आपके जीवन में नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

– ज्येष्ठ अमावस्या के दिन नाखून और बाल नहीं काटने चाहिए। इस दिन ऐसा करने से धन की देवी लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं।

भूलकर भी तुलसी पर न चढ़ाएं दूध मिला जल और ये 4 चीजें, वरना रूठ जाएंगी मां लक्ष्मी

तुलसी का पौधा लगभग हर घर के आंगन में होता है, क्योंकि तुलसी को सनातम धर्म में माता के रूप में पूजा जाता है। उनकी देवी लक्ष्मी के स्वरूप में पूजा की जाती है लेकिन क्या आपको पता है कि तुलसी का पौधा घर में रखने से बरकत आती है और खुशहाली भी आती है? अगर हमारे घर में तुलसी का अनादर हो तो ये ठीक नहीं माना जाता है इसलिए तुलसी पर हर कोई सी वस्तु अर्पित नहीं करनी चाहिए।

4 अशुभ चीजों को कभी भी तुलसी के पौधे पर अर्पित नहीं करना चाहिए। इससे आपको अशुभ फल की प्राप्ती हो सकती है।

दूध युक्त पानी

दुध मिला पानी कभी भी तुलसी के पौधे में नहीं डालना चाहिए वरना इससे तुलसी का पौधा सूख जाता है। तुलसी पर केवल शुद्ध और साफ जल अर्पित करना चाहिए।

जंगली फूल

तुलसी के पौधे पर कभी भी बेलपत्र, आंकड़ा या फिर धतूरे का फूल नहीं चढ़ाना चाहिए। ऐसा करने से मां लक्ष्मी रुष्ट हो जाती हैं। क्योंकि देवी लक्ष्मी ऐश्वर्य की देवी कही जाती हैं और उन्हें यदि जंगली फूल चढ़ाए जाएंगे तो अच्छे परिणाम नहीं मिलेंगे।

तिल का तेल

तुलसी के पौधे में कभी भी तिल का तेल अर्पित ना करें। ऐसा करने से तुलसी का पौधा खराब हो सकता है। हालांकि सिर्फ तिल का तेल ही नहीं बल्कि कोई भी तेल तुलसी के पौधे पर ना चढ़ाएं। तुलसी में केवल गाय के गोबर की खाद ही डालनी चाहिए।

गन्ने का रस

गन्ने का रस तुलसी के पौधे को अर्पित ना करें, क्योंकि ये भगवान शिव को अर्पित किया जाता है। वहीं अगर आप तुलसी में कोई भी मिठी चीज डालते हैं तो इससे पौधे में कीड़े लग जाते हैं और इससे पौधे को नुकसान हो सकता है।

7 महीने 11 दिन में 3 राशि के लोग बन सकते हैं लखपति ! भाग्य का भी मिलेगा साथ

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, देव गुरु बृहस्पति को भाग्य का कारक ग्रह माना गया है। वहीं ज्योतिष शास्त्र में गुरु बृहस्पति का गोचर का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि जब भी गुरु बृहस्पति अपनी राशि परिवर्तन करते हैं तो पृथ्वी पर मौजूद सभी प्राणियों पर कुछ न कुछ प्रभाव पड़ता है। बता दें कि कुछ महीने पहले गुरु बृहस्पति वृषभ राशि में प्रवेश किया था। अब गुरु बृहस्पति का अगला परिवर्तन 7 महीने बाद होगा। तब तक कुछ ऐसी राशियां हैं जिनको भाग्य का साथ मिलेगा। साथ ही आर्थिक तंगी से छुटकारा भी मिल सकता है। तो आज इस खबर में जानेंगे कि अगले 7 महीने 11 दिन में किन-किन राशियों पर पैसों की बरसात हो सकती है।

मिथुन राशि

मिथुन राशि वाले लोगों के लिए गुरु का राशि परिवर्तन फायदेमंद साबित होगा। अगले 7 महीने के अंदर बहुत बड़ी खुशखबरी मिलने वाली है। साथ ही सभी परेशानियों से मुक्ति भी मिल जाएगी। धन के मामले में बेहतर सुधार होगा। धन कमाने के नए-नए स्रोत बनेंगे। हालांकि खर्च भी बढ़ेंगे। बजट पर ध्यान रखना होगा। घरवालों की ओर से खुशखबरी मिल सकती है। वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनी रहेगी। संतान पक्ष से भी कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

सिंह राशि

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अगले 7 महीने में सिंह राशि के लोगों को भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा, क्योंकि भाग्य के कारक ग्रह वृषभ राशि में विराजमान हैं। इस दौरान कारोबार में डबल का मुनाफा हो सकता है। साथ ही विदेशी डील फाइनल हो सकती है। जीवनसाथी के साथ चल रही मुश्किलें धीरे-धीरे समाप्त हो जाएंगी। सभी कार्यों में जीवनसाथी का साथ मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। धन कमाने के नए-नए मौके मिलेंगे। साथ ही घर-परिवार में खुशियों का माहौल बना रहेगा।

कन्या राशि

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, वृषभ राशि में गुरु बृहस्पति के प्रवेश करने से कन्या राशि वाले लोगों को लाभ ही लाभ मिलेगा। साथ ही रुके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे। करियर में अचानक सफलता मिल सकती है। जो लोग नौकरी कर रहे हैं उन्हें बहुत जल्द प्रमोशन मिलेगा। बॉस का साथ मिलेगा। साथ ही ऑफिस में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आप उस जिम्मेदारी को अच्छे से निभा पाएंगे। कार्य के संबंध में विदेश जाने का प्लान बन सकता है। विदेश जाना आपके लिए बहुत ही लाभदायक रहेगा। वहां किसी से मुलाकात हो सकती है। यह मुलाकात भविष्य के लिए फायदेमंद रहेगा।

समस्याओं में नए अवसर छिपे होते हैं। इसलिए जब भी कोई समस्या आती है तो निराश हुए बिना सकारात्मकता के साथ उसका सामना करें और नए अवसर खोजें।

शुभ कार्य के लिए घर से निकल रहे हैं!

किस दिन कौन सी दिशा में करें यात्रा

हिंदू सनातन धर्म में शुभ कार्य में दिशा और दिन का बहुत महत्व रहता है। घर से किस दिन-किस टाइम पर निकलें यानि मुहूर्त क्या हो। इसको ध्यान में रखकर ही हम काम करते हैं। किसी महत्वपूर्ण कार्य या फिर शुभ कार्य के लिए किसी दूसरी जगह यात्रा करने का प्लान बनता है तो सबसे पहले यात्रा मुहूर्त पर विचार किया जाता है। यदि आपको भी किसी महत्वपूर्ण या शुभ कार्य के लिए यात्रा पर निकलना हो तो उससे पहले जान लीजिए कि कौन सा दिन किस दिशा की यात्रा में पॉजिटिव एनर्जी या सफलता देगा।

इस दिन इस दिशा में यात्रा करें

रविवार और शुक्रवार को पूर्व दिशा की ओर यात्रा करना शुभ माना गया है। मंगलवार और शनिवार को दक्षिण दिशा की यात्रा करना शुभ कारक माना गया है । शुक्रवार और सोमवार को पश्चिम दिशा में यात्रा करना शुभ कारक है। उत्तर दिशा की ओर गुरुवार को यात्रा करना शुभ माना गया है। यदि आप भी किसी महत्वपूर्ण कार्य के लिए यात्रा का बना रहे हैं। लेकिन प्लान और जल्दबाजी में आप यात्रा विचार नहीं कर पा रहे हैं तो ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक आप दिन का चयन करके उस दिशा की ओर यात्रा कर सकते हैं। ताकि आपकी यात्रा में किसी भी प्रकार की रुकावटें या फिर निगेटिव एनर्जी का असर नहीं होगा।

तेलुगु अभिनेत्री हेमा की बढ़ीं मुश्किलें, रेव पार्टी मामले में पूछताछ के बाद सीसीबी ने किया गिरफ्तार

बेंगलुरु रेव पार्टी मामले में तेलुगू अभिनेत्री हेमा की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) ने उन्हें पूछताछ के बाद सोमवार (3 जून) को गिरफ्तार कर लिया।

86 लोगों ने किया नशीली दवाओं का सेवन

इससे पहले सीसीबी ने तेलुगू अभिनेत्री हेमा समेत आठ लोगों को नोटिस भेजा था। पूरा मामला 22 मई को 22 मई को शहर के बाहरी इलाके में आयोजित एक रेव पार्टी को लेकर है। इस पार्टी में शामिल लगभग 86 लोगों में नशीली दवाओं के सेवन की पुष्टि हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस पार्टी में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे। रिपोर्ट्स की मानें तो पार्टी में 73 पुरुष और 30 महिलाएं शामिल थीं। कर्नाटक पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स डिवीजन ने इस छापेमारी को अंजाम दिया था।

एक और अभिनेत्री भी थी पार्टी में शामिल

कर्नाटक पुलिस के एं टी - ना र को टि क स डिवीजन की ओर से की गई इस छापेमारी की गई रेव पार्टी में कई लोग शामिल हुए थे, जिनमें 73 पुरुष और 30 महिलाएं शामिल थीं, जिनमें दो तेलुगू अभिनेत्रियां भी थीं। हेमा के अलावा, पार्टी में शामिल होने वाली दूसरी तेलुगू अभिनेत्री का नाम आशा रॉय बताया जा रहा है।

पुलिस ने दिया यह बयान

इस मामले पर बेंगलुरु सिटी पुलिस कमिश्नर बी दयानंद ने कहा कि रेव पार्टी में शामिल हुए लोगों के खून के नमूने परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे गए थे। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा, 19 मई की रात को बेंगलुरु पुलिस की सीसीबी ने विशेष सूचना के आधार पर इलेक्ट्रॉनिक सिटी के एक फार्महाउस पर छापा मारा। इस मौके पर करीब 100 लोग मौजूद थे। तलाशी के बाद उस जगह से ड्रग्स और नशीले पदार्थ बरामद किए गए। सीसीबी के अतिरिक्त आयुक्त डॉ चंद्रगुप्त के अनुसार छापेमारी के दौरान हेमा ने अपना नाम कृष्णावनी बताया था। साथ ही, उन्होंने फोन नंबर भी गलत दिया था। सीसीबी के मुताबिक उन्हें रेव पार्टी में ड्रग्स के बारे में पहले से जानकारी थी। इसके बाद भी उन्होंने जांच को गुमराह करने की कोशिश की।

जान्हवी ने राजकुमार राव से जुड़ा मजेदार किस्सा किया साझा, 'रूही' के सेट पर किया था ये कारनामा

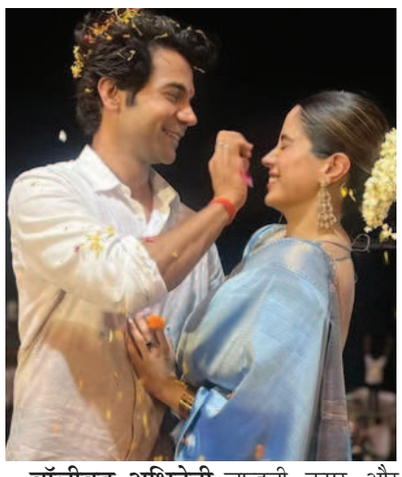

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर और राजकुमार राव इन दिनों फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में नजर आ रहे हैं। ये फिल्म 31 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। दर्शकों की ओर से फिल्म को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। हाल ही में फिल्म के दोनों सितीरे कपिल शर्मा के कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में इसके प्रमोशन के लिए पहुंचे। जान्हवी ने इस दौरान अभिनेता से जुड़ा एक मजेदार किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि राजकुमार किसी पर भी आसानी से भरोसा कर लेते हैं।

जान्हवी ने साझा किया 'रूही' के सेट से जुड़ा किस्सा

जान्हवी कपूर ने 'रूही' के सेट से जुड़ा एक किस्सा साझा करते हुए बताया कि उन्होंने राजकुमार राव ने बीटाडीन की आधी बोतल पी ली थी, क्योंकि उन्होंने जोर देकर कहा था कि इससे उनका गला ठीक हो जाएगा। अभिनेत्री ने कहा, 'वह लोगों पर बहुत आसानी से विश्वास कर लेते हैं। एक बार 'रूही' के सेट पर उनका गला ठीक नहीं थी। तो मैंने उन्हें बताया कि बीटाडीन नाम की एक दवा है। आपको इसे लेना होगा, क्योंकि यह आपके गले के दर्द को ठीक कर देगी। सिर्फ इसलिए कि मैंने कहा कि आपको इसे लेना है, तो उन्होंने इसे ले लिया।'

राजकुमार ने आधी बोतन पी ली थी बीटाडीन

उन्होंने आगे बताया, 'मैंने उनसे कहा कि आपको बीटाडीन से गरारे करने की जरूरत है, न कि इसे पीने की। उन्होंने मुझपर इतनी आसानी से भरोसा कर लिया और बीटाडीन पी ली। अगले दिन मैंने उनसे पूछा कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं? तो उन्होंने कहा कि हां, गला पूरी तरह से ठीक हो गया है। मैंने उनसे पूछा कि आपने इससे कितनी बार गरारे किए। तो राजकुमार ने कहा, नहीं नहीं मैंने आधी बोतल पी ली। फिर मैंने उनसे कहा कि आपने इसे क्यों पीया?'

मजबूती से पकड़ बनाए हैं माही कपल

वहीं, उनकी फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' की बात करें तो फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से पकड़ बनाई हुई है। फिल्म ने रिलीज के चार दिनों के अंदर 19 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। फिल्म में राजकुमार राव और जान्हवी कपूर पति-पत्नी की भूमिका में नजर आए है। इस फिल्म में दोनों ने दूसरी बार साथ में स्क्रीन साझा की है। इससे पहले दोनों कलाकार फिल्म 'रूही' में साथ नजर आए थे।

जब बिपाशा की शादी में आखिर में पहुंचे थे सलमान खान, दबंग ने गिफ्ट में दिया था दस करोड़ का फ्लैट!

बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर बॉलीवुड के पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। ये दोनों ही स्टार्स किसी ना किसी वजह से लगातार सुर्खियों में बने रहते हैं। यह बात उस समय की है, जब बिपाशा की शादी में देर से पहुंचे थे सलमान खान और फिर कुछ ऐसा हुआ, जिसे जानकर आप भी दंग रह जाएंगे।

30 अप्रैल 2016 को बॉलीवुड अभिनेत्री बिपाशा बसु ने करण सिंह ग्रोवर से शादी रचाई थी। नवंबर 2022 में दोनों ने अपनी नन्हीं परी देवी का स्वागत किया। बिपाशा अक्सर सोशल मीडिया पर देवी की फोटोज और वीडियोज साझा करती रहती हैं। यह किस्सा तब का है जिस दिन बिपाशा बसु की शादी के बाद की पार्टी हुई थी यानी शादी के रिसेप्शन का। बिपाशा के रिसेप्शन में बॉलीवुड के दबंग खान एक दम आखिर में पहुंचे थे और समारोह से जाने वाले अंतिम मेहमानों में से थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उस दौरान सलमान ने मजाक में अपनी वैवाहिक स्थिति के बारे में भी खुलकर बात की थी। साथ ही बिपाशा ने बताया कि उनकी सबसे बड़ी इच्छा पूरी हुई क्योंकि सलमान खान उनकी शादी में शामिल हुए, मजाक में बिपाशा ने यहा तक कह दिया कि सलमान तो उनके हनीमून पर भी शामिल हो रहे हैं।

सलमान ने बिपाशा-करण को लेकर कही थी यह बात

बिपाशा की शादी में सलमान खान बेहद खुश थे और उन्होंने कहा, "जोड़ी बहुत अच्छी है और मैं चाहता हूं कि यह जोड़ी टिकी रहे। क्योंकि जोड़ी का टिकना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। दोनों साथ में बहुत अच्छे लग रहे हैं और मैं चाहता हूं कि दोनों का रिश्ता हमेशा मजबूत बना रहे।"

सलमान खान काफी दिलदार हैं यह बात सभी जानते हैं। यह बात कई बार साबित भी हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सलमान ने बिपाशा और करण को शादी में 10 करोड़ का फ्लैट गिफ्ट किया था। इस बात पर बिपाशा ने कहा था, "सलमान खान का मेरी शादी में आना ही मेरे लिए सबसे बड़ा गिफ्ट था, आखिर क्यों सलमान ने मुझे 10 करोड़ का फ्लेट तोहफे में दिया।"

अनुराग ने बांधे ममूटी की तारीफों के पुल, बॉलीवुड और साउथ के सितारों के बीच का बताया अंतर

अनुराग कश्यप की गिनती हिंदी सिनेमा के प्रतिभाशाली निर्देशकों में होती है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान उन्होंने हिंदी और दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के बीच के अंतर पर अपनी राय रखी। इस दौरान उन्होंने मलयालम सुपरस्टार ममूटी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने अभिनेता के साहसी रचनात्मक फैसलों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह अपने बॉलीवुड समकक्षों से अलग हैं और जिस इंडस्ट्री का वह प्रतिनिधित्व करते हैं वह भी काफी अलग है।

बातचीत के दौरान अनुराग ने तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री की ओर से टिकट की कीमतों पर लगाई गई सीमा और केरल के सिनेमाघरों द्वारा छोटी फिल्मों को दी जाने वाली जगह पर भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि कुछ संस्कृतियां सिनेमा को लेकर ज्यादा साक्षर हैं। हिंदी पट्टी में हर बड़े प्रोजेक्ट में कहानी से ज्यादा सितारों को तवज्जो दी जाती है।

उन्होंने कहा, "एक छोटी फिल्म के पास बड़ी फिल्म से प्रतिस्पर्धा करने के लिए मार्केटिंग बजट नहीं होता है। यही वजह है कि इस तरह की फिल्में नहीं चल पातीं, लेकिन दक्षिण में चीजें ऐसी नहीं हैं। वहां समानता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह किसी नए कलाकार की फिल्म है या मोहनलाल की। उन्हें समान जगह मिलती है। हिंदी इंडस्ट्री में हमारे पास ऐसा नहीं है।"

ममूटी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, मैं सुपरस्टारडम की अवधारणा पर विश्वास नहीं करता हूं। मेरा मानना है कि एक अभिनेता के तौर पर ममूटी अपने करियर के इस पड़ाव पर कई जोखिम उठा रहे हैं। एक तरफ उन्होंने ब्रमायुगम में शैतान का किरदार निभाया। फिर उन्होंने कथलः द कोर में काम किया। वह लगातार जोखिम उठाते हैं। उन्हें फिल्मकारों पर भरोसा है। इसी भरोसे पर वह आगे बढ़ते हैं। हालांकि, हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में ऐसा नहीं होता है। अगर आप किसी स्टार से संपर्क करते हैं तो वह पहले यह जानना चाहते हैं कि फिल्म के हिट होगी या नहीं । वह इसकी गारंटी चाहते हैं। अनुराग ने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में स्क्रिप्ट से ज्यादा यह मायने रखता है कि निर्देशक स्टार को यह समझाने में कितना सफल है कि प्रोजेक्ट हिट होगा। इसलिए हिंदी और दक्षिण के बीच बहुत बड़ा अंतर है। अगर आपने वहां एक अच्छी फिल्म बनाई है तो भले ही वह एक छोटी फिल्म हो, तो एक अभिनेता आपके साथ काम करना चाहेगा।

'यह फिल्म अब एक इमोशन बन चुकी है', 'लापता लेडीज' के लिए बोलीं प्रतिभा रांटा

किरण राव निर्देशित फिल्म 'लापता लेडीज' ने दर्शकों से खूब तारीफें बटोरी हैं। सिनेमाघरों में भले ही इस फिल्म को देखने दर्शक बड़ी संख्या में नहीं जुटे, लेकिन ओटीटी पर रिलीज होने के बाद फिल्म ने धमाल मचा दिया। इसकी कहानी सभी को पसंद आई। यह फिल्म दुल्हन के बदलने की मार्मिक कहानी पर आधारित है। इसमें हास्य भी है। फिल्म में स्पर्श श्रीवास्तव, प्रतिभा रांटा और नितांशी गोयल ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं।

प्रतिभा रांटा ने हाल ही में किरण राव के साथ काम करने का अनुभव साझा किया है। प्रतिभा फिल्म में पुष्पा रानी, जया की भूमिका में नजर आई हैं। हाल ही में फिल्मी ज्ञान के साथ बातचीत में प्रतिभा ने कहा कि दर्शक इस फिल्म से बहुत गहराई के साथ जुड़े। प्रतिभा ने कहा कि उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह महज एक कहानी नहीं है। एक्ट्रेस ने कहा कि उनका जया सिंह का रोल सभी को काफी पसंद आया है। साथ ही फूल कुमारी और दीपक को भी प्यार मिला है।

प्रतिभा रांटा ने आगे कहा, 'मैंने इस बात पर गौर किया है कि 'लापता लेडीज' अब एक इमोशन बन गई है। जब भी कुछ होता

है, जैसे कि अगर जया की बहुत तारीफ हो रही है, तो कोई कहता है, 'फूल की भी तारीफ करो और अचानक फूल की भी खूब तारीफ होने लगती है। अगर फूल की तारीफ होती है, तो आप दीपक को कैसे भूल सकते हैं? यह देखना बहुत सुंदर है कि लोगों ने किस तरह भावनात्मक रूप से इस फिल्म से खुद को जोड़ा है। यह फिल्म अब एक इमोशन बन चुकी है'।

इसके अलावा प्रतिभा रांटा ने कहा कि इस फिल्म की शूटिंग कोविड की तीसरी लहर के दौरान हुई थी। उन्होंने याद किया कि सेट पर किरण राव को देखकर कभी घबराहट नहीं होती थी। किरण सेट पर सभी के लिए काफी सहयोगी रहीं। शूटिंग के दौरान पूरा मौहाल मस्ती भरा और हंसी-मजाक वाला रहा। उन्होंने कहा कि 'लापता लेडीज' में काम करना उनका सबसे शानदार अनुभव रहा।

फिल्म 'लापता लेडीज' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है। इस फिल्म का निर्माण आमिर खान ने किया है। इस फिल्म में रवि किशन और छाया कदम भी अहम भूमिका में नजर आए हैं। बात करें प्रतिभा रांटा की तो 'लापता लेडीज' के अलावा संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' के लिए भी वह काफी तारीफें बटोर रही हैं।

बहुत 'अकेलापन' था वहां : प्रियंका चोपड़ा

हॉलीवुड एक ऐसी इंडस्ट्री थी, जिसे मैं नहीं जानती थी, ऐसे लोग, जिन्हें मैं नहीं जानती थी, मेरे कोई दोस्त नहीं थे, जिनसे आधी रात को मदद मांग सकती। मैं बहुत अकेली थी और यह बहुत डरावना था। मैं न्यूयॉर्क शहर में थी, जो वैसे भी एक डरावना शहर है। यह मेरे जीवन का एक काला दौर था।

प्रि यंका चोपड़ा हमेशा से ही अपनी पेशेवर और व्यक्तिगत चुनौतियों के ब बारे में मुखर रही है। उसने हाल ही में कैवनाँध जेम्स के साथ उसके पॉडकास्ट पर एक इंटरव्यू में अपने डर का खुलासा किया। प्रियंका ने बताया कि संघर्षरत अभिनेत्री के रूप में अपने शुरूआती दौर में उसे हॉलीवुड में कैसे अकेलापन महसूस हुआ।

उसने कहा कि रिजैक्शन से भी उसे बहुत कुछ सीखने को मिला। उसने कहा, ₹यह आपको विनम्र बनाता है। मैं ऐसा सोचती थी कि मैं इससे परेशान नहीं होने वाली हूं या मैं यह नहीं कहने वाली हूं कि यह एक बंद दरवाजा है, मैं कुछ और करने जा रही हूं। मैंने बस अपना काम जारी रखा। मैंने घमंड को सिर पर हावी नहीं होने दिया कि 'मैं एक खास महिला हूं या फलां... फलां... हूं' इसी ने मुझे वह मुकाम पाने में मदद की, जहां में आज हूं।₹ ₹हॉलीवुड एक ऐसी इंडस्ट्री थी, जिसे मैं नहीं जानती थी, ऐसे लोग, जिन्हें मैं नहीं पहचानती थी, मेरे कोई दोस्त नहीं थे, जिनसे आधी रात को मदद मांग सकती। मैं बहुत अकेली थी, और यह बहुत डरावना था। मैं न्यूयॉर्क शहर में थी, जो वैसे भी एक डरावना शहर है। यह मे रे

जीवन का एक काला दौर था।

हॉलीवुड एक्टर की सलाह ने की मदद

दुनिया भर में खूब पसंद की जाने वाली लोकप्रिय 'हैरी पॉटर' सीरीज की हॉलीवुड फिल्मों में सेवेरस स्नेप की भूमिका निभाने वाले एलन रिकमैन ने इंडस्ट्री में प्रवेश करते समय प्रियंका चोपड़ा को सलाह दी थी, जिसे वह आज भी अपनी जिंदगी में लागू करती है। दिवंगत हॉलीवुड अभिनेता एलन रिकमैन किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं और हाल ही में प्रियंका ने भी उनकी तारीफ में अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने एक्टर की तरफ से दी सलाह के बारे में बताया। 'हैरी पॉटर' सीरीज की सभी 8 फिल्मों में सेवेरस खेप की भूमिका निभाने के लिए फेमस एलन ने इंडस्ट्री में एंट्री करने वाले यंग एक्टरों के लिए, सलाह दी थी। प्रियंका भी उस सलाह से प्रेरित है और उसने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एलन के एक पुराने इंटरव्यू की एक क्लिप शेयर की जिसमें उसने अभिनय पर अपनी राय दी थी। वीडियो में एलन को यह कहते सुना जा सकता है कि, ₹जब भी कोई युवा अभिनेता मुझसे अपने करियर को लेकर सलाह मांगता है और कहता है कि वह एक्टर बनने के लिए एक्टिंग की ट्रेनिंग लेने के बारे में सोच रहा है, तो मैं उससे यही कहता हूं कि अभी एक्टिंग के बारे में भूल जाओ क्योंकि एक अभिनेता के रूप में आप जो कुछ भी करते हैं, वह आपको कुछ न कुछ सिखाता जाता है। आर्ट गैलरीज में जाओ, संगीत सुनो, दुनिया के बारे में जानने की कोशिश करो। समाचारों पर ध्यान दो कि आस-पास क्या हो रहा है और विभिन्न चीजों तथा मुद्दों के बारे में अपनी राय बनाओ, अपनी रुचि और निर्णय क्षमता को विकसित करें, ताकि जब कोई अच्छी कहानी आपके सामने रखी जाए, तो आपकी कल्पना शक्ति कुछ ऐसी हो, जिससे वह और उभर सके। सरल भाषा में कहें तो अगर एक अभिनेता बनना चाहते हो तो चाहे कुछ भी हो, मेहनत करने से कभी पीछे मत हटो।

एलन रिकमैन के बारे में

एलन रिकमैन अपनी पीढ़ी के सबसे पसंदीदा अभिनेताओं में से एक थे। उनकी फिल्मों में 'हैरी पॉटर' सीरीज के अलावा 'ट्रली मैडली डीपली', 'सैंस एंड सैंसिबिलिटी', 'लर्व एक्चुअली', 'एलिस इन वंडरलैंड' आदि शामिल हैं। 2016 में अग्नाशय कैंसर से उनकी मृत्यु हो गई थी। प्रियंका के पास हैं कई फिल्में

प्रियंका जल्द ही इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ इल्या नैशुलर की हॉ ली वु ड फि ल्म 'हैड्स ऑफ स्टेट्स' में अभिनय करती नजर आएगी। उसने इस महीने की शुरूआत में फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। वह ऑस्कर नामांकित डॉक्यूमेंट्री 'टू किल एटाइगर' की कार्यकारी निर्माता भी है। इसके अलावा वह फिल्म 'द ब्लफ' के लिए इन दिनों शूटिंग कर रही है, जिसका निर्देशन फ्रैंक ई. फ्लावर्स द्वारा किया जाएगा। इसमें कार्ल अर्बन भी होंगे।

वह जल्द ही फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने वाली बॉलीवुड फिल्म 'जी ले जरा' में नजर आने वाली है। कुछ समय पहले खबरें थीं कि प्रियंका ने फिल्म छोड़ दी है। हालांकि, इस पर अब तक कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है। इनके अलावा वह बैरी एवरिच की डॉक्यूमेंट्री 'बोर्न हंग्री' की को-प्रोड्यूसर भी है।

स्वरा भास्कर का फूटा गुस्सा, बॉडी शेमिंग करने वालों को लगाई लताड़

स्वरा भास्कर इन दिनों मदरहूड पीरियड को एन्जॉय कर रही हैं. वह इन दिनों फिल्मों से ब्रेक लेकर अपनी बेटी राबिया संग अपने मधूर पल का आनंद ले रही हैं. अक्सर स्वरा को सोशल मीडिया पर राबिया संग फोटो शेयर करते हुए देखा जाता है. जिसे देख उनके चाहने वाले काफी खुश हो जाते हैं. हालांकि स्वरा का नया पोस्ट काफी हैरान करने वाला है. स्वरा ने अपने पोस्ट में बॉडी शेमिंग करने वालों को जमकर लताड़ लगाई है.

स्वरा ने एक न्यूज पोस्ट को अपने एक्स पोस्ट पर शेयर किया है. उसमें उन्होंने लिखा- अन्य मीडिया चैनल- चुनाव एग्जिट पोल.. इतनी सीटें.. फलां उम्मीदवार.. अगला प्रधानमंत्री.. आदि.., लेकिन जिस महिला ने नवजात शिशु को जन्म दिया उसका वजन बढ़ गया...धीमी ताली! उनकी पत्रकारिता की अद्भुत स्थिति के लिए... और जीव विज्ञान और सामान्य ज्ञान के उनके ज्ञान के लिए... आह... आला!!!!"

स्वरा यहीं नहीं रुकती वह आगे एक अन्य ट्वीट में लिखती हैं, "जो लोग देवनागरी लिपि नहीं पढ़ सकते, उनके लिए यह एक प्रमुख हिंदी समाचार पत्र है, जो सोचता है कि यह खबर के लायक है कि एक मां, जिसने कुछ महीने पहले एक बच्चे को जन्म दिया था, उसका वजन बढ़ गया है! क्या कोई प्रतिभाशाली लोगों को बच्चे के जन्म की शारीरिक प्रक्रिया के बारे में समझा सकता है #bodyshamer".

बता दें कि स्वरा ने फरवरी 2023 में फहाद से शादी की. इसके बाद स्वरा और फहाद ने जून में इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक एल्बम के ज़रिए स्वरा की प्रेग्नेंसी की खबर की घोषणा की थी. इसके बाद स्वरा ने अपनी बेटी के जन्म की घोषणा करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, "एक प्रार्थना सुनी गई, एक आशीर्वाद मिला .एक गीत गुनगुनाया गया, एक सीक्रेट सच.. हमारी बच्ची राबिया का जन्म 23 सितंबर 2023 को हुआ. आभारी और खुश दिलों के साथ, आपके प्यार के लिए धन्यवाद! यह एक पूरी नई दुनिया है. काम की बात करें तो स्वरा ने 2009 में आई फिल्म माधोलाल कीप वॉकिंग में सहायक भूमिका के साथ अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद उन्होंने कई सारी फिल्में की. आने वाले दिनों में स्वरा को 'मिसेज फलानी' में देखने को मिलेगा हालांकि अभी इसके रिलीज की तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है.

वरुण धवन के पिता बनने पर गदगद हुए करण जौहर, कपल को खास अंदाज में दी बधाई

वरुण धवन और उनकी पत्नी नताशा दलाल शादी के तीन साल बाद माता-पिता बन गए हैं. उन्होंने सोमवार को नन्ही परी का स्वागत किया है. वरुण धवन के पिता डेविड धवन ने खुद कन्फर्म किया कि बहू नताशा दलाल ने बेटी को जन्म दिया है. पैरेंट्स बनने के बाद वरुण धवन और नताशा दलाल को करीबियों से बधाइयां मिल रही हैं. इस बीच करण जौहर ने भी सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर करते हुए वरुण और नताशा को बधाइयां दीं. करण जौहर ने इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें लिखा, 'मेरे बेबी को बेबी गर्ल हुई है. मैं बहुत ज्यादा खुश हूं. प्राउड मम्मी-पापा को बधाइयां. नताशा और वरुण को ढेर सारा प्यार.' मालूम हो कि करण

जौहर ने वरुण धवन को बॉलीवुड में पहला ब्रेक दिया था. साल 2012 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से वरुण धवन ने बॉलीवुड डेब्यू किया था.

वरुण धवन के पिता बनने की जानकारी डेविड धवन ने ही दी थी. बीती रात डेविड धवन मुंबई में हॉस्पिटल के बाहर स्पॉट हुए. पैपराजी ने उनसे पूछा कि बेटा हुआ या बेटी तो उन्होंने कहा- बेटी. इसके बाद उन्होंने दादा बनने पर सभी की बधाइयों को स्वीकार किया और शुक्रिया कहते हुए वहां से कार में रवाना हो गए. नताशा दलाल और वरुण धवन की लव स्टोरी किसी फिल्म से कम नहीं है. दोनों एक-दूसरे के बचपन का प्यार हैं. शादी से पहले काफी समय तक दोनों रिलेशनशिप में थे. साल 2021 में वरुण धवन और नताशा दलाल ने सात फेरे लिए थे. कपल की शादी में बॉलीवुड के कई दिग्गज शामिल हुए थे.

बच्चे की उम्र है 10 साल तो जरूर सिखाएं ये बातें, तभी उसे मिलेंगे सही संस्कार

एक समय था जब लोग अपने बच्चों को काफी छोटे से ही सख्ती बरते हुए संस्कार का पाठ पढ़ाने लगते हैं, लेकिन आज का समय बदल गया है। आजकल लोग अपने बच्चों पर सख्ती बरतना नहीं चाहते, जिस वजह से कई बार बच्चे काफी जिद्दी बन जाते हैं। ऐसे में अगर आप आप चाहते हैं, कि आपका बच्चा जिद्दी न बनें, तो अपने बच्चे को अभी से कुछ बातें अवश्य सिखाएं।

दरअसल, आपकी सूकून भरी जिंदगी के लिए ये बेहद जरूरी है, कि आपका बच्चे में संस्कार हों। ऐसे में अगर आपके बच्चे की उम्र 10 साल है, तो अभी से उसे कुछ बातें अवश्य सिखाएं। बच्चों के जहन में अगर ये बातें बस जाएंगी, तो उन्हें आगे जाकर किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। हम 10 साल के उम्र के बच्चों को सिखाने की बात इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि इस उम्र के बच्चे जल्दी सीखते भी हैं, और चीजों को अच्छी तरह समझते भी हैं।

हर किसी का आदर करना

अपने बच्चे को ये सिखाएं कि वो कभी किसी का अनादर न करें। उन्हें छोटे से ही ये सिखाएं कि वो हर किसी से सम्मानपूर्वक बात करें। ये एक ऐसी आदत है, जो एक बार पड़ जाए तो आखिरी दम तक नहीं छूटती।

सिखाएं अपना काम करना

छोटे बच्चे अक्सर अपने पैरेंट्स पर निर्भर होते हैं। ऐसे में अब बढ़ती उम्र में उन्हें अपने छोटे-छोटे काम करना सिखाएं। ताकि उन्हें स्कूल में भी किसी तरह की कोई परेशानी न हो। अगर वो अपना काम खुद से करेंगे तो उन्हें कहीं जानें में भी परेशानी नहीं होगी।

सौंपें जिम्मेदारी

अपने छोटे बच्चे को संस्कारी बनाने के लिए उसे 10 साल की उम्र से ही जिम्मेदारी सौंपना शुरू कर दें। जैसे कि आप उन्हें कह सकते हैं, कि वो आपके साथ पौधों में पानी डालें, या फिर आप उनसे छोटे-मोटे काम करा सकते हैं।

सिखाएं पैसे की अहमियत

ये सबसे जरूरी पाठ है। अपने बच्चे को इस चीज का एहसास जरूर कराएं कि पैसे की कितनी अहमियत है। इसके साथ ही उन्हें ये भी बताएं कि आप कितनी मेहनत से पैसे कमा रहे हैं। कम उम्र से उनके हाथ में थोड़े पैसे दें, ताकि वो मनी मैनेज करना सीख पाएं।

अनुशासन सिखाएं

अपने बच्चे को कम उम्र से ही अनुशासन का पाठ जरूर पढ़ाएं। मतलब कि उन्हें जल्दी उठने के फायदे बताएं। समय पर सोने की आदत डलवाएं। इसके साथ ही दिन में दो बार ब्रश करना, अपने बर्तन उठा कर रखना भी अपने बच्चे को सिखाएं।

क्या आप भी रील्स देखकर करते हैं रिलेशनशिप टेस्ट?

हम हमेशा यह जानने की इच्छा रखते हैं कि सामने वाले के दिल में क्या चल रहा है। सोशल मीडिया पर इसके कई तरीके भी बताए जाते हैं। इनको अपनाने के बाद जब मन-मुताबिक नतीजे नहीं आते तो मन दुखी हो जाता है और रिश्तों में गलतफहमियां होने लगती हैं।

सोशल मीडिया ने आपकी जिंदगी काफी हद तक आसान कर दी है। आप भी इसकी आदी हो चुकी हैं। जैसे-जैसे नई-नई तकनीक विकसित होती जा रही है, वैसे-वैसे यह आपका मनोरंजन भी कर रही है। आप ही बताएं, आप दिन भर सोशल मीडिया पर कितना व्यस्त रहती हैं?

आजकल कई महिलाओं को तो सोशल मीडिया पर रील्स देखे बिना नींद तक नहीं आती है। रील्स में जो दिखाया जाता है, उसे वे आंख बंद करके सच मान लेती हैं। इन्हीं रील्स और सोशल मीडिया पर आए दिन कुछ न कुछ चलता ही रहता है, जिनमें से एक है- 'रिलेशनशिप टेस्ट'। इसमें कभी बर्ड टेस्ट तो कभी 'नेम अ वूमेन' या 'हस्बैंड टेस्ट' वायरल होते रहते हैं, जिनको हम मस्ती-मजाक में आजमाने भी लगते हैं। मगर कई बार यही टेस्ट रिश्तों पर गलत असल भी डालते हैं। आप दोनों के बीच गलतफहमियां होने लगती हैं। इस कारण आपका रिश्ता देर-सवेर तार-तार होना शुरू हो जाता है।

टेस्ट का बढ़ता ट्रेंड

सोशल मीडिया का सबसे नकारात्मक प्रभाव आपके रिश्तों पर पड़ता है। यह बात आपने कई जगहों पर पढ़ी और सुनी होगी, लेकिन इसे जानने का प्रयास कभी नहीं किया होगा। इन दिनों सोशल मीडिया पर अजीबो-गरीब रिलेशनशिप टेस्ट छाए हुए हैं। इनमें से लोकप्रिय रिलेशनशिप टेस्ट हैं- इमेज टेस्ट, ऑरेंज पील टेस्ट, केचप टेस्ट आदि। इसके अलावा लोग रिलेशनशिप के लिए टैरो कार्ड रीडिंग, ऑरेकल कार्ड रीडिंग, एंजेल नंबर, कैंडल वैक्स

रीडिंग, रूम्स रीडिंग, नंबर सिलेक्शन आदि को सोशल मीडिया पर सुनते हैं।

खतरनाक भी है

सोशल मीडिया महज नाम से ही सोशल है। इसे वास्तविक रिश्तों से कभी मत तौलिए। सोशल मीडिया के भीतर सुख-दुख, क्रोध, अपमान, निराशा का एक वृहद संसार भी रचा जाता है। आप वहां जो देखती हैं, वो आपको वही दिखाने लगता है। आप दुखी हैं तो आपको केवल दुख भरा कंटेंट ही दिखाता है, जिससे आप जुड़ा हुआ महसूस करती हैं। इस कारण आप नकारात्मक भी होती जाती हैं।

जरूरी है सतर्कता

सोशल मीडिया आज ज्यादातर लोगों के जीवन का हिस्सा-सा बन गई है। यदि आपको इस परीक्षण से पता चलता है कि आपके रिश्ते को कुछ काम की आवश्यकता है तो मदद मांगने में संकोच न करें और रिश्ते में सुधार लाने का प्रयास करें। कई बार नकारात्मक परिणाम मिलते ही आप साथी से लड़ना शुरू कर देती हैं। बस, यहीं से रिश्तों में दरार आना शुरू हो जाती है, जबकि आप इस रिलेशनशिप टेस्ट का सकारात्मक रूप देखें तो यह आपके रिश्ते में परामर्शदाता के रूप में भी सामने आता है और आपको यह बताता है कि जोड़े के रूप में आपको अपने रिश्ते में क्या सुधार करने की जरूरत है।

समर्पण और टेस्ट में अंतर

आपका रिश्ता कुछ महीनों, साल, दो साल या बहुत सालों का है। ऐसे में रिश्ते की जड़ें कितनी गहरी हैं, यह कोई टेस्ट नहीं बता सकता है। अगर आप अपनी मर्जी से इन टेस्ट को आजमाती हैं तो इसके सकारात्मक और नकारात्मक, दोनों तरह के परिणामों के लिए तैयार रहें। फिर चाहे परिणाम कुछ भी हो, इसका असर आपके रिश्ते पर नहीं पड़ना चाहिए। वहीं जितना हो सके, इन फिजूल के टेस्ट, रीडिंग के चक्करों में न पड़ें।

धोखे भी हैं इस राह में...

हो सकता है, आपको इन टेस्ट को करना अच्छा लग रहा हो, लेकिन आपने इनके परिणामों के बारे में कभी सोचा है? शायद नहीं, तभी तो आपको अपने रिश्ते में इन फिजूल के टेस्ट की आवश्यकता पड़ रही है। दरअसल, ये सब आपको बहलाने के तरीके हैं। साथी के साथ अच्छी खबरें और खुशी के पल साझा करना अनमोल होता है। उनकी प्रतिक्रिया आपके रिश्ते की गुणवत्ता को बढ़ा या बाधित कर सकती है। एक साथी द्वारा सराहना की भावना, जो अक्सर सकारात्मक प्रतिक्रिया का परिणाम होती है, आपको उनकी अधिक सराहना करने के साथ-साथ जरूरतों के प्रति अधिक संवेदनशील और उनके प्रति प्रतिबद्ध रहने की संभावना बनाती है। यह रिश्ते की संतुष्टि पर सबसे सकारात्मक प्रभाव डालती है। लेकिन इसका नकारात्मक होना आपके दिल को ठेस पहुंचा सकता है। आपको इसके नकारात्मक परिणामों से डरना नहीं, सचेत रहना चाहिए।

रिश्ते न हों खराब

आपका रिश्ता अच्छा चल रहा हो या फिर बुरे दौर से गुजर रहा हो, लेकिन आप सोशल मीडिया में मन तोड़ने वाले इन टेस्ट के चक्कर में बिल्कुल न पड़ें। यदि आपके रिश्ते में कोई दिक्कत आ रही है तो साथी से सीधी बात करें और बिना घबराए अपना पक्ष रखें। अगर वह आपसे किसी बात से नाराज है तो उसे जानने का प्रयास करें, न कि लड़ाई करने के नए-नए बहाने खोजें।

संवाद करें दिल खोलकर

रिलेशनशिप काउंसलर डॉ. अजय बंसल कहते हैं, रिश्ते की उम्र कुछ भी हो, आपके रिश्ते भरोसे पर ही टिके होते हैं। आजकल के रिलेशनशिप टेस्ट में फेल होने का मतलब यह नहीं है कि आपका रिश्ता कमजोर है, लंबा नहीं चल पाएगा या फिर मन में यह बात रखना कि आपका साथी आपको धोखा दे देगा। ये सब आपके मन का वहम है, जो ये रिलेशनशिप टेस्ट आपके मन में डाल देते हैं।

बच्चा करता है लोगों से बदतमीजी तो डांटें नहीं, ये टिप्स लाएंगे सुधार

अभिभावक के लिए बच्चे को अच्छे संस्कार देना चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। जब तक बच्चा छोटा होता है, उसे समझाना और सिखाना आसान होता है लेकिन बड़े हो रहे बच्चे की विचार, व्यवहार में बदलाव आने लगते हैं। ऐसे में अक्सर बच्चे दूसरों का अनादर, गैरजिम्मेदारा बर्ताव, अशिष्ट बातें भी कर जाते हैं। बच्चे के बदतमीजी करने पर माता-पिता उसे डांटते हैं लेकिन इससे बच्चे का बर्ताव अधिक अशिष्ट हो सकता है। वह तुरंत तो चुप हो जाएगा लेकिन उनके बर्ताव में बदलाव नहीं आएगा। ऐसे में अगर आपका बच्चा भी अधिक गुस्सैल है और गुस्से में दूसरों से बदतमीजी से बात करता है तो उसे डांटे नहीं, बल्कि उनकी आदत में सुधार लाएं। बच्चे की गलत आदतों को सुधारने के लिए अपनाएं ये तरीके।

बच्चे पर चिल्लाएं नहीं

बच्चे के बर्ताव का कारण अक्सर आसपास का माहौल और उनको दिए जाने वाले संस्कार का हिस्सा हैं। बच्चे देखकर अधिक सीखते हैं। ऐसे में अगर बच्चा अशिष्ट व्यवहार करता है तो उसपर चीखें-चिल्लाए नहीं। बच्चे को प्यार से समझाएं। बच्चे का गुस्सा शांत हो जाएगा तो वह शांति से बात करेगा और आपकी बात को समझेगा।

बहस से बचें

अक्सर बच्चा जिद में बहस करने लगता है। बहस करने की आदत बच्चे में आक्रामकता और गुस्सा बढ़ाती है और वह बहसबाजी में बदतमीजी करने लग जाता है। लेकिन बहस हमेशा दो लोगों के बीच होती है। अगर बच्चा आपसे बहस करे तो उस वक्त शांत हो जाएं। बच्चे से बहस करने से बचें और उनकी बात सुनें। इससे वह भी आपकी बातों को ध्यान से सुनेंगे और जिद कम करेंगे।

बच्चे की मन की बात समझें

बच्चे के बुरे व्यवहार को ठीक करने के लिए उसके व्यवहार की वजह जानें। हो सकता है कि वह किसी बात से असंतुष्ट व नाखुश हो। बच्चे के मन को टटोलें और समझने का प्रयास करें कि वह ऐसा व्यवहार क्यों कर रहा है, ताकि उसकी परेशानी का हल निकालकर उसके व्यवहार में बदलाव लाया जा सके।

संगत पर ध्यान

बच्चे के आसपास का माहौल उसके व्यवहार का कारण है लेकिन अगर घर पर उसे अच्छा माहौल मिल रहा है, फिर भी बच्चा गलत बर्ताव करता है तो जरूर उसकी संगत खराब हो सकती है। बच्चे के दोस्त कैसे हैं, वह अपना वक्त किन लोगों के बीच और किस काम में अधिक बिताता है, टीवी या मोबाइल पर किस तरह के कार्यक्रम देखता है, इस पर नजर रखें, ताकि गलत संगत से उसे दूर कर पाएं।

नियम बनाएं

हर चीज के लिए अनुशासन और नियम होते हैं। बच्चे के लिए भी कुछ नियम जरूर बनाएं। बच्चे को बताएं कि उसे इन नियमों के पालन की जरूरत क्यों हैं। बच्चा जब अनुशासन और नियम का पालन करेगा तो वह गलत बर्ताव करने से बचेगा।

रिश्तों को मजबूत बनाता है फोन, क्या है 'फोन मैनर्स'

मैनर्स हर चीज में जरूरी होते हैं और अब तो मोबाइल मैनर्स भी हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन गए हैं। वजह यह कि हर किसी के हाथ में मोबाइल फोन संवाद और लोगों से संपर्क करने का अहम जरिया बन गया है। यही वजह है कि अब मोबाइल मैनर्स भी रिश्ते जोड़ने और तोड़ने का काम कर रहे हैं। अगर आप चाहती हैं कि आपका हर रिश्ता खूबसूरत बना रहे तो कुछ फोन मैनर्स को जरूर अपनाएं। चाहे पति-पत्नी का रिश्ता हो, सास-बहू का या फिर दोस्ती का, हर रिश्ते में फोन मैनर्स जरूरी हैं। लेकिन हमारा ध्यान कभी इनकी तरफ नहीं जाता है।

कॉल रिसीव न करना

विशेष परिस्थितियों को छोड़ दें तो आपका मोबाइल फोन ही है, जो हमेशा आपके पास रहता है। ऐसे में यदि कोई रिश्तेदार या परिचित आपको कॉल करता है और आप उसे रिसीव नहीं करती हैं तो यह एक बार तो चल जाएगा, लेकिन अगर आप बार-बार ऐसा करेंगी और कॉल को इग्नोर करने लगेंगी तो कॉलर इसे अशिष्ट मानेगा, जो कि स्वाभाविक भी है। ऐसी स्थिति आपके और कॉल करने वाले व्यक्ति के बीच संबंधों को खराब करा सकती है। इसलिए जरूरी है कि आप कॉल रिसीव करें। अगर किसी वक्त रिसीव न कर पाएं तो कॉल बैक करके यह जरूर पूछ लें कि क्या बात थी। इससे आपके रिश्ते खराब होने से बच जाएंगे।

चुपके से मोबाइल चेकिंग

आमतौर पर महिलाएं अपने पति और पति अपनी पत्नी का मोबाइल चुपके से चेक करते हैं। वे शक की वजह से भी ऐसा करते हैं और यूं ही भी, ताकि देख पाएं कि किसे कॉल या मैसेज किए गए हैं। यह स्थिति भी रिश्तों को खराब कर सकती है। मोबाइल चेक करते देखे जाने या बाद में पता लगने पर आपके रिश्ते खराब हो सकते हैं। इसलिए बेहतर यही है कि चुपके से मोबाइल चेक न करें, भले ही वह कोई भी हो। अगर देखना हो तो मांग करके मोबाइल चेक करें।

बिना पूछे नंबर न दें

बहुत बार ऐसा होता है कि आप किसी का भी नंबर किसी को भी दे देती हैं। इससे कॉल जाने पर संबंधित व्यक्ति को असुविधा हो सकती है और यह जानने पर कि उसका नंबर आपने दिया है, आपके उससे रिश्ते खराब हो सकते हैं। इसलिए बिना पूछे किसी का नंबर किसी अन्य व्यक्ति को शेयर न करें, जब तक कि ऐसा करना बहुत जरूरी न हो।

किसी अन्य से बात

आपको किसी ने कॉल की और अगर आप खुद बात न करके अपने घर के किसी अन्य सदस्य से कॉल रिसीव करा देती हैं तो यह स्थिति अच्छी नहीं मानी जाती। इससे कॉल करने वाला व्यक्ति आपसे बात न होने पर नाराज हो सकता है और आपके रिश्ते में खटास पैदा हो सकती है। कॉल भले ही कोई भी रिसीव करे, लेकिन आप बात तो कर ही सकती हैं।

स्टेटस लगाना

लोग दूसरों की फोटो और वीडियो अपने स्टेटस पर डाल देते हैं। यह बात उनको नागवार गुजर सकती है। इसके लिए या तो आप पहले उन से ऐसा करने की अनुमति ले लें या फिर उनकी फोटो या वीडियो अपने स्टेटस पर लगाने से बचें, अन्यथा इससे आपके रिश्ते खराब हो सकते हैं।

चेहरे के निखार को बरकरार रखने में मददगार है ओट्स, ऐसे करें इस्तेमाल

ओट्स एक ऐसा नाश्ता है, जिसके सेवन से लोग काफी स्वस्थ रहते हैं। फिट रहने के लिए जो लोग जिम जाते हैं वो अक्सर ओट्स खाना पसंद करते हैं। इसके साथ ही वर्किंग लोग, जिनके पास नाश्ते का समय नहीं होता, वो भी ओट्स खाना पसंद करते हैं। दिन की अच्छी शुरूआत के लिए ये एक परफेक्ट नाश्ता है, पर क्या आप जानते हैं कि, ओट्स से आप आंतरिक रूप से फिट रहने के साथ-साथ बाहरी सुंदरता को भी बढ़ा सकते हैं।

जी हां, ओट्स की मदद के कुछ अलग तरह के फेसपैक बनाकर आप ग्लोइंग त्वचा पा सकते हैं। ओट्स में मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, फाइबर, प्रोटीन,

कार्बोहाइड्रेट, जिंक, सोडियम, पैटैशियम आदि होते हैं, जो त्वचा को काफी फायदा पहुंचाते हैं। ऐसे में आज हम आपको ओट्स की मदद से कुछ ऐसे फेसपैक बनाना सिखाएंगे, जो निखरती त्वचा पाने में आपकी मदद कर सकते हैं। इस पैक को बनाना काफी आसान है।

ओट्स और दही

ओट्स में दही मिलाकर चेहरे पर लगाने से आपकी त्वचा को काफी फायदा पहुंचेगा। इस पैक को बनाने के लिए आपको सबसे पहले दो बड़े चम्मच ओट्स को ब्लेंडर में डालें। इसमें दो चम्मच दही मिलाकर पेस्ट बनाएं। इसे बाउल में निकाल लें। इस पैक में थोड़ा सा शहद डालें। बस अच्छे से मिलाने के बाद ये पैक तैयार है।

दही

इस पेस्ट को लगाने के लिए आपको सबसे पहले अपने चेहरे को साफ करना है। त्वचा साफ करने के बाद इस पेस्ट को चेहरे पर 15 मिनट लगाकर पानी से साफ कर लें। इस पैक से आपको एक्ने, दाग-धब्बों, झुर्रियों जैसी समस्याओं से निजात मिल सकता है।

शहद और ओट्स

इस पैक को बनाने के लिए आपको दो बड़े चम्मच ओट्स लेने हैं और एक छोटा चम्मच शहद लेना है। इस पैक को अपने चेहरे पर लगाएं और कुछ देर बाद चेहरा धो लें। बता दें कि ओट्स में विटामिन सी होता है, जो त्वचा की रंगत को साफ करने में कारगर होता है। कई बार स्किन में मेलानिन का स्तर कम हो जाता है, जिसको सही करने में ये पैक मददगार है।

ओट्स और दूध

ओट्स में दूध और बादाम को मिलाकर इसका पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को दस मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। ये त्वचा को काफी राहत पहुंचाता है।

रिलेशनशिप में आते ही कपल की लाइफ में आ सकते हैं ये बदलाव

लोग जब रिलेशनशिप में आते हैं और एक दूसरे को डेट करना शुरू करते हैं, तो उनके जीवन में भी बदलाव आना शुरू होता है। डेटिंग हो या फिर शादी रिश्ते में जुड़ने के बाद कपल के जीवन में बहुत कुछ बदल जाता है। अभी तक सिंगल लाइफ को एन्जॉय कर रहे पार्टनर को अपने अपने साथी के बारे में भी सोचना होता है। एक दूसरे को अपना वक्त देना होता है। खुद की पसंद के साथ ही पार्टनर की पसंद नापसंद का भी ख्याल रखना होता है। हालांकि अगर कपल इन बदलावों को अपना नहीं पाता तो उसका रिश्ता विवादों और तनाव में आ जाता है। ऐसे में दोनों को अलग होना पड़ सकता है। इसलिए कपल में रिलेशनशिप में आने के बाद जीवन में होने वाले बदलावों के लिए तैयार रहना चाहिए। चलिए जानते हैं रिलेशनशिप में आते ही कपल की लाइफ में क्या बदलाव आ सकते हैं।

बदल सकता है रूटीन

शादीशुदा हों या डेटिंग कर रहे हों, कपल की रूटीन बदल जाती है। लोग अपने पार्टनर के समय के साथ तालमेल बिठाने लगते हैं। जैसे अगर शादी हो गई है, तो पति-पत्नी के सुबह सोकर उठने का समय, साथ नाश्ता करने या शाम में एक साथ बैठकर चाय पीने और बाते करने का समय एक हो जाता है। ऐसे ही डेटिंग कर रहे कपल भी पार्टनर के वक्त के मुताबिक खुद को उनके साथ समय बिताने के लिए फ्री कर लेते हैं।

जिम्मेदारी

सिंगल लाइफ में लड़के या लड़की पर कोई जिम्मेदारी नहीं होती, लेकिन कपल बनने के बाद उनके लिए पार्टनर जिम्मेदारी बन जाता है। पार्टनर की इच्छाओं, जरूरतों का ख्याल रखना पार्टनर की जिम्मेदारी बन जाती हैं।

पसंद नापसंद

अक्सर जो चीजें हमें सिंगल होने पर पसंद नहीं होती, वह शादी के बाद पार्टनर के लिए पसंद आने लगती हैं। जैसे जिन लड़कों को एक्शन फिल्में पसंद होती हैं, वह पार्टनर के साथ सिनेमा हॉल जाने पर गर्लफ्रेंड की पसंद की रोमांटिक मूवी देखने के लिए एक्शन फिल्म छोड़ देते हैं।

प्राथमिकता बदलना

शादी के बाद या रिलेशनशिप में आने के बाद कपल की प्राथमिकताएं भी बदलने लगती हैं। पहले दोस्त और ऑफिस उनकी प्राथमिकता हो सकते हैं, लेकिन रिश्ते में जुड़ने के बाद पार्टनर उनकी प्राथमिकता बन जाता है।

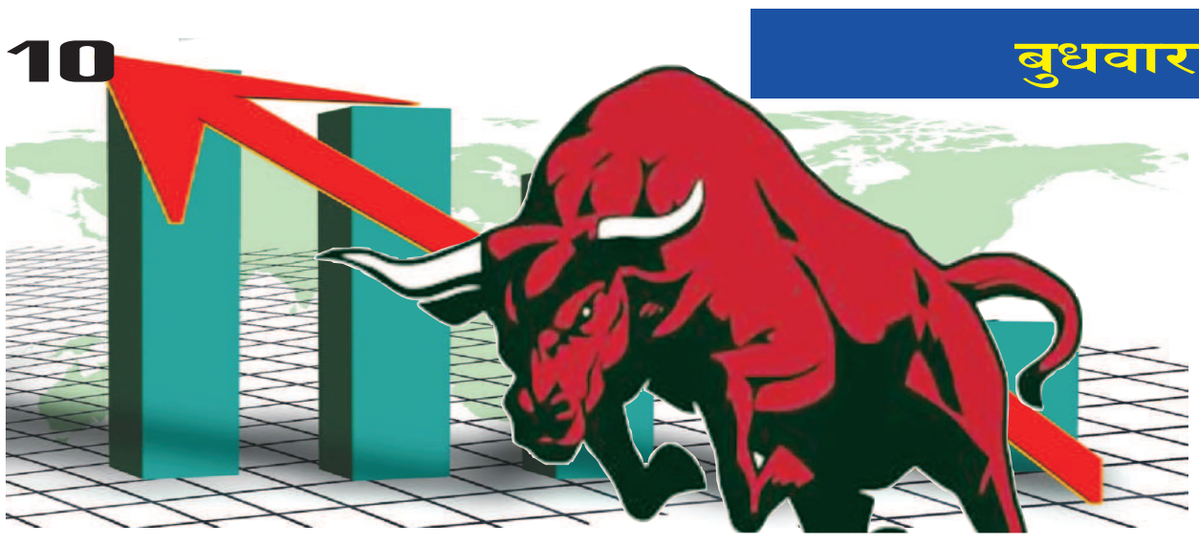

एग्जिट पोल के बाद निवेशकों ने कमाया आज गंवाया, सेंसेक्स-निफ्टी छह फीसदी तक टूटे

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम आने शुरू हो गए हैं। अब तक के परिणामों में एनडीए एग्जिट पोल के अनुमानों के मुताबिक सीटें जीतने में सफल होती नहीं दिख रही। इस बीच शेयर बाजार में हाहाकार दिखा और सेंसेक्स और निफ्टी लगभग छह-छह प्रतिशत टूटकर बंद हुए। मंगलवार को सेंसेक्स 4,389.73 (5.74%) अंक टूटकर 72,079.05 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 1,379.41 (5.93%) अंक टूटकर 21,884.50 के स्तर पर पहुंच गया। नतीजा यह रहा कि एग्जिट पोल के बाद निवेशकों को जो कमाई हाथ लगी उन्होंने एक दिन में ही गंवा दी।

रुपया 0.47% फिसलकर 83.53 रुपये पर बंद हुआ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन के उम्मीद से कम सीटें हासिल करने के संकेत मिलने के बाद मंगलवार को भारतीय रुपये में गिरावट आई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 0.47% फिसलकर 83.53 पर बंद हुआ। यह पिछले साल फरवरी के बाद से प्रतिशत में रुपये की एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट रही।

अप्रत्याशित चुनावी नतीजों से फिसला बाजार

आम चुनाव के अप्रत्याशित नतीजे ने घरेलू बाजार में बिकवाली के डर की लहर पैदा कर दी, जिससे हाल के दिनों में बाजार में आई तेजी कमजोरी में बदल गई। इसके बावजूद, बाजार ने प्रमुख चुनाव विजेता के रूप में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन से स्थिरता की अपनी उम्मीद को बरकरार रखा है। जिससे निचले स्तरों से बाजार संभलने में सफल रहा। मध्यम अवधि में पर्याप्त गिरावट से सामाजिक अर्थशास्त्र पर ध्यान केंद्रित करने राजनीतिक

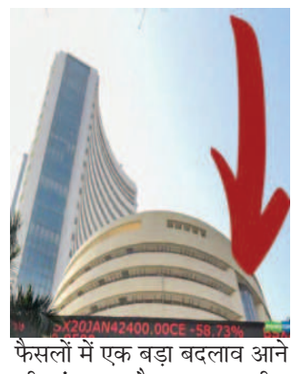

फैसलों में एक बड़ा बदलाव आने की संभावना है, इसका ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पिछले पांच वर्षों में शीर्ष पर रहे बिजली, पूंजीगत वस्तुओं, रियल एस्टेट और उद्योगों के निवेशकों को निकट अवधि सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है, फिर भी, इन क्षेत्रों के लिए दीर्घकालिक विकास संभावनाएं मजबूत बनी रहेंगी।

चुनाव परिणामों के बीच घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार को भारी बिकवाली के बाद लगभग छह-छह प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। मंगलवार को जहां सेंसेक्स 4,389.73 (5.74%) अंक टूटकर 72,079.05 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 1,379.41 (5.93%) अंक टूटकर 21,884.50 के स्तर पर पहुंच गया। मंगलवार को सेंसेक्स एक समय पर 6100 अंकों से अधिक फिसल गया था। निफ्टी में भी लगभग 1600 अंकों तक की गिरावट दर्ज की गई। बैंक निफ्टी चुनावी नतीजों के दिन लगभग 5000 अंक टूट गया। पीएसयू बैंक एसबीआई के शेयरों में 20% तक की गिरावट दिखी। एसबीआई के निवेशकों को करीब एक लाख करोड़ रुपये तक का नुकसान हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर 10% तक की गिरावट दिखी वहीं इसके निवेशकों को 1.7 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

बाजार 5.74% टूटा, निवेशकों के 31 लाख करोड़ डूबे

मुंबई, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजों वाले दिन आज यानी, 4 जून को सेंसेक्स 4389 अंक (5.74%) की गिरावट के साथ 72,079 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 1,379 अंक (5.93%) की गिरावट रही, ये 21,884 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में गिरावट और 5 शेयरों में तेजी रही। NTPC और SBI के शेयरों में करीब 15% की गिरावट रही। LT, पावर ग्रिड के शेयर 12% से ज्यादा नीचे है। वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में करीब 5.74% की तेजी रही।

PSU बैंक इंडेक्स 15% और ऑयल एंड गैस 11% टूटा

NSE के सभी सेक्टोरल इंडेक्स में गिरावट रही। निफ्टी PSU बैंक इंडेक्स 15.14% टूटा है। ऑयल एंड गैस इंडेक्स में 11.80% की गिरावट रही। निफ्टी मेटल में 10.63% और रियल्टी में 9.62% की गिरावट रही। ऑटो सेक्टर भी 3.33% नीचे बंद हुआ।

बाजार की गिरवाट में निवेशकों के 31 लाख करोड़ रुपए डूबे

शेयर बाजार में तेज बिकवाली से निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। मंगलवार, 4 जून को उनकी वेल्थ लगभग 31 लाख करोड़ कम हो गई। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का ओवरऑल मार्केट कैप 395 लाख करोड़ रुपए हो गया। एक दिन पहले यह लगभग 426 लाख करोड़ था।

बाजार ने सोमवार को ऑलटाइम हाई बनाया था

लोकसभा चुनाव नतीजों से एक दिन पहले 3 जून को सेंसेक्स 2,777 पॉइंट की तेजी के साथ 76,738 और निफ्टी 808 पॉइंट चढ़कर 23,338 पर पहुंच गया था। हालांकि, बाद में बाजार अपने ऊपरी स्तरों से थोड़ा नीचे आया और सेंसेक्स 2,507 पॉइंट चढ़कर 76,468 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 733 पॉइंट चढ़ा और 23,263 के स्तर पर बंद हुआ था।

सोने-चांदी की कीमतों में तेजी : सोना 751 रुपए महंगा होकर 72,527 रुपए पर पहुंचा

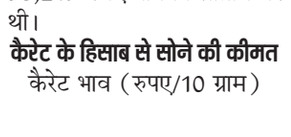

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। चुनाव नतीजे वाले दिन आज सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 4 जून को बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 751 रुपए महंगा होकर 72,527 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं चांदी की बात करें तो आज एक किलो चांदी 1,069 रुपए महंगी होकर 91,286 रुपए प्रति किलोग्राम में बिक रही है। इससे पहले 3 जून को चांदी 90,217 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी।

कैरेट के हिसाब से सोने की कीमत

कैरेट भाव (रुपए/10 ग्राम)

24 72,527
22 66,435
18 54,395

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,020 रुपए है।

मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,870 रुपए है।

कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 66,800 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 72,870 रुपए है।

चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,580 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,920 रुपए है।

शेयर कारोबार में निवेश का झांसा देकर 3.70 करोड़ रुपये की ठगी, नवी मुंबई से दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। साइबर प्रकोष्ठ के वरिष्ठ निरीक्षक गंजाम कदम ने एक विज्ञप्ति में कहा कि आरोपियों की पहचान होटल में वेटर के रूप में काम करने वाले सलमान निज़ामुद्दीन खान (35) और प्रकाश करमसी भानुशाली (39) के रूप में हुई है तथा दोनों नवी मुंबई के रहने वाले हैं।

महाराष्ट्र पुलिस ने शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर लोगों से 3.70 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी करने के आरोप में एक होटल के वेटर समेत दो लोगों को नवी मुंबई से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

साइबर प्रकोष्ठ के वरिष्ठ निरीक्षक गंजाम कदम ने एक विज्ञप्ति में कहा कि आरोपियों की पहचान होटल में वेटर के रूप में काम करने वाले सलमान निज़ामुद्दीन खान (35) और प्रकाश करमसी भानुशाली (39) के रूप में हुई है तथा दोनों नवी मुंबई के रहने वाले हैं। उनके मुताबिक, वे धोखाधड़ी के अन्य मामले में भी शामिल हैं। विज्ञप्ति में कहा गया कि पुलिस ने आरोपियों द्वारा विभिन्न खातों में जमा की गई 46 लाख रुपये की अवैध रकम को बैंकों की मदद से जब्त कर लिया है। पुलिस ने बताया कि 17 फरवरी से 24 अप्रैल 2024 के बीच आरोपियों ने लोगों को आकर्षक मुनाफे का वादा करके शेयर कारोबार में निवेश करने का लालच दिया। इस दौरान उन्होंने पीड़ितों से 3.70 करोड़ रुपये की ठगी की। वरिष्ठ निरीक्षक कदम ने बताया कि कुछ पीड़ितों द्वारा साइबर प्रकोष्ठ में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके आधार पर भारतीय दंड संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

विज्ञापनदाताओं को 18 जून से भ्रामक दावा संबंधी स्व-घोषणा प्रमाणपत्र देना होगा, सरकार का निर्देश

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने बयान में कहा कि उच्चतम न्यायालय का निर्देश पारदर्शिता, उपभोक्ता संरक्षण और जिम्मेदार विज्ञापन व्यवहार को सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम है। टीवी और रेडियो विज्ञापनों के मामले में स्व-घोषणा प्रमाणपत्र को 'ब्रॉडकास्ट सेवा' पोर्टल पर और प्रिंट, डिजिटल और इंटरनेट विज्ञापनों के लिए भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) की वेबसाइट पर डालना होगा।

सरकार ने सोमवार को सभी विज्ञापनदाताओं और विज्ञापन एजेंसियों से स्व-घोषणा प्रमाणपत्र जमा करने को कहा जिससे यह स्पष्ट हो सके कि विज्ञापन में भ्रामक दावे नहीं किए गए हैं और यह नियामकीय दिशानिर्देशों का पालन करता है। उच्चतम न्यायालय की तरफ से पिछले महीने जारी निर्देशों के मुताबिक, सभी नए प्रिंट, डिजिटल, टेलीविजन और रेडियो विज्ञापनों के लिए स्व-घोषणा देना जरूरी होगा। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने बयान में कहा कि उच्चतम न्यायालय का निर्देश पारदर्शिता, उपभोक्ता संरक्षण और जिम्मेदार विज्ञापन व्यवहार को सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम है। टीवी और रेडियो विज्ञापनों के मामले में स्व-घोषणा प्रमाणपत्र को 'ब्रॉडकास्ट सेवा' पोर्टल पर और प्रिंट, डिजिटल और इंटरनेट विज्ञापनों के लिए भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) की वेबसाइट पर डालना होगा।

इस स्व-घोषणा प्रमाणपत्र पर विज्ञापनदाता या विज्ञापन एजेंसी के अधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर भी होने चाहिए। सभी विज्ञापनदाताओं और विज्ञापन एजेंसियों को 18 जून, 2024 या उसके बाद जारी/ प्रसारित/ प्रकाशित होने वाले सभी नए विज्ञापनों के लिए यह प्रमाणपत्र हासिल करना जरूरी है। सभी हितधारकों को स्व-प्रमाणन की प्रक्रिया से परिचित होने के लिए पर्याप्त समय प्रदान करने के लिए दो सप्ताह की बफर अवधि रखी गई है। हालांकि, अभी प्रसारित या प्रकाशित हो रहे विज्ञापनों को स्व-प्रमाणन की जरूरत नहीं होगी।

दस्तावेज़ को प्रमाणित करना चाहिए कि विज्ञापन में भ्रामक दावे नहीं किए गए हैं और यह सभी प्रासंगिक नियामक दिशानिर्देशों का अनुपालन करता है। इसमें केबल टेलीविजन नेटवर्क नियम, 1994 के नियम सात और भारतीय प्रेस परिषद के पत्रकारिता आचरण के मानदंड शामिल हैं। विज्ञापनदाता को संबंधित प्रसारक, मुद्रक, प्रकाशक या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया मंच को उनके रिकॉर्ड के लिए स्व-घोषणा प्रमाणपत्र अपलोड करने का प्रमाण देना होगा।

313 बिलियन डॉलर हो सकता है भारत का शिक्षा और स्किल का बाजार

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार हो या सराफा बाजार बीते कुछ साल में हर तरफ जबरदस्त तेजी दिख रही है. भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज विकास दर इसके ग्रोथ में बड़ी भूमिका निभा रही है. इसी तरह एक और बाजार है जो तेजी से ग्रोथ कर रहा है और महज 10 साल के भीतर इसके दोगुना हो जाने का अनुमान है. भारत में शिक्षा और स्किल का बाजार काफी तेजी से बढ़ रहा है.

कैंब्रिज एजुकेशन लैब (सीईएल) ने अनुमान लगाया है कि भारत का शिक्षा और स्किल बाजार साल 2030 तक 313 अरब डॉलर (करीब 26 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच सकता है. यह साल 2020 तक महज 180 अरब डॉलर (करीब 15 लाख करोड़ रुपये) का था. इसका मतलब हुआ कि महज 10 साल के भीतर देश का शिक्षा एवं स्किल बाजार करीब दोगुना बढ़ सकता है.

तेज विकास का फायदा उठाएं

सीईएल के संस्थापक सुयश भट्ट ने कहा, हमारी संस्था ने भारत के साथ यूके, फिनलैंड, इंडोनेशिया और एस्टोनिया में कई शिक्षा सम्मेलन आयोजित किए हैं और अब स्कूल लीडरों, शिक्षकों और छात्रों के लिए कई किफायती शिक्षा कार्यक्रम विकसित करने पर विचार कर रहा है. सीईएल प्रोग्राम ने जम्मू और कश्मीर से लेकर तमिलनाडु तक भारत के कई राज्यों के 60 से अधिक स्कूलों और 1,00,000 से अधिक छात्रों को सीधे तौर पर प्रभावित किया है. दुनियाभर के निवेशक भारत में शिक्षा के इन्फ्रा में पैसे लगाना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए हमें अपनी शिक्षा प्रणाली बदलनी होगी.

मजबूत करना होगा बुनियादी ढांचा

भारतीय शिक्षा एवं स्किल बाजार को ग्लोबल लेवल पर मुकाबले के लिए और विदेशी निवेश लाने के लिए बुनियादी ढांचे को और मजबूत बनाना होगा. इसमें कैमब्रिज एजुकेशन लैब भी अपना योगदान दे रहा है. इस संस्था ने देश के टीयर 2 और टीयर 3 शहरों को भी ग्लोबल लेवल पर जोड़ने का काम शुरू किया है. भट्ट ने कहा, हमने पिछले साल भारत के 25-30 स्कूलों को इन विश्वविद्यालयों में आमंत्रित किया था और 30 स्कूल ऑनलाइन जुड़े थे. इन स्कूलों के मालिकों ने वहां की शिक्षा व्यवस्था देखी और वे इस व्यवस्था को यहां पर लागू करना चाहते हैं.

दो हजार के 97.82 प्रतिशत नोट बैंकों में लौटे, 7,755 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अब भी लोगों के पास

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि दो हजार रुपये मूल्य के 97.82 प्रतिशत नोट बैंकों में वापस आ गये हैं। चलन से हटाये गये केवल 7,755 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अभी लोगों के पास हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी।

19 मई, 2023 को चलन में मौजूद 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट का कुल मूल्य कारोबार की समाप्ति पर 3.56 लाख करोड़ रुपये था। यह 31 मई, 2024 को कारोबार की समाप्ति पर घटकर 7,755 करोड़ रुपये रह गया। केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा, ''इस प्रकार, 19 मई, 2023 तक चलन में 2000 रुपये के 97.82 प्रतिशत बैंक नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गये हैं।''

सात अक्टूबर, 2023 तक 2000 रुपये के बैंक नोट को जमा करने और/या बदलने की सुविधा देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। उन्नीस मई, 2023 से 2000 रुपये के बैंक नोट को बदलने की सुविधा रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। आरबीआई के निर्गम कार्यालय नौ अक्टूबर, 2023 से व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए भी 2000 रुपये के नोट स्वीकार कर रहे हैं।

इसके अलावा, लोग अपने बैंक खातों में जमा करने के लिए देश के किसी भी डाकघर से आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय में भारतीय डाक के माध्यम से 2000 रुपये के बैंक नोट भेज रहे हैं।

बैंक नोट को जमा/बदलने वाले आरबीआई के 19 कार्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में हैं। उल्लेखनीय है कि नवंबर, 2016 में उस समय चलन में मौजूदा 1000 रुपये और 500 रुपये के बैंक नोट को हटाये जाने के बाद 2000 रुपये के बैंक नोट लाये गये थे।

एयरलाइन कंपनियों को इस साल 30 अरब डॉलर के मुनाफे की उम्मीद

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। महामारी से उबरने के बाद तेजी से आगे बढ़ रहे वैश्विक विमानन उद्योग को 30.5 अरब डॉलर का शुद्ध लाभ होने और लगभग एक लाख करोड़ डॉलर का रिकॉर्ड राजस्व दर्ज करने का अनुमान है। आईएटीए ने सोमवार को यह संभावना जताई। अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) ने इस साल हवाई यात्रियों की संख्या पांच अरब तक पहुंचने की उम्मीद जताते हुए कहा कि निवेशित पूंजी पर मुनाफा 5.7 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो 2024 में पूंजी की औसत लागत से 3.4 प्रतिशत कम है। दुनियाभर की 330 से अधिक एयरलाइन कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले आईएटीए के मुताबिक, विमानन उद्योग का राजस्व इस साल 996 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंचने की उम्मीद है। जबकि यात्री राजस्व 15.2 प्रतिशत बढ़कर 744 अरब डॉलर होने का अनुमान है।

''वर्ष 2024 में लाभप्रदता मजबूत होने की उम्मीद है, क्योंकि व्यय की तुलना में राजस्व थोड़ा तेजी से बढ़ा है। हालांकि, शुद्ध लाभ 2023 के लिए अनुमानित 27.4 अरब डॉलर से 11.3 प्रतिशत अधिक 30.5 अरब डॉलर होने की उम्मीद है।'' इस साल उद्योग का खर्च बढ़कर 936 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद है, जो वर्ष 2023 की तुलना में 9.4 प्रतिशत अधिक होगा। आईएटीए की वार्षिक आम बैठक में जारी विमानन परिदृश्य रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में विमानन ईंधन एटीएफ की औसत कीमत 113.8 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल रहने की उम्मीद है, जिससे कुल ईंधन बिल 291 अरब डॉलर हो जाएगा, जो सभी परिचालन लागत का 31 प्रतिशत है। आईएटीए के महानिदेशक विली वॉल्श ने कहा कि 2024 में 30.5 अरब डॉलर का अपेक्षित कुल शुद्ध लाभ हाल ही में महामारी से हुए भारी नुकसान को देखते हुए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इस साल रिकॉर्ड पांच अरब हवाई यात्रियों के आने की उम्मीद है।

फ्लाइट की लागत में 34% की गिरावट

आईएटीए के महानिदेशक विली वॉल्श ने सोमवार को कहा कि पिछले दशक में हवाई यात्रा की वास्तविक लागत में 34 प्रतिशत की गिरावट आई है। प्रति यात्री एयरलाइन को मिलने वाला लाभ करीब 6.14 अमेरिकी डॉलर है। अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ 330 से अधिक एयरलाइन का एक वैश्विक समूह है। आईएटीए की यहां 80वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए वॉल्श ने कहा कि फ्लाइट अब भी पैसे के हिसाब से अच्छी स्थिति में है। उन्होंने कहा, ''हमने हाल ही में 15 मार्केट्स में 6,500 यात्रियों के बीच सर्वे कराया, जिनमें से 77 प्रतिशत ने यही बात कही। यह आश्चर्य की बात नहीं है, क्योंकि पिछले दशक में हवाई यात्रा की वास्तविक लागत में 34 प्रतिशत की गिरावट आई है।''

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष में	वृष--	04-31 बजे
चंद्र-	वृष में	मिथुन..	06-32 बजे
मंगल	मेष में	कर्क...	08-44 बजे
बुध-	वृष में	सिंह...	10-56 बजे
गुरु-	वृष में	कन्या..	13-03 बजे
शुक्र-	वृष में	तुला....	15-07 बजे
शनि-	कुंभ में	वृश्चिक..	17-18 बजे
राहु-	मीन में	धनु.....	19-31 बजे
केतु-	कन्या में	मकर...	21-38 बजे
		कुंभ....	23-28 बजे
		मीन....	01-07 बजे
		मेष....	02-42 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-44 सूर्यास्त. -18-44
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी 19-55 तक उपरान्त अमावस्या
मास - ज्येष्ठ कृष्ण , बुधवार 05 June
नक्षत्र - कृतिका 21-16 तक उपरान्त रोहिणी
योग - सुकर्मा 00-35 तक उप धृति
करण- विष्टि 08-56 तक उप शकुनि
विशेष:-
व्रत -त्योहार - विश्व पर्यावरण दिवस

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:15 से 13:53 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ.	05:44 - 07:20 शुभ	उत्पात	18:44 - 20:09 अशुभ
अमृत.	07:20 - 08:58 शुभ	शुभ	20:09 - 21:31 शुभ
काल	08:58 - 10:37 अशुभ	अमृत	21:31 - 22:53 शुभ
शुभ	10:37 - 12:15 शुभ	चंचल	22:53 - 24:15 शुभ
रोग	12:15 - 13:53 अशुभ	रोग	24:15 - 01:37 अशुभ
उत्पात	13:53 - 15:31 अशुभ	काल	01:37 - 02:58 अशुभ
चंचल	15:31 - 17:09 शुभ	लाभ	02:58 - 04:20 शुभ
लाभ	17:09 - 18:44 शुभ	उत्पात	04:20 - 05:44 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आप आज आत्मविश्वास से भरे हैं और यह बात आपकी भाव –भंगिमा और नज़रिये से साफ़ झलक रही है आज हर कहीं आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और अपनी छाप छोड़ेंगे महत्वपूर्ण बिज़नेस बैठकों में आपके मुताबिक़ निर्णय होंगे अगर स्थितियां आपके पक्ष में नही भी दिख रही तब भी आप उन्हें अपने पक्ष में कर लेंगे और अपनी बात मनवाने में कामयाब रहेंगे

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं आपको अच्छा लगेगा आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

दिन शांत रहेगा पिछले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी,जो अच्छी लगेगी आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर नजर रखे हुए हैं ,इसीलिए अधिक मेहनत करें कुछ अनापेक्षित निजी मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं ,उनसे आपको आश्चर्य तो जरुर होगा,लेकिन आप संतोषजनक तरीके से उन्हें सँभालने में कामयाब होंगे।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज आप हर किसी पर विश्वास करने के मूड में रहेंगे इसका नुक्सान यह है की आप किसी ऐसे आदमी के साथ भी अपनी बाते साझी कर सकते हैं जो दिल से आपका भला नही चाहता इसीलिए पहले इस आदमियो के बारे सही से छानबीन कर लें अगर आप पिछले कुछ समय से कार्यस्थल या घर पर किसी की बातो से असहमत हैं तो आज दोस्ती का हाथ बढाने के लिए अच्छा समय है

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

गृहों की स्थिति आपको आज बहुत अधिक सामाजिक होने को कह रही है आप दूसरों से बातचीत के माध्यम से अपनी जीवनशैली और करियर में बदलाव लाना चाहते हैं जो कुछ आपने सोचा है .वो सब करने की कोशिश करें आप जो भी करना चाहते हैं,उसपर अच्छे से ध्यान केन्द्रित क्र सकते हैं ,बस इतना ध्यान रखें कि अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारी न लें

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

स्थितियां और घटनाएं इस प्रकार बदलेंगे कि आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आपको अपनी स्थिति ,विशेषकर वित्तीय स्थिति पर अच्छी तरह विचार करने की आवशयकता है बहुत खर्च करने में आनंद आ सकता है लेकिन इससे आपके परिवार की वित्तीय स्थिति पर भी बुरा असर पड़ सकता है ,आपको यह जानना होगा जहां तक वित्तीय स्थिति का सवाल है,आपको ठंडे दिमाग से काम लेते हुए और परिजनों की बात भी सुननी चाहिए

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का या तो खुद कारण बनेगा या बदलाव लाने वाले लोगों से मुलाकात का माध्यम बनेगा हालाँकि,सभी बदलाव आपके लिए अच्छे नही रहेंगे इससे पहले कि आप बदलाव को स्वीकार कर आगे बढ़े ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आपकी प्रवृतियाँ आज काफी सक्रिय रहेंगी और आपको उनकी सुनकर ही आज आगे बढ़ाना चाहिए यहां तक की अगर आपके आसपास हर किसी की राय अलग है तो भी आप उनकी ना सुनकर अपने ही मन की सुनें आपके लिए शायद अभी यह कर पाना काफी मुश्किल होगा लेकिन आपको इसका लाभ मिलेगा आपको अपनी आँखें और कान खुले रखकर अपने रास्ते में आने वाले अवसरों को पकड़ना है

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

गांडेय उपचुनाव जीतीं कल्पना सोरेन

हेमंत की राजनीतिक कल्पना बनी हकीकत, झारखंड विधानसभा में होंगी पार्टी का चेहरा

रांची, 4 जून (एजेंसियां)। झारखंड की 14 लोकसभा सीटों के साथ-साथ विधानसभा की एक सीट गांडेय जिस पर सबकी नजर थी। इस सीट से पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने जीत हासिल की हैं। उन्हें 26 हजार से अधिक वोटों से जीत मिली हैं। कल्पना की जीत से राज्य की राजनीति में कई तरह की चर्चाएं तेज हो गई है। बड़ा सवाल यह है कि कल्पना सोरेन की जीत से झारखंड की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत हैं।

कल्पना सोरेन राजनीति में कदम रखी, तभी से उसके भविष्य को लेकर चर्चा तेज हो गई थी। राजनीतिक एक्सपर्ट यह मानते हैं कि कल्पना की जीत ने राज्य को एक नेता दे दिया है। कल्पना झारखंड मुक्ति मोरचा में हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद भी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाने में सफल रही।

हेमंत सोरेन के जेल जाने को लेकर एक बड़ा मुद्दा बनाते हुए कल्पना सोरेन ने चुनाव में कदम

रखा और अपनी ज्यादातर सभाओं में हेमंत सोरेन के साथ हुए अन्याय का जिक्र किया।

कल्पना की जीत का सीधा असर जेएमएम के भविष्य और झारखंड की राजनीति पर पड़ेगा। कल्पना इस जीत के साथ ही एक चुनी हुई नेता बन गई हैं। कल्पना जिस तरह कम समय में एक सर्वमान्य नेता के रूप में सामने आई हैं। इससे साफ हो गया है कि आने वाले दिनों में पार्टी और गठबंधन की सरकार में अहम भूमिका में नजर आयेंगी।

किसके चेहरे पर विधानसभा का चुनाव लड़ेगी जेएमएम

झारखंड में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। झारखंड मुक्ति मोरचा का चेहरा रहे हेमंत सोरेन जेल में है। इस स्थिति में पार्टी के सामने बड़ा सवाल है कि जेएमएम किसके चेहरे को आगे रखकर चुनाव लड़ेगी। मौजूदा समय में राज्य के मुखिया चंपाई सोरेन हैं। क्या जेएमएम चंपाई सोरेन के चेहरे पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि अब पार्टी में चंपाई से बड़ा चेहरा कल्पना का है। कल्पना सोरेन के चुनाव जीतने के बाद राज्य की कमान संभालेंगी। हालांकि, कल्पना ने चुनावी प्रचार के दौरान कई बार इस सवाल का जवाब दिया और कहा कि चंपाई सरकार को कोई खतरा नहीं है। झारखंड की सत्ता अभी नहीं बदलेंगी, लेकिन पार्टी के अंदर के सूत्र बताते हैं कि इस जीत के साथ ही कल्पना सोरेन को आगे बढ़ाने की तैयारी शुरू हो गई है। गांडेय विधानसभा से डॉ सरफराज अहमद ने इस्तीफा दिया। 31 दिसंबर 2023 को विधानसभा अध्यक्ष ने विधायक का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। पहले खबर आई कि डॉ सरफराज ने नाराज होकर इस्तीफा दिया हैं, लेकिन यह जेएमएम की एक अहम रणनीति का हिस्सा था।

सरफराज ने इस्तीफा देकर यह भी कहा था कि उन्होंने पार्टी को बचाने के लिए, सरकार को बचाने के लिए इस्तीफा दिया है।

धीरे-धीरे समय के साथ यह साफ हो गया कि यह इस्तीफा हेमंत सोरेन की रणनीति का अहम हिस्सा था, ताकि उनके जेल में होने के बाद पार्टी और सत्ता की जिम्मेदारी उनके भरोसे का कोई व्यक्ति चला सके। 31 जनवरी को हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद चंपाई सोरेन को राज्य की जिम्मेदारी मिली, लेकिन इस बीच कल्पना सोरेन धीरे- धीरे अपनी जगह बनाते हुए आगे बढ़ी। इस बीच कल्पना सोरेन हेमंत सोरेन से जेल में मुलाकात करती रहीं और राज्य की राजनीति और सत्ता पर चर्चा की। इस तरह हेमंत सोरेन ने अपनी पत्नी के राजनीतिक सफर की कल्पना को हकीकत में बदल दिया।

कोडरमा से अन्नपूर्णा देवी जीतीं

रांची से संजय सेठ, धनबाद से ढुलू महतो की जीत तय, खूंटी में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा पीछे

रांची, 4 जून (एजेंसियां)। झारखंड की 14 लोकसभा सीटों के लिए वोटों की गिनती जारी है। यहां एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच कांटे की टक्कर चल रही है। कोडरमा से बीजेपी प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी चुनाव जीत गई है। एनडीए 9 तो इंडिया गठबंधन 5 सीटों पर आगे चल रही है। इनमें बीजेपी को 7, आजसू को 1, झामुमो को 2 और कांग्रेस 3 सीट पर आगे चल रही है। रांची लोकसभा में 9वें राउंड की काउंटिंग पूरी होने के बाद संजय सेठ लीड कर रहे हैं। उन्हें 397219 वोट मिले हैं। जबकि कांग्रेस उम्मीदवार और सुबोधकांत सहाय की बेटी यशस्विनी सहाय को 288861 वोट मिले हैं।

सरगुजा से खुला भाजपा की जीत का खाता

चिंतामणि महाराज 64 हजार से ज्यादा वोटों से जीते, 9 पर भाजपा, 1 पर कांग्रेस आगे

रायपुर, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव-2024 के रुझान अब परिणामों में तब्दील होने लगे हैं। छत्तीसगढ़ का पहला नतीजा सरगुजा से सामने आया है। यहां से भाजपा उम्मीदवार चिंतामणि महाराज ने 64 हजार से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा बाकी है। वहीं भाजपा 9 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। जबकि एक सीट कोरबा से कांग्रेस की ज्योत्सना महंत आगे चल रही हैं। हालांकि राजनांदगांव से कांग्रेस उम्मीदवार और पूर्व सीएम भूपेश बघेल काफी पीछे चल रहे हैं। अभी तक आंकड़ों के मुताबिक, रायपुर से भाजपा के बृजमोहन अग्रवाल, दुर्ग से विजय बघेल, राजनांदगांव से संतोष पांडेय और रायगढ़ से

राधेश्याम राठिया की जीत तय मानी जा रही है। प्रदेश में चुनाव में 3 सांसद, 1 पूर्व सांसद, 1 कैबिनेट मंत्री, 1 पूर्व सीएम, 3 पूर्व कैबिनेट मंत्री, विधायक-पूर्व विधायक सहित 220 प्रत्याशी मैदान में हैं।

वोटों की गिनती के लिए प्रदेश में 94 मतगणना हॉल बनाए गए हैं, इनमें 6562 अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। हर मतगणना स्थल पर त्रिस्तरीय सुरक्षा-व्यवस्था के इंतजाम किए गए हैं। बाहरी लेयर की जिम्मेदारी जिला पुलिस और बाकी केंद्रीय फोर्स को सौंपी गई है। मतगणना हॉल, कंट्रोल रूम और परिसर में वीडियो के अलावा सीसीटीवी रिकॉर्डिंग आयोग करा रहा है, ताकि साक्ष्य के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा सके।

बिलासपुर में तोखन ने एक लाख से ज्यादा वोटों से बनाई लीड

रायपुर, 4 जून (एजेंसियां)। बिलासपुर लोकसभा सीट छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीटों में से बेहद महत्वपूर्ण है। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी होने से सबकी नजरें यहां के चुनाव पर टिकी रहती हैं। बिलासपुर में वोटों की गिनती जारी है। इस बार यहां से बीजेपी के किसान नेता तोखन साहू और कांग्रेस के भिलाई से विधायक देवेंद्र यादव के बीच सीधी टक्कर है। यहां भाजपा-कांग्रेस समेत 37 उम्मीदवार चुनावी मैदान में है। शाम 5 बजे तक तोखन साहू को 1 लाख 23 हजार 834 वोटों से आगे हैं। उन्हें 5 लाख 24 हजार 637 वोट मिले हैं। वहीं देवेंद्र यादव को 1 लाख 23 हजार 834 वोटों से पीछे चल रहे हैं।

कांग्रेस पार्षद ने पत्नी के प्रेमी को मार डाला

छत्तीसगढ़ में पति-दो बच्चों को छोड़कर आशिक संग रह रही थी
लाठी-डंडे से किया अटैक

बलौदाबाजार, 4 जून (एजेंसियां)। बलौदाबाजार जिले में कांग्रेस पार्षद ने अपनी पत्नी के प्रेमी की लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी है। बताया जा रहा है कि, दो बच्चों की मां उसे छोड़कर प्रेमी के घर रह रही थी। जिसे वापस ले जाने के लिए मुंगेली से सिमगा आया था। तभी उसके परिवार पर हमला कर दिया। मामला सिमगा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, दिलीप कुर्रे उर्फ राहुल मुंगेली जिले के वार्ड क्रमांक-14 से कांग्रेस पार्षद है। उसकी पत्नी सुकृति कुर्रे उसे छोड़कर बलौदाबाजार जिले के चंदेरी गांव में अपने प्रेमी (सरकारी कर्मचारी) नंदकुमार पात्रे के घर रहने लगी थी। जिसे वापस लाने के लिए 2 जून को मां और भाई समेत 10 से 15 लोगों के साथ चंदेरी आया था।

पर्यावरण के मुद्दों पर वैश्विक जागरूकता बढ़ाना चाहिए

लखनऊ, 4 जून (एजेंसियां)। एक स्वस्थ और संतुलित पर्यावरण के महत्व, पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता में कमी जैसी वैश्विक समस्याओं को रेखांकित कर वर्तमान पर्यावरण के मुद्दों पर वैश्विक जागरूकता बढ़ाना और जन-जन को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करने के लिए प्रत्येक वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 1972 में हुए संयुक्त राष्ट्र मानव पर्यावरण सम्मेलन के बाद 1973 में हुई थी।

विश्व पर्यावरण दिवस 2024 संस्करण हमारी धरती, हमारा भविष्य के नारे के तहत स्वस्थ पर्यावरण तंत्र की बहाली, जैव विविधता की रक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं से निपटने के लिए हमे सामूहिक प्रयास पर जोर देती है।

विश्व पर्यावरण दिवस हमें

सिर्फ एक दिन पर्यावरण के प्रति सोचने के लिए नहीं, बल्कि हर दिन पर्यावरण के प्रति सचेत एवं संवेदनशील रहने तथा उसके संरक्षण हेतु एक ज़िम्मेदार नागरिक बनने के लिए उत्प्रेरित करता है।

हम सभी अपने छोटे-छोटे प्रयासों, जैसे बिजली-पानी का उचित इस्तेमाल करना, कूड़े कचरे को कम करना और उसका पुनर्चक्रण करना, अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना, वाहनों का निम्नतम इस्तेमाल करना, पेड़ों की कटाई को रोकना, प्लास्टिक थैलों आदि के प्रयोग को रोकना आदि के द्वारा हम पर्यावरण को स्वच्छ, संतुलित और सुरक्षित रखने में अपना अहम योगदान दे सकते हैं।

हमें अपने अंदर पर्यावरण संरक्षण की भावना को जागृत कर वृक्षारोपण करना, प्लास्टिक का प्रयोग कम करना,ऊर्जा की बचत, अपने आस पास की साफ सफाई को सुनिश्चित करने का संकल्प लेते हुए प्राकृतिक संसाधनों जो कि पृथ्वी पर जीवन की संजीवनी के रूप में काम करते हैं की संरक्षा करने का भी संकल्प लेना है।

हम प्रकृति के संरक्षक हैं और पर्यावरण की रक्षा के लिए सक्रिय योगदान देना, एक स्वस्थ, सुंदर, हरित, संतुलित और स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित करना हमारी ज़िम्मेदारी ही नहीं हमारा सामूहिक कर्तव्य है।

यह पृथ्वी हमारा एकमात्र आवास है और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे बचाना हमारा सामूहिक दायित्व है जिसके लिए हम सबको मिलकर संकल्पित होना है।

जैसा की हम सभी को विदित है की आज पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग के दौर से गुजर रहा है, जिसका प्रमुख कारण प्राकृतिक संसाधनों का तेजी के साथ दोहन, पेड़ों की अँधा धुंध कटाई, ऊर्जा एवं पानी का दुरपयोग, मोटर वाहनों की अधिकता आदि हैं जिसके कारण विश्व को आये दिन अनेक प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, सुखाड़, भूकंप आदि के दंश को झेल रहा है।

अतः प्रत्येक भारतवासी को सरकारी तंत्र पर आश्रित न रह कर जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए प्रथम पंक्ति में आगे आकर स्वयं से विशेष अवसरों जैसे जन्मदिवस, शादी की सालगिरह आदि अन्य अवसरों पर वृक्षा रोपण करें ताकि हमारा भविष्य सुरक्षित रह सके।

पुलिस को मिली सफलता

सोनारी में आभूषण दुकान में हुए लूट का खुलासा, 35 लाख के सोने के साथ चार गिरफ्तार

जमशेदपुर, 4 जून (एजेंसियां)। जमशेदपुर के सोनारी थाना अंतर्गत एमबी ज्वेलर्स में 23 मई को हुए लूट का पुलिस ने खुलासा किया है। इस संबंध में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में पलामू जिले के चैनपुर निवासी ऋषि राज उर्फ सोनी, गोविंदा पासवान, राहुल शर्मा और अभिषेक गुप्ता शामिल है। पुलिस ने आरोपियों को निशानदेही में 431.73 ग्राम गला हुआ सोना, 50 हजार नकद, घटना में प्रयुक्त एक देसी कार्बाइन, तीन पिस्टल, 17 कारतूस, सोना गलाने का उपकरण और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद किया है। बरामद सोने की कीमत 35 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने ऋषि राज की गिरफ्तारी रांची से की जबकि अन्य की गिरफ्तारी पलामू से की गई है।

सोमवार को मामले का खुलासा करते हुए एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि 24 मई को हुए घटना के बाद डीएसपी मुख्यालय 1 और मुख्यालय 2 के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। टीम ने सीसीटीवी फूटेज और तकनीकी सहायता से आरोपियों की पहचान की। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि एक आरोपी रांची में छुपा है जिसके बाद रांची पुलिस की मदद से पहले ऋषि राज को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में अन्य आरोपियों की भी पहचान पर पलामू से गिरफ्तार कर लिया गया। सभी ने घटना के लिए जमशेदपुर में लोकसभा चुनाव से एक दिन पहले की तारीख 24 मई चुनी। क्योंकि इस वक्त पुलिस चुनाव में व्यस्त रहती। 23 मई को गिरोह के सदस्यों ने दुकान की रेकी भी की थी। सभी ने रांची के बरियातू बक्सा गली और लोअर बाजार में एक-एक किराए का मकान ले रखा था जहां हथियार छुपा कर रखा था। इनमें से ऋषि और गोविंदा बस से हथियार लेकर शहर पहुंचे और राहुल और अभिषेक बाइक से शहर पहुंचे।

यहां सभी एक हुए। एक बाइक पर गोविंदा, ऋषि और राहुल शर्मा सवार हुए और दुकान पहुंचे जबकि अभिषेक बाहर रेकी कर रहा था।

दानी टोला वार्ड में चल रहा था सेक्स रैकेट, पुलिस ने मारा छापा

छह लड़कियां और चार लड़के पकड़ गए

धमतरी, 4 जून (एजेंसियां)। धमतरी कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के दानी टोला वार्ड में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ दिया है।

पुलिस ने दबिश देकर 10 लोगों को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि इसमें कुछ लड़कियां बाहर से भी हैं। डीएसपी नेहा पवार ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि दानी टोला वार्ड में सेक्स रैकेट का कारोबार चल रहा है। जिस पर दबिश देकर 10 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षु डीएसपी विंकेश्वरी पिंदे के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने छापेमारी की, जहां पर छह युवतियां और चार लड़के संदिग्ध अवस्था में पाए गए। लड़कियों में कुछ बाहर राज्य की भी हैं। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सीमेंट फैक्ट्री में इंजीनियर की हत्या

कोल हैंडलिंग प्लांट के इंचार्ज ने साथियों के साथ मिलकर मार डाला, दोनों के बीच हुआ था विवाद

भिलाई, 4 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के भिलाई में एक निजी सीमेंट फैक्ट्री के अंदर कोल हैंडलिंग प्लांट (सीपीसी) के एचओडी बालराजू राव (50) की हत्या हो गई है। बताया जा रहा है कि यह हत्या सीपीसी के इंचार्ज संजय तिवारी और उसके साथियों ने की है। जिन्हें पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामला जामुल थाना क्षेत्र का है। उसके परिजन पूर्व आर्मीमैन लक्ष्मण राव ने बताया कि, बालराजू राव रोज की तरफ ड्यूटी पर गया था। उसका पिछले कुछ दिनों से कोयले की किल्लत को लेकर सीपीसी के इंचार्ज संजय तिवारी से विवाद चल रहा था। कोयले की कमी के चलते सीमेंट प्लांट भी दो दिन से बंद था। उन्होंने कहा कि, बालराजू काम का अधिक लोड होने पर संजय तिवारी पर काम सही से करने का दबाव बनाया था। इसी बात को लेकर उसने अपने साथियों के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, हत्या सीपीसी प्लांट के पीछे गैलरी में सुबह 8-9 बजे के बीच हुई है। मामले की जानकारी कंपनी प्रबंधन को दे दी गई है। प्रबंधन ने मामले की जानकारी पुलिस को दिए बिना ही शव को सीधे सुपेला अस्पताल पहुंचा दिया। वहां डॉक्टरों ने बालराजू को मृत घोषित कर दिया। इस मामले में जब सीमेंट प्लांट के एचआर हेड धर्मेश शर्मा से बात की गई, तो उन्होंने कुछ भी बोलने से मना कर दिया।

भोलू कुम्हार हत्याकांड का खुलासा

दो आरोपी हथियार के साथ गिरफ्तार वर्चस्व को लेकर की गई थी हत्या

जमशेदपुर, 4 जून (एजेंसियां)। जमशेदपुर के कदमा थाना अंतर्गत कदमा बाजार में बीते दिनों भोलू कुम्हार की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने आदित्यपुर विद्युत नगर निवासी राहुल पंडित और कदमा शास्त्रीनगर निवासी प्रशांत कुमार कापड़ी उर्फ बिट्टू कापड़ी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक देसी कट्टा और तीन गोली बरामद किया है। एसएसपी किशोर कुमार ने सोमवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 23 मई को कदमा बाजार में भोलू कुम्हार की हत्या कर दी गई थी। मामले में विक्की नंदी के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। हालांकि जांच के क्रम अन्य लोगों के नाम भी सामने आए। पुलिस ने पहले राहुल को आदित्यपुर से गिरफ्तार किया। राहुल की निशानदेही में प्रशांत कुमार पुलिस के हत्थे चढ़ा। पुलिस ने प्रशांत के वाशिंग सेंटर से हथियार बरामद किया। एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि भोलू की हत्या वर्चस्व को लेकर की गई है। भोलू और विक्की का विवाद काफी पुराना है। घटना से चार दिनों पूर्व भोलू जेल से छूटकर बाहर आया था जिसके बाद उसकी हत्या कर दी गई। फिलहाल पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

गणेशपुरा में खंभे गिरे लज्जापुरी में जला ट्रांसफार्मर

हापुड़, 4 जून (एजेंसियां)। बिजली का संकट लगातार बरकरार है। सोमवार शाम को शहर के दो मोहल्लों में लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ा। मेरठ रोड स्थित मोहल्ला गणेशपुरा में बिजली के जर्जर खंभे भरभराकर गिर गए, जबकि लज्जापुरी में ट्रांसफार्मर में आग लग गई। जिससे दोनों मोहल्लों और आसपास की बिजली गुल हो गई। भयंकर गर्मी के साथ ऊर्जा निगम की लापरवाही लोगों पर भारी पड़ रही है। मोहल्ला गणेशपुरा में लो टेंशन लाइन के तीन खंभे जर्जर हालत में थे। शाम के समय एक खंभा भरभारकर गिर गया, जिसके साथ दो और खंभे गिर गए और क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। क्षेत्रीय लोगों का कहना था कि बार बार शिकायतों के बावजूद ऊर्जा निगम के अधिकारियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। वहीं, मोहल्ला लज्जापुरी में लगे 630 केवीए के ट्रांसफार्मर में अधिक लोड होने के कारण अचानक आग लग गई। आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। जैसे तैसे लोगों ने आग पर काबू पाया। दोनों मोहल्लों और आसपास के इलाके में बिजली सप्लाई बंद होने से लोगों में हाहाकार की स्थिति थी।

गर्मी-लू से अब तक 16 मौतें

रायपुर समेत 4 संभागों में आज बारिश के आसार, तेज हवा और अंधड़ का अलर्ट

रायपुर, 4 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सोमवार को प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश हुई, लेकिन गर्मी से ज्यादा राहत नही मिली। मौसम विभाग के मुताबिक आज रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग और बस्तर संभाग के कुछ जिलों में हल्की बारिश की संभावना है। साथ ही कहीं-कहीं पर 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा और अंधड़ भी चलेगी।

इस दौरान उत्तरी छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में गर्म हवा चलने की भी संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में अगले एक-दो दिन नमी और शुष्क हवाओं का मिला-जुला असर रहेगा। सोमवार को प्रदेश में सबसे गर्म मुंगेली

जिला रहा। यहां का अधिकतम तापमान 41 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान नारायणपुर में 18.9 डिग्री रहा।

सोमवार को प्रदेश के कुछ हिस्सों में हुई हल्की बारिश की वजह से दिन के तापमान में गिरावट आई है। सोमवार को रायपुर में पारा 43 डिग्री से गिरकर 40 .6 डिग्री पर पहुंच गया। तापमान में इस गिरावट के कारण यहां तेज गर्मी से थोड़ी राहत मिली, लेकिन उमस और गर्म हवा के थपेड़ों से लोग परेशान रहे। वहीं रात में भी उमस ने परेशान किया। बिलासपुर में तापमान 42.2 डिग्री से गिरकर 41.6 डिग्री तक आ गया है। दुर्ग में तापमान 42.2 डिग्री गिरकर सोमवार को 40.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। सरगुजा में तापमान 40.6 डिग्री से गिरकर 38.1 डिग्री पर पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक आज रायपुर, बलौदाबाजार, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद, दुर्ग, बालोद, राजनांदगांव, मुंगेली, कोरबा, जांजगीर, बस्तर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, सुकमा, कांकेर, बीजापुर और नारायणपुर में हल्की बूंदाबांदी के आसार हैं। वहीं, 5 जून को भी रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग में हल्की बूदांबांदी और प्रदेश में गरज-चमक के साथ वज्रपात और अंधड़ जारी रहने की संभावना है।

प्रदेश में नौतपा के दौरान हीटवेव से प्रदेश में मौतों का आंकड़ा 16 तक पहुंच गया है।

पहले 14 सीट जीतने का दावा, अब 10 पर आ गए, पर इनका खाता नहीं खुलेगा: भाजपा

रांची, 4 जून (एजेंसियां)। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने दावा किया है कि जनता ने विपक्ष को इस बार फिर पांच साल के लिए पॉलिटिकली एक्जिट कर दिया है। हार को देखकर विपक्ष चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहा है।

ईवीएम पर अभी से बेबुनियाद आरोप लगने शुरू हो गए हैं। झारखंड में जिस गठबंधन का खाता भी नहीं खुलने वाला, वह भी 10 सीटों पर जीत का दावा कर रहा है। कल तक झारखंड की 14 सीटों पर जीत का दावा करनेवाला विपक्ष अब 10 सीटें जीतने का दावा कर रहा है, जबकि यहां इनका खाता भी नहीं खुलने वाला है। एनडीए प्रचंड बहुमत के साथ तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाने जा रहा है।

किराये पर रह रही शिक्षिका के घर पहुंचा शिक्षक

जान से मारने की धमकी देते हुए किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

जांजगीर चांपा, 4 जून (एजेंसियां)। पामगढ़ थाना क्षेत्र एक शिक्षिका के साथ उसके ही स्कूल के शिक्षक ने घर में अकेले पाकर दुष्कर्म किया है। आरोपी शिक्षक अश्वनी कुमार साहू (43) को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है। जानकारी अनुसार, शिक्षिका ने पामगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस को दी तहरीर में पीड़िता ने बताया कि वह अपने किराये के घर पर अकेली थी, तभी शिक्षक अश्वनी कुमार साहू आया। वह हाथ को पकड़कर अपनी तरफ खींचते हुए गलत तरीके से छूने लगा। मना करने पर मारपीट करते हुए दुष्कर्म किया। इस बात की जानकारी किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई है। पामगढ़ थाने में धारा 376(2)(एन),506 के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस खोजबिन कर रही थी। सूचना मिली की आरोपी अश्वनी कुमार साहू को ग्राम ससहा ने घेराबंदी कर पकड़ा गया।

पुलिस हिरासत में लेकर दुष्कर्म की घटना के संबंध में पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया, जिसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

एक्सट्रीम स्पोर्ट्स ग्रिल एंड बार का लाइसेंस निलंबित

रांची, 4 जून (एजेंसियां)। चुटिया थाना क्षेत्र स्थित एक्सट्रीम स्पोर्ट्स बार एंड ग्रिल में 26 मई की रात में मारपीट की घटना के बाद डीजे संदीप प्रमाणिक उर्फ सैंडी की हत्या कर दी गई थी। बार के बाहर फायरिंग की घटना हुई थी। इस घटना के बाद उत्पाद विभाग ने बार संचालक से जवाब मांगा था। लेकिन, घटना के बाद बार संचालक सहित 9 कर्मियों, मैनेजर व बाउंसरों को जेल भेज दिया है। इस वजह से उत्पाद विभाग को बार संचालक का जवाब नहीं मिला। इसके बाद उत्पाद विभाग ने एक्सट्रीम स्पोर्ट्स बार एंड ग्रिल का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। बार में शराब की बिक्री न हो, इसलिए सील भी कर दिया गया है। सहायक उत्पाद आयुक्त रांची अरुण मिश्रा ने बताया कि बार संचालक का जवाब जरूरी है। उसके बाद ही लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया होगी। एक्सट्रीम बार के संबंध में उत्पाद विभाग को जानकारी मिली है कि जिस व्यक्ति को लाइसेंस मिला था, उसने किसी और को लीज पर दे दिया है। उधर, पुलिस को अनुसंधान में पता चला कि डीजे की हत्या में जिस राइफल का इस्तेमाल किया गया था, उसे अभिषेक ने दो लाख रुपए में मोडिफाई कराया था। अभिषेक के पास से असम के दो लाइसेंस मिले हैं, वह भी फर्जी हैं। इस हिसाब से हथियार फर्जी है।

नोआमुंडी गांव के सभी वोटरों के नाम सूची से गायब

रांची, 4 जून (एजेंसियां)। भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से शिकायत की है कि एक गांव के सभी मतदाता का नाम मतदाता सूची से गायब है। इसके लिए आयोग से कार्रवाई की मांग की गई है। आयोग को जानकारी दी गई कि गोड्डा लोकसभा के जरमुंडी विधानसभा के नोआमुंडी ग्राम के 200 मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से गायब है। जब गांव के निवासी बूथ पर अपना वोट डालने पहुंचे तो बताया गया कि उनका नाम मतदाता सूची मे नहीं है। ग्रामीणों ने कहा कि वे सालों से वोट डालते आ रहे हैं। ऐसे में कैसे उनका नाम कट गया। प्रशासन के द्वारा कहा गया अब कुछ नहीं कर सकते।

इस संदर्भ मे तत्काल उपायुक्त को शिकायत भी दर्ज कराई गयी और सभी ग्राम वासी अपना अपना वोटर आई डी कार्ड लेकर उपायुक्त के पास शिकायत दर्ज कराई। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार को बताया की बिना किसी षड्यंत्र के संभव नहीं है। इस तरह से पूरे झारखंड में इस लोकसभा चुनाव में लगभग 25 लाख मतदाताओं का नाम या तो हटा दिया गया है या डिलीट कर दिया गया।

ताइवान ने चीन को याद दिलाई 4 जून की घटना

तिआनमेन स्क्वायर में हुआ था नरसंहार

बीजिंग, 4 जून (एजेंसियां)। चीन और ताइवान के बीच का माहौल तनावपूर्ण चल रहा है। इसी बीच ताइवान ने चीन को 4 जून को हुई तियानमेन के स्कवायर नरसंहार की घटना याद दिला दी। उन्होंने कहा कि चीन अपने अंदर इस घटना को याद रखने का साहस पैदा करे। दरअसल 4 जून चीन के तियानमेन में भयावह घटना की याद दिलाती है, जहां चीन के सैन्य टैंकों ने लोगों की हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद से राजनीतिक-सामाजिक परिदृश्य काफी बदल गए थे।

दरअसल यह घटना तब हुई थी जब चीन में स्वतंत्रता का दौर चल रहा है। 4 जून 1989 को जबक तियानमेन चौक पर कई प्रदर्शनकारी लोग मौजूद थे। 15 अप्रैल 1989 को यह तिआनमेन चौक पर लोग इकट्ठा हुआ। लेकिन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी सेना ने सैन्य टैंक प्रदर्शनकारियों पर चढ़ा दिए। इस घटना में कितने लोगों की मौत हुई, इसकी सही जानकारी अब तक पता नहीं चल सकी। हालांकि सीसीपी 3000 लोगों के घायल होने की बात करता है।

इजरायल से संबंधों को सुधारने में लगा सऊदी

किताबों से हटा दिए यहूदी विरोधी अध्याय

रियाद, 4 जून (एजेंसियां)। सऊदी अरब की सरकार इजरायल के लिए अपनी नीति में बदलाव कर रहा है। सऊदी स्कूल की पाठ्यपुस्तकों में हाल के वर्षों में इजरायल पर सकारात्मक प्रवृत्ति देखने को मिली है। सऊदी में साल 2023-2024 के लिए स्कूल की पाठ्यपुस्तकें से उस हिस्से को हटा लिया गया है, जिसमें कहा गया था कि जायोनीवाद एक नस्लवादी यूरोपीय आंदोलन है। पिछले सप्ताह गैर-लाभकारी संस्था इम्पैक्ट-से की ओर से प्रकाशित रिसर्च में ये कहा गया है। ये संस्था पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका के देशों में शैक्षिक पाठ्यक्रम की निगरानी करता है और इस पर अपनी रिपोर्ट देता है। टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायली इंस्टीट्यूट फॉर रीजनल फॉरेन पॉलिसीज के प्रमुख निम्रोद गोरेन ने इस पर कहा कि यह सऊदी का अहम कदम है जो इजराइल के प्रति उसकी सोच में बदलाव दिखाता है। वह सऊदी के अधिक सहिष्णुता और खुलेपन को प्रदर्शित करता है। सऊदी ने इजरायल को 'शत्रु राज्य' के रूप में भी पाठ्यक्रम से हटा दिया है। हालांकि इजरायली कब्जे के संदर्भ अभी भी किताबों में हैं। पाठ्यक्रम अभी भी फिलिस्तीन के लिए सऊदी अरब की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

इजरायली क्षेत्र को नहीं लिखा गया फिलिस्तीन

रिपोर्ट में बताया गया है कि सऊदी किताबों में इजरायल का नाम अभी भी मानचित्रों पर दिखाई नहीं देता है लेकिन फिलिस्तीन नाम अब हटा दिया गया है। पहले पूरे इजरायली क्षेत्र को फिलिस्तीन ही दिखाया गया था। गोरेन ने 2020 में अब्राहम समझौते के ढांचे में दो खाड़ी राजतंत्रों के साथ स्थापित राजनयिक संबंधों का संदर्भ देते हुए कहा कि ये दिखाता है कि अगर सउदी सामान्यीकरण की ओर बढ़ रहा है तो वे यह सब यूएई और बहरीन के मॉडल की तरह कर रहे हैं। गोरेन कहते हैं कि संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन के साथ संबंध सांस्कृतिक सहयोग और लोगों के बीच संपर्क में बदल गए हैं। सऊदी अरब का क्रमिक उद्घाटन लगभग एक दशक पहले शुरू हुआ था। यह प्रक्रिया वैसी ही है जैसी संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन अब्राहम समझौते से पहले के दशक में कर रहे थे। एक बहुत धीमी, जो सहिष्णुता और जुड़ाव के सामान्यीकरण को दर्शाती है और इसे सार्वजनिक धारणा के संदर्भ में और अधिक नियमित बनाती है।

इजरायल के प्रति सऊदी दृष्टिकोण में कुछ सबसे नाटकीय परिवर्तन धार्मिक क्षेत्र और यहूदी दुनिया के साथ संबंधों में हुए हैं। 2022 में अमेरिकी यहूदियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य का दौरा किया और इजरायली संचार मंत्री श्लोमो करही ने कुछ दिन पहले रियाद में प्रार्थना सेवा आयोजित की। इसके अलावा 2022 में मुस्लिम वर्ल्ड लीग के सऊदी महासचिव और राजशाही में पूर्व न्याय मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलकरीम अल-इस्सा ने ऑशविट्ज़ एकाग्रता शिविर में एक मुस्लिम प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

सऊदी के इजरायल के साथ सामान्यीकरण की दिशा में उठाए गए कदमों को फिलिस्तीनी मुद्दे को त्यागने के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, ये मुद्दा सऊदी जनता के बड़े हिस्से के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ा है। सऊदी ने हमास के खिलाफ इजरायल के युद्ध की आलोचना करते हुए फिलिस्तीनी नागरिकों के लिए अपने समर्थन को रेखांकित करते हुए लगातार बयान दिए हैं।

इजरायल के पासपोर्ट बैन के नाम पर क्या खेल कर रहे हैं मुइज्जू

घर में ही घिरे, विपक्ष ने उठाया बड़ा सवाल

माले, 4 जून (एजेंसियां)। मालदीव की मोहम्मद मुइज्जू सरकार ने इजरायली पासपोर्ट पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया है। मालदीव सरकार की ओर से इसका ऐलान किए जाने के बाद देश की विपक्षी पार्टी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने कई सवाल उठाए हैं। एमडीपी ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए इजरायली पासपोर्ट धारकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के दृष्टिकोण पर चिंता जताई। एमडीपी के सांसद मिकाइल नसीम ने इस संबंध में कहा कि उनकी पार्टी ने इजराइल के पासपोर्ट पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले का स्वागत किया होता अगर उसने राष्ट्रपति के आदेश के माध्यम से प्रतिबंध को सीधे लागू करने का दृष्टिकोण अपनाया होता। उन्होंने कहा कि पासपोर्ट पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून में संशोधन करने की सरकार की कल की घोषणा से फैसले से प्रक्रिया में केवल देरी होगी।

द एडिशन की रिपोर्ट के मुताबिक नसीम ने कहा कि हम नहीं जानते कि यह कब तक होगा, हम नहीं जानते कि यह होगा भी या नहीं। हम सुन रहे हैं कि सरकार संसद में एक विधेयक पेश करने की योजना बना रही है जबकि एक विधेयक पहले से ही संसद में मौजूद है। मिकाइल ने देश में इजरायलियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के लिए आप्रवासन अधिनियम में संशोधन करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा, 'यह कुछ ऐसा है जिसे राष्ट्रपति के आदेश के माध्यम से भी किया जा सकता है। ऐसे में उनकी पार्टी पीपुल्स नेशनल कांग्रेस का एक सांसद आज ही एक विधेयक प्रस्तुत कर सकता है लेकिन इस प्रक्रिया में देरी हो रही है। ये हमारे लिए बड़ी चिंता का विषय है।'

'राष्ट्रपति को फैसला लेने से कौन रोक रहा'

केंधू के सांसद मौरूफ जाकिर ने कहा कि इजरायली पासपोर्ट पर प्रतिबंध लगाने का नियम तो राष्ट्रपति लागू कर सकते हैं। ऐसा कोई कानून नहीं है जो उनको इस पर फैसला लेने से रोकता हो फिर वो क्यों इसे लटकाना चाहते हैं। उन्होंने सरकार पर प्रतिबंध के पीछे अच्छे इरादे नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा कि बिल का पहला संबोधन आज के लिए निर्धारित किया जाना चाहिए।

मालदीव की सरकार ने रविवार को देश में इजरायली नागरिकों की एंट्री पर रोक लगाने का फैसला लिया है। गाजा पर इजरायली बलों के हमलों पर लोगों के बीच बढ़ते हुए आक्रोश को देखते हुए मालदीव की मोहम्मद मुइज्जू की सरकार ने देश के कानूनों में बदलाव का फैसला किया। रविवार को मालदीव के गृह मंत्री अली इहुसन ने बताया कि कैबिनेट बैठक के दौरान ये फैसला लिया गया और जल्दी ही इसके लिए जरूरी कानून में बदलाव किया जाएगा।

ईरान में रईसी की जगह लेने उतरीं कट्टरपंथी महिला उम्मीदवार

विरोधियों को फांसी देने की हिमायती, मॉर्डन वेपन्स की शौकीन हैं जोहरेह इलाहियन

तेहरान, 4 जून (एजेंसियां)। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की पिछले महीने 19 मई को एक हेलीकॉप्टर हादसे में मौत हो गई थी। उनके निधन के बाद देश नये राष्ट्रपति के चुनाव के लिए 28 जून को मतदान होने वाले हैं।

ईरानी मीडिया के मुताबिक अब तक करीब 40 उम्मीदवारों ने इब्राहिम रईसी की जगह लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। इसमें पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद, पूर्व आईआरजीसी कमांडर वाहिद हघानियान, सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के पूर्व सचिव सईद जलीली भी शामिल हैं। हालांकि इसमें एक और नाम है जिसकी खूब चर्चा हो रही है। पूर्व महिला सांसद जोहरेह इलाहियन (57) एक मात्र महिला उम्मीदवार हैं जिन्होंने पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की जगह लेने के लिए दावेदारी पेश की है। अगर वो इस पद के लिए चुनी जाती हैं तो ईरान के इतिहास में पहली बार होगा जब कोई महिला राष्ट्रपति बनेगी। इलाहियन हिजाब की कट्टर समर्थक हैं। कनाडा सरकार ने इसी साल मार्च में उनपर प्रतिबंध लगा दिया क्योंकि वह ईरान के खिलाफ प्रदर्शन कर रही महिलाओं के लिए वह मौत की सजा का समर्थन करती हैं।

इलाहियन पेशे से एक डॉक्टर हैं और दो बार सांसद रह चुकी हैं। वह संसद की नेशनल सिक्योरिटी एंड फॉरेन पॉलिसी कमेटी की मेंबर भी रह चुकी हैं। वह अपने कट्टर विचारों के लिए जानी जाती हैं।राष्ट्रपति पद के लिए रजिस्ट्रेशन कराने के बाद अपने भाषण में इलाहियन ने भ्रष्टाचार से लड़ने का संकल्प लिया और 'मजबूत सरकार, मजबूत अर्थव्यवस्था और मजबूत समाज' का नारा दिया।

प्रिंसेस लतीफा पर बयान देकर चर्चा में आई थीं इलाहियन

साल 2018 में संयुक्त अरब अमीरात की प्रिंसेस लतीफा अपने एक फ्रेंच मित्र की मदद से यूएई से भाग गई थीं। हालांकि उन्हें भारतीय सीमा के पास पकड़ लिया गया था और वापस उनके देश भेज दिया गया था। इसके कुछ सालों बाद यूएई प्रिंसेस लतीफा ने अपने आप को बंधक बनाए जाने का दावा किया था। लतीफा का कहना था कि उनके साथ बुरा व्यवहार किया जा रहा है और एक जेलनुमा विला में रखा जा रहा है। इस पर इलाहियन ने लतीफा को ईरान आने की सलाह दी थी। इलाहियन ने कहा था कि वे अगर ईरान आती हैं तो उन्हें इस्लामिक रूल के तहत आजादी से जीने का अधिकार मिलेगा।

ईरानी मीडिया के मुताबिक इलाहियन की उम्मीदवारी के रद्द होने का खतरा मंडरा रहा है। दरअसल ईरान के संविधान में यह स्पष्ट नहीं है कि एक महिला वहां की राष्ट्रपति बन सकती है या नहीं। यह एक विवादस्पद आर्टिकल 'गार्जियन काउंसिल' की व्याख्या पर निर्भर करती है।

चंद्रमा के पिछले हिस्से में पहली बार लगा चीन का झंडा

चांद से धरती के लिए उड़ा अंतरिक्ष यान, ला रहा 2 किग्रा मिट्टी

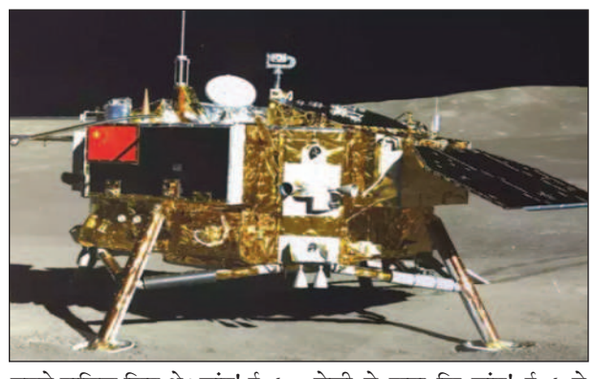

बीजिंग, 4 जून (एजेंसियां)। चीन ने अंतरिक्ष में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। चीन का अंतरिक्ष यान चांग' ई-6 चांद के सुदूर हिस्से में उतरने के बाद चट्टानों का नमूना लेकर धरती पर लौट रहा है। चीन की नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (सीएनएसए) ने मंगलवार को बताया कि चांग' ई-6 ने चंद्रमा के सुदूर हिस्से से उड़ान भर ली है। अंतरिक्ष यान की उड़ान का मतलब है कि चीन चंद्रमा के सुदूर हिस्से से नमूने वापस लाने वाला पहला देश बनने के करीब है, जो स्थायी रूप से पृथ्वी से नहीं दिखता। चीन के स्थानीय समय के मुताबिक 7:38 बजे अंतरिक्ष यान चंद्रमा से रवाना हुआ। 2-3 जून तक इसने चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानों के सैंपल लिए।

सीएनएसए ने एक बयान में कहा, 'चांग' ई-6 चंद्रमा के सुदूर हिस्से पर उच्च तापमान के परीक्षण में खरा उतरा।' इससे पहले चीन का चांग' ई-5 मिशन ने चंद्रमा के निकटत हिस्से से नमूने हासिल किए थे। चांग' ई-6 के सामने एक बड़ी तकनीकी चुनौती यह थी कि पृथ्वी के ग्राउंड स्टेशनों के साथ उसका सीधा संचार नहीं था। अंतरिक्ष यान का संचार अप्रैल में चांद की कक्षा में स्थापित किए गए क्यूकियाओ-2 सैटेलाइट पर निर्भर था। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक अंतरिक्ष यान ने चंद्रमा की सतह पर और नीचे मिट्टी खोदने के लिए एक ड्रिल रोबोटिक बांह का इस्तेमाल किया। बीजिंग डेली ने कहा कि चांग' ई-6 ने नमूना लेने के बाद पहली बार चंद्रमा के सुदूर हिस्से पर चीन का झंडा लगाया। सीएनएसए के मुताबिक अंतरिक्ष यान अभी चंद्रमा की कक्षा में है और वह एक दूसरे अंतरिक्ष यान के साथ जुड़ेगा। फिर नमूने को एक रिटर्न मॉड्यूल में ट्रांसफर किया जाएगा, जो 25 जून के आसपास चीन के इनर मंगोलिया क्षेत्र में लैंडिंग के साथ पृथ्वी पर वापस आएगा। चंद्रमा के सुदूर हिस्से के नमूने की वापसी पर दुनिया भर के वैज्ञानिकों की नजर है, जिन्हें उम्मीद है ति चांग'ई-6 की ओर से इकट्ठा की गई मिट्टी सौर मंडल की उत्पत्ति के बारे में सवालों के जवाब दे सकती है।

चंद्रमा पर बेस बनाना चाहता है चीन

चीन का चांग' ई कार्यक्रम अमेरिका और जापान तथा भारत समेत अन्य देशों के साथ बढ़ती प्रतिद्वंद्विता के बीच शुरू किया गया है। चीन ने अंतरिक्ष में अपना खुद का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित किया है और वह वहां नियमित रूप से चालक दल के सदस्यों को भेजता रहता है। चीन का उद्देश्य 2030 से पहले चंद्रमा पर एक मनुष्य को भेजना है जिससे वह अमेरिका के बाद ऐसा करने वाला दूसरा देश बन जाएगा। अमेरिका 50 साल से अधिक समय बाद पहली बार चंद्रमा पर फिर से अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने की योजना बना रहा है।

नेपाल में जमकर बरसेंगे बदरा

18 लाख लोग होंगे प्रभावित, कब होगी मानसून की एंट्री

काठमांडू, 4 जून (एजेंसियां)। नेपाल में भीषण गर्मी पड़ रही है। लोगों का लू से बुरा हाल है। इस बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने राहत भरी खबर दी है।

यहां 13 जून को मानसून के पहुंचने की उम्मीद है, जो एक जुलाई तक चलेगा। यहां की सरकार ने चेतावनी दी है कि मौसम के दौरान बारिश से संबंधित घटनाओं से 18 लाख लोग प्रभावित हो सकते हैं।

गृह मंत्रालय ने आगामी मानसून के मौसम से निपटने के लिए सोमवार को राष्ट्रीय जोखिम न्यूनीकरण और तैयारी कार्यक्रम 2024 शुरू किया। मंत्रालय ने अनुमान लगाया है कि हिमालयी राष्ट्र में मानसूनी बारिश से आई बाढ़ और भूस्खलन से 412,000 घरों के 18 लाख लोग प्रभावित होंगे। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता दीजन भट्टाराई के अनुसार, इस साल प्राकृतिक आपदा के कारण लगभग 83,000 परिवार प्रभावित होंगे। 18,000 परिवारों को राहत सामग्री की आवश्यकता होगी। मंत्रालय ने आगामी आपदा से लड़ने के लिए 10,000 से अधिक सैन्यकर्मियों सहित 31,000 सुरक्षा कर्मियों को लगाने का फैसला किया है।

63 लोग मारे गए थे

बता दें, पिछले साल देशभर में आपदा से संबंधित 679 घटनाओं में 63 लोग मारे गए थे। कम से कम 69 लोग घायल हो गए, और प्राकृतिक आपदा से संबंधित घटनाओं के कारण 30 लोग लापता हो गए। सरकार ने आपदा संभावित क्षेत्रों में लोगों को सतर्क रहने को कहा है।

अदालत ने दिया पीटीआई पार्टी कार्यालय को फिर से खोलने का आदेश

एक दिन पहले ही मिली थी इमरान खान को जमानत

इस्लामाबाद, 4 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान की एक शीर्ष अदालत ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कार्यालय को बंद करने के लगभग दो सप्ताह बाद उसे फिर से खोलने का आदेश दिया। राजधानी विकास प्रधिकरण (सीडीए) ने 24 मई को इस्लामाबाद में पीटीआई के कार्यालय में छापेमारी की थी। छापेमारी के बाद कार्यालय को बंद कर दिया गया था, और यह आरोप लगाया गया कि कानूनों का उल्लंघन करते हुए इसका निर्माण किया गया था।

पार्टी ने इस कार्रवाई को इस्लामाबाद हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। जस्टिस समन रिजवी ने सोमवार को सुनवाई पूरी करने के बाद फैसले को सुरक्षित रख लिया। मंगलवार को फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने सीडीए को पीटीआई कार्यालय को फिर से खोलने का आदेश दिया। पीटीआई संस्थापक इमरान खान को तीन हाई प्रोफाइल मामलों में जमानत मिलने के एक दिन यह घटनाक्रम सामने आया है। पूर्व क्रिकेटर से नेता बने 71 वर्षीय इमरान खान पिछले साल अगस्त से ही जेल में बंद हैं। वह 200 में से कुछ मामलों में दोषी पाए गए थे।

चीन के दबाव में आया पाकिस्तान

शहबाज ने चीनी इंजीनियरों की बढ़ाई सुरक्षा, हर गाड़ी पर होगी नजर

इस्लामाबाद, 4 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान में चीनी इंजीनियरों पर घातक आतंकी हमले के बाद चीन के साथ उसका तनाव बढ़ रहा है। इस आतंकी हमले ने चीन के निवेश को खतरे में डाल दिया है। चीन के पाकिस्तान पर दबाव बनाने के बाद उन दो शहरों की सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है, जो चीनी श्रमिकों का प्रमुख केंद्र है। पाकिस्तान के उत्तर में दासू और चिलास के लिए योजनाबद्ध अपग्रेड किया गया है। सीसीटीवी कैमरे, चौकियां और अन्य बाधाएं बनाए गए हैं। पाकिस्तानी सरकार ने यह भी कहा कि सुरक्षा बढ़ाने का बड़ा कारण प्रोजेक्ट की समयसीमा भी है।

पाकिस्तान में भविष्य के चीनी निवेश पर निर्णय लेने से जुड़ी एक मीटिंग के कुछ दिनों बाद 25 मई को सुरक्षा बढ़ाने का फैसला लिया गया। पाकिस्तान पर लगातार चीनी इंजीनियरों की मौत के बाद चीन की चिंताओं को कम करने का भी दबाव था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक अधिकारी ने कहा, 'विचार यह सुनिश्चित करना है कि सभी वाहनों और यात्रियों की आवाजाही पर नजर रखी जा सके ताकि आतंकी इन इलाकों में घुसपैठ करने और चीनी नागरिकों पर हमला करने में सक्षम न हों।'

पाकिस्तान लगातार आतंकी गतिविधियों से जूझ रहा है। इसमें पाकिस्तान में शरिया कानून लागू करने के साथ-साथ बलूचिस्तान की आजादी के लिए लड़ने वाले असंख्य संगठन शामिल हैं। बलूचिस्तान में ही ग्वादर बंदरगाह मौजूद है जो 50 अरब डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का केंद्रबिंदु है। चीनी नागरिक अक्सर पाकिस्तान में आतंकी हमलों में निशाना बनते हैं। बार-बार चीन पाकिस्तान से कहता रहा है कि वह इस हमले को रोकने के लिए और भी प्रयास करे।

कवि अहमद फरहाद शाह को बड़ा झटका

पीओके की एक अदालत ने जमानत याचिका खारिज की

इस्लामाबाद, 4 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के कवि और पत्रकार अहमद फरहाद शाह को मंगलवार को अदालत से झटका लगा है। यहां के मुजफ्फराबाद शहर की एक आतंकवाद निरोधक अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी है। बता दें, अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सोमवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। पाकिस्तान की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शाह की पत्नी उरूज जैनब का कहना है कि वह इस फैसले को चुनौती देंगी। साथ ही पत्रकारों से कहा कि अभी तक यह नहीं बताया गया है कि आखिर जमानत क्यों खारिज की गई है। अपनी विद्रोही कविताओं के लिए मशहूर फरहाद हाल ही में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में विरोध-प्रदर्शन के दौरान लापता हो गए थे। 14 मई को रावलपिंडी से लापता होने के एक दिन बाद उनकी पत्नी उरूज जैनब ने उन्हें खोजने के लिए इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। याचिका में बताया गया था कि उनके पति दो हफ्ते से गायब हैं और रावलपिंडी स्थित घर से उनका अपहरण कर लिया गया था। इस पर याचिका पर सुनवाई कर रहे जस्टिस मोहसिन अख्तर कयानी ने 24 मई को पाकिस्तान की सभी खुफिया एजेंसी, जिनमें आईएसआई, मिलिट्री इंटेलीजेंस और डायरेक्टर ऑफ इंटेलीजेंस ब्यूरो के साथ ही कानून मंत्री आजम तरार, रक्षा और आंतरिक मामलों के सचिवों को आठ पेज का समन भेजा था।

इजराइल ने की हमास की कैद में चार बंधकों की मौत की पुष्टि

युद्धविराम समझौते का दबाव बढ़ा

यरूशलम, 4 जून (एजेंसियां)। इजराइल ने सोमवार को गाजा में बंधक बने चार लोगों की मौत हो जाने की घोषणा की। पिछले कुछ समय से अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा उल्लेखित युद्ध विराम और बंधक रिहाई समझौते की योजना पर संदेह और अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ता जा रहा था। यहां तक कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने शुक्रवार को इजराइल की तीन चरणीय योजना बताई थी। दरअसल इजराइल पर युद्ध विराम समझौते, बंधक रिहाई समझौते को लेकर दबाव बनाया जा रहा है। वहीं इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय से जारी बयान के अनुसार 7 अक्तूबर को जारी हुआ यह युद्ध तब तक जारी रहेगा। जब तक कि वे अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच जाते। वे हमास की सैनय और शासन क्षमताओं का विनाश चाहती है। विकसित देशों के समूह जी-7 के बयान के अनुसार वे जो बाइडन के प्रस्तुत किए गए समझौते का पूरी तरह समर्थन करते हैं। हमास ने इसे स्वीकार करने का आह्वान किया है। इजराइल की सेना ने 7 अक्तूबर को गाजा में बंधक बनाए गए चार लोगों की मृत्यु की घोषणा की। जो कि चैम पेरी, योराम मेट्जगर, अमीरम कूपर और नादाव पोपलवेल हैं। वहीं ब्रिटिश विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने कहा कि उन्हें इजराइली-ब्रिटिश पॉपलवेल की मृत्यु पर बहुत दुख है। उन्होंने यह भी कहा कि हम हमास से सभी बंधकों को वापस भेजने की मांग दोहराते रहे हैं। वहीं इजराइली सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि हमारा आंकलन है कि वे चारों हमास के खिलाफ हमारे अभियान के दौरान मारे गए। वहीं सोमवार को सेना ने कहा था कि उन्हें इजराइल में पैरामेडिक डोलेव येहुद का शव मिला था। हालांकि उनको बंधक माना जा रहा था, लेकिन उनकी मृत्यु 7 अक्तूबर को हो गई थी।

हमास ने शुक्रवार को कहा था कि बाइडन के प्रस्ताव को सकारात्मक रूप से देख रहे हैं, लेकिन उनकी रुकी वार्ता पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की। न ही मध्यस्थ कतर, मिस्र और संयुक्त राज्य अमेरिका ने किसी नई वार्ता के लिए घोषणा नहीं की है। केंद्रीय मंत्री और मुंबई उत्तर से भाजपा उम्मीदवार पीयूष गोयल ने जनता को दिया धन्यवाद। उन्होंने कहा कि मैं उत्तर मुंबई के मतदाताओं को हमें आशीर्वाद देना चाहता हूं।

पूर्व सीएम गहलोत के बेटे 'वैभव' चुनाव हारे
लुंबाराम ने दर्ज की जीत; जानें हार-जीत का अंतर

जयपुर, 4 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की वीआईपी सीटों में से एक जालोर-सिरोही लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी लुंबाराम चौधरी ने जीत दर्ज की है। जबकि वहां से कांग्रेस के उम्मीदवार पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत चुनाव हार गए है। बता दें कि इससे पहले भी वैभव गहलोत जोधपुर से चुनाव हार चुके है।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को कांग्रेस ने जालोर-सिरोही से उम्मीदवार बनाया है। वहीं, उनका मुकाबला भाजपा के उम्मीदवार लुंबाराम चौधरी से है। वैभव गहलोत इससे पहले जोधपुर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके है। यहां 26 अप्रेल को मतदान हुआ था और कुल 62.56 प्रतिशत मतदान हुआ था। जालोर-सिरोही लोकसभा क्षेत्र में कुल 22.89 लाख वोटर्स हैं।

जालोर-सिरोही अनुसूचित जाति-जनजाति बाहुल्य क्षेत्र है। इनकी संख्या 8 लाख से अधिक है। वहीं, सामान्य वर्ग में कलबी(पटेल) तीन लाख, देवासी 2.10 लाख, मूल ओबीसी 4 लाख, राजपूत व भोमिया 1.50 लाख, ब्राह्मण व वैश्य सहित अन्य सवर्ण 3.20 लाख व मुस्लिम नब्बे हजार प्रमुख मतदाता है।

क्यों खास है जालोर-सिरोही लोकसभा सीट?

पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत ने पिछला लोकसभा चुनाव जोधपुर से भाजपा प्रत्याशी गजेन्द्र सिंह शेखावत के खिलाफ लड़ा था।

जिसमें केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने धूल चटा दी थी। इस बार कांग्रेस ने वैभव को जालोर-सिरोही से मैदान में उतारा है। पूर्व सीएम गहलोत ने बेटे की सीट पर जमकर प्रचार किया। यहां से हार-जीत को लेकर पूर्व सीएम गहलोत की साख से जोड़कर देखा जा रहा है।

सीएम भजनलाल के गढ़ में कांग्रेस की बल्ले-बल्ले
26 साल की संजना जाटव ने रचा इतिहास

भरतपुर, 4 जून (एजेंसियां)। भरतपुर लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी संजना जाटव ने जीत दर्ज की है। 26 साल की संजना जाटव ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के गृह जिले में सेंधमारी करते हुए इतिहास रच दिया है। संजना ने 54 हजार से ज्यादा वोटों से बीजेपी के रामस्वरूप कोली को शिकस्त दी। भरतपुर में कांग्रेस की जीत के बाद कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल है। बता दें कि पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में कठूमर से संजना जाटव को मात्र 409 वोटों से हार मिली थी। लेकिन, लोकसभा चुनाव में संजना ने हार का बदला ले लिया है।

भरतपुर लोकसभा क्षेत्र में बीजेपी के रामस्वरूप कोली और कांग्रेस की संजना जाटव के बीच रोचक मुकाबला देखने को मिला। यहां 19 अप्रेल को कुल 52. 80 प्रतिशत मतदान हुआ था। भरतपुर लोकसभा क्षेत्र में कुल 21 लाख 14 हजार 916 वोटर्स हैं। जिनमें से पुरुष

11 लाख 26 हजार 578, महिलाएं 9 लाख 88 हजार 317 और थर्ड जेंडर वोटर की कुल संख्या 21 हैं।

इस बार मैदान में ये उम्मीदवार

बीजेपी— रामस्वरूप कोली, कांग्रेस— संजना जाटव, बसपा— अंजिला जाटव, स्वतंत्र— अनीता

कौन हैं संजना जाटव?

अलवर जिले व भरतपुर संसदीय क्षेत्र की विधानसभा कठूमर निवासी संजना जाटव कांग्रेस में काफी समय से सक्रिय हैं। संजना जाटव का शैक्षणिक पृष्टभूमि बेहद मजबूत है। उन्होंने बीए एलएलबी किया है। पढ़ाई के बाद से ही वह सक्रिय राजनीति में आ गईं और कुछ ही समय में संजना ने एससी वर्ग के युवा चेहरे के तौर पर पहचान कायम की है। यही वजह रही कि कई कद्दावर नेताओं को दरकिनार कर संजना को कठूमर विधानसभा से टिकट दिया गया था। हालांकि, वह चुनाव हार गई थी। इसके बाद कांग्रेस ने एक बार फिर 26 साल की संजना पर विश्वास जताया और लोकसभा चुनाव में भरतपुर से रण में उतारा। संजना भी नेताओं की उम्मीदों पर खरा उतरी और जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया है।

जयपुर सीट से मंजू ने कांग्रेस प्रत्याशी खाचरियावास को दी मात

जयपुर, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव परिणाम में पहली जीत का आंकड़ा सामने आ गया है। जयपुर लोकसभा सीट ने भाजपा ने जीत हासिल की है। भाजपा ने यहां मंजू शर्मा को मैदान में उतारा था। मंजू शर्मा ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस के उम्मीदवार प्रताप सिंह खाचरियावास को मात दी है। आयोग के चुनावी आंकड़ों के अनुसार मंजू शर्मा को कुल 886850 वोट मिले हैं। वहीं, प्रताप सिंह खाचरियावास के खाते में 555083 वोट ही आए हैं। मंजू शर्मा ने 331767 वोटों से खाचरियावास को शिकस्त दी है।

मंजू शर्मा राजस्थान महिला प्रवासी अभियान की जयपुर प्रभारी हैं। 64 वर्षीय मंजू शर्मा भारतीय जनता पार्टी से लंबे वक्त से जुड़ी हुईं हैं। मंजू जयपुर की निवासी भी हैं। यही वजह है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उन पर भरोसा जताते हुए जयपुर सीट की जिम्मेदारी सौंपी थी।

मंजू शर्मा भाजपा की पूर्व महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री रह चुकी हैं। मंजू शर्मा के पिता भंवर लाल शर्मा भी भाजपा के वरिष्ठ और कद्दावर नेता हैं। उनके पिता राजनीति से जुड़े व्यक्ति हैं, यही वजह है कि मंजू को तो उन्हें काफी अनुभव भी है।

इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल चुनाव जीते

नागौर. 4 जून (एजेंसियां)। इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल चुनाव नागौर लोकसभा सीट पर चुनाव जीत गए हैं। बेनीवाल ने निकटतम प्रतिद्विन्दी भाजपा की प्रत्याशी ज्योति मिर्धा को हराया। दोनों मतगणना केन्द्रों के बाहर धीरे-धीरे गर्मी बढ़ने के साथ ही समर्थकों के जोश में भी तेजी आने लगी।

लोकसभा चुनाव-2024 के लिए सात चरणों में हुए मतदान के बाद चार जून मंगलवार को मतों की गणना शुरू हुई। नागौर लोकसभा सीट पर शुरूआतीरूझानों के के साथ ही हनुमान बेनीवाल बढ़त बनाए हुए थे। नागौर लोकसभा क्षेत्र के आठ विधानसभा क्षेत्रों में से नागौर, खींवसर, जायल व लाडनूं विधानसभा क्षेत्र की मतगणना बीआर मिर्धा कॉलेज में , जबकि मकराना, परबतसर, नावां व डीडवाना क्षेत्र की मतगणना महिला महाविद्यालय में हुई। कुल 22 राउण्ड में मतगणना हुई। मतगणना सुबह आठ बजे शुरू हुई। पहले डाक मतपत्रों की गिनती की गई। उसके बाद ईवीएम के वोटों की गिनती शुरू हुई।

उदयपुर लोकसभा सीट पर जीते बीजेपी के मन्नालाल रावत

उदयपुर, 4 जून (एजेंसियां)। उदयपुर लोकसभा क्षेत्र में बीजेपी कैंडिडेट मन्नालाल रावत ने 2 लाख से₹₹ अधिक वोटों से अपनी जीत दर्ज की। यहां कांग्रेस के ताराचंद मीणा और बीजेपी के मन्ना लाल रावत के बीच रोचक मुकाबला देखने को मिला। दूसरे चरण में 26 अप्रेल को हुए मतदान में और कुल 66.66 प्रतिशत मतदान हुआ था। जिसमें इस लोकसभा क्षेत्र में कुल 18 लाख 17 हजार 940 वोटर्स हैं। जिनमें से पुरुष 9 लाख 30 हजार 7, महिलाएं 8 लाख 87 हजार 933 हैं।

दो सरकारी अधिकारियों के बीच टक्कर

इस बार उदयपुर लोकसभा सीट पर कांग्रेस और बीजेपी से दोनों कैंडिडेट सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। मन्ना लाल रावत अतिरिक्त परिवहन आयुक्त से सेवानिवृत्त अधिकारी रहे हैं वहीं ताराचंद मीणा भी सरकारी पद से सेवानिवृत्त है।

वहीं 2019 के आम चुनावों में यहां मजेदार चुनावी मुकाबला था। बीजेपी के कैंडिडेट अर्जुनलाल मीणा ने पिछले चुनाव में 4,37,914 मतों के अंतर से जीत दर्ज की थी। उन्हें 8,71,548 वोट मिले। अर्जुनलाल मीणा ने कांग्रेस के उम्मीदवार रघुबीर सिंह मीणा को हराया था जिन्हें 4,33,634 वोट मिले ।

क्या अब इस्तीफा देंगे किरोड़ी मीणा
दौसा में बीजेपी के हारने पर ट्वीट- रघुकुल रीति सदा...

जयपुर, 4 जून (एजेंसियां)। दौसा सीट हारने पर इस्तीफा देने की बात करने वाले डॉ. किरोड़ीलाल मीणा का ट्वीट चर्चा में है। उन्होंने दौसा सीट हारने के बाद ट्वीटर पर अपनी पोस्ट में कहा कि रघुकुल रीत सदा चली आई प्राण जाए पर वचन न जाए। ज्ञात रहे कि कल उन्होंने बयान दिया था कि जिन सात सीटों का जिम्मा प्रधानमंत्री ने उन्हें दिया है, उनमें से अगर एक भी सीट हारते हैं तो वे अपने पद से इस्तीफा दे देंगे।

अब किरोड़ीलाल मीणा के ट्वीट को उनके इस बयान से जोड़कर देखा जा रहा है। हो सकता है कि आने वाले समय में डॉ. किरोड़ीलाल मीणा अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री के पास भेज दें। वैसे अब तक आए रुझानों की बात करें तो कांग्रेस की बढ़त वाली सीटों में डॉ. किरोड़ीलाल मीणा को सौंपी गई सात में से तीन सीटें शामिल हैं। ज्ञात रहे कि मीणा ने कल ही कहा था कि यदि इन सात सीटों में से एक भी सीट पर भाजपा हारती है तो वे अपने पद से इस्तीफा दे देंगे।

कांग्रेस की बढ़त के बीच अशोक गहलोत का बड़ा बयान

जयपुर, 4 जून (एजेंसियां)। चुनाव परिणामों के लिए मतगणना जारी है। प्रदेश की 25 लोकसभा सीटों में से कुछ के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इसी बीच प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनावों में भाजपा की स्थिति को लेकर एक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने स्वयं 370 और एनडीए के 400 सीटें जीतने के दावे की हवा निकल गई है।

गहलोत ने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरी तरह अपने ऊपर केंद्रित रखा। प्रचार में मोदी की गारंटी, फिर से मोदी सरकार जैसे जुमले भाजपा शब्द से ज्यादा

सुनाई और दिखाई दिए। यहां तक कि सांसद प्रत्याशियों को बायपास कर पूरा चुनाव मोदी की गारंटी के नाम पर चला। चुनाव में महंगाई, बेरोजगारी, समाज में बढ़ता तनाव जैसे मुद्दे गौण हो गए और केवल मोदी-मोदी ही सुनाई देने लगा। प्रधानमंत्री ने संसद में अपने नेतृत्व में भाजपा के 370 और एनडीए के 400 सीटें पार करने का दावा किया था लेकिन रुझानों में भाजपा को ही स्पष्ट बहुमत नहीं मिल पा रहा है।

उन्होंने कहा कि अब यह स्पष्ट हो गया है कि ना तो भाजपा को 370 सीटें मिल पाएंगी और ना ही एनडीए को 400।

प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर भाजपा को स्पष्ट बहुमत भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में मोदीजी को अपना नाम अब प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से हटा लेना चाहिए।

चूरू लोकसभा सीट : राहुल कस्वां ने जीत दर्ज कर ली

जयपुर, 4 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की हॉट सीटों में से एक चूरू लोकसभा सीट से बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां कांग्रेस के राहुल कस्वां ने जीत दर्ज कर ली है। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार देवेंद्र झाझडिया को मात देकर फिर एक बार सांसद बने है। बता दें कि लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा नेचा राजेंद्र राठौड़ और राहुल कस्वां के बीच काफी जुबानी जंग देखी गई है। यहां तक की राहुल कस्वां ने भाजपा से टिकट नहीं मिलने को लेकर राठौड़ पर आरोप लगाए थे। चूरू सीट पर भाजपा का तीन दशक से कब्जा बरकरार रहा है। लेकिन भाजपा से दो बार सांसद रहे राहुल कस्वां की टिकट कटने और उनके कांग्रेस से चुनावी मैदान में ताल ठोकने की वजह से चूरू सीट राजस्थान की हॉट सीट बन गई है। इस बार राहुल कस्वां का मुकाबला जाने माने पैरा ओलम्पिक खिलाड़ी देवेंद्र झांझडिया के साथ है।

देवेंद्र झांझडिया ने अंतराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर खेल की दुनिया में काफी नाम कमाया है, लेकिन राजनीति में वह नए खिलाड़ी हैं। इस सीट पर पहले चरण में 19 अप्रेल को मतदान कराया गया। इसमें कुल 56.58 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। यहां कुल वोटर्स की संख्या 21,94,155 है जिसमें 11,47,216 पुरुष वोटर्स और 10,46,939 महिला वोटर्स हैं।

चूरू लोकसभा सीट वर्ष 1977 में अस्तित्व में आई। अब तक हुए 13 लोकसभा चुनावों में दो बार जनता पार्टी और चार कांग्रेस ने जीत दर्ज की। एक बार जनता दल और भाजपा छह बार चुनाव जीतने में कामयाब रही। पिछले 25 साल से यानी वर्ष 1999 से लेकर अब तक चूरू लोकसभा सीट पर भाजपा का कब्जा रहा। पहले तीन बार रामसिंह कस्वां और बाद के दो चुनाव में उनके बेटे राहुल कस्वां सांसद चुने गए। कस्वां परिवार के जुड़े होने से भाजपा हमेशा बढ़त में रही लेकिन इस बार कस्वां परिवार ने भाजपा का साथ छोड़ दिया।

कांग्रेस प्रत्याशी मुरारीलाल मीणा दौसा से जीते

दौसा, 4 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में देवनगरी के नाम से विख्यात दौसा में कांग्रेस प्रत्याशी मुरारीलाल मीणा ने जीत हासिल की है। वहीं, बीजेपी के कन्हैयालाल मीना को हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि, अधिकृत घोषणा होना अभी बाकी है। मुरारी मीणा की जीत के बाद कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ता मिठाई बांटकर और नारेबाजी करते हुए जश्न मना रहे हैं। बता दें कि मतगणना शुरू होने के बाद मुरारी मीणा लगातार बढ़त बनाए हुए थे। ऐसे में कांग्रेस प्रत्याशी मुरारीलाल मीणा अपनी जीत के प्रति आश्वस्त दिख रहे थे।

19 लाख से ज्यादा वोटर्स, मतदान 55.57 प्रतिशत

दौसा लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस के मुरारीलाल मीणा और बीजेपी के कन्हैयालाल मीणा के बीच रोचक मुकाबला देखने को मिला था।

यहां 19 अप्रेल को मतदान हुआ था और कुल 55.57 प्रतिशत मतदान हुआ था। दौसा लोकसभा क्षेत्र में कुल 19 लाख 3 हजार 520 वोटर्स हैं। जिनमें से पुरुष 10 लाख 7 हजार 203, महिलाएं 8 लाख 96 हजार 313 और थर्ड जेंडर 4 वोटर हैं।

दौसा लोकसभा सीट क्यों खास?

दौसा लोकसभा सीट पर राजेश पायलट परिवार का दबदबा रहा है। यहां से पहली बार साल 1984 में राजेश पायलट सांसद चुने गए थे। इसके बाद साल 1991, साल 1996, साल 1998 और 1999 के लोकसभा चुनाव में राजेश पायलट ने जीत दर्ज की थी। साल 2000 में उपचुनाव में राजेश पायलट की पत्नी रमा पायलट यहां से सांसद चुनी गई थी। वहीं, साल 2004 आम चुनाव में राजेश पायलट के बेटे सचिन पायलट सांसद बने थे।

राजसमंद से बीजेपी की महिमा कुमारी मेवाड़ ने दर्ज की बड़ी जीत
6 लाख से अधिक मतों से कांग्रेस प्रत्याशी को हराया

राजसमंद, 4 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की राजसमंद सीट पर बीजेपी ने जीत दर्ज किया है। यहां से बीजेपी की उम्मीदवार रही महिमा कुमारी मेवाड़ 3 लाख से अधिक मतों के अंतर से जीत चुकी है। उनका मुकाबला कर रहे कांग्रेस प्रत्याशी दामोदर गुर्जर को करारी हार का सामना करना पड़ा है। महिमा कुमारी मेवाड़ को 6 लाख से अधिक मत मिले हैं जबकि कांग्रेस प्रत्याशी गुर्जर को 3 लाख मत प्राप्त हुआ है। महिमा कुमारी यहां से पहली बार सांसद चुनी गई हैं। 2019 में बीजेपी की दिया कुमारी इस सीट से सांसद चुनी गई थी।

कौन हैं राजसमंद सांसद महिमा कुमारी मेवाड़?

महिमा कुमारी मेवाड़ राजघराने परिवार से आती हैं। पति विश्वराज सिंह नाथद्वारा से विधायक हैं, जो महाराणा प्रताप के वंशज हैं। वाराणसी में जन्मी महिमा कुमारी मेवाड़ मध्यप्रदेश के ग्वालियर शहर स्थित सिंधिया कन्या विद्यालय से पढ़ाई की हैं। महिमा ने दिल्ली स्थित लेडी श्रीराम कॉलेज से मनोविज्ञान का पढ़ाई किया है। महिमा कुमारी का यह राजनीतिक डेब्यू था। वह पहली बार चुनाव लड़ रही थी। ऐसे में उनके पति विश्वराज सिंह ने संसदीय क्षेत्र में काफी मेहनत की, जिसका नजीता रहा कि वह बड़े अंतर से जीत प्राप्त कर पहली बार सांसद चुनी गईं हैं।

राजसमंद लोकसभा सीट साल 2009 में अस्तित्व में आया है और इस सीट पर अब तक हुए 4 चुनाव में तीन बार बीजेपी प्रत्याशी ने जीत हासिल किया है। 2009 में कांग्रेस के गोपाल सिंह शेखावत ने जीत दर्ज की थी। जिसके बाद के तीन चुनाव 2014 में बीजेपी के हरिओम सिंह राठौड़, 2019 में दिया कुमारी और 2024 में बीजेपी की महिमा कुमारी मेवाड़ ने जीत दर्ज किया है।

लगातार दूसरी बार जीते भागीरथ चौधरी
जनता के विश्वास और कार्यकर्ताओं की मेहनत को श्रेय दिया

अजमेर, 4 जून (एजेंसियां)। अजमेर से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी भागीरथ चौधरी ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की है। जीत का परिणाम आने के बाद उनके समर्थकों में खुशी का माहौल देखा गया। चौधरी के समर्थकों ने उन्हें कंधे पर उठाकर उनका मुंह मीठा कराया।

अपनी जीत को लेकर भागीरथ चौधरी ने कहा कि जनता ने उन पर जो विश्वास जताया है, इसके लिए वे सभी को धन्यवाद देते हैं। उन्होंने कहा कि वे जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे। अपनी जीत का श्रेय कार्यकर्ताओं को देते हुए उन्होंने कहा कि यह कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है।

दस हजार की रिश्वत लेते हुए सिपाही गिरफ्तार
शराब तस्करी में जब्त गाड़ी छुड़ाने के लिए मांगी थी घूस

उदयपुर, 4 जून (एजेंसियां)। शहर पुलिस का सवीना थाना का सिपाही मुकेश चौधरी को एसीबी की स्पेशल यूनिट ने मंगलवार सुबह एक शराब तस्कर से 10 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। कॉन्स्टेबल मुकेश चौधरी ने शराब तस्कर प्रभुलाल को अपना परिचय मालखाना इंचार्ज बताकर रिश्वत ली थी।

मामला के अनुसार प्रभुलाल शराब तस्कर होने के साथ ही बस मालिक भी है। वह अपनी बस खुद चलाता है।

15 दिन पूर्व वह अपनी बस में 22 पेटी अंग्रेजी शराब लेकर गुजरात जा रहा था। सवीना थाना क्षेत्र में आबकारी विभाग की पुलिस ने उसे माल सहित गिरफ्तार कर लिया था। प्रभुलाल और उसके एक सहयोगी को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेजा था और बस जब्त कर ली थी।

न्यायिक हिरासत से जमानत पर छूटने के बाद प्रभुलाल सवीना थाने पहुंचा व कॉन्स्टेबल मुकेश चौधरी से बस छुड़ाने को कहा। मुकेश ने आबकारी विभाग में पत्रावली पेश कर गाड़ी छुड़ाने के बदले 10 हजार रुपए मांगे और रिश्वत की राशि लेकर सवीना रेल अंडर पास के पास बुलाया। प्रभुलाल ने इस मामले में एसीबी को पहले ही इत्तला कर दी थी, इसी के चलते एसीबी ने कॉन्स्टेबल मुकेश चौधरी को रिश्वत की राशि सहित रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

कड़े सुरक्षा के बीच सुचारू रूप से हुई वोटों की गिनती

रंगारेड्डी, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। संसदीय चुनाव के अंतिम चरण की मतगणना चेवेल्ला लोकसभा क्षेत्र में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। संसदीय क्षेत्र के महेश्वरम, राजेंद्रनगर, सेरिलिंगमपल्ली, चेवेल्ला, परिगी, विकाराबाद और तंदूर विधानसभा क्षेत्रों में डाले गए वोटों की गिनती मंगलवार को कड़ी व्यवस्था के बीच चेवेल्ला मंडल के गोलापल्ली गांव में बंदरी श्रीनिवास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कॉलेज में की गई। विकाराबाद कलेक्टर नारायण रेड्डी, अतिरिक्त कलेक्टर प्रतिमा सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने रिटर्निंग ऑफिसर, कलेक्टर शशांक के नेतृत्व में मतगणना प्रक्रिया की निगरानी की। चुनाव मतगणना पर्यवेक्षक राजेंद्र कुमार कटारिया और मृणालिनी सावंत ने वोटों की गिनती को करीब से देखा। सुनियोजित व्यवस्था के फलस्वरूप मतगणना बिना किसी बाधा के सुचारु रूप से सम्पन्न हुई। सुबह पांच बजे से ही मतगणना की तैयारी शुरू कर दी गयी। चुनाव पर्यवेक्षकों, उम्मीदवारों और उनके एजेंटों की उपस्थिति में, कलेक्टर की अध्यक्षता में मतगणना कर्मचारियों ने तीसरा रैंडमाइजेशन किया और उस सूची के अनुसार कर्मचारियों को संबंधित टेबल पर वोटों की गिनती की जिम्मेदारियां सौंपी गईं। सबसे पहले पोस्टल बैलेट के वोटों की गिनती के बाद राउंड वाइज ईवीएम में दर्ज वोटों की गिनती के बाद नतीजे घोषित किए गए। ईवीएम को स्ट्रांग रूम से एक के बाद एक मतगणना हॉल तक ले जाने के लिए पहले से ही टेबल-वार मतगणना पर्यवेक्षकों, सहायकों, माइक्रो-ऑब्जर्वरों और आवश्यक कर्मियों की व्यवस्था की गई थी। चुनाव आयोग के नियमों का पालन करते हुए और एक-एक कर वोटों की गिनती करके नतीजे घोषित किए गए। डाक मतपत्रों के साथ-साथ संसद क्षेत्र के तहत सात निर्वाचन क्षेत्रों के वोटों की गिनती पूरी हो गई और रिटर्निंग अधिकारी ने सभी पहलुओं की जांच के बाद प्रत्येक दौर के परिणामों की घोषणा की। कुल 43 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा और प्रत्येक उम्मीदवार को मिले वोटों का विवरण घोषित किया गया। महेश्वरम, राजेंद्रनगर और विधानसभा क्षेत्रों की गिनती 20 राउंड, सेरिलिंगमपल्ली की 23 राउंड, चेवेल्ला की 22 राउंड, पारिगी की गिनती हुई। 22 राउंड, विकाराबाद में 21 राउंड और तंदूर में 20 राउंड की गिनती के बाद, रिटर्निंग ऑफिसर और कलेक्टर शशांक ने आधिकारिक तौर पर अंतिम परिणामों की घोषणा की। भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी को डाक मतपत्रों सहित कुल 809,882 वोट मिले, जबकि दूसरे स्थान पर रहे कांग्रेस उम्मीदवार गद्दाम रंजीता कुमार रेड्डी को 636,985 वोट मिले। कलेक्टर ने घोषणा की कि भाजपा उम्मीदवार कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी 172897 वोटों के बहुमत से जीते हैं। चेवेल्ला संसदीय उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल करने वाले कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी को पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में कलेक्टर द्वारा प्रमाण पत्र सौंपा गया। रिटर्निंग ऑफिसर कलेक्टर शशांक पुलिस डीसीपी श्रीनिवास और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मतगणना केंद्र पर बने रहे और वोटों की गिनती पूरी होने तक कड़ी निगरानी की। मतगणना केंद्र और आसपास के इलाकों में पुलिस की कड़ी मौजूदगी स्थापित की गई और धारा 144 निषेधाज्ञा लागू की गई। मतगणना केंद्र के अंदर किसी अन्य को जाने की इजाजत नहीं थी। हालांकि मतगणना कर्मचारियों के साथ-साथ विभिन्न ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों को भी प्रवेश पास जारी किए गए थे, लेकिन उनकी भी गहन जांच की गई और उन्हें मतगणना ड्यूटी पर भेजा गया। सेल फोन, वीडियो और कैमरे प्रतिबंधित थे। जिला प्रशासन ने प्रत्याशियों एवं उनके अभिकर्ताओं की उपस्थिति में चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित नियमों के अनुरूप मतगणना कार्य संपन्न कराने में सफल रहा और संसदीय चुनाव संपन्न कराने की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। रिटर्निंग ऑफिसर कलेक्टर शशांक ने जिले में बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से चुनाव संपन्न कराने में मदद करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न कराने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके समर्पित प्रयासों के लिए बधाई दी।

मोदी को तुरंत पद छोड़ देना चाहिए : निरंजन

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और चुनाव आयोग समन्वय समिति के अध्यक्ष जी. निरंजन ने आज कहा कि इस चुनाव में भारतीय मतदाताओं ने जो जोश दिखाया है, वह दुनिया के सामने भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की महानता को दर्शाता है। मोदी को जनता के फैसले का सम्मान करना चाहिए और उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। लोगों ने साबित कर दिया है कि देश में सांप्रदायिकता के लिए कोई जगह नहीं है। भाजपा को सबक सीखना चाहिए। आज गांधी भवन में पत्रकारों से बात करते हुए निरंजन ने कहा कि अयोध्या राम मंदिर के नाम पर चलाए गए अभियान को लोगों ने नकार दिया है। मोदी ने धर्म की आड़ में तानाशाह की तरह देश पर शासन करने की कोशिश की। सत्ता में बैठे लोगों को एहसास हो गया कि सत्ता शाश्वत नहीं है। राहुल गांधी का अथक संघर्ष सराहनीय है। उन्होंने कहा, राज्य के नतीजे बीआरएस के लिए सबक हैं। हालांकि सीटों की संख्या में वृद्धि हुई है, लेकिन उन्हें अपनी पीठ पीछे नहीं भागना चाहिए, क्योंकि देश में भाजपा को नकार दिया गया है। कांग्रेस पार्टी राज्य में पार्टी के नतीजों की समीक्षा करेगी और सुधारात्मक कदम उठाएगी।

जनता का फैसला स्वीकार करेंगे : वेंकटरामी रेड्डी

मेदक, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस मेदक लोकसभा उम्मीदवार पी वेंकटरामी रेड्डी ने कहा है कि वह जनता के फैसले को स्वीकार करेंगे और उसका सम्मान करेंगे। मंगलवार को चुनाव में हार के बाद एक प्रेस बयान में वेंकटरामी रेड्डी ने मेदक लोकसभा सीट जीतने पर भाजपा उम्मीदवार एम रघुनंदन राव को बधाई दी। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी ने कहा कि राजनीति में हार-जीत तो चलती रहती है, लेकिन चुनाव परिणाम चाहे जो भी हो, वह हमेशा जनता के लिए उपलब्ध रहेंगे।

रेड्डी ने अपने लिए वोट करने वालों का धन्यवाद करते हुए कहा कि भले ही वह राजनीति और चुनावों में अपेक्षाकृत नए हैं, लेकिन बड़ी संख्या में लोगों ने उन्हें वोट दिया है। उन्होंने चुनाव लड़ने का मौका देने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव का भी आभार जताया। बीआरएस उम्मीदवार ने पूर्व मंत्री टी हरीश राव, बीआरएस विधायकों, अन्य नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं को चुनाव अभियान के दौरान उनके समर्पित कार्य के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें अप्रत्याशित परिणाम मिले हैं क्योंकि लोगों ने राष्ट्रीय पार्टियों को वोट देना पसंद किया क्योंकि यह लोकसभा चुनाव था। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी ने कहा कि पार्टी के 23 साल के इतिहास में जीत और हार बीआरएस के लिए कोई नई बात नहीं है। रेड्डी ने कहा कि चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना बनने के बाद मात्र 10 वर्षों में राज्य को कल्याण और विकास के मामले में सबसे आगे रखा है। उन्होंने कहा कि बीआरएस राख से उठकर जल्द ही जीत की राह पर आगे बढ़ेगी।

दक्षिण में नहीं दिखा एनडीए प्रत्याशियों का दम इन बड़े चेहरों को मिलीं बड़े अंतर से हार

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के रुझानों में भाजपा नीत एनडीए 300 सीटों के करीब पहुंच गया है, लेकिन इंडी गठबंधन भी बहुमत से ज्यादा दूर नहीं है। रुझानों के अनुसार, एनडीए और इंडी गठबंधन आगे चल रही है। जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), भाजपा पर भारी पड़ी, तो वहीं उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को संजीवनी मिली। दक्षिण में कई बड़े चेहरों ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट से कांग्रेस नेता शशि थरूर को जीत मिली, तो वहीं केरल में सत्ताधारी पार्टी सीपीआईएम को बड़ा झटका लगा है और पार्टी सिर्फ एक लोकसभा सीट पर आगे चल रही है। दक्षिण में जिन बड़े चेहरों को हार का सामना करना पड़ा है, उनके बारे में यहां जानेंगे।

प्रज्वल रेवन्ना :

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते और जेडीएस के निलंबित नेता प्रज्वल रेवन्ना को लोकसभा चुनाव 2024 में हार का सामना करना पड़ा। प्रज्वल कर्नाटक की हासन लोकसभा सीट से एनडीए के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव में लड़ रहे थे। उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार श्रेयस एम. पटेल से 43738 वोटों से पीछे चल रहे हैं। बता दें कि वर्तमान समय में प्रज्वल रेवन्ना पर कई महिलाओं से यौन शोषण का आरोप है। हासन लोकसभा क्षेत्र में मतदान के ठीक एक दिन बाद, 27 अप्रैल को प्रज्वल जर्मनी चले गए थे। फिलहाल वह एसआईटी की हिरासत में हैं।

माधवी लता :

तेलंगाना की हैदराबाद लोकसभा सीट से भाजपा ने माधवी लता को चुनावी मैदान में उतारा था। इस सीट से उनका मुकाबला एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के साथ था। इस सीट से माधवी लता को 338335 लाख वोटों से हार का सामना करना पड़ा है।

तमिलिसाई सुंदरराजन :

तमिलनाडु की दक्षिण चेन्नई लोकसभा सीट से भाजपा ने तमिलिसाई सुंदरराजन को चुनावी मैदान में उतारा था। इस सीट से उन्हें डीएमके की टी.सुमति से 48784 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। बता दें कि सुंदरराजन तेलंगाना की राज्यपाल रह चुकी हैं। राजनीति में प्रवेश करने के लिए उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दिया था। तेलंगाना की राज्यपाल के अलावा वह पुडुचेरी की उपराज्यपाल (2021-2024) भी रह चुकी हैं।

के. अन्नामलाई :

कोयंबटूर को तमिलनाडु का हॉट सीट के नाम से जाना जाता है। पूरे राज्य में यह सीट सबसे अधिक चर्चा में है। भाजपा ने इस लोकसभा सीट से के. अन्नामलाई को उम्मीदवार के तौर पर खड़ा किया था। उन्हें डीएमके उम्मीदवार गणपति राजकुमार पी के हाथों 51577 वोटों से हार मिली।

राजीव चंद्रशेखर :

केरल की तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीद शशि थरूर के खिलाफ भाजपा ने राजीव चंद्रशेखर को चुनावी मैदान में उतारा था। शशि थरूर के आगे राजीव चंद्रशेखर का प्रभाव फीका पड़ गया। उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार के हाथों 16077 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। बता दें कि शशि थरूर साल 2009 से ही इस सीट पर जीत रहे हैं।

आदिलाबाद में बीजेपी का कब्जा बरकरार

आदिलाबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा ने लगातार दूसरी बार आदिलाबाद संसदीय सीट पर कब्जा बरकरार रखा। पार्टी के गोडम नागेश ने कांग्रेस उम्मीदवार अथराम सुगुना को 90,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया। नागेश को 5,62,162 वोट मिले, जबकि सुगुना को 4,71,230 वोट मिले और बीआरएस उम्मीदवार अथराम सक्कू को 1,36,380 वोट मिले। नागेश ने 90,932 वोटों से जीत हासिल की, जो कि पार्टी उम्मीदवार सोयम बापू राव द्वारा 2019 में हासिल किए गए वोटों से काफी ज़्यादा है, जब उन्होंने नागेश को हराया था, जो उस समय टीआरएस उम्मीदवार थे।

10वें राउंड में पक्की हुई जीत :

सरकारी शिक्षक से राजनेता बने नागेश ने सभी राउंड में सुगुना से ज़्यादा वोट दर्ज किए, और 10वें राउंड में ही उनकी जीत पक्की हो गई। उन्हें आदिलाबाद संसदीय क्षेत्र बनाने वाली सात विधानसभा सीटों आदिलाबाद, बोथ, निर्मल, मुधोले, खानपुर, आसिफाबाद और सिरपुर (टी) में अपने प्रतिद्वंद्वियों से ज़्यादा वोट मिले। नागेश ने 2014 में टीआरएस (अब बीआरएस) के टिकट पर आदिलाबाद से जीत हासिल की थी।

2019 में उन्हें भाजपा के सोयम बापू राव ने हरा दिया था। एमए और एमएड स्नातक, उन्होंने 1994 और 2009 में दो बार विधायक चुने जाने से पहले एक शिक्षक के रूप में काम किया था। उन्होंने 1994 से 1999 तक आदिवासी कल्याण मंत्री के रूप में कार्य किया, जब उन्होंने पहली बार बोथ विधायक के रूप में चुनाव लड़ा था। सुगुना चुनाव लड़ने के अपने पहले प्रयास में दूसरे स्थान पर रहीं। राजनीति में आने से पहले वह एक शिक्षिका थीं। सुगुना ने शिक्षक पद से इस्तीफा दे दिया था, हालांकि उनकी सेवा अवधि 13 वर्ष शेष थी और वे 12 मार्च को कांग्रेस में शामिल हो गईं। वे एक मानवाधिकार कार्यकर्ता भी थीं।

नरेंद्र मोदी की जीत पर खुशी जाहिर की

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नरेंद्र मोदी की तीसरी बार जीत हर्ष व्यक्त करते हुए प्रेरणा संस्था की पूजा गुप्ता ने इसे ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा कि वह बतौर प्रधानमंत्री एक बार फिर अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि सफल एवं स्थिर सरकार का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है वह हमने सीधा देखा है भारतीय स्टॉक मार्केट के जरिए जहां हमने एक दिन पहले ढाई हजार की बढ़ोतरी देखी तो दूसरे दिन साढ़े पांच हजार तक कि गिरावट भी देखी, तो यह स्पष्ट जाता है कि मोदी जी की सरकार पर निवेशकों को कितना भरोसा है।

गोस्वामी इरनिंग स्टार विजेता

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दशनाम गोस्वामी समिति के द्वारा 17वां क्रिकेट टूर्नामेंट विजयानन्द गाउंड में आयोजित किया गया, जिसके विजेता टीम गोस्वामी इरनिंग स्टार एवं उपविजेता हैदराबाद ब्लास्टर घोषित की गई। समिति के प्रेसिडेट अशोक गिरि, वाईस प्रेसिडेट अमीत गिरि महासचिव मनोज गिरी सचिव योगेश गिरी कोषाअध्यक्षक्ष जय गोस्वामी रूपेश गिरी विशाल गिरी, रमेश बन, किशन गिर, अनुज गिर, चन्द्रभानगिर, पवन गिर, उत्कर्ष पुरी किशन भारती दिगम्बर गिरी आदि उपस्थित थे।

हैदराबाद स्थित बीजेपी प्रदेश कार्यालय में जश्न मनाते भाजपा प्रदेश महासचिव गुज्जुला प्रेमेंदर रेड्डी, कुमारी बंगारू श्रुति, चन्द्रशेखर तिवारी, भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शिल्पा, जामबाग कारपोरेटर राकेश जायसवाल व अन्य।

राज्य भाजपा प्रमुख जी किशन रेड्डी ने यहां ऐतिहासिक चारमीनार स्थित श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर में पूजा-अर्चना की। रेड्डी ने विश्वास जताया कि भगवा पार्टी केंद्र में तीसरी बार सरकार बनाएगी। तेलंगाना में 13 मई को लोकसभा के लिए चुनाव हुए थे।

लोकसभा चुनाव में हिट हुआ राहुल गांधी का 'खटाखट-खटाखट' : कांग्रेस कार्यकर्ताओं के मुंह पर चढ़ा नारा

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस मुख्यालय में मतगणना वाले दिन कांग्रेस पार्टी ने कार्यकर्ताओं के लिए अलग से बड़ी स्क्रीन लगाई थी। स्क्रीन पर जैसे ही कांग्रेस पार्टी बढ़त लेते दिखती तो कार्यकर्ता शोर मचाते हैं- खटाखट-खटाखट-खटाखट। कार्यकर्ता यह कहते दिखे कि राहुल गांधी का यह कमेंट 'सुपरहिट' साबित हुआ है। मतगणना के दौरान जिस तरह के परिणाम सामने आए हैं, और कांग्रेस के प्रदर्शन में सुधार दिख रहा है उसे देख कर यही जा रहा कि राहुल गांधी का खटाखट वाला दांव चल गया। 2009 के बाद कांग्रेस पार्टी पहली बार 98-100 के आंकड़े के आसपास बनी हुई है। इससे पहले 2014 में कांग्रेस पार्टी को 44 सीटें मिली थीं, वहीं 2019 में 52 सीटें जीती थीं।

मंगलवार को जब कांग्रेस मुख्यालय में लगी बड़ी टीवी स्क्रीन पर जैसे-जैसे कांग्रेस की सीटों की संख्या बढ़ती, तो कार्यकर्ता भी उत्साह से लबरेज हो जाते। ज्यादा सीटें जीतने की खुशी उनके चेहरे पर दिखाई पड़ रही थी। राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान 'खटाखट' वाली बात कही थी। जिसके बाद वह लोगों के मुंह पर चढ़ गया था। राहुल गांधी ने एक चुनावी कैंपेन में यह शब्द उछाला था कि हम पहले ही दिन से काम करेंगे और इंडी गठबंधन की सरकार बनते ही हर माह पैसे दिए जाएंगे। 4 जुलाई को 8500 रुपये उनके अकाउंट में खटाखट-खटाखट ट्रांसफर किए जाएंगे। राहुल गांधी की इसी टिप्पणी ने चुनाव के दौरान खासी सुर्खियां बटोरी थीं।

वहीं, राहुल गांधी की टिप्पणी का भाजपा नेताओं ने खूब मजाक उड़ाया था। पीएम मोदी ने तुरंत इस पर पलटवार करते हुए कहा था कि जनता विपक्षियों को खटाखट बाहर कर देगी। इस पर खूब मीम्स भी बने। राहुल गांधी के इस कमेंट के हिट होने के बाद उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव ने भी फटाफट-फटाफट वाला दांव चला। अखिलेश यादव ने रायबरेली में रैली के दौरान अपने संबोधन में कहा था कि ये दिल्ली के लोग घबराए हुए हैं। जबसे उन्होंने सुना है कि इंडिया गठबंधन गरीबों के हित के लिए फैसले ले रहा है।

अयोध्या में नहीं मिला रामलला का आशीर्वाद

अयोध्या, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने राम मंदिर का मुद्दा काफी जोर-शोर से उठाया। पार्टी की तरफ से लगातार राम के नाम पर हिंदू वोटरों को एकजुट करने का प्रयास दिखा। बड़ी बात यह थी कि राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम भी इसी साल जनवरी में हुआ, ऐसे में बीजेपी को पूरा विश्वास था कि उत्तर प्रदेश में तो आसानी से स्वीप कर जाएगी, उसे वहां से जनता का पूरा आशीर्वाद मिलेगा, इसी वजह से 80 की 80 सीटें जीतने का दावा कर दिया गया। लेकिन जो नतीजे सामने आ रहे हैं, उसने मोदी-योगी की चिंता को बढ़ा दी है। समाजवादी पार्टी ने बड़े स्तर पर यूपी में सेंधमारी की है, उन इलाकों में जीत के करीब पहुंच चुके हैं जहां पर पिछले चुनाव तक बीजेपी को बड़ी बढ़त मिली हुई थी।

राम मंदिर का मुद्दा वैसे तो पूरे देश के लिए अहम था, लेकिन उत्तर प्रदेश के लिहाज से कुछ सीटों पर इसका सबसे ज्यादा प्रभाव था। अब फैजाबाद सीट तो केंद्र में थी ही, इसके अलावा गोंडा, कैसरगंज, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर,बस्ती सीट पर भी राम मंदिर का काफी प्रभाव था। यह सारी सीटें फैजाबाद के आसपास ही पड़ती हैं, ऐसे में माना जा रहा था यहां से बीजेपी को ज्यादा चुनौती नहीं मिलेगी। लेकिन चुनावी नतीजों ने सभी हैरान कर दिया है। हैरानी की बात यह है कि फैजाबाद सीट से बीजेपी के लल्लू सिंह ही पिछड़ गए। जिस अयोध्या को लगातार राम नगरी कहकर संबोधित किया गया, जहां पर सबसे ज्यादा बीजेपी ने राम के नाम पर वोट मांगा, उसी सीट पर समाजवादी पार्टी ने खेल कर दिया है।

फैजाबाद सीट से समाजवादी पार्टी ने इस बार पिछड़ा कार्ड चलते हुए अवधेश प्रसाद को चुनावी मैदान में उतारा था। अब चुनावी नतीजे बता रहे हैं कि इस सीट पर अखिलेश की रणनीति रंग लाई है। वर्तमान सांसद बीजेपी के लल्लू सिंह काफी पिछड़ चुके हैं। दो बार से लगातार वे जीत दर्ज कर रहे थे, लेकिन इस बार जनता ने उनसे ज्यादा सपा प्रत्याशी पर भरोसा जताया है। यह भरोसा भी तब जताया गया जब राम लहर सबसे ज्यादा हावी रही।

इसी तरह सुल्तानपुर सीट भी फैजाबाद से ज्यादा दूर नहीं पड़ती है, यहां पर भी राम मंदिर का मुद्दा हावी था। इस सीट से बीजेपी ने मेनका गांधी को उतार रखा था। मानकर चला जा रहा था कि उनकी आसान जीत हो जाएगी। लेकिन यहां भी समाजवादी पार्टी के राम भुआल निषाद ने मेनका गांधी को बड़ा झटका दे दिया। मेनका गांधी बड़े अंतर इस समय पिछड़ गई हैं।

बीजेपी को इस बार अंबेडकर नगर सीट पर भी झटका लगता दिख रहा है। समाजवादी पार्टी के लालजी वर्मा ने 1 लाख 13 हजार से भी ज्यादा बढ़त बना ली है। इस समय बीजेपी के रितेश पांडेय काफी पीछे छूट चुके हैं, यह सीट सपा के खाते में जाती दिख रही है।

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) चेयरमैन पद से भूमना करुणाकर रेड्डी ने दिया त्यागपत्र : धर्मा रेड्डी

तिरुपति,4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भूमना करुणाकर रेड्डी ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के चेयरमैन पद से त्यागपत्र दिया। इस संदर्भ में, टीटीडी आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, भूमना करुणाकर रेड्डी ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष(चेयरमैन) पद से त्यागपत्र दिया है। इस मामले में हाल ही में भुमना करुणाकर रेड्डी ने टीटीडी ईओ एवी धर्मा रेड्डी को उनका त्यागपत्र स्वीकार करने के लिए पत्र व्यवहार किया था।. यह ज्ञात हो कि, भुमना करुणाकर रेड्डी ने गत अगस्त महिने में टीटीडी अध्यक्ष(चेयरमैन) के रूप में कार्यभार संभाला था। पर बताया जा रहा है कि हाल ही राज्य के विस चुनाव में वाईसीपी की हार के कारण भुमना करूणाकर रेड्डी ने अपना त्यागपत्र दिया है। साथ ही बताया गया कि, भूमना करुणाकर रेड्डी ने हाल ही के विस चुनाव में तिरुमला में अपने पुत्र की हार के बाद अपने पद से त्यागत्र देने का फैसला किया है। जहां कलियुग के देवता श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर स्वामी भव्य मंदिर है। इस मामले में भुमना करुणाकर रेड्डी ने 2024 एपी चुनाव में अपने उत्तराधिकारी अभिनय रेड्डी को मैदान में उतारा। उन्होंने तिरूपति से चुनाव लड़ा लेकिन जनसेना उम्मीदवार अरानी श्रीनिवासुलु से हार गए। भुमना करूणाकर रेड्डी ने अपने बेटे की सफलता के लिए कड़ी मेहनत की। हालांकि, इस बार टीडीपी गठबंधन ने सुनामी लाकर वाइसीपी को हरा दिया है,. इसके कारण, आधिकारिक वाईसीपी को एकल अंकों तक सीमित करना पड़ा। पर यह सच है कि,.. भुमना करुणाकर रेड्डी लंबे समय से तिरूपति में कुछेक पदों पर बने हुए है। जिसमें भूमना करुणाकर रेड्डी ने दिवंगत नेता वाईएस राजशेखर रेड्डी ने सीएम बनने के बाद 2004-2006 तक तिरुपति शहरी विकास (टूडा) के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने 2006 से 2008 तक तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उन्होंने अगस्त 2023 में दोबारा पद संभाला। अब उन्होंने(भूमना करुणाकर रेड्डी) विस चुनाव में वाइसीपी की करारी हार के चलते अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है।

वलीउल्लाह समीर ने जनादेश स्वीकार किया, हैदराबाद के मतदाताओं को धन्यवाद दिया

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के अध्यक्ष मोहम्मद वलीउल्लाह समीर ने लोगों के जनादेश को स्वीकार किया है और एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी को हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र से उनकी लगातार पांचवीं जीत पर बधाई दी है। मैं असदुद्दीन ओवैसी को बधाई देता हूं और हैदराबाद के सांसद के रूप में उनके पांचवें कार्यकाल के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। मैं हैदराबाद के लोगों को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने मुझे वोट दिया और अन्य मतदाताओं को भी चुनाव में भाग लेने और अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए धन्यवाद देता हूं। समीर ने मंगलवार को गांधी भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि हैदराबाद निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से मिले जबरदस्त प्रतिक्रिया, प्यार और सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 17 दिनों के अभियान के बाद मुझे लगभग 63,000 वोट मिले। ये संख्याएं चुनाव जीतने के लिए पर्याप्त नहीं हैं, लेकिन ये महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये मतदाता कांग्रेस पार्टी को वोट देने के लिए कड़ी गर्मी में अपने घरों से बाहर निकले। मैं इन लोगों को कभी नहीं भूलूंगा और उनका ऋणी रहूंगा। कांग्रेस नेता ने एमआईएमएम नेता असदुद्दीन ओवैसी, भाजपा उम्मीदवार माधवी लता और अन्य उम्मीदवारों का समर्थन करने वाले मतदाताओं को भी बधाई दी और लोकतंत्र में उनके विश्वास को स्वीकार किया। मुझे खुशी है कि मैंने अभियान के दौरान सार्वजनिक मुद्दे उठाए और एमआईएम और भाजपा नेताओं को विकास के बारे में बोलने के लिए मजबूर किया। हालांकि मुझे उम्मीद थी कि लोग एमआईएम और भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति को खारिज कर देंगे, लेकिन परिणाम उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

एनडीए बहुमत के ...

मैं इस स्नेह के लिए जनता जनार्दन को नमन करता हूं और उन्हें विश्वास दिलाता हूं कि हम जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पिछले दशक में किए गए अच्छे कार्यों को जारी रखेंगे। मैं अपने सभी कार्यकर्ताओं को उनकी कड़ी मेहनत के लिए भी सलाम करता हूं। शब्द कभी भी उनके असाधारण प्रयासों के साथ न्याय नहीं कर पाएंगे।

तेलंगाना की मेडक सीट से बीजेपी के माधवनेनी रघुनंदन राव जीत गए हैं। उत्तर प्रदेश की आंवला सीट से सपा के नीरज मौर्य जीते हैं। चंदौली सीट से सपा के ही बीरेंद्र सिंह ने जीत दर्ज की है। केरल में अलथुर सीट से सीपीआई-एम पार्टी से के राधाकृष्ण जीत गए हैं। पंजाब के होशियारपुर से आम आदमी पार्टी के डॉ. राजकुमार छब्बेबाल जीत गए हैं। महाराष्ट्र में रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सीट से बीजेपी के नारायण राणे जीते हैं। गोंडा सीट से बीजेपी के कीर्तिवर्धन सिंह ने जीत दर्ज की है। डोमरियागंज सीट से बीजेपी के जगदंबिका पाल ने जीत हासिल की है।

बिहार के पश्चिम चंपारण से बीजेपी के डॉ. संजय जायसवाल ने जीत हासिल की है। गुजरात की अमरेली सीट से बीजेपी के भरतभाई सुतारिया और आणंद सीट से बीजेपी के मितेश पटेल जीत गए हैं। दाहोद सीट से बीजेपी के जसवंत सिंह भाभोर जीते हैं।

हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा सीट भी बीजेपी के डॉ. राजीव भारद्वाज ने जीत दर्ज की है। मध्यप्रदेश में रीवा सीट से बीजेपी के जर्नादन मिश्रा जीत गए हैं। राजस्थान की जोधपुर सीट से बीजेपी के गजेंद्र सिंह शेखावत जीत गए हैं। उत्तर प्रदेश में गोरखपुर सीट से बीजेपी के रविकिशन और देवरिया सीट से बीजेपी के शशांक मणि जीत गए हैं।

पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी ने कहा, मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री को बहुमत का आंकड़ा नहीं मिला। प्रधानमंत्री ने विश्वसनीयता खो दी है। उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि उन्होंने कहा था कि इस बार वे 400 सीटें पार करेंगे।

राहुल गांधी की ...

2024 के लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस को संजीविनी देने का काम किया। खासकर रायबरेली में कांग्रेसियों का उत्साह उसी समय से चरम पर था, जब राहुल गांधी ने नामांकन पत्र भरा था।

शुरू से ही सपा और कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता जीत के लिए आश्वस्त नजर आए। मंगलवार को ईवीएम खुली और जैसे-जैसे राहुल गांधी लीड लेते रहे, वैसे-वैसे भीषण गर्मी को दरकिनार कर कांग्रेसियों का उत्साह चरम पर पहुंचता रहा। सिविल लाइन स्थित कार्यालय पर जमा कांग्रेसियों के चेहरे पर जीत की खुशी दिखी। इस दौरान कांग्रेस ने बड़ा मंगल पर भंडारा का आयोजन कराया। जिसमें लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं भाजपा के अटल भवन स्थित कार्यालय पर कार्यकर्ता टीवी स्क्रीन पपर लोकसभा चुनावों को परिणाम को देखते नजर आए। पार्टी की हार से कार्यकर्ता बेहद मायूस दिखे। करीब 10 साल बाद भाजपा कार्यालय में उदासी दिखी।

इस चुनाव में बसपा की सक्रियता नहीं दिखी। पार्टी प्रत्याशी ठाकुर प्रसाद यादव ने

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

अफगानिस्तान ने युगांडा को 58 रन पर किया ढेर

टी20 वर्ल्ड कप में दर्ज की हाहाकारी जीत

न्यूयॉर्क, 4 जून (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप का आगाज कैसा हो, अगर ये देखना हो तो आप अफगानिस्तान और युगांडा के बीच खेले मैच का नतीजा देख सकते हैं. इस मुकाबले में अफगानिस्तान ने अपना पहला T20 वर्ल्ड कप खेलने उतरे युगांडा की टीम को सिर्फ 58 रन पर ऑलआउट कर दिया. नतीजा ये हुआ कि अफगान टीम ने हाहाकारी जीत के साथ टूर्नामेंट का आगाज किया. एक ऐसे टूर्नामेंट में जहां रन रेट भी मायने रखने वाला है, उसमें इतनी बड़ी जीत आफगानिस्तान को फायदा पहुंचाने का काम कर सकती है.

मुकाबले में टॉस जीतकर युगांडा ने अफगानिस्तान को पहले बल्लेबाजी पर उतारा था. उसका ये फैसला पहले 14 ओवर तक उलटा पड़ता दिखा क्योंकि अफगानिस्तान की ओपनिंग जोड़ी ने स्कोर बोर्ड ने 154 रन जोड़ दिए थे. अफगानिस्तान की टीम

इस वक्त तक 200 रन के पार जाती दिख रही थी. लेकिन फिर युगांडा के गेंदबाजों ने वापसी करते हुए मैच में शिकंजा कसा और आखिर के 6 ओवरों में अफगानिस्तान को एक भी बाउंड्री नहीं जमाने दिया. अफगानिस्तान की टीम 20 ओवर में 5 विकेट पर 183 रन ही बना सकी. उसकी ओर से इब्राहिम जादरान ने 46 गेंदों पर 70 रन और रहमानुल्लाह गुरबाज ने 45 गेंदों पर 76 रनों की विस्फोटक पारी खेली.

युगांडा की बल्लेबाजी बुरी तरह से फेल

अब युगांडा की टीम के सामने 184 रन का लक्ष्य था, जो उसकी क्षमता को देखते हुए अफगानिस्तान के सामने पहले से ही ज्यादा लग रहा था. और, जब मैदान पर वो इस टोटल का पीछा करने उतरी, तो हुआ भी वही जिसका डर था. युगांडा की टीम अफगान गेंदबाजों के आगे ना तो पूरे 20 ओवर खेल सकी और ना ही 100 रन के भी स्कोर के आस-पास फटक सकी. 50 रन का भी फासला इस टीम ने पार किया तो बड़ी मुश्किल के साथ.

58 रन पर युगांडा ऑलआउट, फारूखी ने चटकाए 5 विकेट

युगांडा की पूरी टीम सिर्फ 58 रन पर ऑलआउट हो गई. इस तरह अफगानिस्तान ने 125 रन के बड़े अंतर से ये T20 मुकाबला जीत लिया. अफगानिस्तान की इस जीत में गेंद से कोहराम मचाने में बड़ा योगदान तेज गेंदबाज फजलहक फारूखी का रहा, जिन्होंने 4 ओवर में 9 रन देकर 5 बल्लेबाजों को आउट किया. इस तरह वो T20 वर्ल्ड कप 2024 में 5 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज भी बन गए. वहीं टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में 5 विकेट लेने वाले मुजीब के बाद वो दूसरे अफगानी हैं. फजलहक फारूखी को गेंद से उनके कमाल के प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया है.

क्या भारत-आयरलैंड मैच में होगी बारिश

मौसम विभाग की आई फाइनल रिपोर्ट

न्यूयॉर्क, 4 जून (एजेंसियां)। भारतीय टीम आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 का पहला मुकाबला आयरलैंड के खिलाफ खेलने वाली है। यह मैच अमेरिका के नासाऊ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम में होने वाला है। विश्व कप 2024 से पहले कई वॉर्मअप मैच बारिश के कारण धुल चुके हैं, ऐसे में भारतीय टीम के करोड़ों फैंस के मन में यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या भारत और आयरलैंड के बीच होने वाले मैच में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग की इस पर फाइनल रिपोर्ट आ गई है। चलिए बताते हैं क्या है मौसम का हाल।

भारत-आयरलैंड के बीच आंकड़े

भारत और आयरलैंड के बीच टी20 क्रिकेट में अभी तक कुल 7 बार सामना हो चुका है, इन सातों मैच में टीम इंडिया की जीत हुई थी। ऐसे में आयरलैंड अभी तक भारत के खिलाफ पहली जीत की तलाश में है।

आयरलैंड भारत के खिलाफ अपनी पहली जीत दर्ज करने के लिए जान की बाजी लगा देगा। लेकिन भारतीय टीम भी अपनी कमर कस चुकी है, ताकि विश्व कप का आगाज जीत के साथ की जा सके। इस कड़ी में मौसम विभाग ने इस मैच को लेकर फाइनल अपडेट जारी किया है।

कैसा रहेगा मौसम का हाल

विभाग ने बताया कि इस मैच के दौरान छिटपुट बारिश हो सकती है, जो कि भारतीय फैंस के लिए बुरी खबर है। इसके अलावा बताया जा रहा है कि मैच के दौरान रात 8 बजे से रात के 11:30 बजे तक तापमान 20 डिग्री सेल्सियस रहने वाला है। भारतीय टीम की विश्व कप से पहले टेंशन बढ़ी हुई है। टीम इंडिया किस कॉम्बिनेशन के साथ खेलने उतरेगी, यह देखने वाली बात होगी। भारतीय टीम की ना ही तो ओपनिंग जोड़ी तय हो पाई है और ना ही विकेटकीपर तय हो पाया है। ऐसे में टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन पर अभी तक सस्पेंस बना हुआ है।

सुनील गावस्कर ने टीम इंडिया की हैरतअंगेज प्लेइंग इलेवन चुनी

इन 4 खिलाड़ियों को कर दिया बाहर

मुंबई, 4 जून (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम का अभियान बुधवार, 5 जून से शुरू होगा. टीम इंडिया पहला मैच आयरलैंड के खिलाफ खेलेगी और ये मैच न्यूयॉर्क में होगा. वैसे इस मुकाबले से पहले बड़ा सवाल ये है कि टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन क्या होगी? रोहित शर्मा किन 11 खिलाड़ियों को मौका देंगे? टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने तो साफ कह दिया है कि मैनेजमेंट ने प्लेइंग इलेवन तय की हुई है और 10 खिलाड़ी तो हर मैच खेलेंगे. हालांकि इस बीच टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने अपनी पसंदीदा प्लेइंग इलेवन का ऐलान किया है जो सच में काफी चौंकाने वाली है.

सुनील गावस्कर की चौंकाने वाली प्लेइंग इलेवन

सुनील गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम में अपनी प्लेइंग इलेवन चुनी जिसमें उन्होंने चौंकाने

वाला बैटिंग ऑर्डर रखा है. सुनील गावस्कर ने रोहित शर्मा के साथ विराट कोहली को बतौर ओपनर रखा है और हैरान करने वाली बात ये है कि यशस्वी जायसवाल को उन्होंने नंबर 3 पर उतारा है.

उनके मुताबिक यशस्वी जायसवाल को प्लेइंग इलेवन में रहना ही चाहिए. सुनील गावस्कर ने चौथे नंबर पर सूर्यकुमार यादव, पांचवें पर ऋषभ पंत, छठे पर हार्दिक पंड्या को रखा है.

शिवम दुबे को भी दी जगह

सुनील गावस्कर ने रवींद्र जडेजा को भी अपनी प्लेइंग इलेवन में रखा है और गजब बात ये है कि 8वें स्थान पर उन्होंने शिवम दुबे को भी शामिल किया है. शिवम दुबे का उन्होंने मौके के हिसाब से इस्तेमाल करने को कहा है. गावस्कर ने अपनी टीम में कुलदीप यादव को जगह दी है और इसके साथ-साथ उन्होंने तेज गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह को रखा है. मतलब गावस्कर ने संजू सैमसन, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल को बाहर रखा है. अब देखना ये है कि रोहित शर्मा किस प्लेइंग इलेवन को उतारते हैं. वैसे ऐसा लग रहा है कि रोहित शर्मा लगभग इसी टीम के साथ आयरलैंड के खिलाफ उतर सकते हैं. क्योंकि वॉर्मअप मैचों में शिवम दुबे ने न्यूयॉर्क की पिच पर अच्छी गेंदबाजी की थी.

बोपन्ना-एबडेन ने बालाजी-वारेला को सुपर टाइब्रेकर में हराया

क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

पेरिस, 4 जून (एजेंसियां)। भारत के रोहन बोपन्ना और आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन के पुरुष डबल्स वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। इस अनुभवी जोड़ी ने एन श्रीराम बालाजी और एमए रेयेस वारेला मार्तिनेज की जोड़ी को सुपर टाइब्रेकर में हराकर अगले दौर में जगह बनाई। दूसरी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी ने तीसरे दौर में 6-7, 6-3, 7-6 से जीत दर्ज की।

पहले सेट में बालाजी और मैक्सिको के रेयेस ने 5-4 की बढ़त बना ली थी। उनके पास सेट जीतने का सुनहरा मौका था जब एबडेन का फोरहैंड पर शॉट बाहर निकल गया, लेकिन बालाजी ने भी यही गलती की। पहले सेट का फैसला टाइब्रेकर पर हुआ जिसमें बालाजी और रेयेस ने बाजी मारी। इसके बाद से हालांकि बोपन्ना और एबडेन ने दूसरे सेट में उन्हें कोई मौका नहीं दिया और मुकाबला तीसरे सेट तक गया। इसमें बोपन्ना और एबडेन का अनुभव काम आया और विनर लगाकर एबडेन ने जीत पर मुहर लगा दी।

बजरंग पूनिया को राहत

एडीडीपी ने आरोप का नोटिस नहीं दिए जाने तक उन पर लगा अस्थाई निलंबन हटाया

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। नाडा के डोपिंग रोधी अपील पैनल ने पहलवान बजरंग पूनिया को आरोप का नोटिस नहीं दिए जाने तक उन पर लगा अस्थाई निलंबन हटाया। NADA ने 23 अप्रैल को टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग को निलंबित कर दिया था और बाद में विश्व शासी निकाय UWW ने यही कार्रवाई की थी। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी के अनुशासन पैनल (एडीडीपी) ने बजरंग पुनिया पर लगाए गए अस्थाई निलंबन को रद्द कर दिया। अनुशासन पैनल (एडीडीपी) ने बजरंग को नाडा द्वारा आरोप का नोटिस नहीं दिए जाने तक उन पर लगा अस्थाई निलंबन हटाया है। बजरंग ने इसी साल मार्च में सिलेक्शन ट्रायल के बाद डोप टेस्ट के लिए अपना सैंपल देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद NADA ने 23 अप्रैल को टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग को निलंबित कर दिया था और बाद में विश्व शासी निकाय

UWW ने यही कार्रवाई की थी।

बिश्केक में एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर के लिए पुरुषों की राष्ट्रीय टीम चुनने के लिए ट्रायल 10 मार्च को सोनीपत में आयोजित किया गया था और बजरंग एक मुकाबला हारने के बाद अपना यूरीन सैंपल दिए बिना ही उस स्थान से चले गए थे। उन्होंने तीसरे-चौथे स्थान के मुकाबले में हिस्सा ही नहीं लिया था। बजरंग ने अपने वकीलों के जरिए निलंबन को चुनौती दी थी और एडीडीपी को अपने जवाब में दोहराया था कि उन्होंने कभी भी सैंपल देने से इनकार नहीं किया था, बल्कि सिर्फ यह जानने की मांग की थी कि नाडा ने दिसंबर 2023 में उनका सैंपल लेने के लिए एक्सपायरी डेट वाली सैंपल किट क्यों भेजी थी। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी ने अब तक उनके इस प्रश्न का उत्तर क्यों नहीं दिया है।

एडीडीपी ने अपने आदेश में कहा, 'एथलीट का अस्थाई निलंबन तब तक के लिए रद्द किया जाता है जब तक कि नाडा एथलीट को डोपिंग निरोधक नियम, 2021 के उल्लंघन के लिए औपचारिक रूप से आरोप लगाने का नोटिस जारी करने का फैसला नहीं करता। सुनवाई पैनल की राय है कि इस स्तर पर जब एथलीट को आरोप का नोटिस जारी किया जाना बाकी है और नमूना देने से इनकार करने के लिए एथलीट द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण/औचित्य के गुण-दोष पर विचार किए बिना और नाडा की ओर से पेश वकील की दलील का जवाब दिए बिना निलंबित किया जाना ठीक नहीं है।'

'ये आईपीएल नहीं है' मोहम्मद कैफ ने मुश्किल पिच पर दिया जीत का मंत्र

मुंबई, 4 जून (एजेंसियां)। भारतीय टीम टी-20 वर्ल्ड कप के तहत आयरलैंड के खिलाफ 5 जून को पहला मुकाबला खेलेगी। ये मैच न्यूयॉर्क के नासाउ स्टेडियम में खेला जाएगा। जहां श्रीलंका और आयरलैंड के बीच वर्ल्ड कप का चौथा मुकाबला खेला गया। नासाउ की पिच ने श्रीलंका के बल्लेबाजों के लिए काफी मुश्किलें पैदा कीं। श्रीलंका की टीम के बल्लेबाज यहां संघर्ष करते नजर आए। आलम ये रहा कि पूरी टीम 77 रन पर ढेर हो गई। हालांकि साउथ अफ्रीका के लिए ये जीत इतनी भी आसान नहीं रही। उसने 16.2 ओवर तक चली पारी में 6 विकेट से जीत दर्ज की।

इस मैच के बाद मोहम्मद कैफ का एक पोस्ट चर्चा में है। जिसमें वह टीम इंडिया को चेताते हुए इन मुश्किल पिचों पर जीत का मंत्र

देते हुए नजर आ रहे हैं। कैफ ने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया। जिसमें उन्होंने लिखा- ये आईपीएल नहीं है। अमेरिका में टी-20 अलग तरह का खेल है। वहां पिचों में उछाल और मूवमेंट है। कैफ ने आगे कहा कि टी20 विश्व कप का यह चरण केवल छक्के मारने के बारे में नहीं है। भारत को यहां जीत के लिए पेस की जरूरत होगी।

कैफ की चिंता जायज

कैफ की ये चिंता इसलिए जायज है क्योंकि टीम इंडिया नासाउ में आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ बड़ा मुकाबला खेलेगी। इसके बाद टीम का कनाडा के खिलाफ भी यहां मुकाबला होगा। कुल मिलाकर चार में से तीन मैच नासाउ के स्टेडियम में खेले जाएंगे। जहां ऑस्ट्रेलिया से लाई गई ड्रॉप इन पिचों का इस्तेमाल हो रहा है। न केवल अमेरिका बल्कि टीम इंडिया को वेस्ट इंडीज में भी इस तरह की पिचों का सामना करना पड़ सकता है।

मुश्किल पिचों का सामना

न्यूयॉर्क की पिच बिलकुल अलग तरह से बिहेव कर रही है। यह तेज के साथ ही स्पिन गेंदबाजों के लिए मददगार बन रही है। जिससे बल्लेबाजों का रन बनाना मुश्किल हो रहा है। भारतीय टीम ने अपने स्क्वाड में 4 स्पिनर और 3 तेज गेंदबाज शामिल किए हैं। ऐसे में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की गेंदबाजी भी देखने लायक होगी। अगर पिच से गेंदबाजों को मदद मिली, तो टॉस की भूमिका बड़ी हो जाएगी। फिर पहले गेंदबाजी करने वाली टीम को काफी फायदा हो सकता है। देखना होगा कि टीम इंडिया इन मुश्किल पिचों का सामना किस तरह से करती है।

2 टीमें जीत सकती हैं विश्व कप ट्रॉफी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्राथ की बड़ी भविष्यवाणी

सिडनी, 4 जून (एजेंसियां)। टी-20 विश्व कप का आगाज 2 जून से हो चुका है। अभी तक इस टूर्नामेंट में पांच मुकाबले खेले जा चुके हैं। भारत अपने अभियान की शुरुआत कल आयरलैंड के खिलाफ मैच खेल कर करेगा। इस बीच पूर्व दिग्गज खिलाड़ी ने विश्व कप ट्रॉफी जीतने को लेकर बड़ा दावा किया है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज हो चुका है। कल भारत अपना पहला मुकाबला आयरलैंड के खिलाफ खेलेगा। वहीं ऑस्ट्रेलिया का पहला मुकाबला 6 जून को ओमान के खिलाफ होगा। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्राथ ने विश्व कप ट्रॉफी को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है। उन्होंने अपनी भविष्यवाणी में दावा किया है कि इस बार कौन सी दो टीमें T20 विश्व कप जीत सकती है। उन्होंने बताया कि किन दो टीमों में पूरी क्षमता है कि वह इस बार वह ट्राफी पर अपना कब्जा जमा सके। चलिए आपको बताते हैं ग्लेन मैकग्राथ ने किन दो टीमों को लेकर यह दावा किया है।

ये दो टीमें जीत सकती हैं ट्रॉफी

आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 को लेकर सभी टीमें अपनी कमर कस चुकी है। इस कड़ी

में आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्राथ ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि इस बार भारत और ऑस्ट्रेलिया T20 विश्व कप का खिताब अपने नाम कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि आपको बड़े खिताब जीतने के लिए हमेशा आपको एक अच्छी टीम की जरूरत पड़ती है। इन दोनों टीमों के पास ऐसे कप्तान हैं जो अनुभवी और अपने कौशल से टीम का नेतृत्व करते हैं।

रोहित शर्मा के पास टी20 क्रिकेट का काफी अनुभव है। आईपीएल में वह मुंबई इंडियंस को अपनी कप्तानी में 5 बार खिताब जीता चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श एक अच्छे खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम भी काफी मजबूत दिखाई दे रही है। ऑस्ट्रेलिया के पास एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, ग्लेन मैक्सवेल, डेविड वार्नर जैसे बड़े खिलाड़ी हैं। इस कारण से पूर्व दिग्गज ने दावा किया है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया खिताब की रेस में सबसे आगे है।

आईपीएल का अनुभव आएगा काम

भारत को आईपीएल से कई ऐसे खिलाड़ी मिले हैं, जो टी20 क्रिकेट का अच्छा अनुभव रखते हैं। इस बार आईपीएल 2024 में अच्छा प्रदर्शन करने के कारण शिवम दुबे और संजू सैमसन को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। वहीं आस्ट्रेलिया के पास भी बेहतरीन गेंदबाज और बल्लेबाज हैं। इनके पास गेंदबाजी क्रम में मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस और बल्लेबाजी में ट्रेविस हेड, कैमरून ग्रीन, ग्लेन मैक्सवेल जैसे धाकड़ बल्लेबाज हैं, जिनके बल्ले से रनों की आग बरसती है। ये दोनों टीमें अब तक एक-एक बार टी20 विश्व कप जीत चुकी हैं। भारत ने 2007 में और ऑस्ट्रेलिया ने 2021 में टी20 विश्व कप पर पर अपना कब्जा जमाया था।

फ्रेंच ओपन : नोवाक जोकोविच ने रोजर फेडरर को पीछे छोड़ा, क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

पेरिस, 4 जून (एजेंसियां)। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फ्रांसिसको सेरूंडोलो को हराकर वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। जोकोविच ने इस तरह ग्रैंडस्लैम में अपनी 370वीं जीत दर्ज की। उन्होंने ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में सर्वाधिक जीत दर्ज करने के मामले स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर को पीछे छोड़ दिया है। फेडरर ने अपने करियर में 369 ग्रैंडस्लैम मुकाबले जीते थे।

दाहिने घुटने के दर्द से जूझने के बावजूद नोवाक जोकोविच ने

अपने से युवा प्रतिद्वंद्वी को साढे चार घंटे तक चले मुकाबले में पांच सेटों में हराया। दूसरे सेट की शुरुआत में जोकोविच पीठ के बल लेट गए थे और लग रहा था कि उन्हें मुकाबला छोड़ना होगा, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 23वीं रैंकिंग वाले सेरूंडोलो को 6-1, 5-7, 3-6, 7-5, 6-3 से हराया। अब उनका सामना सातवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड से होगा। रूड ने 12वीं रैंकिंग वाले टेलर फ्रिट्ज को 7-6, 3-6, 6-4, 6-2 से हराया। पिछले साल फ्रेंच ओपन फाइनल में जोकोविच ने रूड को हराया था। पुरुष सिंगल्स वर्ग के अन्य क्वार्टर फाइनल में एलेक्स डि मिनौर का सामना अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। डि मिनौर ने 2021 यूएस ओपन चैंपियन डेनिल मेदवेदेव को हराया था। वहीं, ज्वेरेव ने होल्गर रूने को 4-6, 6-1, 5-7, 7-6, 6-2 से मात दी।

15वीं बार चैंपियंस लीग जीतने वाली रियल मैड्रिड में शामिल हुए एम्बाप्पे, इतने साल का किया करार

मैड्रिड, 4 जून (एजेंसियां)। आखिरकार फ्रांस के दिग्गज फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे रियल मैड्रिड की टीम में शामिल हो गए। कई वर्षों से एम्बाप्पे के इस टीम से जुड़ने के कयास लगाए जा रहे थे। हालांकि, अब एम्बाप्पे ने स्पैनिश लीग ला लीगा की दिग्गज टीम के साथ पांच साल की डील साइन कर ली है। रियल मैड्रिड ने इसकी पुष्टि की। रियल मैड्रिड ने पिछले हफ्ते ही रिकॉर्ड 15वीं बार यूएफा चैंपियंस लीग का खिताब जीता

था। कार्लो एंसेलोटी की रियल मैड्रिड ने प्रतिष्ठित वेम्बले स्टेडियम में यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में बुंदेसलीगा के दिग्गज बोरुसिया डॉर्टमंड को 2-0 से हराया था।

रिकॉर्ड 15वें चैंपियंस लीग ट्रॉफी को उठाने के दो दिन बाद रियल मैड्रिड ने फ्री ट्रांसफर पर एम्बाप्पे के अनुबंध की पुष्टि की। फ्रांस के पूर्व कप्तान ने पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के साथ लॉस ब्लैंकोस में सात साल का समय बिताया है।

बाबर आजम ने आजम खान को गैंडा कहा?

पाकिस्तानी कप्तान के वीडियो पर मचा बवाल

इस्लामाबाद, 4 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम एक नए विवाद में फंस गए हैं. बाबर आजम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वो प्रैक्टिस सेशन के दौरान कुछ ऐसा कहते दिख रहे हैं जिसके बाद उन्हें लोग ट्रोल कर रहे हैं. पाकिस्तानी कप्तान पर आरोप है कि उन्होंने अपने साथी खिलाड़ी आजम खान को गैंडा कहा. हालांकि जो वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट हुआ है उसमें ये ठीक तरह से साफ नहीं हो पा रहा है कि बाबर ने गैंडा शब्द का प्रयोग किया

है या नहीं.

बाबर आजम का वीडियो वायरल होने के बाद उनके फैंस पाकिस्तानी कप्तान के बचाव में आ गए हैं. बाबर के फैंस का दावा है कि उन्होंने आजम को गैंडा नहीं कहा है. बल्कि उन्होंने पंजाबी में आजम खान को कहा है कि तेरा कैंदा नि सीधा होया. जिसका अर्थ होता है तेरा कैसे सीधे नहीं हुआ. हालांकि वीडियो में आवाज पूरी तरह साफ नहीं होने की वजह से बाबर के आलोचक उन्हें ट्रोल कर रहे हैं. बता दें आजम खान का वजन काफी ज्यादा है. इसकी वजह से उनके सेलेक्शन पर अकसर सवाल उठाए जाते हैं. हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में आजम खान ने विकेटकीपिंग में काफी गलती की थी जिसके बाद एक बार फिर यही सवाल उठा था कि इस खिलाड़ी का वजन ज्यादा है.

हम जनादेश का सम्मान करते हैं : कांग्रेस

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने कहा है कि पार्टी लोगों के जनादेश का सम्मान करती है और उनके लिए काम करना जारी रखेगी।

मंगलवार को यहां गांधी भवन में एक संवाद्दाता सम्मेलन में बोलते हुए, महेश कुमार गौड़ ने पार्टी नेताओं हनुमंत राव, हरकारा वेणुगोपाल, पुष्पा लीला, सुनीता राव और अन्य के साथ तेलगाना और देश के सभी मतदाताओं को धन्यवाद दिया और कहा कि उनकी पार्टी लोगों के लिए काम करना जारी रखेगी।

महेश कुमार गौड़ ने कहा कि पहले कांग्रेस पार्टी के पास केवल तीन सांसद थे, लेकिन अब उनकी संख्या बढ़कर आठ हो गई है और उन्होंने कहा कि सिकंदराबाद कैंटोनमेंट विधानसभा उपचुनाव में पार्टी के उम्मीदवार श्री गणेश ने जीत हासिल की है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सरकार ने सभी वादों को लागू करना शुरू कर दिया है और कैंटोनमेंट विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत का मुख्य कारण मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का सुशासन है।

कांग्रेस एमएलसी ने कहा कि एग्जिट पोल की भविष्यवाणी पूरी तरह से विफल रही है और वे देश में लोगों के मूड का खुलासा नहीं कर सके। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस पार्टी ने लोकसभा चुनाव में भाजपा का समर्थन किया है और उसने भाजपा की जीत के लिए कमजोर उम्मीदवार खड़े किए थे।

कैंटोनमेंट विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की जीत

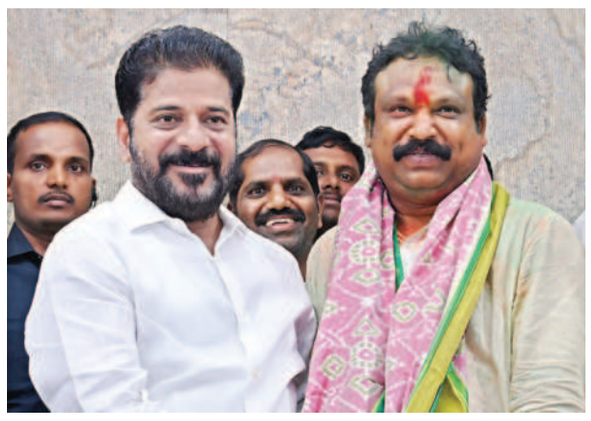

सिकंदराबाद छावनी परिषद कांग्रेस के उम्मीदवार श्रीगणेश ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद कैंटोनमेंट विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार नारायणन श्री गणेश विजयी हुए हैं। उन्होंने प्रतिद्वंद्वी बीआरएस उम्मीदवार निवेदिता के खिलाफ 9,725 मतों के बहुमत से जीत हासिल की। लास्या नंदिता ने 2023 में हुए आम चुनाव में कैंटोनमेंट से बीआरएस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और विधायक चुनी गईं। हालांकि, फरवरी में एक सड़क दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई। लास्या की दुखद मौत ने कैंटोनमेंट विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव को अपरिहार्य बना दिया। श्री गणेश ने 2018 और 2023 के विधानसभा चुनावों में भाजपा से विधायक के रूप में चुनाव लड़ा, लेकिन वे असफल रहे। बाद में, वे कांग्रेस में शामिल हो गए और उपचुनाव के लिए पार्टी का टिकट हासिल किया।

अमेरिका में लापता हैदराबाद की छात्रा नीतिशा कंडुला सुरक्षित

ह्यूस्टन, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि पिछले सप्ताह अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य से लापता हुई 23 वर्षीय भारतीय छात्रा मिल गई है और वह सुरक्षित है। कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, सैन बर्नार्डिनो (सीएसयूएसबी) की छात्रा नितीशा कंडुला 28 मई को लॉस एंजिल्स में लापता हो गई थी। सीएसयूएससी के पुलिस प्रमुख जॉन गुटिएरेज़ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह मिल गयी है और सुरक्षित है।

पुलिस ने नितिशा (जो कथित तौर पर हैदराबाद की रहने वाली है) को ढूंढने के लिए जनता से मदद मांगी थी तथा लोगों से आग्रह किया था कि अगर उनके बारे में कोई जानकारी हो तो वे अधिकारियों से संपर्क करें।

पवन कल्याण बने राजनीतिक 'पावर' स्टार

विजयवाड़ा, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण ने कहा, कभी-कभी आने में बहुत देर हो सकती है, लेकिन आना ठीक है। वे बहुत जल्दी राजनीति में आ गए। लेकिन 10 साल तक उन्होंने राजनीतिक क्षेत्र में युद्ध लड़ा। उनके विरोधी उनकी शक्ति और क्षमता को जानते हैं। इसलिए वे पवन को उस पेड़ की तरह गिराना चाहते थे जो गरीबों की छाया बनकर खड़ा होना चाहता था। वे व्यक्तिगत आलोचना से उनके दिल को टुकड़े-टुकड़े करना चाहते थे। दत्तक पुत्र के शब्दों से उन पर हमला किया गया। मुख्यमंत्री से लेकर मंत्रियों तक, सभी उन्हें मानसिक चोट पहुंचाना चाहते थे। लेकिन पवन की दृढ़ इच्छाशक्ति के आगे वे सभी बिखर गए। जनता ने ही उन्हें जिताया। पवन कल्याण अकेले ही राजनीति के मैदान में उतरे। जनता की लोकप्रियता के दम पर वे आज के आंध्र प्रदेश के राजनीतिक परिदृश्य पर नया इतिहास लिखने जा रहे हैं। 10 साल तक बिना किसी सत्ता के 'अज्ञात' जीवन जीने के बाद पवन अब जेएसपी अध्यक्ष के तौर पर विधानसभा में प्रवेश करने जा रहे हैं। प्रोड्यूसर उनके घर के सामने सूटकेस में पैसे लेकर खड़े रहते हैं। आलीशान

जिंदगी, विदेश यात्राएं, इनमें से किसी ने भी पवन कल्याण को संतुष्ट नहीं किया। उन लोगों के लिए कुछ भी किया जाना चाहिए जो उन्हें पसंद करते हैं और उनकी प्रशंसा करते हैं। उन्हें लगा कि सार्वजनिक क्षेत्र ही उनके लिए सही मंच है। राजनीति में प्रवेश का मतलब है बाघ पर सवारी करना। उन्होंने इसे करीब से देखा है। उन्हें पता था कि उनके लिए यह एक लंबी राजनीतिक यात्रा है।

उन्हें यह भी पता था कि अगर वे सीधे राजनीति के मैदान में उतरे तो क्या होगा। इसीलिए उन्होंने नए बने आंध्र प्रदेश के अनुभवी शासक बनने के इरादे से टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू राजनीति में कोई स्थाई दुश्मन और स्थाई दोस्त नहीं होता। पवन कल्याण, जिन्होंने 2014 में टीडीपी का समर्थन किया था, वैचारिक मतभेदों के कारण 2019 में इससे दूरी बना ली। उस चुनाव में वाम दलों ने बसपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। वह जानते हैं कि दोनों (टीडीपी और वाईएसआरसीपी) पार्टियां मजबूत ताकतें हैं जो उनसे टकराने वाली हैं। लेकिन, वह पहल करते हुए आगे बढ़े। नतीजा सिर्फ एक सीट पर जीत मिली। उन्होंने जिन विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था, दोनों हार गए। कोई और राजनेता धीरे-धीरे पार्टी से छुटकारा पाने की कोशिश करता। लेकिन पवन कल्याण वहीं खड़े रहे। उनके साथ-साथ पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हिम्मत नहीं हारी। हार को निगलते हुए वे धैर्य के साथ आगे बढ़ते गए। दस साल के अथक उपवास के साथ: आमतौर पर, चुनाव हारना किसी भी राजनीतिक नेता को एक निश्चित हद तक अलगाव देता है। हालांकि, पवन ने सुनिश्चित किया है कि जन सेना पार्टी के कार्यकर्ता लगातार जनता के बीच रहें धीरे-धीरे सत्ता के नशे में चूर वाईएसआरसीपी ने व्यवस्थाओं को कमजोर करना शुरू कर दिया। इसके साथ ही जनसेना खुद मैदान में उतरी और वाईएसआरसीपी सरकार के दमन को जनता के सामने उजागर करना शुरू कर दिया। पवन आम लोगों के बीच असाधारण बन गए।

बीआरएस फिर मजबूती से उभरेगी : केटीआर

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 2024 के लोकसभा चुनावों में बीआरएस को मिली चुनावी हार को 'बेहद निराशाजनक' करार देते हुए पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि पार्टी मेहनत जारी रखेगी और फिर से उभरेगी। बीआरएस द्वारा एक भी संसदीय सीट नहीं जीतने पर रामा राव ने एक्स का सहारा लिया और कहा कि टीआरएस (अब बीआरएस) की स्थापना के बाद से पिछले 24 वर्षों में पार्टी और उसके कार्यकर्ताओं ने सब कुछ देखा है। शानदार उपलब्धियां, सफलताएं और कई असफलताएं भी। सबसे बड़ी उपलब्धि: तेलंगाना राज्य का गठन हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि रहेगी।

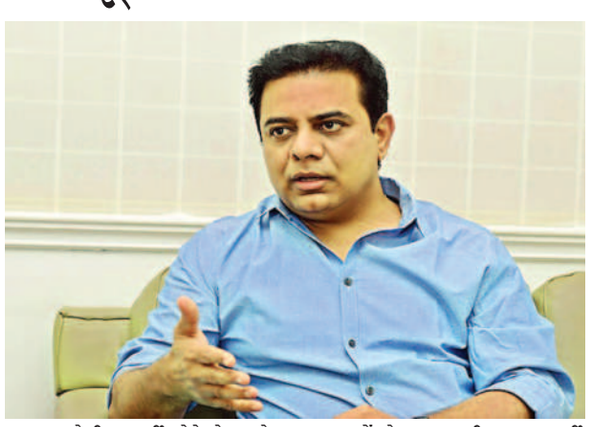

एक क्षेत्रीय पार्टी होने के नाते, रामा राव ने बताया कि बीआरएस ने लगातार दो राज्य चुनावों में अच्छे बहुमत के साथ जीत हासिल की है, यानी 2014 में 119 में से 63 और 2018 में 119 में से 88। इसी तरह, पार्टी एक तिहाई सीटों के साथ विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल थी, जिसे 2023 के विधानसभा चुनावों में 119 में से 39 सीटें मिलीं।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में हैदराबाद विश्वविद्यालय का दुनिया में स्थान

'प्रशस्ति पत्र प्रति संकाय' संकेतक में दुनिया में 335वें स्थान पर

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) को दुनिया के सबसे ज़्यादा परामर्शित विश्वविद्यालय रैंकिंग के अनुसार दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में से एक के रूप में नामित किया गया है। वैश्विक उच्च शिक्षा विश्लेषक क्यूएस क्वाक्वेरेली साइमंड्स द्वारा जारी क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग के 2025 संस्करण में हैदराबाद विश्वविद्यालय दुनिया में 801-850वें स्थान पर है।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 ने 5663 संस्थानों का मूल्यांकन किया और 106 स्थानों पर 1503 संस्थानों को शामिल किया, जिनमें भारत के 46 संस्थान शामिल हैं। रैंकिंग पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यूओएच के कुलपति प्रो. बी जे राव ने कहा, हैदराबाद विश्वविद्यालय 2025 के संस्करण में 335वें स्थान पर है, जबकि 2024 में यह 'प्रति संकाय उद्धरण' संकेतक में 372वें स्थान पर होगा। हालांकि यह अच्छी प्रगति है, लेकिन हमें अन्य मापदंडों में सुधार करने की आवश्यकता है क्योंकि समग्र रैंकिंग वैश्विक दृश्यता, धारणा आदि से भी जुड़ी हुई है। क्यूएस दो अलग-अलग डेटासेट एकत्र करता है: पांच साल की अवधि में पेपर काउंट और पांच साल की अवधि में प्रकाशित पेपर के लिए छह साल के लिए उद्धरण काउंट। पिछले दो दशकों में डेटा उपलब्धता में वृद्धि और छात्रों और समाज की बदलती प्राथमिकताओं को दर्शाने के लिए, क्यूएस ने अपनी स्थापना के बाद से सबसे बड़ी कार्यप्रणाली में सुधार किया है, जिसमें तीन नए मेट्रिक्स स्थिरता, रोजगार परिणाम और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान नेटवर्क, और कुछ मौजूदा संकेतकों के भार को समायोजित करना, अर्थात् शैक्षणिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता प्रतिष्ठा और संकाय छात्र अनुपात, पेश किए गए हैं।

39 साल बाद मंगलगिरी विधानसभा क्षेत्र में लोकेश की जीत

मंगलागिरी, 4 जून (एनएसएस)। मंगलगिरी विधानसभा क्षेत्र में तेलुगु देशम पार्टी की जीत 39 साल के अंतराल के बाद पार्टी के खाते में आई है। टीडीपी उम्मीदवार के रूप में मंगलगिरी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले नारा लोकेश ने भारी बहुमत से जीत हासिल की। 1983 और 1985 में, टीडीपी के गठन के बाद, टीडीपी उम्मीदवार एमएसएस कोटेश्वर राव ने चुनाव जीता। तब से मंगलगिरी निर्वाचन क्षेत्र कुछ समय के लिए गठबंधन और अन्य कारकों के साथ एक अप्राप्य निर्वाचन क्षेत्र बन गया है। नारा लोकेश ने पहले की घोषणा के अनुसार मंगलगिरी निर्वाचन क्षेत्र जीतकर अपना वादा निभाया है। उन्होंने पिछले 39 वर्षों से तेलुगु देशम पार्टी की जीत की पुकार को अनसुना करते हुए मंगलगिरी निर्वाचन क्षेत्र को भारी बहुमत से जीतकर हलचल मचा दी। 1989 में कांग्रेस उम्मीदवार गोली वीरंजनयुलु, 1994 में सीपीएम के एन राममोहन राव, 1999 और 2004 में कांग्रेस के मुरुगुडु हनुमंत राव, 2009 में कांग्रेस उम्मीदवार कंदरू कमला और 2014 और 2019 में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अल्ला रामकृष्ण रेड्डी ने इस निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। तब से मंगलगिरी निर्वाचन क्षेत्र टीडीपी के लिए एक सोता हुआ ब्लॉक बन गया था।

1 ईएमई सेंटर, आर्टिलरी सेंटर व एओसी सेंटर में अग्निवीर पासिंग आउट परेड आयोजित

हैदराबाद 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 1 ईएमई सेंटर, सिकंदराबाद का सेंट्रल परेड ग्राउंड 4 जून को अग्निवीरों के तीसरे बैच की पासिंग आउट परेड के अवसर पर पारंपरिक सैन्य पोशाक के साथ शानदार नजारा पेश कर रहा था। तीसरे बैच की पासिंग आउट परेड की समीक्षा 1 ईएमई सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर प्रशांत बाजपेयी ने की और कुल 280 अग्निवीरों को पास आउट किया गया। अग्निवीरों के गौरवान्वित माता-पिता समारोह में उपस्थित थे। वर्ष 2023-24 के लिए ईएमई कोर के अग्निवीरों के तीसरे बैच का बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण 01 नवंबर 2023 को 1 ईएमई केंद्र में शुरू हुआ और 09 जनवरी 2024 को समाप्त हुआ। इसके बाद, अग्निवीरों ने जूनियर कमीशन अधिकारियों/अन्य रैंकों के लिए प्रमुख तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान 1 ईएमई केंद्र में अपना उन्नत सैन्य प्रशिक्षण शुरू किया। केंद्र ने कई प्रशिक्षण सुविधाओं को बढ़ाया और अन्य रेजिमेंटल केंद्रों के लिए कई सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रदर्शन किया। केंद्र ने अग्निवीरों के तीसरे बैच के लिए उन्हें बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों, दूरसंचार उपकरणों और प्रशीतन उपकरणों में प्रशिक्षण दिया। पासिंग आउट परेड, जैसा कि इसे आम तौर पर कहा जाता है, अग्निवीर के जीवन की सबसे महत्वपूर्ण और शानदार घटना है, क्योंकि यह भारतीय सेना में उनके प्रवेश का प्रतीक है। इसका मतलब एक कठिन प्रशिक्षण का अंत और वर्दी में जीवन जो कम सामान्य है की शुरुआत भी है। 1 ईएमई केंद्र से पास आउट होने के बाद अग्निवीर फील्ड आर्मी इकाइयों को रिपोर्ट करेंगे।

पीओपी के दौरान अग्निवीरों को शिक्षा, शारीरिक फिटनेस और समग्र योग्यता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 1 ईएमई सेंटर के कमांडेंट द्वारा पदक प्रदान किए गए। उन्होंने परेड को पूरी तरह से प्रभावशाली और शानदार बनाने के लिए अग्निवीरों के उत्कृष्ट प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने राष्ट्र के सम्मान, सुरक्षा और अखंडता को बनाए रखने के लिए पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ खुद को समर्पित करने का भी आह्वान किया। पासिंग आउट परेड में प्रशिक्षु, प्रशिक्षक, 1 ईएमई सेंटर के कर्मचारी और अग्निवीरों के माता-पिता/रिश्तेदार मौजूद थे। समारोह का समापन राष्ट्रगान और भारत माता की जयकार के साथ हुआ।

इसी क्रम में पतलून की धारदार सिलवटें, तुरही की ध्वनि, एक ही आदेश पर समन्वित आंदोलन और गोलकुंडा किले की प्राचीर में राइफलों का संगीत मंगलवार को हैदराबाद के आर्टिलरी सेंटर में अग्निवीरों के तीसरे बैच के पासिंग आउट समारोह में यह दृश्य मंत्रमुग्ध कर देने वाला था। यह आयोजन एक इतिहास बन गया, जिसमें 2517 अग्निवीरों को गनर के रूप में आर्टिलरी रेजिमेंट में शामिल किया गया, जो किसी भी रेजिमेंटल सेंटर में प्रशिक्षित होने वाला सबसे बड़ा कोर्स है। यह उन कर्मचारियों के लिए गर्व का क्षण था, जिन्होंने बिना थके लड़कों को अग्निवीर बनाने के लिए अथक प्रयास किए और उन माता-पिता के लिए भी गर्व की बात थी, जिन्होंने अपने बच्चों को मातृभूमि की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। अग्निवीर अपने 31 सप्ताह के शारीरिक और मानसिक रूप से कठिन प्रशिक्षण को पूरा करने के बाद अपने मूल आर्टिलरी रेजिमेंट में शामिल होंगे। माता-पिता के साथ परेड में विभिन्न सैन्य और नागरिक गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

समीक्षा अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह, वीएसएम, जीओसी, 2 कोर और आर्टिलरी रेजिमेंट के कर्नल कमांडेंट ने अग्निवीरों को अपने संबोधन में बताया कि भारतीय सेना और पूरे राष्ट्र के इतिहास में एक नया अध्याय शुरू हो गया है क्योंकि अग्निवीर मातृभूमि की सेवा करके राष्ट्र निर्माण में एक प्रमुख भूमिका निभाएंगे। उनके प्रशिक्षण के दौरान उनमें पैदा की गई अनुशासन और सौहार्द की भावना न केवल उन्हें सेना में सेवा करने में मदद करेगी, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य में भी मदद करेगी। पासिंग आउट परेड की तैयारियां एक दिन पहले 3 जून 2024 को अभिभावकों के आगमन के साथ शुरू हो गई थीं।माखन सिंह स्टेडियम में अग्निवीर युद्ध तमाशा आयोजित किया गया, जहां अग्निवीरों ने मलखंभ, युद्ध मार्शल आर्ट, मशाल प्रदर्शन और अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी युद्ध क्षमताओं का प्रदर्शन किया, जिसके बाद सैन्य सिम्फनी का आयोजन किया गया। इससे पहले, दिन में, समारोह की शुरुआत पुष्पांजलि समारोह से हुई, जहां विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने युद्ध स्मारक पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इसी क्रम में प्रतिष्ठित आर्मी ऑर्डनेंस कॉर्प्स सेंटर, सिकंदराबाद ने नए शामिल अग्निवीर बैच सीरियल नंबर - 03/23 के लिए बेसिक और एडवांस मिलिट्री ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी की। रक्षा मंत्रालय द्वारा 14 जून, 2022 को शुरू की गई अग्निपथ योजना के तहत 869 अग्निवीरों का सैन्य प्रशिक्षण 01 नवंबर 2023 को शुरू हुआ। कठोर प्रशिक्षण के दौरान, अग्निवीरों को वांछित राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किए गए 31 सप्ताह के पाठ्यक्रम से गुजरना पड़ा।

अग्निवीरों ने असाधारण समर्पण, अनुशासन, शारीरिक कौशल का प्रदर्शन किया है और आने वाले दिनों में वे उत्कृष्ट योद्धा बनेंगे। पारंपरिक पासिंग आउट परेड (पीओपी) प्रसिद्ध 'आरयू परेड ग्राउंड' (ड्रिल स्क्वायर) में आयोजित की गई थी और इसमें सटीकता और सौहार्द का प्रभावशाली प्रदर्शन देखने को मिला, क्योंकि अग्निवीरों ने अपने नए अर्जित मार्चिंग कौशल और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। इस महत्वपूर्ण अवसर के दौरान, इन बहादुर सैनिकों ने शपथ ली और अपने परिवार के सदस्यों और एओसी बिरादरी की उपस्थिति में आधिकारिक तौर पर सेना आयुध कोर में शामिल हो गए। इस भव्य कार्यक्रम की समीक्षा ब्रिगेडियर अजीत अशोक देशपांडे, कमांडेंट, एओसी सेंटर और अन्य सैन्य अधिकारियों के साथ-साथ अग्निवीरों के परिवार के सदस्यों ने की, जिन्हें उनके प्रशिक्षण अवधि के दौरान उनके अटूट समर्पण और प्रभावशाली उपलब्धियों के लिए सराहना की गई।

एओसी सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर एए देशपांडे ने अपने भाषण में कठोर प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने और भारतीय सेना के भविष्य के रूप में कुशल सैनिकों के रूप में खुद को ढालने के लिए अग्निवीरों की सराहना की और साथ ही उन्हें फील्ड और शांति क्षेत्रों में कार्यकाल के दौरान उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं।

समीक्षा अधिकारी ने अग्निवीरों को प्रशिक्षित सैनिकों के रूप में तैयार करने और जोश, साहस और सौहार्द से भरपूर परेड का शानदार प्रदर्शन करने के लिए एओसी सेंटर के अत्यधिक सक्षम प्रशिक्षकों की भी सराहना की। उन्होंने अग्निवीरों के माता-पिता के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने अपने बेटों को भारतीय सेना में शामिल करके देश की सेवा करने के लिए भेजने का साहस किया और उनमें से प्रत्येक को गौरव पदक से सम्मानित भी किया।

पवन कल्याण के घर पर आकर्षण का केंद्र बने अकीरा नंदन

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता से नेता बने और जन सेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण ने 2024 के एपी विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की है। उन्होंने इससे पहले गजुवाका और भीमावरम विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ा था, लेकिन 2019 के विधानसभा चुनाव में दो सीटों पर हार गए थे। लेकिन, इस बार उन्होंने समझदारी से पीटापुरम निर्वाचन क्षेत्र को चुना।

अपने गठबंधन सहयोगी प्रभारी वर्मा के साथ प्रचार करने वाले पवन कल्याण ने 50,000 से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की। पवन कल्याण के प्रशंसक बड़ी संख्या में हैदराबाद में उनके आवास पर गए और उन्हें शुभकामनाएं देने की कोशिश की। हालांकि, पवन कल्याण अपने आवास पर उपलब्ध नहीं थे। लेकिन उनके बेटे अकीरा नंदन और पत्नी अन्ना लेज़िनोवा ने सभी प्रशंसकों का अभिवादन किया। अकीरा नंदन अपने पिता से मिलने आए सभी लोगों का अभिनंदन करते नजर आए। उन्होंने अपने पिता के प्रति उनके प्यार के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। अन्ना लेज़िनोवा ने भी अपने आवास पर आए सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया।

बलात्कार के आरोपी को 10 साल की जेल

कुमराम भीम आसिफाबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद की एक अदालत ने चार साल पहले एक लड़की के साथ बलात्कार करने के जुर्म में एक व्यक्ति को मंगलवार को 10 साल कैद की सजा सुनाई और 6,500 रुपये का जुर्माना लगाया। जिला सत्र न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश एमवी रमेश ने रेबेना मंडल के रोलापहाड़ के रेबेना सुधाकर को 2020 में शादी करने की आड़ में थंडूर मंडल के गोपालनगर की एक लड़की के साथ बलात्कार करने का दोषी पाते हुए सजा और जुर्माना सुनाया। पुलिस अधीक्षक के सुरेश कुमार ने सजा सुनिश्चित करने के लिए आसिफाबाद के डीएसपी पी सदाय्या, रेबेना के इंस्पेक्टर चिट्टीबाबू, रेबेना के सब-इंस्पेक्टर डी चंद्रशेखर और कोर्ट ड्यूटी ऑफिसर राम सिंह की सराहना की।

मृगशिरा के अवसर पर
शुद्ध शाकाहारी दमा निवारण
निःशुल्क चिकित्सा शिविर
39th years Excellence & Commitment Since 1986
शनिवार दि.8 जून 2024 – प्रातः 11 बजे से सायं 6 बजे तक
आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति द्वारा पिछले 39 वर्षों से दमा पीड़ितों के लिए शुद्ध शाकाहारी दमा निवारण दवा द्वारा चिकित्सा की जा रही है। अभी तक लाखों दमा पीड़ित इससे लाभांवित हो चुके है।
Free Pure Vegetarian Treatment Camp for Asthma Patients by
AYURVEDA SERVICES
4-2-515, Behind Badi Chowdi Police Station, Sultan Bazar, Koti, Hyderabad
Mobile : 9849214309, 9394550552, 9966688055 Clinic Phone : 040-24750552

THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
HEAD OFFICE : 15-2-391/392/1, SIDDIAMBER BAZAR, HYDERABAD - 500 012
Email : info@agrasenbank.in Website : www.agrasenbank.in
Estd. 1998

NOTICE

SHIFTING OF SIDDIAMBER BAZAR BRANCH

By virtue of this notice, all customers of **The Agrasen Co-operative Urban Bank Ltd.,** Siddiamber Bazar Branch are hereby informed that the branch will be relocated to its new adjacent premises at Siddiamber Bazar, Hyderabad on Saturday, 08-06-2024.

Name of the Branch	Existing Address	New Address
Siddiamber Bazar Branch	M.No.15-2-391/392/1, Siddiamber Bazar, Hyderabad - 500 012 TG Phone Number : 24736228	M.No.15-2-398, Siddiamber Bazar, Hyderabad - 500 012 TG Phone Number : 24736228

Date : 05-06-2024
Place : Hyderabad

Sd/-
General Manager / CEO

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.